THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 6 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख कृ.5 2083 मंगलवार, 7 अप्रैल-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ❊ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

पूर्व विधायक कुलदीप सेंगर को नहीं राहत

नई दिल्ली, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। उन्नाव दुष्कर्म मामले में पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर की मुश्किलें कम होती नहीं दिख रही हैं। मामले में उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को इस मामले की सुनवाई टाल दी है। अब अदालत मई के पहले सप्ताह में इस पर विचार करेगी। यह सुनवाई केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की उस याचिका पर होनी थी, जिसमें दिल्ली उच्च न्यायालय के एक फैसले को चुनौती दी गई है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सेंगर की उम्रकैद की सजा को निलंबित करने का आदेश दिया था। मुख्य न्यायाधीश और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की पीठ ने स्पष्ट किया कि अभी नौ न्यायाधीशों की बेंच सबरीमाला मामले की सुनवाई कर रही है।

ईरान ने ठुकराया युद्धविराम प्रस्ताव

> हमले जारी रहने तक नहीं होगी सीधी बातचीत

तेहरान, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष थमने का नाम नहीं ले रहा है। एक तरफ अमेरिका की ओर से सैन्य कार्रवाई की चेतावनियां मिल रही हैं, तो दूसरी ओर ईरान खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी संपत्तियों को निशाना बना रहा है। इस बीच, ईरान ने सोमवार को कहा कि उसने मध्यस्थों की ओर पेश किए गए प्रस्तावों अपना जवाब तैयार कर लिया है।

'जरूरत पड़ने पर हम अपनी पूरी ताकत से अपने देश की रक्षा करेंगे। जब तक अमेरिका और इस्राइल हमले तेज करते रहेंगे, हम सीधी वार्ता में शामिल नहीं होंगे। धमकियों के साथ बातचीत नहीं हो सकती है। किसी भी समझौते को स्वीकार तभी किया जाएगा, जब वे ईरान की राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में होंगे।

इस्माइल बगाई, ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता

हालांकि, उसने यह भी कहा कि जब तक अमेरिका व इस्राइल हमले तेज करते रहेंगे, वह सीधी वार्ता में शामिल नहीं होगा। ईरानी विदेश मंत्रालय ने कहा, अमेरिका का 15 सूत्रीय प्रस्ताव अत्यधिक मांगों वाला है। हमने अपनी मांगों का एक अलग सेट तैयार कर लिया है और उसे औपचारिक रूप दे दिया है। इस संभावना को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है कि इस्फहान में पायलट बचाव अभियान केवल एक छल-कपट था, जिसका मकसद ईरान के संवर्धित यूरेनियम को जब्त करना था। यह युद्धविराम विरोधी पक्ष को फिर से संगठित होने और अपनी कार्रवाई जारी रखने का मौका दे सकता है। मंत्रालय ने कहा, ओमान के साथ बातचीत का फोकस होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिये जहाजों के सुरक्षित मार्ग के लिए एक प्रोटोकॉल बनाने पर है। तेहरान में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बगाई ने कहा कि जरूरत पड़ने पर तेहरान 'अपनी पूरी ताक़त' से अपने देश की रक्षा करेगा। उन्होंने अमेरिका और इस्राइल पर आरोप लगाया कि उनकी 'कोई रेड लाइन नहीं है' और वे अंतरराष्ट्रीय कानूनों की अनदेखी करते हैं।

ईरान की सबसे बड़ी गैस फील्ड पर इजराइली हमला

तेहरान, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। इजराइल ने सोमवार को ईरान की साउथ पार्स गैस फील्ड पर फिर से मिसाइल हमला किया। यह दुनिया की सबसे बड़ी गैस फील्ड है, जो ईरान और कतर के बीच फैली हुई है।

इससे पहले इजराइल ने 18 मार्च को भी इस गैस फील्ड पर हमला किया था। तब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा था कि उन्हें इस हमले की कोई जानकारी नहीं थी। ट्रम्प ने ये भी कहा था कि इस तरह के और हमले नहीं होने चाहिए।

तमिलनाडु में 9 पुलिसकर्मियों को फांसी

6 साल पहले बाप-बेटे की हिरासत में मौत हुई थी

चेन्नई, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। तमिलनाडु की मदुरै सेशन कोर्ट ने सोमवार को बाप-बेटे की सथानकुलम कस्टोडियल डेथ केस में 9 पुलिसकर्मियों को मौत की सजा सुनाई। कोर्ट ने इसे 'रेयरेस्ट ऑफ रेयर' बताया। कहा कि अत्यधिक बर्बरता और सत्ता के दुरुपयोग का मामला बताया।

कोर्ट ने सभी दोषियों को मृतकों के परिजन को 1 करोड़ 40 लाख रुपए मुआवजा देने को कहा। यह मामला 2020 का है। छह साल तक सुनवाई चली। इस मामले में कुल 10 आरोपी थे। एक की कोविड के दौरान मौत हो गई।

दरअसल,19 जून 2020 को पुलिस ने मोबाइल कारोबारी पी. जयराज (59) और उनके बेटे जे. बेनिक्स (31) को हिरासत में लिया था। आरोप था कि उन्होंने लॉकडाउन के दौरान दुकान खुली रखी थी। दोनों को सथानकुलम पुलिस स्टेशन ले जाया गया। वहां से न्यायिक हिरासत में भेजा गया, जहां कुछ ही दिनों में उनकी मौत हो गई। परिजनों ने आरोप लगाया कि दोनों के साथ थाने में रातभर मारपीट की गई। उनके शरीर पर गंभीर चोट और खून बहने के निशान थे। मद्रास हाईकोर्ट के निर्देश पर राज्य की सीबी-सीआईडी से लेकर सीबीआई को सौंपी गई थी। एजेंसी ने एक इंस्पेक्टर, दो सब-इंस्पेक्टर और अन्य पुलिसकर्मियों समेत 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया था। जांच के दौरान एक महिला कांस्टेबल ने बयान दिया कि पिता-पुत्र को पूरी रात पीटा गया था। थाने में टेबल और लाठियों पर खून के निशान थे। यह गवाही मामले में अहम सबूत बनी।

फर्स्ट एडिशनल डिस्ट्रिक्ट एंड सेशंस जज जी. मुथुकुमारन ने सीबीआई की दलील को माना कि हिरासत में दोनों को योजनाबद्ध तरह से टॉर्चर किया गया।

इसलिए अधिकतम सजा दी गई। हालांकि जांच में यह भी सामने आया कि सथानकुलम थाने का सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित नहीं रखा गया। रिकॉर्डिंग रोजाना अपने आप डिलीट हो जाती थी, जिससे महत्वपूर्ण सबूत नहीं मिल पाए।

शराब घोटाला मामला : अरविंद केजरीवाल की याचिका पर सीबीआई को नोटिस

नई दिल्ली, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने अदालत में अपना पक्ष खुद रखने की बात कही है। उन्होंने केंद्रीय जांच ब्यूरो की एक याचिका पर सुनवाई कर रहे जज को बदलने की मांग की है। मामले की सुनवाई 13 अप्रैल को होगी। इस संबंध में केजरीवाल ने अदालत में एक नई याचिका दाखिल की।

केजरीवाल की इस याचिका पर अदालत ने केंद्रीय जांच ब्यूरो को नोटिस जारी किया है। यह नोटिस जज बदले जाने की मांग से संबंधित है। केजरीवाल ने अदालत में स्पष्ट किया है कि वह अपने मामले की पैरवी स्वयं करेंगे। उन्होंने केंद्रीय जांच ब्यूरो की मूल याचिका पर हो रही सुनवाई के दौरान जज को बदलने की मांग की है।

केजरीवाल का मानना है कि जज का बदला जाना न्याय प्रक्रिया के लिए आवश्यक है। उन्होंने अपनी याचिका में इस बदलाव के पीछे के कारणों का भी उल्लेख किया है। अदालत ने इस संवेदनशील मुद्दे पर केंद्रीय जांच ब्यूरो से जवाब मांगा है। यह घटनाक्रम मामले की न्यायिक कार्यवाही में एक महत्वपूर्ण मोड़ लेकर आया है। यह मामला केंद्रीय जांच ब्यूरो की उस अपील से संबंधित था। अपील में ट्रायल कोर्ट द्वारा केजरीवाल, मनीष सिसोदिया समेत अन्य आरोपियों को दी गई राहत को चुनौती दी गई थी। इससे पहले, केजरीवाल ने मुख्य न्यायाधीश डी.के उपाध्याय के समक्ष मामले को किसी अन्य न्यायाधीश को स्थानांतरित करने की मांग की थी।

'कांग्रेस ने वही गीत गाया जो पाकिस्तान ने लिखा'

> असम में ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र कर गरजे पीएम मोदी

गुवाहाटी, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को असम के बारपेटा जिले के भबानीपुर-सरभोग में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस हमेशा से पड़ोसी देश पाकिस्तान की धुन पर नाचती रही है, जिससे राष्ट्र की सुरक्षा से समझौता होता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जहां उनकी सरकार ने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसे साहसिक कदम उठाए हैं, वहीं कांग्रेस देशहित को दरकिनार कर रही है। प्रधानमंत्री ने विकास के मोर्चे पर भी कांग्रेस को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा

'हमारी सरकार ने पाकिस्तान में स्थित आतंकी ठिकानों के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर चलाया। लेकिन कांग्रेस पड़ोसी देश के सुर में सुर मिलाती रहती है। कांग्रेस वो पार्टी है जो कभी दूरगामी सोच के साथ विकास के काम नहीं करती है।

असम की एक रैली में पीएम मोदी

अल्पकालिक उपायों पर ध्यान केंद्रित किया, ताकि वे भ्रष्टाचार में लिप्त हो सकें। इसके विपरीत, भाजपा राष्ट्र के दीर्घकालिक विकास के लिए काम करती है और समाज के सभी वर्गों के समग्र विकास को सुनिश्चित करती है। प्रधानमंत्री मोदी ने 2016 के सर्जिकल स्ट्राइक और 2025 के 'ऑपरेशन सिंदूर' का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस ने हमेशा पाकिस्तान के एजेंडे को प्राथमिकता दी है। पीएम मोदी ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान कांग्रेस ने वही गीत गाया, जो पाकिस्तान ने लिखा था। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि 'यह पाकिस्तान कनेक्शन हमेशा देश पर भारी पड़ता है और हम ऐसा कभी नहीं होने दे सकते।'

उन्होंने कांग्रेस पर सेना की उपेक्षा करने का भी आरोप लगाया, जो दशकों तक पूर्व सैनिकों के लिए 'वन रैंक, वन पेंशन' (ओआरओपी) को लागू करने से इनकार करती रही। प्रधानमंत्री ने बताया कि भाजपा सरकार ने राष्ट्र की रक्षा करने वालों को यह लाभ देकर न्याय सुनिश्चित किया है, और अब तक पूर्व सैन्य कर्मियों के बैंक खातों में 1.24 लाख करोड़ रुपये वितरित किए जा चुके हैं।

ईरान के खुफिया प्रमुख की मौत

> इजरायल बोला-चुन-चुन कर मार गिराएंगे

नई दिल्ली, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका-इजरायल-ईरान युद्ध को शुरू हुए 38 दिन हो चुके हैं। इस बीच सोमवार को ईरानी राज्य मीडिया ने रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के खुफिया संगठन के प्रमुख माजिद खादेमी की मृत्यु की घोषणा की गई। ईरान के अर्धसैनिक बल रिवोल्यूशनरी गार्ड के खुफिया प्रमुख की सोमवार को एक हमले में मौत हो गई। रिवोल्यूशनरी गार्ड ने इस हमले के लिए अमेरिका और इजरायल को जिम्मेदार ठहराया है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं किया गया कि मेजर जनरल माजिद खादेमी की हत्या कहां और कैसे हुई।

इजरायल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने सोमवार को ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड के खुफिया प्रमुख को मार गिराने की घोषणा की। काट्ज ने कहा, रिवोल्यूशनरी गार्ड नागरिकों पर गोलीबारी कर रहे हैं और हम आतंकवादियों के नेताओं को खत्म कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, ईरान के नेता हमेशा निशाने पर रहने के डर से जी रहे हैं। हम उन्हें एक-एक करके मार गिराते रहेंगे। काट्ज़ ने यह भी बताया कि इजरायल ने ईरान के इस्पात और पेट्रोकेमिकल उद्योगों को भी भारी नुकसान पहुंचाया है।

'सरकार का रवैया कोरोना महामारी जैसा'

राहुल गांधी ने एलपीजी संकट को लेकर केंद्र पर साधा निशाना

नई दिल्ली, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में तनाव चल रहे है। अब इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ रही है। इसी बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एलपीजी गैस संकट से उसी तरह निपटा है, जैसे उन्होंने कोविड-19 महामारी से निपटा था। उन्होंने आगे कहा कि क्योंकि यह नीति से रहित, केवल बड़ी-बड़ी घोषणाओं से भरा है। इसका पूरा बोझ गरीबों पर डाल दिया है।

नीति का अभाव-राहुल गांधी

लोकसभा में विपक्ष के नेता ने सवाल उठाया कि हर संकट में सबसे पहले गरीब ही क्यों मरते हैं? वहीं, लोगों से चुप न रहने का आग्रह किया। राहुल गांधी ने एक्स के एक पोस्ट में कहा, 'मोदी जी ने कहा था 'हम एलपीजी गैस संकट को उसी तरह संभालेंगे जैसे हमने कोविड को संभाला था।' और वास्तव में, उन्होंने ठीक वैसा ही किया। बिल्कुल कोविड की तरह - नीति का अभाव, बड़ी-बड़ी घोषणाओं से भरा हुआ, और सारा बोझ गरीबों पर डाल दिया गया।' उन्होंने कहा कि प्रतिदिन 500-800 रुपये की मजदूरी कमाने वाले प्रवासी मजदूरों के लिए खाना पकाने की गैस पूरी तरह से महंगी हो गई है। उन्होंने कहा कि रात में घर लौट रहे एक मजदूर के पास चूल्हा जलाने के लिए भी पैसे नहीं होते।

मजदूर टूटने की कगार पर-राहुल गांधी

उन्होंने आरोप लगाया कि परिणाम क्या हुआ? शहर छोड़कर गांव भाग जाना। कपड़ा मिलों और कारखानों की रीढ़ की हड्डी माने जाने वाले मजदूर आज खुद टूटने की कगार पर हैं। उन्होंने आगे कहा, वस्त्र क्षेत्र पहले से ही आईसीयू में है। विनिर्माण क्षेत्र सांस लेने के लिए संघर्ष कर रहा है।

और इस संकट की जड़ कहां है? उस कूटनीतिक चूक से-जो वार्ता की मेज पर हुई-जिसे सरकार आज तक स्वीकार करने से इनकार करती है। राहुल गांधी ने मोदी सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि जब अहंकार नीति बन जाता है, तो अर्थव्यवस्था चरमरा जाती है, मजदूर पलायन करने को मजबूर हो जाते हैं, उद्योग बर्बाद हो जाते हैं और पूरा देश दशकों पीछे चला जाता है। उन्होंने आगे कहा, एक ही सवाल बाकी है, हर संकट में सबसे पहले गरीब ही क्यों मरते हैं? चुप मत रहो। यह सिर्फ गरीबों का सवाल नहीं है; यह हम सभी का सवाल है।

यूसीसी और एक देश-एक चुनाव होगा अगला मिशन : पीएम मोदी

भाजपा स्थापना दिवस पर पीएम मोदी ने बताया आगे का प्लान

नई दिल्ली, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को भाजपा के स्थापना दिवस पर पार्टी कार्यकर्ताओं के समर्पण और बलिदान को नमन किया। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने आपातकाल और कांग्रेस के शासनकाल के दमन से लेकर पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में राजनीतिक हिंसा तक हर तरह की कठिनाइयों का सामना किया है, ताकि पार्टी को मजबूत किया जा सके और राष्ट्र की सेवा की जा सके।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, 'देश जानता है, हर चुनौती का सामना करने के लिए भाजपा ईमानदारी से कोशिश कर रही है, आगे भी करेगी। पहले भी सकारात्मक नतीजे मिले हैं और आगे भी मिलेंगे।' पीएम मोदी ने कहा, अंग्रेजों के दौर के सैकड़ों काले कानूनों का अंत, लोकतंत्र के लिए नए संसद भवन का निर्माण, सामान्य समाज के गरीबों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण, कानून बनाकर तीन तलाक पर रोक, सीएए, अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण ऐसे कितने ही काम हैं, जो भाजपा के ईमानदार प्रयासों का नतीजा हैं।' उन्होंने कहा कि हमारा मिशन अभी भी जारी है।

उन्होंने कहा कि समान नागरिक संहिता और एक देश-एक चुनाव ऐसे सभी विषयों पर आज देश में एक गंभीर चर्चा हो रही है। उन्होंने कहा, भाजपा के कार्यकर्ता जनता से जुड़े मुद्दों को उठाने में कभी पीछे नहीं हटते। उन्हें दृढ़ विश्वास था कि वे जो कड़ी मेहनत कर रहे हैं, उससे भारत का भविष्य बेहतर होगा। यही कारण है कि कार्यकर्ताओं ने हर कठिनाई झेली, चाहे वह आपातकाल हो या कांग्रेस के शासन का दमन। कई कार्यकर्ताओं ने तो अपना जीवन भी बलिदान कर दिया।

अजीत जोगी के बेटे अमित जोगी को आजीवन कारावास की सजा

> 23 साल पुराने रामअवतार मर्डर केस में दोषी करार

रायपुर, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी के बेटे अमित जोगी को 2003 में राम अवतार जग्गी की हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी के बेटे और पूर्व विधायक अमित जोगी को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता रामावतार जग्गी की 2003 में हुई हत्या के मामले में दोषी ठहराया और उन्हें उम्रकैद की सजा सुनाई है। साल 2007 में ट्रायल कोर्ट ने उन्हें बरी कर दिया था लेकिन हाई कोर्ट ने उस फैसले को पलट दिया।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद उच्च न्यायालय ने पिछले महीने इस मामले में फिर से सुनवाई शुरू की थी। मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति अरविंद कुमार वर्मा की खंडपीठ ने दो अप्रैल को अमित जोगी को बरी करने के फैसले को रद्द कर दिया तथा उन्हें दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई। आदेश की प्रति सोमवार को उच्च न्यायालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई। उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में कहा है हमारी यह सुविचारित राय है कि निचली अदालत द्वारा आरोपी-अमित जोगी को बरी करते हुए दिया गया फैसला स्पष्ट रूप से गैर-कानूनी, गलत, विकृत, रिकॉर्ड पर उपलब्ध सबूतों के विपरीत और बिना किसी ठोस आधार के है। आदेश में कहा गया है कि आरोपी-अमित जोगी को बरी करने के संबंध में माननीय विशेष न्यायाधीश (अत्याचार), रायपुर द्वारा दिया गया फैसला, रद्द किया जाता है। आदेश के अनुसार, आरोपी-अमित जोगी को भी दोषी ठहरा कर वही सज़ा देना चाहिए जो अन्य दोषियों, यानी चिमन सिंह, याह्या ढेबर, अभय गोयल और फिरोज सिद्दीकी को दी गई है।

आदेश में कहा गया है, आरोपी-अमित जोगी उर्फ अमित ऐश्वर्या जोगी को दोषी ठहराया जाता है और आईपीसी की धारा 120-बी के साथ पढ़ी जाने वाली धारा 302 के तहत दंडनीय अपराध के लिए दोषी घोषित ठहराया जाता है। उसे आजीवन कारावास और एक हजार रुपये के जुर्माने की सजा दी जाती है, और जुर्माना न देने पर, उसे छह महीने का अतिरिक्त कठोर कारावास भुगतना होगा।

थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने का मामला

'आज अदालत में हाजिर रहें केंद्रीय गृह सचिव', सुप्रीम कोर्ट का निर्देश

नई दिल्ली, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय गृह सचिव को मंगलवार को अदालत में पेश होने को कहा है, ताकि थानों में सीसीटीवी लगाने की योजना पर सही तरीके से काम हो सके। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने आज यह आदेश दिया। कोर्ट थानों में सीसीटीवी की कमी पर स्वत: संज्ञान मामले की सुनवाई कर रही थी।

सुनवाई के दौरान बेंच ने केंद्र की ओर से पेश वकील से हाल में आई एक मीडिया रिपोर्ट के बारे में पूछा। इस रिपोर्ट में बताया गया था कि एक चीनी कंपनी के बनाए हुए सीसीटीवी कैमरे कई जगह से सुरक्षा कारणों से हटा जा रहे हैं। रिपोर्ट का हवाला देते हुए जस्टिस मेहता ने कहा कि सरकार ने खुद ही निर्देश दिए हैं कि पड़ोसी देश से आए कैमरों को हटाया जाए, क्योंकि वे डाटा रिकॉर्ड करके उसी देश में भेज रहे हैं। बेंच ने पाया, सरकार ने विशेष कैमरों को हटाने के निर्देश जारी किए हैं। केंद्र सरकार की ओर पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल राजा ठाकरे ने कहा, इस संबंध में अभी तक कोई औपचारिक आदेश पारित नहीं किया गया है। वरिष्ठ वकील इस मामले में न्यायमित्र (एमिकस क्यूरी) नियुक्त हैं। उन्होंने बेंच को बताया कि अधिकांश राज्यों ने सीसीटीवी कैमरे लगाए हैं और वे केंद्रीकृत डैशबोर्ड बनाने की प्रक्रिया में हैं। जब दवे ने कहा, केरल में सबसे अच्छी व्यवस्था है, तो जस्टिस विक्रम नाथ ने कहा, अगर आप कह रहे हैं कि केरल में सबसे अच्छी व्यवस्था है, तो अन्य राज्य इसका अनुसरण क्यों नहीं कर सकते? बेंच ने कहा, इस पर अधिकारियों को चर्चा करनी चाहिए। एएसजी ठाकरे ने कहा, 60 फीसदी निधि केंद्र सरकार की ओर से दी जाती है।

मालदा घटना पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

हाईकोर्ट सीजे का फोन न उठाने पर मुख्य सचिव को लगाई फटकार, कहा-माफी मांगो

नई दिल्ली, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में न्यायिक अधिकारियों के घेराव की घटना को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने राज्य के मुख्य सचिव को कड़ी फटकार लगाई। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल पुलिस को मालदा के मामले से जुड़े दस्तावेज एनआईए को सौंपने का निर्देश दिया और कहा कि स्थानीय पुलिस पर भरोसा नहीं किया जा सकता।

एनआईए करेगी पूछताछ

सुप्रीम कोर्ट ने अपने विशेष अधिकार अनुच्छेद 142 का इस्तेमाल करते हुए मालदा की घटना से जुड़े सभी मामलों की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंप दी है। कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि इस मामले में पश्चिम बंगाल पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए 26 लोगों से अब एनआईए पूछताछ करेगी।

बंगाल एसआईआर : सुप्रीम कोर्ट ने मतदाता सूची अपडेट करने के लिए तय की एक दिन की समय सीमा

नई दिल्ली, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। शीर्ष कोर्ट ने अपने आदेश में कहा, हमने न्यायाधिकरणों से अनुरोध किया है कि वे पूरी दस्तावेजी प्रक्रिया को फिर से देखें, जिसमें न्यायिक अधिकारियों की ओर से दिए गए कारण भी शामिल हैं, ताकि किसी भी तरह के संदेह को दूर किया जा सके। कोर्ट ने यह भी कहा, हमने उनसे अनुरोध किया है कि पक्षों की निष्पक्ष सुनवाई की जाए।

निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने आज सुप्रीम कोर्ट को बताया कि पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची से हटाए गए लोगों के दावों और आपत्तियों पर न्यायिक अधिकारियों ने अब तक 59 लाख से अधिक मामलों का निपटारा कर दिया है। आयोग ने कोर्ट को बताया कि बाकी बचे दावों और आपत्तियों पर दिन में फैसला किया जाएगा, ताकि सभी मामलों का निपटारा समय पर हो सके। आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि शेष मतदाताओं की पूरक सूची आज रात प्रकाशित की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने उस पत्र का हवाला दिया, जो कलकत्ता हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस ने भेजा था। इस पत्र में बताया गया कि हटाए गए 60 लाख मतदाताओं के दावों पर लगातार काम चल रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि मालदा जिले में लगभग आठ लाख दावों का निपटारा कर दिया गया है। कोर्ट ने इस प्रगति पर संतोष जताया और कहा कि शेष मामलों का निपटारा भी जल्द पूरा होना चाहिए। मालदा में कुछ समय पहले विरोध के दौरान जजों को घेर लिया गया था।

सीएम ममता बनर्जी के वकील ने कोर्ट को क्या बताया?

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के वकील ने शीर्ष कोर्ट को बताया कि हटाए गए मतदाताओं के खिलाफ अपील सुनने के लिए बनाए गए 19 न्यायाधिकरण अभी कामकाज के लिए चालू नहीं हुए हैं। चीफ जस्टिस (सीजेआई) सूर्य कांत ने कहा, ऐसा माहौल बनाना चाहिए, ताकि न्यायाधिकरण अपने फैसलों को तेज गति से निपटा सकें।

अरुणाचल सीएम पेमा खांडू के परिवार से जुड़े ठेकों की सीबीआई करेगी जांच : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को अरुणाचल प्रदेश में सरकारी ठेकों में कथित गड़बड़ियों की जांच के लिए प्रारंभिक जांच शुरू करने का निर्देश दिया है। यह मामला खासतौर पर उन आरोपों से जुड़ा है, जिनमें मुख्यमंत्री पेमा खांडू के परिवार से जुड़े लोगों को ठेके दिए जाने की बात कही गई है। यह आदेश सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की बेंच जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एनवी अंजारिया ने दिया।

कोर्ट ने साफ कहा कि सीबीआई दो हफ्तों के अंदर प्रारंभिक जांच दर्ज करे और कानून के मुताबिक आगे की कार्रवाई करे। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि जांच का दायरा 1 जनवरी 2015 से 31 दिसंबर 2025 के बीच दिए गए सरकारी ठेकों, वर्क ऑर्डर और उनके क्रियान्वयन तक रहेगा। हालांकि, अगर जरूरत पड़ी तो सीबीआई इस समय सीमा के बाहर के लेन-देन को भी देख सकती है, खासकर यह समझने के लिए कि असली लाभार्थी कौन हैं, किन-किन लोगों के बीच संबंध हैं और पैसे का प्रवाह कैसे हुआ।

यह मामला दो गैर-सरकारी संगठनों सेव मोन रीजन फेडरेशन और वॉलंटरी अरुणाचल सेना की ओर से दायर जनहित याचिका (पीआईएल) के जरिए सामने आया था। याचिका में आरोप लगाया गया था कि करीब 1270 करोड़ रुपये के सरकारी ठेके ऐसे लोगों को दिए गए, जो मुख्यमंत्री के परिवार से जुड़े हैं। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि कई ठेके नियमों को दरकिनार करके दिए गए। उन्होंने आरोप लगाया कि कई मामलों में खुले टेंडर की प्रक्रिया को अपनाया ही नहीं गया, जो कि पारदर्शिता के खिलाफ है। कोर्ट ने सीबीआई को यह भी निर्देश दिया है कि वह टेंडर प्रक्रिया, मंजूरी देने के तरीके, ओपन टेंडर से छूट देने के कारण और कानूनी नियमों के पालन की पूरी जांच करे।

केजरीवाल के किराए के वादे पर हाईकोर्ट ने आदेश पलटा

> मीडिया में दिया बयान लागू करवाने लायक नहीं > अब मौजूदा सरकार तय करे

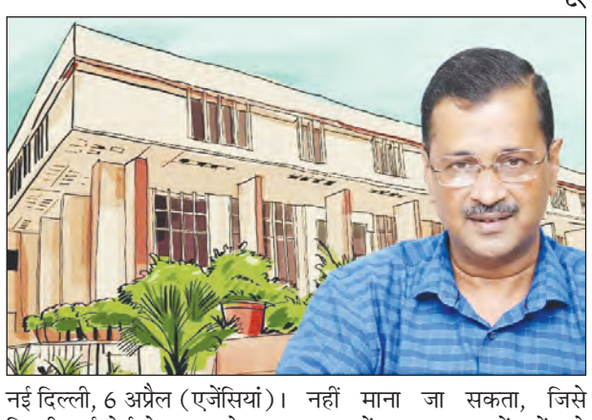

नई दिल्ली, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने 2021 के एक सिंगल जज के आदेश को पलट दिया है। उस आदेश में कहा गया था कि कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गरीबों के किराए का भुगतान करने की घोषणा कानूनी तौर पर लागू करने लायक थी। जस्टिस सी हरि शंकर और जस्टिस ओम प्रकाश शुक्ला की डिवीजन बेंच ने कहा कि प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिए गए बयान को कानूनी वादा नहीं माना जा सकता, जिसे अदालतें लागू करवा सकें। बेंच ने जोर देकर कहा कि कोई भी 'रिट ऑफ मैंडमस' (आदेश जारी करने का अधिकार) सरकार को ऐसे वादे को लागू करने के लिए मजबूर नहीं कर सकता।

कोर्ट का आदेश 3 पॉइंट्स में...

29 मार्च 2020 को मुख्यमंत्री की घोषणा को लागू करने की मांग कानून की नजर में सही नहीं है, और इसलिए इसे खारिज किया जाता है। यह वादा किसी भी सरकारी आदेश का हिस्सा नहीं था, यहां तक कि उसी दिन जारी किए गए दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) के आदेश का भी नहीं। इस आदेश को कभी चुनौती भी नहीं दी गई थी।

हालांकि मकान मालिक प्रवासी किराएदारों से उस समय का किराया नहीं मांग सकते, जब वे कोविड-19 लॉकडाउन के कारण अपने किराए के घरों से बाहर नहीं निकल पा रहे थे। यह राहत सिर्फ लॉकडाउन के लिए है, और उसके बाद लागू नहीं होगी।

हाईकोर्ट बोला-दिल्ली सरकार फैसला लेने के लिए स्वतंत्र है

हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान यह भी कहा कि दिल्ली सरकार इस बारे में कोई भी नीतिगत फैसला लेने के लिए स्वतंत्र है कि वह किराए का भुगतान करके किराएदारों की मदद करना चाहती है या नहीं, लेकिन अदालत सरकार को ऐसा करने के लिए मजबूर नहीं कर सकती। अदालत ने आगे कहा कि ऐसे वादे के वित्तीय और व्यावहारिक असर के बारे में कुछ भी साफ नहीं है, और ऐसा लगता है कि यह बयान किसी आपातकालीन स्थिति में दिया गया था।

सिंगल जज बेंच ने क्या आदेश दिया था

मामला 22 जुलाई 2021 को एक सिंगल जज के आदेश से जुड़ा है। उस आदेश में कहा गया था कि मुख्यमंत्री के वादे को लागू करवाया जा सकता है। साथ ही बेंच ने सरकार एक तय समय-सीमा के भीतर इस पर कोई नीति बनाने का निर्देश दिया गया था।

यह आदेश 5 दिहाड़ी मजदूरों की तरफ से दायर एक याचिका पर दिया गया था। ये मजदूर लॉकडाउन के दौरान अपने किराए का भुगतान करने में असमर्थ थे और चाहते थे कि सरकार मुख्यमंत्री की ओर से की गई घोषणा को पूरा करे।

दिल्ली सरकार ने कोर्ट में कहा था-हमने अपील की थी, वादा नहीं

दिल्ली सरकार ने सिंगल जज बेंच के आदेश को चुनौती देते हुए कहा था कि यह बयान मकान मालिकों से सिर्फ एक अपील थी कि वे किराएदारों पर किराया देने का दबाव न डालें, न कि कोई पक्का वादा। सरकार ने दलील दी कि उसने तो सिर्फ इतना कहा था कि अगर जरूरत पड़ी, तो वह इस मामले पर विचार करेगी। इससे पहले, 27 सितंबर 2021 को डिवीजन बेंच ने सिंगल-जज के आदेश पर रोक लगा दी थी, यह कहते हुए कि इसे लागू करने से सरकार के लिए गंभीर समस्याएं पैदा हो सकती हैं। इस अंतिम फैसले के साथ हाईकोर्ट ने अब पिछले आदेश को रद्द कर दिया है और अपील का निपटारा कर दिया है, जिसमें खर्चों के संबंध में कोई आदेश नहीं दिया गया है।

बम जैसी कोई चीज नहीं मिली

दिल्ली विधानसभा का गेट तोड़ने वाली कार बरामद, आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा का गेट नंबर-2 तोड़कर अंदर घुसी टाटा सिएरा कार को दिल्ली पुलिस ने बरामद कर लिया है। राहत की बात है कि कोई बम जैसी चीज नहीं मिली। दिल्ली पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू कर दी है। दिल्ली पुलिस कमिश्नर सतीश गोलचा भी दिल्ली विधानसभा पहुंचे और मामले की जांच कर रहे अधिकारियों से बात की। यूपी रजिस्ट्रेशन नंबर वाली एक टाटा सिएरा कार दिल्ली असेंबली के गेट नंबर 2 को तोड़करअंदर घुस गई। कार से एक आदमी बाहर निकला, गुलदस्ता रखा और चला गया। विआईपी गेट पर सुरक्षा के लिए सीआरपीएफ तैनात थी। बम जैसी कोई चीज नहीं मिली। दिल्ली पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और कार बरामद कर ली। अधिकारी इस घटना को सुरक्षा में एक गंभीर चूक मान रहे हैं।

खबरें जरा हटके

यूएई, जहां स्कूल-कॉलेज सब मुफ्त सरकार उठाती है शादी का खर्च

महंगाई और महंगे खर्चों के इस दौर में अगर कोई देश ऐसा हो जहां जन्म लेने पर ही सरकार आपके स्कूल-कॉलेज का खर्चा उठाए, शादी का बोझ कम करे और घर बनाने के लिए फ्री जमीन दे दे तो वहां हर इंसान जन्म लेना चाहेगा. संयुक्त अरब अमीरात ठीक ऐसा ही देश है जहां एमिराती नागरिकों को सरकार की ओर से ढेर सारे बेनिफिट्स दिए जाते हैं. अगर आप इस देश के नागरिक के तौर पर पैदा हुए हैं, तो आपको अपनी लाइफ के बारे में ज्यादा सोचने की जरुरत नहीं है. इस देश की सरकार अपने नागरिकों को इतने बेनिफिट्स देती है कि उन्हें ज्यादा टेंशन नहीं लेनी पड़ती। यूएई में एमिराती नागरिकों के लिए शिक्षा पूरी तरह मुफ्त है. किंडरगार्टन से लेकर यूनिवर्सिटी तक की पढ़ाई सरकारी स्कूलों और यूनिवर्सिटीज में फ्री है. इसमें जायद यूनिवर्सिटी, यूएई यूनिवर्सिटी जैसी टॉप संस्थाएं शामिल हैं.

अगर कोई मेरिटोरियस छात्र विदेश में पढ़ना चाहे तो सरकार स्कॉलरशिप भी देती है जिसमें ट्यूशन, रहने का खर्चा, टिकट और अन्य सुविधाएं शामिल होती हैं. शादी के मामले में भी यूएई सरकार युवाओं का साथ देती है. शेख जायद मैरिज फंड के तहत पहली बार शादी करने वाले एमिराती पुरुष को 70,000 दिरहम (लगभग 16 लाख रुपये) का वन-टाइम मैरिज ग्रांट मिलता है. यह राशि शादी के खर्चे और शुरुआती घरेलू सामान के लिए दी जाती है. 2026 में भी सरकार ने 3000 ऐसे ग्रांट्स के लिए 209 मिलियन दिरहम आवंटित किए हैं. कुछ अमीराती परिवारों और बिजनेसमैन भी अतिरिक्त सपोर्ट देते हैं। शादी के बाद सबसे बड़ा बेनिफिट हाउसिंग है. कम आय वाले नवविवाहित जोड़ों को सरकार फ्री रेसिडेंशियल प्लॉट (जमीन) देती है. अगर परिवार की मासिक आय कुछ हद तक कम है तो घर बनाने के लिए ग्रांट और जीरो इंटरेस्ट लोन भी उपलब्ध है. अबू धाबी में नवविवाहितों के लिए 75,000 दिरहम तक का रेंटल असिस्टेंस भी दिया जाता है.

समुद्र किनारे महिला ने जिसे समझा सूखा पत्ता, हाथ में उठाते ही बाहर निकला नन्हा चेहरा, नजारा देख उड़े होश!

समुद्र किनारे टहलते हुए हमें अक्सर कई ऐसी चीजें मिलती हैं, जिन्हें हम कचरा या सूखा पत्ता समझकर नजरअंदाज कर देते हैं. लेकिन फ्लोरिडा के एक बीच पर वाइलडलाइफ फोटोग्राफर ब्रायना वार्नर के साथ जो हुआ, उसने पूरी दुनिया को हैरान कर दिया है. दरअसल, ब्रायना वार्नर और उनके बॉयफ्रेंड फ्लोरिडा के पास-ए-ग्रिल बीच पर घूमने गए थे, जहां हाल ही में खराब मौसम के बाद समुद्र ने काफी सारा मलबा किनारे पर धकेल दिया था. वहां पर उन्हें एक सूखा पत्ता दिखा, जो थोड़ा अजीब था. ऐसे में ब्रायना ने उसे हाथ में उठा लिया, लेकिन तभी अचानक उसके भीतर से एक नन्हीं सी आंख और मुंह बाहर निकल आया. अगले ही पल उन्हें अहसास हुआ कि यह कोई साधारण पत्ता नहीं, बल्कि समुद्री जीव का अंडा था, जिसके भीतर एक नन्हीं जान अपनी जिंदगी की पहली सांस लेने के लिए छटपटा रही थी.

बता दें कि खराब मौसम के बाद समुद्र से बाहर आए मलबे की जांच करने के लिए ब्रायना वहां गई थीं, तब उनकी नजर एक अजीबोगरीब चीज पर पड़ी जो बिल्कुल सूखे पत्ते जैसी दिख रही थी. ब्रायना ने जैसे ही उसे उठाया, उन्हें महसूस हुआ कि इसकी बनावट कुछ अलग है. ब्रायना ने कहा कि मैं बस उसे एकटक देख रही थी और मुझे लगा कि इसका आकार बहुत ही अजीब है. फिर गौर से देखने पर उन्हें एहसास हुआ कि यह दरअसल एक मर्मेड पर्स है. मर्मेड पर्स उन सुरक्षा कवच या केसिंग को कहा जाता है जो शार्क, स्टिंगरे और स्केट जैसी मछलियों के अंडों के चारों ओर होते हैं. आमतौर पर जब ये किनारे पर मिलते हैं, तो खाली होते हैं, क्योंकि बच्चे पहले ही निकल चुके होते हैं. ब्रायना को उम्मीद नहीं थी कि इस सूखे पड़े कवच के अंदर कोई जान बची होगी. लेकिन जब उन्होंने इसे धूप की रोशनी के सामने रखकर देखा, तो वह दंग रह गईं.

पिरामिड के अंदर होता है ऐसा नजारा, सच्चाई छिपाते हैं ज्यादातर लोग, टूरिस्ट ने कर दिया खुलासा!

मिस्र के पिरामिड दुनिया के सात अजूबों में से एक हैं. गीज़ा के महान पिरामिड (खुफू का पिरामिड) को देखकर हर पर्यटक का दिल धड़क उठता है. लेकिन अंदर घुसने के बाद ज्यादातर पर्यटक निराश हो जाते हैं. सोशल मीडिया पर कई पर्यटक अपनी कहानियां शेयर कर रहे हैं जिसमें उन्होंने बताया कि असल में इन पिरामिड्स के अंदर क्या है. जिस पिरामिड के अंदर जाने के लिए महंगे टिकट्स लगते हैं, उसके अंदर घुसते ही आपका दम घुटने लगेगा. बड़ी उम्मीदों के साथ घुटन को बर्दाश्त करते हुए जब आप और अंदर जायेंगे तो हाथ लगेगी सिर्फ और सिर्फ निराशा

ग्रैट पिरामिड ऑफ गिजा के अंदर मुख्य रूप से तीन कमरे हैं–किंग्स चैंबर, क्वीन्स चैंबर और एक अधूरा सब्सटेरेनियन चैंबर। किंग्स चैंबर में एक बड़ा खाली ग्रेनाइट सरकोफैगस (ताबूत) रखा है, जिसमें कभी फाराओ खुफू की ममी रखी गई थी. दीवारें सादी ग्रेनाइट ब्लॉक्स से बनी हैं. कोई भव्य चित्रकारी, कोई सोने-चांदी का खजाना या कोई जादुई चीज नहीं है. पर्यटकों को अंदर जाने के लिए अतिरिक्त टिकट लेना पड़ता है. अंदर पहुंचने के लिए संकरी, ऊपर की ओर झुकी हुई सुरंगों से गुजरना पड़ता है. कई जगहों पर झुककर चलना पड़ता है. अंदर हवा कम, गर्मी और नमी ज्यादा होती है. कई लोग क्लॉस्ट्रोफोबिया (संकीर्ण जगह का डर) महसूस करते हैं और बेहोश होने जैसा अनुभव करते हैं। ट्रैवल एजेंट और गाइड अक्सर पिरामिड को रहस्यमयी और रोमांचक बताते हैं ताकि पर्यटक अंदर जाने का टिकट खरीदें. फिल्मों और किताबों में पिरामिड को खजानों और ममी से भरा दिखाया जाता है, जबकि हकीकत यह है कि सदियों पहले लुटेरों ने ज्यादातर खजाना लूट लिया था.

'देश की समृद्धि और सुरक्षा ही व्यक्तिगत प्रगति की कुंजी'

कोच्चि में बोले आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत

कोच्चि, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने सोमवार को कहा कि व्यक्तिगत समृद्धि केवल तभी प्राप्त की जा सकती है, जब देश समृद्ध और सुरक्षित हो। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण के लिए व्यक्तिगत प्रगति को देश की प्रगति से जोड़ना आवश्यक है। आरएसएस प्रमुख ने यह बात कोच्चि में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से संबद्ध छात्रों के सांस्कृतिक संगठन बालागोकुलम के दो दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए कही।

राष्ट्र निर्माण में व्यक्तिगत भूमिका

मोहन भागवत ने जोर देकर कहा कि समृद्धि और सुरक्षा को अलग-अलग हासिल नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा, जब देश समृद्ध और सुरक्षित होता है, तभी परिवार भी समृद्धि और सुरक्षा प्राप्त करते हैं। जब व्यक्ति राष्ट्र की समृद्धि और सुरक्षा के लिए काम करते हैं, तो वे स्वयं भी समृद्ध होते हैं। उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि लोगों को अक्सर राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। युवाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत करियर विकास और देश के विकास के लिए काम करने के बीच चयन को लेकर अक्सर भ्रम की स्थिति रहती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि करियर निर्माण और राष्ट्र के लिए काम करना परस्पर विरोधी नहीं हैं। उन्होंने कहा, इसमें कोई भ्रम नहीं होना चाहिए, क्योंकि करियर बनाना और राष्ट्र के लिए काम करना विरोधाभासी नहीं हैं।

सिक्किम में बर्फबारी-भूस्खलन 1500 टूरिस्ट फंसे

16 राज्यों में आंधी-बारिश का अलर्ट

शिमला, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। सिक्किम के मंगन जिले में लाचेन-चुंगथांग रोड पर तेज बारिश और बर्फबारी हुई। इसके कारण लैंडस्लाइड भी हुआ और सड़क में बड़ी-बड़ी दरारें आ गईं। यहां 1500 टूरिस्ट फंसे हैं। यहां आज सुबह से ही पर्यटकों का रेस्क्यू जारी है। इधर, वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के असर से उत्तर भारत के मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। उत्तराखंड के उत्तरकाशी में यमुनोत्री धाम समेत 3 जिलों में रविवार को बर्फबारी हुई। वहीं 6 जिलों में बारिश के साथ ओले गिरे। हिमाचल प्रदेश के लाहौल स्पीति के ऊंचे इलाकों में भी बर्फबारी हुई। गोंदला में 28.5 सेंटीमीटर, केलांग में 20.0 सेमी, हंसा में 5 सेमी बर्फ गिरी। जबकि शिमला, कुल्लू और मंडी में ओले गिरने से सेब की फसल को नुकसान हुआ। यूपी में आंधी-बारिश और बिजली गिरने से 72 घंटे में 15 लोगों की मौत हुई है।

बारामती उपचुनाव में सियासी घमासान

रोहित पवार की अपील–निर्विरोध हो चुनाव; कांग्रेस उम्मीदवार से बढ़ी हलचल

मुंबई, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के बारामती विधानसभा उपचुनाव को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। एनसीपी (एसपी) नेता रोहित पवार ने सोमवार को अपील की कि यह चुनाव निर्विरोध कराया जाए और अन्य उम्मीदवार अपने नामांकन न भरें। दरअसल, यह उपचुनाव पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार की जनवरी में विमान हादसे में मौत के बाद हो रहा है। उनकी पत्नी और मौजूदा डिप्टी सीएम सुनेत्रा पवार आज नामांकन दाखिल करने जा रही हैं। इस मौके पर कई वरिष्ठ नेता उनके साथ मौजूद रहेंगे।

नामांकन से पहले सुनेत्रा पवार ने कन्हेरी स्थित हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना की और अजित पवार के स्मारक स्थल पर श्रद्धांजलि भी दी। उनके साथ उनके बेटे जय और पार्थ पवार भी मौजूद रहे।

कांग्रेस ने आकाश मोरे को बनाया उम्मीदवार

रोहित पवार ने सोशल मीडिया पर लिखा 'हम चाहते हैं कि बारामती का चुनाव निर्विरोध हो। मैं सभी इच्छुक उम्मीदवारों से अपील करता हूं कि वे नामांकन दाखिल न करें।' उन्होंने यह भी कहा कि यदि चुनाव हुआ, तो जनता इसे अजित पवार की लड़ाई मानकर सुनेत्रा पवार को रिकॉर्ड मतों से जिताएगी। हालांकि, इस बीच कांग्रेस ने चुनावी मुकाबले को दिलचस्प बना दिया है। पार्टी ने अपने राज्य सचिव आकाश मोरे को उम्मीदवार घोषित कर दिया है। आकाश मोरे, पूर्व एमएलसी विजय मोरे के बेटे हैं और धनगर समुदाय से आते हैं। कांग्रेस ने साफ किया है कि वह निर्विरोध चुनाव के पक्ष में नहीं है। पार्टी के प्रवक्ता अतुल लोंढे ने कहा कि यदि अजित पवार के विमान हादसे में एफआईआर दर्ज होती है, तो पार्टी अपने रुख पर पुनर्विचार कर सकती है।

अजित पवार का गढ़ रही है बारामती सीट

वहीं, अन्य नेताओं की ओर से भी संभावित उम्मीदवारों को चुनाव न लड़ने के लिए मनाने की कोशिशें जारी हैं। एनसीपी नेता दत्तात्रेय भरणे ने ओबीसी नेता लक्ष्मण हाके से मुलाकात कर उन्हें चुनाव से दूर रहने की अपील की। गौरतलब है कि बारामती सीट लंबे समय से अजित पवार का गढ़ रही है, जहां उन्होंने कई बार रिकॉर्ड मतों से जीत दर्ज की। ऐसे में इस बार का उपचुनाव भावनात्मक और राजनीतिक दोनों लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है।

' तमिलनाडु विकास के नए मुकाम हासिल करेगा'

> तीन-भाषा नीति पर सीएम स्टालिन का एलान

मदुरै, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। तमिलनाडु की राजनीति में चुनावी माहौल तेजी से गर्म होता जा रहा है। इसी बीच मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने मदुरै में एक बड़ी जनसभा को संबोधित करते हुए राज्य के विकास के लिए जनता से समर्थन मांगा और विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। मदुरै में रैली के दौरान स्टालिन ने भावुक अंदाज में कहा कि वह उस धरती से आए हैं जहां कन्नगी ने न्याय की मांग की थी, और अब वह तमिलनाडु के भविष्य के लिए जनता का आशीर्वाद लेने आए हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे डीएमके और उसके सेक्युलर प्रोग्रेसिव गठबंधन को वोट दें ताकि राज्य विकास के नए मुकाम हासिल कर सके और देश में सिर ऊंचा रख सके।

नई शिक्षा नीति के तीन-भाषा फॉर्मूले का किया विरोध

मुख्यमंत्री ने इस दौरान केंद्र सरकार की नई शिक्षा नीति के तीन-भाषा फॉर्मूले का भी कड़ा विरोध किया। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि जब तक डीएमके सत्ता में है, तब तक तमिलनाडु में तीन-भाषा नीति लागू नहीं होने दी जाएगी। स्टालिन का यह बयान राज्य की क्षेत्रीय पहचान और भाषा को लेकर उनकी पार्टी के रुख को मजबूत तरीके से दर्शाता है।

राज्य में लगातार दिलचस्प हो रहा है चुनावी मुकाबला

आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर भी स्टालिन काफी आत्मविश्वास में नजर आए। उन्होंने दावा किया कि उनकी पार्टी सभी 234 सीटों पर जीत हासिल कर सकती है। तमिलनाडु में 23 अप्रैल को एक ही चरण में मतदान होगा, जबकि वोटों की गिनती 4 मई को की जाएगी। इस बार राज्य में मुख्य मुकाबला डीएमके के नेतृत्व वाले सेक्युलर प्रोग्रेसिव गठबंधन और एआईएडीएमके के नेतृत्व वाले एनडीए के बीच माना जा रहा है। हालांकि, अभिनेता से नेता बने विजय भी इस चुनाव को त्रिकोणीय बनाने की कोशिश में हैं, जिससे मुकाबला और दिलचस्प हो गया है।

तमिलनाडु का चुनावी रण

तमिलनाडु की 234 विधानसभा सीटों पर बहुमत के 118 सीटों की जरूरत होती है। तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव के लिए 30 मार्च को अधिसूचना जारी हो चुकी है, जबकि नामांकन की आखिरी तारीख 6 अप्रैल को थी। वहीं नामांकन पत्रों की जांच 7 अप्रैल तक की जाएगी और नाम वापसी की आखिरी तारीख 9 अप्रैल है। राज्य में मतदान 23 अप्रैल को होगी और नतीजे 4 मई को जारी किए जाएंगे।

डीयू के दो कॉलेजों को बम से उड़ाने की धमकी, खाली कराया गया कैंपस

जांच में जुटी पुलिस

नई दिल्ली, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। आज सुबह दिल्ली विश्वविद्यालय के दो प्रतिष्ठित कॉलेज, रामजस कॉलेज और मिरांडा कॉलेज, को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद खाली करा लिया गया। इस सूचना के बाद पूरे परिसर में हड़कंप मच गया। धमकी मिलने की सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस हरकत में आ गई। बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वाड को तुरंत कॉलेज परिसरों में भेजा गया। सुरक्षाकर्मी मौके पर पहुंचकर पूरे कॉलेज में तलाशी अभियान चला रहे हैं ताकि किसी भी संदिग्ध वस्तु का पता लगाया जा सके। अभी तक की तलाशी में किसी भी प्रकार का विस्फोटक या संदिग्ध वस्तु मिलने की कोई खबर नहीं है। पुलिस के अनुसार, दोनों कॉलेजों को एक ई-मेल के माध्यम से बम से उड़ाने की धमकी मिली थी।

सुप्रीम कोर्ट : पिछड़े वर्ग से होने के कारण नियमों में छूट नहीं

अदालत ने कहा-सरकारी नौकरी में दान-दया असंभव

नई दिल्ली, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। सरकारी नौकरियों की भर्ती प्रक्रिया में नियम और अनुशासन ही सर्वोपरि हैं। सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसले में दो टूक कहा है कि महज पिछड़े समुदाय से संबंध रखने के आधार पर किसी उम्मीदवार का पलड़ा भारी नहीं हो सकता। शीर्ष अदालत ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि सार्वजनिक रोजगार में चैरिटी (दान) या सहानुभूति के लिए कोई जगह नहीं है। सामाजिक पृष्ठभूमि की आड़ में नियमों को तोड़ना या ढील देना अन्य योग्य उम्मीदवारों के साथ घोर अन्याय है। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने यह व्यवस्था देते हुए स्पष्ट किया कि ऐसी कड़े मुकाबले वाली भर्ती प्रक्रिया में लापरवाही के लिए कोई स्थान नहीं है।

पीठ ने कहा कि यदि भर्ती के नियमों में साफ तौर पर लिखा है कि किसी भी चरण के लिए कोई दूसरा अवसर नहीं मिलेगा तो यह नियम हर उम्मीदवार पर समान रूप से लागू होना चाहिए, चाहे उसकी सामाजिक पृष्ठभूमि कुछ भी क्यों न हो। यह पूरा विवाद दिल्ली पुलिस में कांस्टेबल भर्ती से जुड़ा है। भर्ती प्रक्रिया में शामिल उत्तम कुमार नामक एक अभ्यर्थी शारीरिक दक्षता एवं माप परीक्षण की तय तारीख पर गैर-हाजिर रहा था। बाद में उसने अपनी अनुपस्थिति की वजह महज सर्दी-जुकाम बताते हुए विभाग से एक और मौका देने की गुहार लगाई। केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (कैट) और बाद में दिल्ली हाईकोर्ट ने अभ्यर्थी के प्रति सहानुभूति जताते हुए दिल्ली पुलिस को उसे दूसरा अवसर देने का निर्देश दिया था।

चार दिन तक जंगल में पानी पीकर जिंदा रही शरण्या

> बोलीं-फिर जाऊंगी ट्रेक पर

कोझिकोड , 6 अप्रैल (एजेंसियां)। केरल की एक ट्रेकर की साहसिक कहानी इन दिनों चर्चा में है। 36 वर्षीय आईटी प्रोफेशनल जी एस शरण्या, जो कोझिकोड की रहने वाली हैं, कर्नाटक के कोडागु जिले स्थित ताडियांडामोल हिल्स में ट्रेकिंग के दौरान रास्ता भटक गईं और चार दिनों तक घने जंगल में अकेली फंसी रहीं। रविवार रात उन्हें सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया गया।

कैसे भटकीं शरण्या?

शरण्या 2 अप्रैल को 10 सदस्यीय ट्रेकिंग ग्रुप के साथ ट्रेक पर गई थीं। वापसी के दौरान उन्होंने एक अलग रास्ता चुन लिया, जिससे वह समूह से बिछड़ गईं। उनका आखिरी संपर्क कक्काबे गांव के एक होमस्टे से फोन कॉल के जरिए हुआ, जिसमें उन्होंने बताया कि वह रास्ता खो चुकी हैं। इसके तुरंत बाद मोबाइल की बैटरी खत्म हो गई और उनका बाहरी दुनिया से संपर्क टूट गया। घने जंगल, लगातार बारिश और ऊबड़-खाबड़ पहाड़ी इलाकों के बीच शरण्या ने चार दिन तक बिना भोजन के गुजारा किया। उनके पास सिर्फ एक जैकेट, मोबाइल फोन और 500 मिलीलीटर की पानी की बोतल थी। हालांकि, पास में बह रही एक धारा ने उन्हें पानी की कमी नहीं होने दी। खुद को सुरक्षित रखने के लिए उन्होंने घबराने के बजाय सूझबूझ दिखाई। वह चट्टानों के ऊपर रहीं, क्योंकि उन्हें लगा कि जंगली जानवर पानी पीने नीचे आते हैं और ऊंचाई पर रहना ज्यादा सुरक्षित होगा।

जंगल में अनोखा अनुभव

अकेलेपन और मुश्किल हालात के बावजूद शरण्या ने इस अनुभव को अलग नजरिए से देखा। उन्होंने बताया कि हर शाम जंगल जुगनुओं की रोशनी से जगमगा उठता था। चांदनी रात और साफ आसमान में तारे साफ दिखाई देते थे, जो उनके लिए एक सुकून भरा अनुभव था।

मंत्री विश्वास सारंग के सरकारी बंगले में चोरी

भोपाल, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है, जिसने प्रशासनिक व्यवस्था और वीआईपी सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। खेल मंत्री विश्वास सारंग के सरकारी आवास में चोरों ने सेंध लगा दी। चोरों ने आवास के स्टोर रूम का ताला तोड़कर अंदर रखे मेडल और प्रशस्ति-पत्र उठा ले गए। यह घटना 3 अप्रैल की बताई जा रही है। खुलासा होते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया और मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गई।

सु वि चा र: अगर किसी चीज़ को दिल से चाहो तो पूरी कायनात उसे तुमसे मिलाने में लग जाती है!

सीएम ने ज्ञान सरस्वती मंदिर के विकास कार्यों की आधारशिला रखी

मुख्यमंत्री ने अपने परिवार के साथ मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना भी की

आदिलाबाद जिले में कई विकास परियोजनाओं की नींव रखीं गई

निर्मल, 6 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सोमवार को निर्मल जिले में ज्ञान सरस्वती मंदिर के विकास कार्यों के लिए आधारशिला रखी। उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क और मंत्रियों कोंडा सुरेखा तथा जुपल्ली कृष्णा राव के साथ, मुख्यमंत्री ने इस परियोजना के लिए भूमि पूजन किया। मुख्यमंत्री ने अपने परिवार के साथ मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना भी की। इसके अलावा, रेवंत रेड्डी ने संयुक्त आदिलाबाद जिले में कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी। इन परियोजनाओं में अडेगामा गांव, बोथ निर्वाचन क्षेत्र में 'यंग इंडिया' एकीकृत गुरुकुलम स्कूल के निर्माण की आधारशिला (अनुमानित लागत: 200 करोड़ रुपए), पोचेरा गांव, बोथ मंडल में एक उन्नत प्रौद्योगिकी केंद्र के निर्माण की आधारशिला (अनुमानित लागत: 45.15 करोड़), श्री नागोबा मंदिर के विकास और सौंदर्यीकरण परियोजना की आधारशिला (अनुमानित लागत: 20.10 करोड़), आदिलाबाद निर्वाचन क्षेत्र में तेलंगाना अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय और जूनियर कॉलेज (बालिका) भवन का उद्घाटन (अनुमानित लागत: 20 करोड़), सिरिकोंडा मंडल के कोंडापुर गांव में एक नवनिर्मित पुल का उद्घाटन (अनुमानित लागत: 13.46 करोड़), उत्नूर, खानापुर निर्वाचन क्षेत्र में एक नए आईटीडीए भवन के निर्माण की आधारशिला (15.00 करोड़)और बोथ निर्वाचन क्षेत्र में इचोडा रोड को डेडरा गांव से जोड़ने वाली सड़क के निर्माण की आधारशिला (अनुमानित लागत: 30.00 करोड़) शामिल हैं। इसी तरह, मुख्यमंत्री ने आदिलाबाद निर्वाचन क्षेत्र के ज़ैनाथ में महात्मा ज्योतिबा फुले तेलंगाना पिछड़ा वर्ग गुरुकुल विद्या स्कूल (बालकों के लिए) भवन का उद्घाटन (अनुमानित लागत: 20.00 करोड़ रुपये), आदिलाबाद नगर पालिका में 38 विभिन्न प्रकार के विकास कार्यों की आधारशिला (अनुमानित लागत: 30 करोड़ रुपये), बोथ निर्वाचन क्षेत्र के धन्नूर, कुप्ती और कुचलापुर में (3) 33/11 केवी पावर सब-स्टेशनों के निर्माण की आधारशिला (अनुमानित लागत: 8.99 करोड़ रुपये), बोथ निर्वाचन क्षेत्र में पिपरी लिफ्ट योजना की आधारशिला (अनुमानित लागत: 50.70 करोड़ रुपये), खानापुर निर्वाचन क्षेत्र के इंद्रावेली मंडल में मुतनूर लघु लिफ्ट सिंचाई (त्रिवेणी संगम) योजना की आधारशिला (अनुमानित लागत: 65.85 करोड़ रुपये), आदिलाबाद निर्वाचन क्षेत्र के लांडासांगी में चेक डैम निर्माण की आधारशिला (अनुमानित लागत: 6.435 करोड़ रुपये), खानापुर निर्वाचन क्षेत्र के सिरिकोंडा मंडल में चिक मान वागु परियोजना के निर्माण की आधारशिला (अनुमानित लागत: 31.52 करोड़ रुपये) और कोमुरम भीम आसिफाबाद जिले के केरामेरी मंडल में अम्मानमदुगु वागु परियोजना के मरम्मत कार्यों की आधारशिला (अनुमानित लागत: 11.76 करोड़ रुपये) रखी।

कैबिनेट में बंजारा समुदाय की अनुपस्थिति को लेकर कविता ने किया कटाक्ष

हैदराबाद, 6 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जागृति अध्यक्ष के. कविता ने सोमवार को हैदराबाद में सेवानिवृत्त अतिरिक्त डीजीपी डी. टी. नाइक से उनके निवास पर भेंट की। इस बैठक में बंजारा समुदाय के कई प्रमुख सदस्य भी उपस्थित रहे। बैठक नई राजनीतिक पार्टी के 25 अप्रैल को होने वाले शुभारंभ की तैयारियों के हिस्से के रूप में आयोजित की गई थी। चर्चा के दौरान बंजारा समुदाय द्वारा सामना किए जाने वाले प्रमुख मुद्दों और उनके कल्याण एवं सशक्तिकरण के लिए आवश्यक कदमों पर विचार-विमर्श किया गया। कविता ने कहा कि एकीकृत आंध्र प्रदेश के इतिहास में बंजारा समुदाय को नियमित रूप से कैबिनेट प्रतिनिधित्व मिलता रहा है, जबकि वर्तमान तेलंगाना में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस सरकार ने ऐसा प्रतिनिधित्व सुनिश्चित नहीं किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि नई राजनीतिक पार्टी बंजारा समुदाय को प्राथमिकता देगी और उनके लिए सम्मान, प्रतिनिधित्व और राजनीतिक अवसर सुनिश्चित करेगी। बैठक में कई प्रमुख नेता पूर्व आदिवासी कल्याण आयुक्त और सेवानिवृत्त आईआरएस अधिकारी लक्ष्मण नाइक, ऑल इंडिया बंजारा सेवा संघ राज्य अध्यक्ष मोहन सिंह नाइक, वाणिज्य कर उप आयुक्त भीमला नाइक और अन्य शामिल थे।

केसीआर कैंप कार्यालय पर हमले के विरोध में गजवेल बंद रहा

बीआरएस पार्टी के कार्यकर्ता भारी संख्या में सड़कों पर उतरे

हैदराबाद, 6 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। गजवेल विधायक के कैम्प कार्यालय पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा हमले के विरोध में बीआरएस पार्टी द्वारा बुलाया गया 'गजवेल बंद' सोमवार को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। बंद के दौरान क्षेत्र में तनाव बना रहा क्योंकि बीआरएस पार्टी के कार्यकर्ता भारी संख्या में सड़कों पर उतरे। गजवेल विधानसभा क्षेत्र प्रभारी वंटेरु प्रभात रेड्डी के नेतृत्व में पार्टी के नेता और कार्यकर्ताओं ने गजवेल-प्रगनापुर बस डिपो के सामने धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान यात्रियों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा क्योंकि डिपो से बसों को सुबह से ही निकलने से रोका गया। बीआरएस कार्यकर्ताओं ने इस अवसर पर राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन के खिलाफ जोरदार नारे लगाए। पार्टी ने विधायक कार्यालय पर हमले की कड़ी निंदा की। वंटेरु प्रभात रेड्डी ने इस हमले को राजनीतिक साजिश बताया और कहा कि विपक्षी दलों के कार्यालयों को निशाना बनाना लोकतांत्रिक सिद्धांतों के खिलाफ है। उन्होंने दोषियों की तत्काल पहचान और कड़ी कार्रवाई की मांग की। बंद के समर्थन में, गजवेल शहर के प्रमुख बाजार, वाणिज्यिक प्रतिष्ठान और शैक्षणिक संस्थान स्वेच्छा से बंद रहे। किसी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस ने पूरे शहर में भारी सुरक्षा बल तैनात किए और प्रमुख चौराहों पर पेट्रोलिंग व पिकेट लगाए।

तीन नकली विजिलेंस अधिकारी गिरफ्तार

गैस डिलीवरी कर्मी से वसूली का मामला

हैदराबाद, 6 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के फिल्म नगर क्षेत्र में फर्जी पहचान और जबरन वसूली का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। पुलिस ने विजिलेंस अधिकारी और पत्रकार बनकर एक गैस डिलीवरी कर्मी से पैसे वसूलने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों मोहम्मद मंज़ूर हसन (60), मोहम्मद तौसिफ (46) और मोहम्मद ताज (29) ने पीड़ित को कथित ब्लैक-मार्केटिंग के आरोप में नौकरी से निकालने की धमकी दी और उससे 2 लाख रुपए की मांग की। डरे हुए पीड़ित ने डिलीवरी के दौरान एकत्रित नकदी उन्हें सौंप दी।

बाद में उसने अपने नियोक्ता को घटना की जानकारी दी, जिसके बाद फिल्म नगर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई गई। सीसीटीवी फुटेज के विश्लेषण और जांच के आधार पर पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से 23 हजार बरामद किए। पुलिस के अनुसार, इस मामले में एक अन्य आरोपी फरार है, जिसकी तलाश जारी है तथा शेष राशि की बरामदगी के प्रयास किए जा रहे हैं।

अलवाल रेलवे स्टेशन पर नया वाणिज्यिक केंद्र शुरू

गेमिंग ज़ोन और ड्राइव-इन सुविधा उपलब्ध

हैदराबाद, 6 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के हैदराबाद मंडल के अंतर्गत आने वाले अलवाल रेलवे स्टेशन को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित करते हुए एक नए वाणिज्यिक केंद्र का शुभारंभ किया गया है। इस नए केंद्र में युवाओं और स्थानीय निवासियों के लिए गेमिंग ज़ोन(टर्फ क्रिकेट), इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के लिए बैटरी स्वैपिंग कियोस्क तथा यात्रियों और आसपास के लोगों के लिए ड्राइव-इन फूड स्टॉल जैसी सुविधाएं विकसित की गई हैं। यह पहल स्टेशन क्षेत्र के विकास और गैर-किराया राजस्व बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। इन आधुनिक सुविधाओं के माध्यम से अलवाल रेलवे स्टेशन को केवल परिवहन केंद्र ही नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक गतिविधियों के एक सशक्त केंद्र के रूप में विकसित करने का प्रयास किया गया है। इस वाणिज्यिक केंद्र के उद्घाटन अवसर पर डीआरएम, हैदराबाद संतोष कुमार वर्मा , डॉ. अनिरुद्ध पामर, वी. विद्याधर सहित अन्य अधिकारी और संबंधित ठेकेदार उपस्थित रहे। अधिकारियों ने बताया कि इस पहल से न केवल स्टेशन की उपयोगिता और सौंदर्य में वृद्धि होगी, बल्कि यात्रियों और स्थानीय लोगों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी तथा रेलवे को स्थायी राजस्व भी प्राप्त होगा।

एसआर एंड ईआर पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड

(पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी)

सार्वजनिक सूचना

एसआर एंड ईआर पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड (पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की 100 प्रतिशत पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी) जिसका पंजीकृत कार्यालय बी-9, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110016 में है, भारत सरकार से विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 164 के तहत सभी अधिकार प्रदान करने के लिए आवेदन करने की इच्छुक है/आवेदन कर चुकी है। ये अधिकार बिजली के पारेषण के लिए इलेक्ट्रिक लाइनें या इलेक्ट्रिकल प्लांट लगाने हेतु अथवा कार्यों के उचित समन्वयन के लिए आवश्यक टेलीफोन या टेलीग्राफ संचार के उद्देश्य से ठीक वैसे अधिकार जो भारतीय टेलीग्राफ अधिनियम, 1885 के तहत सरकार द्वारा स्थापित या अनुरक्षित, अथवा भविष्य में स्थापित या अनुरक्षित किए जाने वाले किसी टेलीग्राफ के उद्देश्य से टेलीग्राफ लाइनें और खंभे लगाने के संबंध में टेलीग्राफ प्राधिकरण के पास होती हैं। कंपनी निम्नलिखित पारेषण योजनाओं के लिए सर्वेक्षण, निर्माण, स्थापना, निरीक्षण, संस्थापन और अन्य कार्य करेगी जिसके बाद इन पारेषण योजनाओं की कमीशनिंग, संचालन, रखरखाव और अन्य संबंधित कार्य किए जाएँगे।

पारेषण योजना का नाम: एसआर ग्रिड और ईआर ग्रिड के बीच अंतर-क्षेत्रीय सुदृढ़ीकरण

योजना के अंतर्गत शामिल कार्य

क्र. सं.	पारेषण योजना का कार्य क्षेत्र
1	अंगुल-श्रीकाकुलम 765 केवी दूसरी डी/सी लाइन (275 किमी) दोनों छोर पर दोनों सर्किट पर 240 एमवीएआर एसएलआर के साथ (i) 765 केवी लाइन बेज-2 नग जीआईएस (श्रीकाकुलम में) (ii) 765 केवी लाइन बेज-2 नग एआईएस (अंगुल में) (iii) 765 केवी, 240 एमवीएआर एसएलआर श्रीकाकुलम में-2 नग (6X80 एमवीएआर स्विचेबल यूनिट) (iv) 765 केवी, 240 एमवीएआर अंगुल में-2 नग (7X80 एमवीएआर स्विचेबल यूनिट, जिसमें 1 अतिरिक्त यूनिट शामिल है)
2	अंगुल सबस्टेशन पर 1X330 एमवीएआर, 765 केवी बस रिएक्टर (तीसरा) (i) 765 केवी बस रिएक्टर-1 नग (3X110 एमवीएआर स्विचेबल यूनिट) (ii) 765 केवी बस रिएक्टर बे-1 नग

इस योजना के अंतर्गत आने वाली ट्रांसमिशन लाइनें निम्नलिखित गाँवों, कस्बों और शहरों से होकर, उनके ऊपर से, उनके चारों ओर से और उनके बीच से गुज़रेंगी।

क्र. सं.	गांव का नाम	तहसील	जिला	राज्य
1.	बलियानी, बिस्वनाथपुर, चरारपिटा, हनाडिही, कांसनाली, खपराखाई, पंडापुर, आदिघई, बशाला, भेरुबनिया, लोकैपासी, कांजा	अंगुल	अंगुल	ओडिशा
2.	दुर्गाप्रसादपुर, गढ़तालमुला, गिरिधबसिया, गुढ़ियामुंडा, गुरियाभुइन, हरिचंदजामी, हरिचंदरबस्ती, कैंचबहाल, खंडानाली, महिधरपुर, पुलपारा, रंजनाली, संतरापुर, सैरानबेरा, तलमुलापतनजमी, तलमुलसासन, तिलपंगा	बनारपाल	अंगुल	ओडिशा
3.	अंबिथि, बधामुइन, बरारहापाल, बौंसापोखरी, बिलेइखाली, चपनीसाही, छेलाछेली, दानीबहाल, धोबनीनंदर, ढोलपाथर, ढुंडीनाली, दियारापासी, दिहासाही, गोबरधनपुर, गोबिंदपुर, गोहिराछोर, गुरहियाटैला, हरिहरसाही, जनार्दनपुर, कलिहुंडी, कमंदली, कंडारासुनी, कंसारा, कंटामिला, करबीरा, करणपुर, कुरुमिथा, मुंडाहाटा, नौपाला, निजागढ़ा, नुआकुतु, नुआपनिसाही, पाटना, पथानीपोटा, पथनपरहा, पुरुषोत्तमपुर, राधानाथपुर, रूपाली, शरदपुर, सुंदरपाल, उपरापाड़ा	हिंदोल	ढेंकानाल	ओडिशा
4.	आइरिया, अनंतप्रसाद, अरखाबादी, बरहाभुइन, बरहिया, बालिसाही, बसंतपुर, बौलासाही, बैनीपथरा, भगतपुर, भेजियापाड़ा, भुस्का, बिरसिंगपुर, चतरपाड़ा, चेरामुलिया, चिनमाली, दलाक, दामाकाटा, दामासाही, देबाभूमि, दिमिरिया, गदामाधुपुर, गलीशिगड़िया, गंडापल्ली, घंटापाड़ा, गोपापुर, गोरहीधीपा, गुहालासाही, गुरुजंगा, हरिचंदनपुरुषशासन, हरिचंदनपुर, जंतरिया, जयदामोदरपुर, जयापुर, जेमादेईपुर, जैनासाही, झाजीबधा, जोगीबहाली, काकुडिया, कालीसाही, कंधदेभूमि, कंधबारहाभूमि, कांवल, कालापरहा, करबीरा, कठखूंटा, खैरापाड़ा, खालीसाही, खमार, कोकलाबा, मधेईपाड़ा, महुरखिया, मालीसाही, मलका, मथुरापुर, माटीगाड़िया, मेटाकापुर, मुलियापाड़ा, नंदगोला, नंदकिशोरपुर, नरसिंहपुर, नारायणप्रसाद, निमासाही, निजगढ़ा, नुआभुइन, नुआगन, नुआगढ़, नुआपटाना, नुआसाही, ओस्तानारायणीपुर, पानासाही, पंचगछिया, पाणिकी मुंडिया, परमाला, परबतीपुर, पथानाशाही, पात्रभागा, पुरुषोत्तमपुर, रामचंद्रपुर, रणसिंघपुर, साधुचरणपुर, सागर, सलापशी, सारासाही, सरगुनापल्ली, सेरामुंडा, टांगीसाही, थेंगापल्ली, उल्लासकोट	नरसिंहपुर	कटक	ओडिशा
5.	अरहाकाटा, बघुआ, बाहापंगा, बहारहापंगा, बारापुरुकिया, बेलापाड़ा बेचपारी, बेलापरहापाटन, बिजयनगर, दशीपुर, ढिपीसाही, धुआमाड़ा, गणियान, गौरापाटन, गौदातुमंडी, गोछाबारी, गोपालपुर, गोपीबल्लवपुर, गुंडुरीबाड़ी, हडापासी, जगन्नाथप्रसाद, जगन्नाथपुरपाटन, कडुआ, कलाशिमिली, कालिकाप्रसाद, कालूपरहा, करंदमुंडिया, करंरहापरहा, केंडुआबिडा, कृष्णापल्ली, मदारखोल, मालतीपुता, नारायणप्रसाद, नुआगन, नुआपरहा, ओस्तिया, पद्मनाभपुरपाटन, पटिकाटा, पेचा मुंडिया, रागढिसाही, रसंगा, रौतापाडा, रौतापरहापाटन, सितुलिया, सुबरनापुर, तैलागन, तमरझूला, वलीपुर, तैला, बिन्ध्यगिरि, तुमंडी	गनिया	नयागढ़	ओडिशा
6.	बड़ाभुइन, दुखापल्ली, गौरापाटन, जकाला, खड़गप्रसाद, कुंभरापारा, नुआपराहा, सिंगबारी, बलभद्रप्रसाद, जगन्नाथप्रसाद, जोगियापाली	खंडपड़ा	नयागढ़	ओडिशा
7.	अरासाही, बघुपासी, भालू मुंडिया, दामोदरपुर, डिंडाभुइन, द्वारगांव ओराफ दिगदाहन, घोलहांडी, गोबिंदपुरपटाना, गुरियाबारी, जिलिंडा, कपिलेश्वर महादेव, मध्यखंड, मुंडियासाही, निजकलांबा, नुआपटाना, सुबलाया, स्वप्नेश्वर महादेब, तलेरा, तंतुलियापल्ली, बरानाला, धीपिसाही	दसपल्ला	नयागढ़	ओडिशा
8.	अभयपुर, अच्छुपरहा, अंबाझरी, अमीमुआन, अंधराखानी, अथरगडा, बहदाझोला, बधभुइन, बधुलीपुर, बंटाला, बलंदा, बलंदा नुआसाही, बलभद्रपुर, बालिसाही, बलसामा मुंडिया, बामुरी, बौंसखाल, बरहबराना, बरघरिया, बराकथुलारी, बरारखामन, बरहाकथामारी, बरदुरुपा, बेतानाती, बुरुदेई, बेलदुआर, बेरुआनबारी, भलियापदर, भटारंका, ब्राह्मणदेई, बुधाबारी, चरहाकमारा, चढेयापाली, चकुंदपल्ली, चकुंदमरहा, घंडीझारी, चढाइमारा, छानाबनिया, ढिपीसाही, दिगी, डुमदुमपल्ली, गहलामरहा, गौरहाचंचरापल्ली, घरेइबांधा, घुदुकाबारी, गोधीमरहा, गोहिरीबाडु, गुंडारबारी, गुंडुरासाही, झाड़साही, कैथापाली, जादुपल्ली, जगन्नाथप्रसाद, जकेड़ा, जिगिनीपरहा, कचपल्ली, कखारुमदा, कंपला, कानाबांका, कंधखालमरहा, कोतियामा, कपटापाली, कपागडु, करारापल्ली, कालियांबा, खालमाडा, खटकुरिया, केंदुबनिया, केप्टी, किंभिरी, कोलारमाहां, कोरारहा, कृष्णाप्रसाद, कुटीबारी, लारुकेश्वरपुर, लेरहिसाही, लुनिसारा, लुहरखानी, मकरपाली, मनियाकोट, महिताना, मंडाडीहा, मतुखामन, मिनगरहिया, मुदारंग, मुंडाडीही, नया गढ़, नरिअम्बा, पाबला, पुरुनापानी, नुआगन, ओरहाकापा, पंचपांडव, पाराधिपा, पोकासुंगा, पोरहासाही, कुसाबिडा, पुरुनापानी, रक्तपट्टा, रामापल्ली, रंगिया मुंडिया, रानीगढ़िया, रायपाली, सनादुरुपा, शिखरगोचा, सिमा, सिकरिहा, सिंबलीसाही, सेंट्री, सिगारपल्ली, सुंधीझोला, सोरराहा, सुरुकाबरही, तोरीगढ़िया, तुनियापरहा, उदयपुर, वेटापल्ली, बाराटैला, दलेईभाग, ढिपीसाही, गोरहीबंधा, जयापुर, खजुरीडीहा, खासपल्ली, कुसबिरहा, मरिरहीपल्ली, रानीगामा, तुरुतुरी, बहादाझोला	नुआगांव	नयागढ़	ओडिशा
9.	बालीसिसा, भालू मुंडिया, कैंथापल्ली, खंगारपल्ली, कोमांडा, मालियाझोला, पोरहासाही, सतपतिया, सिधापल्ली, सुनामुहिन, बेबरतापाली, झाड़साही, जयपुर, मधुबन, सियारिमल	ओडगांव	नयागढ़	ओडिशा
10.	अग्यप्रसाद, अलारही, अलासु, अलासुगुमा, अलमरहा, बैनापल्ली, बालिसाही, बनीखोला, बारासाही, बारबरा, बेरहाघई, भाबासरा, भुक्तभूमि, बुदुरुंगु, चारिकोनिया, चामुंडा, चेलाखाई, चिकिली, चोपारा, दलखाई, डांगीझोली एन, घोडापल्ली, दिमिरीपल्ली, ढुंगापल्ली, एकघरिया, एकाघरियापल्ली, गंधारा, गनियापल्ली, गोछाबाडी, गुंडुरिसाही, हरिपुर, हरिशरणपुर, जगनाथपुर, जगन्नाथपटन, जगन्नाथप्रसाद, जामागोररहा, जराबारी, जरीपल्ली, झारभूमि, जिराबरही, जोरहाबंधा, कौरापल्ली, कडापरहा, कडुआ, कडुआमंगराजपुर, कलिनजिनुआपल्ली, कामसरगडा, कंडारासिंगी, कंधनुआपल्ली, करताबनी, केबिरीपल्ली, केंदुसाही, खमरपल्ली, कोनियाबंजर, क्रियाधारा, कुमुंडा, लेपा, महुलापल्ली, महुलियागढ़, मालिंगी, नरेंद्रपुर, नरहा, निमापदर, नुआकामासर, नुआसाही, पैकारापल्ली, पाडिरीपरहा, पंकलासाही, पथाना, पटाधारा, पैलापरहा, पोंकलासाही, पूर्णपानी, राघबापल्ली, रानीभूमि, रौती, संखपल्ली, साराकुम्पा, सौंटियापल्ली, शासना, सिंगीपुर, सीतारामपुर, सोरिसामुलु, तलपंका, तमनरह, तैतुलिया, थोलांडा	जगन्नाथ प्रसाद	गंजाम	ओडिशा
11.	अंतरापारा, बालीपादारा, बेलापारहा, बेलापुर, बेथियाबोराडा, बिष्णुचक्र, बोरीपादारा, बुरुझोला, चिलिखामा, डकराबरही, दशीपुर, देहुका, डेंगापदारा, एकटाला, गांधीनगर, गौरहियाबोरदा, घोरहापरहा, गोलापुर, गुरहीपल्ली, हरिपुर, झटिकापल्ली, झोलरी, कडापरहा, कलंबा, कनसुका, कंचुरु, कंचुरुपाटन, कधाचंदनपेरी, कंधापल्ली, कधापथरापल्ली, खैरापुटी, खलमालिया, खोलाखाली, कुंजबाना, महुलापल्ली, मणिबांधा, मणिकापुर, मोटाबरही, नागिरी, पांगिरही, पंकलाबरही, पोचलुंडी, प्रतापधनुरजयपुर, रामागढ़, सदाशिबापुर, सनाबलियापदर, सोलांडी, सुनकेरा, तलासकारा, थानापल्ली, सारधापुर, बिजयधनुरजयपुर	बुगुड़ा	गंजाम	ओडिशा
12.	अशुरायपल्ली, अरकादामोदरपल्ली, अतरंगा, बड़ागढ़, बदरायसिंह, बघुआपल्ली, बालीछाई, बालीसिरा, बानाबली, बरहाखोली, भेजिपुटु, भेटनाई, चंदनपेरी, चंदियापल्ली, दानचंदनपेढी, दंतारीबगड, दंतारीपल्ली, देबाभूमि, धनिजा, गबनाला, गंडापल्ली, गांधीनगर, गंगापुर, गोबर्धनानपुर, गोलाबंधपल्ली, गौडागोथा, गुआपल्ली, गुथापारा, जगदलपुर, जगन्नाथपल्ली, जगन्नाथपुर, जगन्नाथपुर सासन, कैबलापुर, कैथरहा, कामगढ, कंधपल्ली, करतली, कर्पूरानुगन, खंबेश्वरीपटना, खडबंधा, खडादेउली (रायसिंगपुरशासन), खडादेउत्तरसिंगीपुर, खपुरनुआगन, खारीगुड़ा राजेंद्रपुर, कोटिबरही, लछमनपल्ली, लालशासन, मगुरापल्ली, महाराजपुर, ममुरहिहा, मंगलापुर, नबरत्नापुर, निराला, नुआपल्ली, पाकलापल्ली, पाडियापदर, पथरा, फपालापुर, फुलसारापल्ली, रायपल्ली, राजेंद्रपुर, रामचंद्रपुर, ऋषिपुर, सहसपुर, समंतरपुर, सनाखोली, संतरापुर, सपुआपल्ली, सिधानाई, सुमंतपल्ली, सुनाम्बा, तुम्बाथेंगपल्ली	आसिका	गंजाम	ओडिशा
13.	बेलापुंजी, बेनापाटा, गाहंगु, गोथुली, हनुमंतियापल्ली, केंदुपदारा, केशापुर, लांडाजुआल्ली, नाहरहा, निमिना, पाटना, रंकुडा	बेलगुंठा,	गंजाम	ओडिशा
14.	बारीगुरहा, भलियापल्ली, ब्रजसुंदरपुर, दामोदरपुरशासन, धौगन, घासीबिली, घोसापल्ली, गोपालकृष्णपुर, हीराखंडी, जगमोहनपैतारी, कामशासन, करराजेंद्रपुर, खैरापुटी, खजुरापैतरी, खमारा, खिरिरहा, कुलगढ़ा, कुशुराहा, लक्ष्मीपुर, महुपदारा, मुडमराई, नुआखिरिरि, नुआपल्ली, पदापल्ली, पंकलाबरही, पात्रपुर, शरदपुर, सुनामही, सुनापल्ली, सुंदरपल्ली, तिलोटामादीपुर, उखुदपतराजेंद्रपुर	धराकोट	गंजाम	ओडिशा
15.	अंदिरसिंघ, बी ब्रह्मपुर (ब्रह्महट्टा), बरहागढ़, भुशंडा, बिजयराघुनाथपुर, चिकिली, चुचंद्रपुर, दशामुंडली, ढेंकिशाला, हरिकृष्णपुर, काचाखडी, कमलादेईपुर, केरीकेरिझोला, कीर्तिपुर, कृपासिंधुपुर, कृष्णाचाई, लक्ष्मीनृसिंघपुर, नारायणपुर, पद्मपुर, पटापल्ली, पात्रपुर, रामगिरि, रामकृष्णपुर, सागरपल्ली, सेरनकुडा, शगरापल्ली, शेरागढ़, तकरारहा, कृपासिंधुपुर, भेटसिंगी, पथरापुंजी	सेरागड	गंजाम	ओडिशा
16.	अड्डुपाड़ा, अंबागन, बासुदेवपुर, मालियाझोला, भुडिकी, बिश्वनाथपुर, चिंताकाली, दानामभाटा, डेंगाडी, धर्मरायपुर, द्वितीया धर्मपुर, एरेंद्र, गंगापुर, घोरहाहरह आर, गोपालपुर, गुरहियापाटन, जलमारा, जयनगर, जुरा, कबाता मुंडाली, कैंचीपुर, कलासंधपुर, कांटादडिया, केसपुर, लुनिलाथी, मगुरा अंबाथा, महानाला, मटियाबोराई, नुआ जलमारा, ओस्ताजगन्नाथपुर, पद्मनाभपुर, पाइक जगन्नाथपुर, पलासपुर, पल्लीपद्मपुर, पल्लीसामंतरपुर, पानी अंबाथा, पटापुर, पथरापुंजी, प्रतापगिरिपेन्था, प्रतापगिरि, पुरुनागढ़, राधादेईपुर, रामचंद्रपुर, रतनलापुर, सहसपुर, सहसपुर हाता, संपदारघुनाथपुर, सातपैथगोपालपुर, श्रीचंदनपुर, सुनारीपल्ली, तितिखंडी, तुलसीपदर	सनखेमुंडी,	गंजाम	ओडिशा
17.	अमुंडी, अनंगपुर, बैद्यनाला शासन, बैजरही, बालीजोड़ी, बामोकेई, बंथमुंडुली, बरहा बारंगा, बरिहाकाटा, बेलापंथी, बेलापंतीबडुआ, भोलासिंधी, भ्रमराघरापल्ली, बीरा चैतन्यपुर सासन, बीरा पीतांबरपुर, बीराबरपल्ली, बीरामेघपुर, बीरापाटन, बीराराजपुर, बीरासिंघा लक्ष्मीनारायणपुर, बोमाकेई, ब्राह्मणनुपाडा, चाडियापाड़ा, चक्रवर्ती सागर, चंदापुर, छोटा अनंगपुर, चुरहंगापुर, डबरासिंगी, डाभर, डभरापुरुषोत्तमपुर, देखाली, देउलियापरहा, धनराशी, ढिहापरहा, गैरहा, गंगापुर, गढ़ा गोबिंदपुर, गुमा बिरसिंघपुर, हटियारही, जैकर, जेनापुर, झटिपटिया, कैथापदबडुआ, कालाबरहा, कलिंगडाला, कंपानुगन, कंधाखुदुडी, कांटाजुरा एन, करबलिया, कश्मीरसासन, खैरापंका, खजुरिया, खुडुडी, कोलाथिया, कृष्णपुर, कुकुटबांधा, कुमाररहा, लक्ष्मीनारायणपुर, लक्ष्मीपुर, लियाखाई, लोकनाथपुर शासन, लुचापरहा, मदनमोहनापुर, मधुसूदनपुर, महती संधिगन, मैसनपुर, मनिक्यपुर, मटियापल्ली, मोहनराजपुर, मुंडापाटा, नारायणपुर, नुआ मैसनपुर, नुआपरहा, पांडिरी, परसाबा, पतिगोबिंदपुर, पेंडुराखालिसासन, पुजारीपल्ली, पुरुना मैसनापुर, रायगुडा, रामचंद्रपुर, चिलाडी, सागरपल्ली, सानिबर पेंथा, सतरूमर्दनपुर, श्यामसुंदरपुर, सिंधुखल्ली, सुबलाया, तेंतुआपरा, ब्राह्मणहुपाड़ा, सिरीपुर, पतराबुटी, दिहापारा, राजाकिशोरपुर, बराकेलाझुरी, खजूरीपाड़ा, हरिपुरपल्ली	चिकिटी,	गंजाम	ओडिशा
18.	आमबागान, अमुनियासरधापुर, अंतरासिंगी, अरकबदरा, बड़ागांव, बड़ाखतडी, बादपुर, बालारामपुर, बालिपदरा, बामकेई, बनमालीपुर, बनशोला, बारंगा, बरहागन, बेज्जिवाडा, भामाखाई, भवनापुर, भेजिपदर, भीमापुर, भोलासिंगी, बोरीबरहा, चैतन्यचंद्रपुर शासन, चांदीबेरहा, चिड़ीपुडी, चुडियालांजी, दंबरुगोड़ा, दामोदरापल्ली, गियोइमुंडी, गोबिंदराजपुर, गोपालपुर, गोपालसागर, गोठगन, गोविंदपुर, गुरुसेठी, हल्दियापदर, हरिचंदनपुर, जयंतीपुर, कलियाला, केशरीपरहा, खड़ंग राजेंद्रपुर, खैरा, खमारीगान, खंडदेउली, खरखरिया, खरिनीपरहा, कोलाथिया, कोलियाला, कोलुआ, कृपासिंधुपल्ली, लालाकामागन, लुडुलुडा, महुलापरहा, मनीषीपेंथा, मर्दराजपुर, मुकुंदपुर, मुंडाकेरी, नंदीगन, नारायणपुर, नुआगढ़, नुआपेंथा, पांडिरी, पारबतीपुर, पात्रपुर, पीतांबरपुर, पोदाडिगी, पोलराजपुर, राजापुर, सहसपुर, सामंतियापल्ली, संतोषपुर, सपंगा, सारधापुर, शत्रुमर्दनसिंघपुर, श्रीरामपुर, सुरंगी, तम्बापुर, तंदीपुर, थानागाम, तूतीपुर	पात्रपुर,	गंजाम	ओडिशा
19.	अनंगपुर, अंकोराहा, बरहा डुमुला, भक्तपद्मनाभापुर, भीमापुर शासन, भुसुंडा, बीजे पद्मनाभपुर, बीरा लक्ष्मीनारायणपुर, बीरा पद्मनाभपुर, चैतन्यपुर, चकपरहा, चक्रपुर, चंचरापल्ली, छत्रमंदिर, चुरहंगापुर, दक्षिणपुर, दसैईपुर, दिगपहांडी, गोकर्णपुर, गुहालापुर, गुंथापारा, जंगमा, झगरापल्ली, झारीपदर, झटिपटिया, कैथरहा, कल्याणपुर, कल्याणपुरटोट बगड़हा, कम्मापद्मनाभापुर, कंडासरा, कारापारा, कंदारपुर, खस्पा संतरापुर, खिलापहाडा, कृष्णचंद्रपुर, कुशापहा, लक्ष्मीनारायणपुर, मदनमोहनपुर, मगुरापरहा, मंगराजपुर, मटियाबुरी, नबरंगपुर, नंदागन, नरसिंहपुर, नरेंद्रपुर, ओस्तानगापुर, ओरहासिंगी, पद्मनाभपुर पेंथ, पदपुरुषोत्तमपुर, पटांडा, पुंजिकायन, राजापुर, रामचंद्रपुर, रुशिकुल्या, सना डुमुला, सुमंतपुर, तुरुबुरही, बौरीपदर, अमलगुरा	दिगपहंडी	गंजाम	ओडिशा
20.	अरकबद्रा, बडबाडा, कोलिगन, मदनमोहनपुर	इच्छापुरम	श्रीकाकुलम	आंध्र प्रदेश
21.	अमरावती, अम्पुरम, अर्जुनपुरम, अरुवासरियापल्ली, बल्लीपुत्तुगु, बसुबंजारी, बेलुपाड़ा, बेसी रामचन्द्रपुरम, भैरिपुरम, भिन्नाला, भिन्नाला कोट्टुरु, भोगबेनी, भुवनपुरम, बोनमाली, बुरादापाडु, चिलकलामेट्टा, चिन्ना बोनमाली, चौटरायिपलेम, डेलेश्वरम, देप्पीपाड़ा, धार मेट्टा, डोलागोविंदपुरम, गंगाधरपुरम, गोकर्णपुरम, गोला कांचिली, गोपाकेली, गुंडम, जादुपुडी, जकारा, जलंत्रकोटा, जनार्दनपुरम, जन्नाघई, जिलुंडा, कालापानी, कलिंग विधि, कम्मा बंजारी, कांचिली, करतली, केशरीपाड़ा, केशुपुरम, कोल्लुरु, कोंडापोलेरु, कोट्टा अम्पुरम, कोट्टा भोगबेनी, कुम्मीगुड्डी, लक्ष्मीपुरम, मधुपुरम, मधुपुरम उप्परिपेटा, महलपाडु, माणिक्यपुरम, मट्टम सरियापल्ली, मुकुंदपुरम, मुंडाला, नारायणबत्ती, नारायणपुरम, निलिगुड्डी, नुवागड़ा, पद्मनाभपुरम, पद्मतला, पटाकोटा, पात्रापाड़ा, पेद्दा अम्पुरम, पेद्दा बोनमाली, पोलेरु, पोटीगुड्डी, पुदाभद्रा, पूर्ण सासनम, पुरुषोत्तमपुरम, रागमटिया, रंगापुरम, रेखादेवीपुरम, रेवड़ी उप्पारीपेटा, सागरनोवगम, सामंता रामचन्द्रपुरम, सरियापल्ली, सासनम, सातवाबोनी कोंडा, सीतासाही, सोमपेटा आरएस, तिम्मलंगी, वीरनारायणपुरम, येकला	कांचिली	श्रीकाकुलम	आंध्र प्रदेश
22.	बलरामपुरम, बंजारी, बेसी रामचन्द्रपुरम, बेलिपट्या, भोगापुरम, भूषाभद्रा, बोरंता, चौकापेटा, जगतिकेसुपुरम, जलंत्रापोतांगी, जराबंदा, कलिंगविधि, करंजभद्रा, कार्तलीपालेम, कटेवुरु, कोरबंदा, कोर्रयीपेटा, लक्ष्मीनारायणपुरम, महादेवीपुरम, मकन्नापुरम, मुसभद्रा, पद्मनाभपुरम, पल्ली सासनम, पत्रकोंडा, पोट्टांगी, पूर्ण सासनम, रामकृष्णपुरम, संदु कोट्टुरु, सारदापुरम, सिकुली, सोमपेटा, श्रीपुरम, सुनकुंडी, ताविरी, उप्पारीपेटा, विक्रमपुरम	सोमपेटा	श्रीकाकुलम	आंध्र प्रदेश
23.	अच्युतापुरम, अल्लीमेराका, अंबुगम, बालाजीपुरम, बालीगाम, बंजिरी, बेलीपट्टिया, भन्नाली, चेरुवु, चिन्ना सुभद्रापुरम, डबरू, देवपुरम, गोपालपुरम, गोविंदपुरम, हरिपुरम, हुन्नाली, जिलुंडा, कमलापुरम, करेपल्ली, कोंडालगम, कुंटुकोटा, कुसुमला, लक्ष्मीनारायणपुरम, लोगम, मदनपुरम, मध्य, महादेवीपुरम, मकरजोला, मालागोविंदपुरम, मंदसा, मोगालाईपेटा, मुकुंदपुरम, मुलिपाडु, नागरमपल्ली, पिडी मंडासा, पिम्पीडिया, पिटाथोली, पुच्चपाडु, राधाकृष्णपुरम, रघुनाथपुरम, राजपुरम, रंगनाधापुरम, संकुजोड्डु, सारंगपुरम, सावर मध्य, सिद्दीगम, श्रीपुरम, श्रीरामपुरम, सुंडीपुडी, सुवर्णपुरम, तबागम, उम्मागिरी, उप्पारीपेटा, वासुदेवपुरम, वेंकटवरदराजपुरम, वीरभद्रपुरम, विरागुन्नामपुरम	मंदासा	श्रीकाकुलम	आंध्र प्रदेश
24.	बोड्डापाडु, चिन्ना सुम्मादेवी, चिन्ना सुवर्णपुरम, गेड्डाविधि, गोपितुविधि, गुरुडेसपुरम, कोब्बरीचेटलुरु, कोइजोला, कोट्टुरु, कोययुदुविधि, लोगम, ममिदिमेट्टु, निलावती, पेद्दा बहादापल्ली, पेद्दा माकनपल्ली, पेद्दा सुम्मादेवी, रामकृष्णपुरम, रामरायी, रामरायी कोंडा, रंगोई, सिम्हाचलमपेटा, सुम्मादेवी आर एस, तारलाकोटा	पलासा	श्रीकाकुलम	आंध्र प्रदेश

मार्ग सरेखण की प्रति अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में उपलब्ध है। एतद्द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि वे इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से (02) दो माह के भीतर, अर्थात 06.06.2026 से पूर्व प्रस्तावित पारेषण प्रणाली के संबंध में अपनी टिप्पणियाँ/अभ्यावेदन अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में लिखित रूप में प्रस्तुत करें। अधिक विवरण और स्पष्टीकरण के लिए कृपया संपर्क करें:

नाम : श्री मानस रंजन पति
पदनाम : परियोजना प्रभारी, एसआर एंड ईआर पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड
पता : पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, प्लॉट नं. 4, यूनिट-41, नीलाद्रि विहार, चन्द्रशेखरपुर, भुवनेश्वर, पिन-751021
ईमेल पता : mrpati@powergrid.in
फोन नं. : 7909008512

एसआर एंड ईआर पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड

(पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी)

कॉर्पोरेट कार्यालय: "सौदामिनी", प्लॉट नं. 2, सैक्टर-29, गुरुग्राम-122001 (हरियाणा) फोन: 0124-2571700-719

पंजीकृत कार्यालय: बी-9, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110016 फोन: 011-26560112, 26560121

www.powergrid.in **सीआईएन:** U42201DL2025GOI453688

अधिवक्ता समीर हत्याकांड : तीन दोषियों को फांसी, 10 लाख का जुर्माना

एक को सात साल की सजा, फैसले में लिखी कविता

मुजफ्फरनगर, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। मुजफ्फरनगर शहर कोतवाली क्षेत्र के अधिवक्ता समीर सैफी (28) की अपहरण के बाद हत्या के मामले में अदालत ने तीन दोषियों को फांसी की सजा सुनाई है। एक दोषी को सात साल की सजा सुनाई।

अपर जिला एवं सत्र न्यायालय/फास्ट ट्रैक कोर्ट संख्या-तीन के पीठासीन अधिकारी रवि कुमार दिवाकर ने फैसला सुनाया। शहर के लद्दावाला से 15 अक्तूबर 2019 की शाम संदिग्ध हालात में अधिवक्ता समीर सैफी गायब हो गए थे। इसके बाद 19 अक्तूबर को भोपा क्षेत्र के सीकरी में शव बरामद हुआ था। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि 40 लाख के लेन-देन के विवाद में अधिवक्ता का अपहरण कर हत्या की वारदात अंजाम दी गई थी। वादी अजहर ने मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने बकरा मार्केट निवासी सोनू उर्फ रिजवान, सिंगोल अल्वी, शालू उर्फ अरबाज एवं भोपा के सीकरी निवासी दिनेश के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया गया। अभियोजन पक्ष की ओर से छह गवाह अदालत में पेश किए। शनिवार को आरोपियों पर दोष सिद्ध हुआ था। अदालत ने सोमवार को सुनवाई करते हुए सोनू उर्फ रिजवान, सिंगोल अल्वी, शालू उर्फ अरबाज को फांसी की सजा सुनाई। चौथे आरोपी दिनेश को सात साल की सजा सुनाई गई।

किसे क्या सुनाई गई सजा

दोषी सिंगोल अल्वी, सोनू उर्फ रिजवान एवं शालू उर्फ अरबाज को अपहरण, हत्या, साजिश और साक्ष्य मिटाने में दोषी पाया गया। तीनों दोषियों को फांसी की सजा सुनाई गई। दोषी दिनेश पर साक्ष्य मिटाने का आरोप साबित हुआ। सात साल की सजा सुनाई गई।

सिंगोल अल्वी के साथ सुबह झगड़ा, शाम को हत्या

जांच में सामने आया कि कार सिंगोल अल्वी की थी। आरोपी सोनू उर्फ रिजवान कार का ड्राइवर था, जबकि शालू उर्फ अरबाज और दिनेश उसके नौकर थे। सिंगोल अल्वी ने सीकरी में एक मुर्गी फार्म बना रखा था। दिनेश मुर्गी फार्म की देखभाल करता था। रॉयल पोल्ट्री फीड के नाम से समीर का रजिस्ट्रेशन था और इसी नाम से उसके बैंक खाते थे। फर्म को चलाने के लिए करीब 25 लाख रुपये का लोन भी लिया था। वारदात की सुबह आठ बजे लेन-देने को लेकर उसके भाई का सिंगोल अल्वी के साथ झगड़ा हो गया था।

वारदात के दिन हुआ था चैंबर का उद्घाटन

बचाव पक्ष के अधिवक्ता ने तर्क प्रस्तुत किया गया है कि मृतक मोहम्मद समीर एडवोकेट नही था, क्योंकि वह निजी व्यापार भी करता था। इस पर अभियोजन की ओर से तर्क प्रस्तुत किया गया कि यह बात सही है कि समीर एडवोकेट पूर्व में निजी व्यापार भी करता था और नया-नया बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश में रजिस्ट्रेशन कराकर अधिवक्ता नियुक्त हुआ था। अजहर ने अपने मुख्य बयान में कथन किया है कि घटना के दिन ही समीर ने कचहरी में अपने चैंबर का उद्घाटन किया।

क्या था मामला

पुलिस ने खुलासा किया था कि समीर का आरोपियों के साथ करीब 40 लाख रुपये के लेन-देन का हिसाब था। मृतक अपने रुपये मांग रहा था लेकिन आरोपियों ने देने से मना कर दिया और हत्या की साजिया रची। शहर से कार में ले जाकर भोपा क्षेत्र के सीकरी फार्म पर रस्सी से गला घोंटकर हत्या कर दी और शव को मिट्टी में दबा दिया।

रूठ कर मायके गई पत्नी, जीजा ने साली का अपहरण कर मांगी अपनी पत्नी

बाराबंकी, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। पति-पत्नी विवाद के मामले आपने बहुत सुने और देखे होंगे, लेकिन उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले से एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है। आए दिन होने वाली कलह से अजीज आकर पत्नी रूठ कर अपने मायके चली गई।

एक माह तक पति पत्नी को वापस लाने के लिए लाख कोशिशें करता रहा, लेकिन पत्नी वापस नहीं आई। इसके बाद पति ने चौंका देने वाला कदम उठा लिया। उसने अपनी नाबालिग साली का अपहरण कर लिया और उसके बदले में अपनी पत्नी वापस मांगी। मामला लोनी कटरा थाना क्षेत्र का है। सुभाष वर्मा की तीन साल पहले कोठी की रहने वाली युवती से शादी हुई थी। शादी के कुछ दिन बाद ही पारिवारिक कलह शुरू हो गई। किसी तरह तीन साल पत्नी ने काट दिए।

सत्ता नहीं, संस्कार की है भाजपा की विकास यात्रा : मुख्यमंत्री योगी

गोरखपुर, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस पर गोरखनाथ मंदिर परिसर स्थित हिंदू सेवाश्रम भवन की छत पर पार्टी का झंडा फहराया।

इस अवसर पर उन्होंने झंडे के सम्मुख पार्टी पदाधिकारियों के साथ सेल्फी ली और सभी को स्थापना दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। सीएम योगी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, 'तेरा वैभव अमर रहे मां, हम दिन चार रहें न रहें' दुनिया के सबसे बड़े राजनीतिक दल भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस पर आज जनपद गोरखपुर में आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित हुआ। इस अवसर पर संगठन के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को सम्मानित भी किया। भारतीय जनता पार्टी ने 'राष्ट्र सर्वोपरि' मंत्र के साथ उत्तर से दक्षिण, पूरब से पश्चिम, 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की संकल्पना को साकार करते हुए अपनी गौरवपूर्ण यात्रा को यशस्वी ढंग से आगे बढ़ाया है। सभी समर्पित कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई तथा मंगलमय शुभकामनाएं। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि भाजपा की विकास यात्रा सत्ता की नहीं, संस्कार की है। विस्तार की नहीं, विचार की है।

भाजपा के स्थापना दिवस पर इससे पहले एक्स पर एक पोस्ट के जरिये सीएम योगी ने कहा, विश्व के सबसे विशाल राजनीतिक दल भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस की सभी समर्पित कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई। भाजपा मात्र एक राजनीतिक संरचना नहीं, बल्कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी और भारत रत्न अटल जी के उदात्त लोकतांत्रिक आदर्शों एवं सात्विक सनातनी जीवन मूल्यों से अभिसिंचित एक जीवंत विचार परंपरा है। उन्होंने कहा, राष्ट्र प्रथम की भावना से ओतप्रोत यह राष्ट्रवादी परिवार आज एक विशाल वटवृक्ष बन चुका है, जो सेवा, संस्कार और समर्पण के संकल्प के साथ 145 करोड़ देशवासियों की आशाओं व आकांक्षाओं को निरंतर शक्ति दे रहा है।

बीमा राशि के लिए बीवी-बच्चा मारा

नशीली गोली खिलाकर किया था महिला सिपाही को बेहोश, फिर फूंक दी थी कार

रामपुर, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। रामपुर के गंज क्षेत्र में महिला सिपाही और उसके बेटे की हत्या का सनसनीखेज खुलासा हुआ है। पुलिस ने मामले में महिला सिपाही के पति दान सिंह सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। यह हत्या बीमा की धनराशि हड़पने के लिए की गई थी। पुलिस अधीक्षक सोमेंद्र मीणा ने बताया कि श्रावस्ती में तैनात सिपाही लता और उसके बेटे लड्डू 25 फरवरी को कार में आग लगने से मौत हो गई थी। गंज क्षेत्र में हुई इस घटना में पति दान सिंह घायल हो गया था। शुरुआती जांच में इसे हादसा माना गया, लेकिन बाद में यह एक सोची-समझी साजिश निकली।

जांच में सामने आया कि दान सिंह ने ही पत्नी लता की हत्या की थी। हत्या से पहले उसने पत्नी को नशीली गोली खिलाकर बेहोश कर दिया था। बेहोशी की हालत में उस पर हथौड़ी से हमला किया गया। इसके बाद कार में आग लगा दी गई, जिससे मां-बेटे की मौके पर ही मौत हो गई। दान सिंह ने अपने साथियों के साथ मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस के अनुसार, दान सिंह का मुख्य मकसद पत्नी की मौत के बाद मिलने वाली बीमा धनराशि को हड़पना था। उसने इस जघन्य अपराध को अंजाम देने के लिए साजिश रची।

कॉलेजों ने तोड़ी नियमों की सीमा

तय सीट से ज्यादा नामांकन; एक कोर्स के लिए दो विवि से ले ली मान्यता

वैशाली, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। वैशाली जिला पहले भी शिक्षा में गड़बड़ियों को लेकर सुर्खियों में रहा है, चाहे टॉपर घोटाला हो, डिग्री घोटाला या परीक्षा केंद्रों को लेकर विवाद। हालांकि हाल के दिनों में ऐसे मामले सामने नहीं आ रहे थे लेकिन अब एक बार फिर जिले की शिक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं।

हाजीपुर स्थित इंदू देवी रंजीत कुमार प्रकाश प्रोफेशनल कॉलेज और डॉ. रंजीत कुमार प्रकाश कॉलेज की कार्यप्रणाली को लेकर गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। डीएम वर्षा सिंह के निर्देश पर गठित जांच टीम ने दोनों कॉलेजों में कई खामियां पाई हैं और उनकी संबद्धता पर पुनर्विचार के लिए विश्वविद्यालय को अनुशंसा की है। मालूम हो कि कई शिकायतों के बाद डीएम ने जांच टीम का गठन किया था, जिसमें उप विकास आयुक्त कुंदन कुमार समेत अन्य अधिकारी शामिल थे। टीम ने 23 मार्च को दोनों कॉलेजों का स्थलीय निरीक्षण किया, जिसमें कई अनियमितताएं उजागर हुईं।

आवंटित सीट से ज्यादा लिया नामांकन

जांच के दौरान पाया गया कि इंदू देवी रंजीत कुमार प्रकाश प्रोफेशनल कॉलेज ने कई कोर्स में निर्धारित सीटों से अधिक छात्रों का नामांकन लिया। कॉलेज द्वारा दिए गए आंकड़ों के अनुसार बीबीए कोर्स के लिए 300 सीट आवंटित हैं लेकिन 411 छात्रों का नामांकन किया गया। इसी तरह बीसीए कोर्स में 300 सीट के मुकाबले 413 छात्रों का दाखिला लिया गया। यह भी सामने आया कि एक ही कोर्स के लिए कॉलेज ने दो अलग-अलग विश्वविद्यालयों से संबद्धता ले रखी है, जो अपने आप में गंभीर सवाल खड़े करता है। जांच टीम को मिले दस्तावेजों के अनुसार एमबीए कोर्स के लिए कॉलेज को बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर बिहार विश्वविद्यालय से 240 सीट और आर्यभट्ट नॉलेज विश्वविद्यालय से 360 सीट की अनुमति मिली है।

इसी प्रकार एमसीए कोर्स में बीआरएबीयू से 60 और एकेयू से 120 सीट आवंटित हैं। विशेषज्ञों के अनुसार एक ही कॉलेज द्वारा एक ही कोर्स के लिए दो अलग-अलग विश्वविद्यालयों से संबद्धता लेना गंभीर अनियमितता है और छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ की आशंका भी जताई जा रही है। अब वैशाली जिला प्रशासन पूरे मामले की जांच कर रहा है। शिक्षा विभाग भी इस मामले को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई की तैयारी में है। सवाल यह उठ रहा है कि कहीं यह मामला फिर से डिग्री घोटाले जैसी स्थिति की ओर तो नहीं बढ़ रहा, जहां बिना उचित पढ़ाई के छात्रों को डिग्री देने का खेल चलता रहा हो।

'बिहार के सीएम निशांत कुमार जिंदाबाद'

नारेबाजी होने पर मुस्कराते रहे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार

पटना, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के एक कार्यक्रम में उनके पुत्र निशांत कुमार के जिंदाबाद के नारे लगे। सीएम नीतीश कुमार ने सोमवार को बिहार विधान परिषद के अतिथि निवास का उद्घाटन किया। इस दौरान जब नीतीश अतिथि ग्रह का अवलोकन करके निकल रहे थे, तब वहां मौजूद जनता दल यूनाईटेड (जेडीयू) के कार्यकर्ताओं ने निशांत कुमार जिंदाबाद के नारे लगाए। नीतीश इस दौरान सभी का अभिवादन करते हुए आगे बढ़ गए। कार्यकर्ताओं ने नारों में निशांत कुमार को 'बिहार का सीएम' भी कह डाला।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को पटना में नवनिर्मित विधान परिषद अतिथि निवास का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कैंटीन, पुस्तकालय भवन और सामुदायिक केंद्र का भी शुभारंभ किया।

निशांत कुमार के समर्थकों ने दिखाया जोश

इस कार्यक्रम में जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भवनों और परिसर में मौजूद व्यवस्थाओं का अवलोकन करके निकल रहे थे, तब वहां मौजूद भीड़ में मौजूद उनके और निशांत कुमार के समर्थक लोगों और जेडीयू के कार्यकर्ताओं ने नारे लगाना शुरू कर दिया। वे नारे लगा रहे थे , 'निशांत कुमार जिंदाबाद।' चंद सेकेंड मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार के जिंदाबाद के नारे लगे और फिर यह नारे बदल गए।

सुहागरात पर दुल्हन को बाहों में लेते ही खुल गई पोल

> थाने पहुंचा दूल्हा; बोला-मेरे साथ बड़ा धोखा हुआ है

मैनपुरी, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। मैनपुरी के किशनी थाना क्षेत्र में एक ऐसे हैरान करने वाले मामले ने लोगों को चौंका दिया है, जहां एक युवक को शादी की पहली रात को पता चला कि वह जिस महिला को अपनी दुल्हन बनाकर घर लाया है, वह मंगलामुखी (किन्नर) है। इस खुलासे के बाद घर की खुशियां मातम में बदल गईं और परेशान युवक ने थाने में तहरीर देकर धोखाधड़ी का आरोप लगाया है।

जानकारी के अनुसार, किशनी थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी युवक की शादी 25 मार्च को थाना बिछवां क्षेत्र के एक गांव की युवती के साथ बड़े धूमधाम से संपन्न हुई थी। शादी समारोह हंसी-खुशी के माहौल में पूरा हुआ। अगले दिन जब युवक अपनी नई नवेली दुल्हन को विदा कराकर घर लाया, तो घर में मंगल गीत गाए जा रहे थे और खुशियां छाई हुई थीं। परिवार के सदस्य नवविवाहिता का स्वागत कर रहे थे।

पहली रात का चौंकाने वाला सच

सब कुछ सामान्य लग रहा था, लेकिन शादी के दो दिन बाद, यानी 28 मार्च को युवक को एक ऐसे सच का पता चला जिसने उसे हिलाकर रख दिया। उसे पता चला कि जिसे वह अपनी पत्नी के रूप में घर लाया है, वह वास्तव में एक मंगलामुखी है। यह जानकारी मिलते ही युवक और उसके परिजनों के होश उड़ गए। घर में खुशी का माहौल अचानक तनावपूर्ण हो गया।

धोखाधड़ी का आरोप और पुलिस में शिकायत

परेशान युवक ने तत्काल अपने परिजनों को इस बारे में बताया। परिवार ने मिलकर इस मामले पर विचार किया और युवक ने थाने पहुंचकर अपनी आपबीती सुनाई। उसने तहरीर में आरोप लगाया है कि उसके ससुरालवालों ने उससे यह महत्वपूर्ण बात जानबूझकर छुपाई और धोखाधड़ी करके उसकी मंगलामुखी से शादी करा दी। युवक का कहना है कि शादी के समय या उससे पहले इस बारे में कोई भी जानकारी उसे या उसके परिवार को नहीं दी गई थी।

जेवर और नकदी लेकर मायके लौटी दुल्हन

युवक ने यह भी बताया कि पत्नी का जब सच सामने आया, तो वो अपने मायके लौट गई। वो अपने साथ शादी में मिले सारे जेवर और नकदी भी ले गई है। इस पूरी घटना से आहत युवक ने पुलिस से तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

थाना किशनी पुलिस ने युवक की तहरीर पर मामले की गंभीरता को समझते हुए जांच शुरू कर दी है। पुलिस धोखाधड़ी के इस मामले की तह तक जाने का प्रयास कर रही है और संबंधित पक्षों से पूछताछ की जा रही है। इस अनोखे मामले ने क्षेत्र में चर्चा का विषय बना दिया है।

मंदिर का घंटा बजाते ही मौत

आगरा, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। आगरा के इरादतनगर थाना क्षेत्र के दारापुरा गांव में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। 11000 वोल्ट की हाईटेंशन विद्युत लाइन मंदिर के ऊपर से गुजर रही थी, जिसके कारण मंदिर के त्रिशूल में करंट आ गया।

यह करंट त्रिशूल की सरिया और उससे लटकी लोहे की जंजीर से जुड़े घंटे तक फैल गया। दुर्भाग्यवश, इसी दौरान मंदिर में पूजा-अर्चना करने पहुंची 49 वर्षीय पुष्पा पत्नी नीरज बाबू की करंट की चपेट में आने से मौके पर ही दुखद मृत्यु हो गई। घटना के बाद ग्रामीणों में गहरा आक्रोश व्याप्त है।

वाराणसी में बिरयानी के बाद अब गंगा की लहरों पर शराब पार्टी : दशाश्वमेध एसीपी बोले-होगी कार्रवाई

वाराणसी, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। बीते दिनों वाराणसी जिले में गंगा में नाव पर सवार हो कर कुछ मुस्लिम युवकों ने इफ्तारी की थी। इस इफ्तारी में युवकों ने बिरयानी खाने का वीडियो भी बनाया था। जिसके बाद 14 युवकों को जेल भेज दिया गया था। अब एक वीडियो और वायरल हो रहा है, जिसमें नाव पर सवार लोग तेज आवाज में डीजे की धुन पर शराब पीते दिख रहे हैं। वीडियो बड़ी तेजी से वायरल हुआ।

जिसके बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने सवाल पूछना शुरू कर दिया कि क्या इफ्तारी करने वालों की तर्ज पर ही इन पर भी कार्रवाई होगी। वीडियो सामने आने के बाद एसीपी दशाश्वमेध ने कहा कि वीडियो संज्ञान में आया है और चिह्नित करके इन युवकों पर भी कार्रवाई की जाएगी।

हाथ में दिख रहा है शराब का केन

दरअसल, मल्लाह समाज मिर्जापुर स्थित अदलपुरा के शीतला मंदिर हर साल जाते हैं। मल्लाह समाज बधावा के इस पर्व को बड़े उत्साह से साथ मनाते हैं। सभी नाविक अपनी-अपनी नावों को सजा कर गंगा के रास्ते शीतला मंदिर तक जाते हैं। रविवार को भी सैकड़ों की संख्या में नाविक अपनी-अपनी नावों पर डीजे लगा कर नाचते गाते शीतला मंदिर जाते हैं। दावा किया जा रहा है कि इस दौरान वीडियो में दिख रहे नाविक के हाथ में बीयर की केन है। बगल में ही एक नाव में बड़ा सा डीजे भी लगा है और तेज आवाज पर नाविक उत्साह के साथ नाच गाना कर रहे हैं। हालांकि, ये साफ नहीं है कि ये वीडियो वाराणसी का है या मिर्जापुर के क्षेत्र का है। वीडियो वायरल होते ही सोशल मीडिया पर लोगों ने इस घटना को इफ्तारी वाली घटना से जोड़ दिया। लोग सवाल करने लगे हैं कि अगर नाव पर बिरयानी खाने से 14 लोगों को जेल भेज दिया तो अब गंगा नदी में शराब पीने पर भी कार्रवाई होनी चहिए।

बीवी, महिला मित्र और नौकरानी सब की सब करोड़पति

बिहार का एसडीपीओ तो इंटरनेशनल इनवेस्टर निकला

पटना/किशनगंज, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार में किशनगंज के एसडीपीओ रहे गौतम कुमार से जुड़े कई राज खुल रहे हैं। बिहार, बंगाल, दिल्ली, हरियाणा, यूपी के अलावा नेपाल की भी प्रॉपर्टी में इनवेस्ट किया है। ईओयू ने कुछ सबूत जुटा लिए है। कुछ जुटाई जा रही है। इनकी बीवी, महिला मित्र और नौकरानी सब की सब करोड़पति है। सबके पास बंगला, जमीन-जायदाद और लग्जरी कार है। एसडीपीओ गौतम कुमार की संपत्तियों के सत्यापन के लिए ईओयू ने तीन टीमें बनाई है। इसके अलावा एडिशनल एसपी के नेतृत्व में एक टीम किशनगंज में भी कैंप कर रही है। आय से अधिक संपत्ति मामले के आरोपी किशनगंज के एसडीपीओ रहे गौतम कुमार की बेनामी संपत्तियों और निवेश को आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) खंगाल रही है। इसको लेकर ईओयू की तीन अलग टीम बनाई गई। इसके अलावा नेपाल और पश्चिम बंगाल में भी उनकी संपत्तियों के सुराग मिले हैं। इसको लेकर ईओयू मुख्यालय के स्तर पर स्थानीय सिविल और पुलिस प्रशासन से संपर्क साधा गया है।

बताया जा रहा है कि एडिशनल एसपी के नेतृत्व में ईओयू की एक टीम किशनगंज में पिछले छह दिनों से लगातार कैंप कर एसडीपीओ गौतम कुमार की बेनामी संपत्तियों को लेकर मिले तथ्य और सूचनाओं को सत्यापित करने के काम में जुटी है। 31 मई को एसडीपीओ के ठिकानों पर हुई छापेमारी के बाद से ही यह टीम किशनगंज एवं पूर्णिया में मिली उनकी संपत्तियों का सत्यापन कर रही है।

सरकारी शिक्षिका का नग्न शव मिला, पति से चल रहा था मनमुटाव, हत्या की आशंका

मुरादाबाद, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। रामपुर के सिविल लाइंस कोतवाली क्षेत्र के शिव विहार कॉलोनी में एक सरकारी शिक्षिका का नग्न शव उसके किराए के मकान में मिला। शिक्षिका की पहचान एकता उर्फ पूजा के रूप में हुई है। वह बेसिक शिक्षा विभाग में कार्यरत थी। पुलिस ने हत्या की आशंका जताते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। शिक्षिका एकता अपने पति राहुल और बेटे के साथ करीब दो साल से शिव विहार कॉलोनी में सुभाष के मकान में किराए पर रह रही थी। बताया जाता है कि राहुल नशे का आदी था। इसके चलते घर में अक्सर झगड़े होते थे। कुछ दिन पहले झगड़ा होने के बाद राहुल अपने बेटे को लेकर मेरठ चला गया था।

30 पैसे लगाकर 100 रुपये में बेचते थे

पुलिस के डर से 10 फीट गड्ढे में दबाईं दवाएं, जेसीबी से निकाली गईं

नोएडा, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। नकली दवाएं बनाकर बेचने के आरोप में दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने सबसे पहले निखिल अरोड़ा उर्फ सन्नी को दबोचा। इससे पूछताछ के बाद टीम आरोपी शिवम त्यागी के घर पहुंची तो वहां पुलिस को कुछ नहीं बरामद हुआ। सख्ती से पूछताछ करने पर शिवम ने बताया कि पुलिस के डर से उसने करीब 10 फीट गहरा गड्ढा खोदकर दवाओं को दफना दिया है। टीम ने जेसीबी मशीन के जरिये शिवम की बताई जगह पर खुदाई कराई तो करीब 40 हजार टैबलेट और कैप्सूल दफन मिले।

100 रुपये एमआरपी की दवा बनाने में महज 30 पैसे का खर्चा

छानबीन के दौरान पुलिस को पता चला है कि आरोपी निखिल अरोड़ा का भागीरथ पैलेस में थोक में दवा बेचने का पुराना कारोबार है। वह लभभग सभी नामी कंपनियों की दवाएं बेचता था। निखिल ने खुलासा किया है कि वह पिछले कई साल से शिवम, मयंक और मोहित के संपर्क में था। यह तीनों ही उसे दवाएं सप्लाई करते थे। पुलिस की गिरफ्त में आने के बाद आरोपियों ने खुलासा किया है कि 100 रुपये एमआरपी की दवा बनाने में महज 30 पैसे का खर्चा आता है। बाद में इन दवाओं को एमआरपी के 20 से 25 फीसदी कीमत पर होलसेलर को बेच दिया जाता था। इस तरह मोटा मुनाफा कमाया जाता था। जांच के दौरान आरोपियों ने बताया है कि वह लगभग सभी कंपनियों की दवा बनाकर बेचते थे। पुलिस की छानबीन में पता चला है कि आरोपी मयंक अग्रवाल के खिलाफ पहले नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने वर्ष 2013 में मामला दर्ज किया था। इसके बाद मुरादनगर, गाजियाबाद में जनवरी 2026 में एक और मामला दर्ज किया था। आरोपी मयंक लगातार नकली दवा बेचने के मामलों में शामिल रहा है। पुलिस इनके बाकी नेटवर्क का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

पुलिस की पूछताछ में आरोपी राहुल और शाहरुख ने खुलासा किया है दवाओं को बेचने के लिए बनाने वाले बिल के लिए आरोपी फर्जी कंपनियां बनवाते थे। जितने मोटे बिल होते थे, उसके हिसाब से कंपनी की कीमत होती थी। आरोपी एक लाख से डेढ़ लाख रुपये में दवा कारोबारियों कंपनी बनाकर देते थे। फिलहाल दोनों के पास से करीब 150 फर्जी कंपनियों का पता चला है। राहुल ने खुलासा किया है कि फर्जी कंपनी इन लोगों को भी कोई दूसरा व्यक्ति 20 से 25 हजार में देता था।

पाकिस्तान की अक्ल आएगी ठिकाने

भारत को ईरान ने चाबहार पोर्ट पर दे दिया बड़ा भरोसा

नई दिल्ली, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत की मदद से बन रहे रणनीतिक चाबहार बंदरगाह का काम पश्चिम एशिया युद्ध की वजह से रुका पड़ा है। ऐसे में पाकिस्तान मन ही मन खुश हो रहा था, मगर अब उसकी यह खुशी ज्यादा देर टिकने वाली नहीं है। दरअसल, ईरान ने यह भरोसा दिलाया है कि एक बार जैसे ही यह युद्ध खत्म होगा, बंदरगाह को पूरा करने का काम तेजी से कर लिया जाएगा। चाबहार को मध्य एशिया के लिए गोल्डन गेट माना जाता है। ईरानी राजदूत का यह बयान ऐसे नाजुक वक्त पर आया है जब भारत ईरान पर लगे अमेरिकी प्रतिबंधों के तहत अपने विकल्पों पर विचार कर रहा है। प्रतिबंधों में छूट की अंतिम समयसीमा 26 अप्रैल, 2026 नजदीक आ रही है।

युद्ध थमे तो तेजी से होगा चाबहार का काम : ईरानी राजदूत

युद्ध के दौरान चारो ओर बमबारी हो रही है। पूरे पश्चिम एशिया में संकट बढ़ गया है। ऐसे में ईरान के भारत में राजदूत मोहम्मद फथाली ने कहा है कि ईरान का भारत के साथ आर्थिक संपर्क बना हुआ है। यह युद्ध के दौरान भी स्थिर बना हुआ है। युद्ध बंद होने के बाद हालात सुधरने पर इसमें और तेजी आएगी। दो देशों के बीच संबंध आपसी हित और भरोसे की बुनियाद पर टिके होते हैं। ईरान का भारत के साथ आर्थिक संपर्क बना हुआ है। यह युद्ध के दौरान भी स्थिर बना हुआ है। युद्ध खत्म होने के बाद हालात सुधरने पर इसमें और तेजी आएगी।

भारत-ईरान के संबंध युद्ध के बाद भी सकारात्मक रहेगा

मोहम्मद फथाली ने कहा कि युद्ध के दौरान जो बाधाएं हैं, वो महज गतिरोध हैं। उन्होंने कहा कि तेहरान का भारत-ईरान आर्थिक संबंधों के भविष्य को लेकर नजरिया खासतौर पर युद्ध के बाद पॉजिटिव है। फथाली ने कहा-दो राष्ट्रों के बीच आर्थिक सहयोग आपसी हित और भरोसे पर टिका होता है। इसमें आगे के विकास के लिए महत्वपूर्ण क्षमता होती है।

तेजी से बदलते भू-राजनीतिक, भू-रणनीतिक और भू-आर्थिक हालात के बीच चाबहार बंदरगाह की अहमियत बढ़ गई है। नए लॉजिस्टिक हब की आवश्यकता और चल रही भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा ने पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह और ईरान के चाबहार बंदरगाह को प्रमुखता दिलाई है।

ईरानी राजदूत ने कहा-भारत संग ट्रेड-ट्रांजिट में आएगी मजबूती

ईरानी राजदूत ने कहा कि चाबहार प्रोजेक्ट दोनों देशों के संबंधों के लिए महत्वपूर्ण है। मोहम्मद फथाली ने कहा-चाबहार एक स्ट्रेटेजिक प्रोजेक्ट है। यह ईरान, भारत और क्षेत्र के बीच ट्रेड और ट्रांजिट को मजबूत करने के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। चाबहार भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह लैंडलॉक्ड अफगानिस्तान और मध्य एशिया पहुंचने के लिए रास्ता देता है। इसके लिए पाकिस्तान से होकर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी, क्योंकि पाकिस्तान भारतीय वस्तुओं की आवाजाही अपनी जमीन से नहीं होने देगा। चाबहार बंदरगाह ऐसा चोकप्वाइंट बन सकता है, जहां पूरी दुनिया के जहाज गुजर सकते हैं। इससे दशकों से चले आ रहे पश्चिमी देशों का विरोध को कमतर किया जा सकता है।

सेंट्रल एशिया से जुड़ सकेगा समुद्र चाबहार बनेगा वाइटल हब

फथाली ने कहा-हमें यकीन है कि चाबहार एक वाइटल हब बन सकता है, जो सेंट्रल एशिया को समुद्रों से जोड़ सकता है। मौजूदा समय में भारत ने 350 मिलियन डॉलर से ज्यादा का चाबहार में निवेश करने के लिए प्रतिबद्धता जताई है। साथ ही उपकरण, बर्थ और प्रस्तावित अगले चरण में अतिरिक्त बर्थ और रेल कनेक्टिविटी सहित क्रेडिट लाइनें उपलब्ध हैं।

मध्य एशिया का गोल्डन गेट है चाबहार, भारत बना रहा बेहेश्ती पार्ट

ईरान के सिस्तान और बलूचिस्तान प्रांत में मकरान तट पर स्थित चाबहार ईरान का भारत के सबसे निकट स्थित समुद्री बंदरगाह है। यह ओमान की खाड़ी के पास है। चाबहार प्रोजेक्ट में दो मुख्य बंदरगाह शाहिद कलंतरी और शाहिद बेहेश्ती बंदरगाह हैं। भारत बेहेश्ती को ही डेवलप कर रहा है। नवभारत टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, 10 वर्षीय समझौते के तहत विकसित किए जा रहे चाबहार पोर्ट के बेहेश्ती टर्मिनल को भारत बना रहा है।

लिएंडर पेस को मिली 'एक्स' श्रेणी की सुरक्षा

सीआईएसएफ जवानों के घेरे में रहेंगे दिग्गज खिलाड़ी

नई दिल्ली, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने वाले पूर्व टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस को केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 'एक्स' श्रेणी की सुरक्षा मुहैया कराई है। पेस की सुरक्षा में अब सीआईएसएफ के जवान तैनात रहेंगे। लिएंडर पेस भारतीय टेनिस के बड़े नामों में एक हैं और देशभर में लोकप्रिय हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में उन्हें बड़ी भूमिका मिलने की संभावना है। उन्हें चुनाव प्रचार के लिए पूरे राज्य का दौरा करना पड़ सकता है। ऐसे में उनकी सुरक्षा चिंताओं का आकलन करने के बाद गृह मंत्रालय ने उन्हें 'एक्स' श्रेणी की सुरक्षा देने का फैसला लिया है। एक्स श्रेणी की सुरक्षा में 2 सशस्त्र पुलिस कर्मियों की सुरक्षा दी जाती है। इसमें कोई कमांडो शामिल नहीं होता है। हाल ही में लिएंडर पेस भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए हैं। भाजपा में शामिल होने के बाद पेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने के बाद लिएंडर पेस ने कहा था कि मोदी जी ने मुझे बुलाकर एक बंगाली होने के नाते सम्मान दिया और युवाओं व खेलों को लेकर अपना विजन भी साझा किया। आज मैं उसी मिशन को आगे बढ़ाने के लिए यहां मौजूद हूं। पेस ने कहा था कि पीएम मोदी ने उन्हें 2036 ओलंपिक की तैयारियों में अहम जिम्मेदारी सौंपी है। देश की सेवा करने का जज्बा उनके अंदर पूरी तरह से मौजूद है और वे हर चुनौती का सामना करते हुए देश के लिए काम करने को तैयार हैं। लिएंडर पेस भारत के एकमात्र टेनिस खिलाड़ी हैं जिन्होंने ओलंपिक में एकल वर्ग में देश के लिए पदक जीता है। 1996 में अटलांटा ओलंपिक में पेस ने कांस्य पदक जीता था।

'सत्ता में बने रहने के लिए एलडीएफ और भाजपा के बीच समझौता'

तिरुवनंतपुरम, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोमवार को केरल के कन्नूर में एक चुनावी सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने आरोप लगाया कि 9 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए सीपीआई(एम) के नेतृत्व वाले एलडीएफ ने भाजपा के साथ समझौता कर लिया है। प्रियंका ने कहा कि एलडीएफ 10 साल तक सत्ता में बने रहने के लिए अपनी विचारधारा और जिम्मेदारी से समझौता कर रही है। वायनाड की सांसद प्रियंका गांधी ने पेरावूर में कहा कि एलडीएफ ने उस भाजपा से समझौता किया है जो अल्पसंख्यकों को परेशान करती है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा ईसाई समुदाय और उनकी नन को परेशान करती है, फिर भी एलडीएफ उनके साथ है। प्रियंका ने सबरीमाला में हुई चोरी का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस पर एक शब्द भी नहीं बोला।

पाकिस्तान बॉर्डर के पास 30000 फीट की ऊंचाई पर पहुंचेगी इंडियन एयरफोर्स

बड़े मिशन में जुटी वायुसेना

नई दिल्ली, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारतीय वायुसेना एक और कड़ा कदम उठाने जा रही है। इसके तहत इंडियन एयरफोर्स ने पाकिस्तान बॉर्डर से घुसपैठ पर प्रहार करने लिए एक मानवरहित एयरशिप के निर्माण की योजना पर काम शुरू कर दिया है। इस एयरशिप को समुद्र तल से 30000 फीट तक की ऊंचाई पर उड़ान भरने के लिए तैयार किया जा रहा है। यह कम से कम 2000 किलोग्राम और अधिकतम 5000 किलोग्राम वांछनीय भार वहन कर सकेगा। इसके लिए भारतीय वायुसेना ने घरेलू रक्षा कंपनियों से इसके डिजाइन, विकास और निर्माण के लिए बोलियां आमंत्रित की है।

हर विपरीत परिस्थिति में काम करने में सक्षम बनाने पर जोर

ऐसा एयरशिप ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम (जीएनएसएस), इंडियन रीजनल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम (एनएवीआईसी), देसी नेविगेशन सिस्टम और जीएनएसएस-रहित वातावरण में भी काम करने में सक्षम होना चाहिए। भविष्य में, ऐसा एयरशिप मिसाइलों और ड्रोनों के प्रक्षेपण के लिए एक मंच के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।

इस एयरशिप को खतरनाक बनाने की योजना

इस एयरशिप को हाइब्रिड तकनीक पर बनाने पर जोर देने को कहा गया है। यह हाइड्रोजन ईंधन, सौर ऊर्जा या फ्यूल सेल के साथ मिलकर काम कर सकते हैं। 5000 किलोग्राम के विशेष पेलोड ले जाने की क्षमता रखने पर फोकस होगा। ड्रोन और मिसाइल लॉन्च प्लेटफॉर्म के रूप में भी काम कर सकते हैं। यह प्लेटफॉर्म 250 किमी तक की निगरानी और दुश्मन की हरकतों पर नजर रखने में सक्षम होगा। यह एक बार में कम से कम 10 दिनों तक हवा में टिका रह सकेगा। वहीं भविष्य में इस क्षमता को बढ़ाकर 30 दिनों तक करने का लक्ष्य है। एडब्ल्यूएसीएस-एईडब्ल्यू एंड सी जैसे हवाई रडार के समान संचार करने पर होगा जोर। प्रक्षेपास्त्रों या ड्रोन के प्रक्षेपण प्लेटफॉर्म के रूप में कार्य करने के लिए किया जाएगा। ऐसे एयरशिप में कम से कम 250 किमी की सीधी दृष्टि संचार क्षमता पर काम किया जाएगा।

एयरशिप बनाने के लिए घरेलू कंपनियों को मिलेगा मौका

इस योजना के तहत 50 फीसदी से अधिक स्वदेशी सामग्री के साथ स्वदेशीकरण पर जोर दिया गया है। यानी रक्षा मंत्रालय घरेलू डिफेंस कंपनियों को ही जिम्मेदारी देने की प्लानिंग की है। इस प्रोजेक्ट के लिए भारतीय कंपनियों से 30 अप्रैल तक प्रस्ताव मांगे गए हैं। बिड मिलते ही काम शुरू कर दिया जाएगा।

बीजेपी हेडक्वार्टर पर हुए हमले का आईएसआई से कनेक्शन

पंजाब डीजीपी ने किए अहम खुलासे

चंडीगढ़ , 6 अप्रैल (एजेंसियां)। चंडीगढ़ में बीजेपी हेडक्वार्टर पर हुए हमले में पंजाब पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस विंग ने ब्लास्ट के सिलसिले में हरियाणा के रेवाड़ी के पास एक ट्रेन से दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

डीजीपी गौरव यादव ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि अब इस मामले में गिरफ्तार आरोपियों की कुल संख्या सात हो गई है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में नई गिरफ्तारी के बारे में जानकारी देते हुए डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि नई गिरफ्तारी शनिवार रात को हरियाणा पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) के साथ एक जॉइंट ऑपरेशन में की गईं। डीजीपी ने गिरफ्तार किए गए दो आरोपियों की पहचान गुरतेज सिंह और अमनप्रीत सिंह के रूप में की है। डीजीपी ने कहा, दोनों पंजाब के रूपनगर जिले के रतनगढ़ गांव के रहने वाले हैं। वे रैपिडो के लिए बाइक ऑपरेटर के तौर पर काम कर रहे थे। नई गिरफ्तारी के साथ इस मामले में शामिल सभी सात आरोपी अब पुलिस कस्टडी में हैं।

'चुनाव जीतने के लिये कांग्रेस ने पाकिस्तान की मदद ली'

हिमंता ने पत्नी पर लगाए आरोपों को बताया मनगढ़ंत, पवन खेड़ा के खिलाफ शिकायत दर्ज

दिसपुर, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने सोमवार (6 अप्रैल 2026) को दावा किया कि कांग्रेस द्वारा उनकी पत्नी के पास कई पासपोर्ट होने और दुबई में संपत्ति रखने के आरोप मनगढ़ंत हैं। उन्होंने कहा कि ये आरोप एक पाकिस्तानी सोशल मीडिया समूह से मिली झूठी जानकारी के आधार पर लगाए गए हैं। सीएम ने कहा कि पाकिस्तान असम में हो रहे विधानसभा चुनावों को प्रभावित करने की कोशिश कर रहा है।

विपक्ष के आरोपों पर सरमा ने कहा कि उनकी पत्नी ने 'झूठे आरोपों' को लेकर कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। असम के सीएम सरमा का कहना है कि उनकी पत्नी के खिलाफ कांग्रेस के आरोप असम चुनावों को प्रभावित करने के उद्देश्य से लगाए गए हैं। इसके लिए आजीवन कारावास की सजा हो सकती है।

इसके साथ ही उन्होंने दावा किया, "पाकिस्तान, असम चुनावों को प्रभावित करने की कोशिश कर रहा है। वहां के 11 'टॉक शो' में यह चर्चा की जा रही थी कि कांग्रेस को चुनाव जीतना चाहिए।" बता दें कि एक दिन पहले ही कांग्रेस नेता पवन खेड़ा और गौरव गोगोई ने यह पूछा था कि क्या उनकी पत्नी या परिवार के पास दुबई में संपत्ति है, अमेरिका में कंपनियां हैं या उन्होंने अपनी संपत्ति शेल कंपनियों में रखी है? तब हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि ये आरोप चुनाव परिणामों को प्रभावित करने के लिए लगाए गए हैं जो 'कानून के तहत दंडनीय' है। हिमंता बिस्वा सरमा ने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस ने उनकी पत्नी के खिलाफ जो दस्तावेज़ इस्तेमाल किए, उन्हें 'पाकिस्तानी इन अजमान' नाम के एक सोशल मीडिया समूह से लिया गया था। एक पाकिस्तानी व्यक्ति के खोए हुए पासपोर्ट पर उनकी पत्नी की तस्वीर को मॉर्फ (छेड़छाड़) करके लगाया गया था। उन्होंने कहा, "मुझे चिंता है कि उन्होंने पाकिस्तान की मदद ली। यह कोई साधारण धोखाधड़ी का मामला नहीं है बल्कि देश के खिलाफ अपराध है।" असम के मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि उनकी पत्नी ने कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा के खिलाफ शिकायत दर्ज करा दी है।

केरल चुनाव में सोशल इंजीनियरिंग : भाजपा ने खेला अम्मा कार्ड, मौन ध्रुवीकरण से उलटफेर की तैयारी

कोच्चि, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। केरल के लाल दुर्ग में सेंध लगाने के लिए भाजपा और संघ परिवार मौन सांस्कृतिक ध्रुवीकरण की रणनीति पर काम कर रहे हैं। इस रणनीति के केंद्र में हैं केरल की प्रख्यात संत माता अमृतानंदमयी, जिन्हें अम्मा नाम से पुकारा जाता है। अम्मा स्वयं भले राजनीतिक तटस्थता बनाए रखती हों, पर प्रधानमंत्री मोदी से उनका आत्मीय संबंध केरल के सामाजिक समीकरण बदल सकता है।

पिछले महीने अम्मा अपने 1,000 से अधिक अनुयायियों के साथ अयोध्या पहुंचीं। उन्होंने राम मंदिर में श्री रामयंत्र स्थापना समारोह में भाग लिया और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ मंच साझा किया। यह केरल के तटस्थ हिंदू मतदाताओं के लिए एक साफ सांस्कृतिक संदेश था। यह यात्रा बिना किसी राजनीतिक भाषण के भाजपा के सांस्कृतिक गौरव के एजेंडे को मजबूती दे गई। इससे पहले हरियाणा में अमृता अस्पताल के उद्घाटन के दौरान पीएम ने अम्मा के चरणों में झुककर आशीर्वाद लिया था। अम्मा का केरल के धीवर (मछुआरा) समुदाय से होना भाजपा और संघ परिवार के लिए अहम है। केरल की ये पिछड़ी जातियां लंबे समय से वामपंथ का आधार रही हैं। भाजपा के शीर्ष नेताओं का अम्मा के प्रति श्रद्धा जताना इन समुदायों की जातिगत पहचान को हिंदू पहचान में विलय करने की प्रक्रिया का हिस्सा भी है।

भारतीय जनसंघ कैसे बना भारतीय जनता पार्टी

अटल-आडवाणी की जोड़ी ने लिया था बड़ा फैसला

> इतिहास के पन्नों में 6 अप्रैल की अहमियत <

नई दिल्ली, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) अपना 47वां स्थापना दिवस मना रही है। 6 अप्रैल 1980 को बीजेपी का गठन हुआ था। इसके पहले अध्यक्ष अटल बिहारी वाजपेई थे। भाजपा को जनसंघ का ही धड़ा माना जाता था। दरअसल जनसंघ की स्थापना 21 अक्टूबर 1951 को हुई थी। इसकी स्थापना डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने की थी। इसको आरएसएस की राजनीतिक शाखा माना जाता था। श्यामा प्रसाद मुखर्जी के अलावा दीनदयाल उपाध्याय, प्रोफेसर बलराज मधोक इसके संस्थापक सदस्य थे।

क्यों बना था जनसंघ?

जनसंघ के गठन की कहानी भी दिलचस्प है। जम्मू कश्मीर के विलय में विवाद, वहां के अलग संविधान और अलग झंडा और आर्टिकल 370 के विरोध में श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने नेहरू कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद उन्होंने जनसंघ को राजनीतिक विकल्प रूप में खड़ा किया। आरएसएस को भी इस वक्त एक राजनीतिक ताकत की जरूरत थी, क्योंकि महात्मा गांधी की हत्या के आरोपों से उसकी छवि पर असर पड़ा था। जनसंघ के झंडे का रंग भी भगवा था और इसका चुनाव चिन्ह दीपक था। 1952 के पहले आम चुनाव में जनसंघ ने तीन लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज की और 3.06 फीसदी वोट भी मिले थे।

जनसंघ के अध्यक्ष श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 1953 में रहस्यमय परिस्थितियों में मौत हो जाती है और उसके बाद पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने इसकी कमान संभाली थी। जनसंघ करीब 26 साल तक एक राजनीतिक ताकत के रूप में खड़ा रहा।

जनता पार्टी में जनसंघ के सदस्यों का विरोध

हालांकि जब इंदिरा गांधी ने आपातकाल लगाया और इसका विरोध हो रहा था, तब जयप्रकाश नारायण ने एक नए राष्ट्रीय दल 'जनता पार्टी' का गठन किया था। इसी में जनसंघ का भी विलय कर दिया गया था। 1977 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की करारी हार हुई और जनता पार्टी के नेतृत्व वाले गठबंधन को जीत मिली थी। हालांकि 1980 में ही सरकार गिर गई और जनता पार्टी की कलह भी बाहर आने लगी। जनसंघ से जनता पार्टी में शामिल हुए नेताओं की दोहरी सदस्यता का मामला उठाए जाने लगा।

अटल-अडवाणी का बड़ा फैसला

दरअसल हुआ यह था की जनसंघ के सदस्य आरएसएस के भी सदस्य थे। 4 अप्रैल 1980 को जनता पार्टी ने अपने सदस्यों पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सदस्य होने पर प्रतिबंध लगा दिया। इसके बाद जनता पार्टी में जो जनसंघ के पुराने नेता थे, उन्होंने इसका विरोध किया और फिर नए दल की घोषणा कर दी गई। हालांकि भाजपा का कहना है कि कांग्रेस ने जनता पार्टी को तोड़ने की साजिश रची थी और इसीलिए दोहरी सदस्यता का मुद्दा उठाया गया था। आखिरकार 6 अप्रैल 1980 को भारतीय जनता पार्टी की स्थापना की गई। भारतीय जनता पार्टी के संस्थापकों में अटल बिहारी वाजपेई, लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, विजयाराजे सिंधिया समेत तमाम बड़े नाम थे।

राम मंदिर के लिए अडवाणी ने शुरू किया आंदोलन

अपनी स्थापना के साथ ही भाजपा राष्ट्रीय राजनीति में सक्रिय हो गई। वी.पी. सिंह के नेतृत्व में गठित राष्ट्रीय मोर्चे की सरकार को भाजपा ने बाहर से समर्थन दिया। इसी बीच देश में राम मंदिर के लिए आंदोलन शुरू हुआ। तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष लालकृष्ण आडवाणी ने सोमनाथ से अयोध्या तक के लिए रथयात्रा शुरू की। रथयात्रा को बीच में ही रोक दिया गया और इसके कारण भाजपा ने राष्ट्रीय मोर्चा सरकार से समर्थन वापस ले लिया और वी.पी. सिंह सरकार गिर गई। आने वाले आम चुनावों में भाजपा का जनसमर्थन लगातार बढ़ता गया।

बन गई बीजेपी की सरकार

1996 के आम चुनावों में भाजपा को लोकसभा में 161 सीटें प्राप्त हुईं। भाजपा ने लोकसभा में 1989 में 85, 1991 में 120 तथा 1996 में 161 सीटें हासिल कीं थीं। अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में पहली बार भाजपा सरकार ने 1996 में शपथ ली, लेकिन समर्थन न होने के कारण सरकार मात्र 13 दिन ही चल पाई। इसके बाद 1998 के आम चुनावों में भाजपा ने 182 सीटों पर जीत दर्ज की और अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार ने शपथ ली। हालांकि जयललिता के नेतृत्व में एआईएडीएमके द्वारा समर्थन वापस लिए जाने के कारण सरकार लोकसभा में विश्वासमत के दौरान एक वोट से गिर गई। 1999 में भाजपा 182 सीटों पर जीती और एनडीए को 306 सीटें हासिल हुईं। फिर से अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए की सरकार बनी।

10 साल तक विपक्ष में और फिर बनी पूर्ण बहुमत वाली बीजेपी सरकार

2004 का लोकसभा चुनाव बीजेपी हार गई और फिर 10 साल पार्टी ने विपक्ष की भूमिका निभाई। 2014 में पीएम नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में पहली बार भाजपा की पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनी। इसके बाद भाजपा लगभग 11 करोड़ सदस्यों वाली विश्व की सबसे बड़ी राजनैतिक पार्टी भी बन गयी। 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने रिकॉर्ड 303 सीटों पर जीत हासिल और पीएम मोदी दूसरी बार पीएम बने वहीं 2024 के लोकसभा चुनावों में बीजेपी को 240 जबकि एनडीए को 293 सीटों पर जीत मिली पीएम नरेंद्र मोदी तीसरी बार पीएम बने।

ईरान जंग के बीच अमेरिका पहुंचे वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह

नई दिल्ली, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। ईरान जंग के बीच वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह अमेरिका पहुंचे हैं। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। वायुसेना प्रमुख भारत-अमेरिका के बीच रक्षा साझेदारी को मजबूत करने संबंधी बैठकों में हिस्सा लेंगे। माना जा रहा है कि इससे अमेरिका और भारत की वायुसेना के बीच रिश्तों को भी मजबूती मिलेगी।

अमेरिका पहुंचे एयर चीफ मार्शल अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने एक्स पर फोटो शेयर करते हुए पोस्ट किया वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह की मेजबानी करना और उनका स्वागत करना हमारे लिए खुशी की बात है। वे भारत-अमेरिका रक्षा साझेदारी को और मजबूत करने तथा दोनों वायु सेनाओं के बीच मजबूत और बढ़ते संबंधों को बनाए रखने के लिए अपनी अमेरिका यात्रा शुरू कर रहे हैं। वायुसेना प्रमुख का अमेरिका दौरा तब हो रहा है जब कुछ दिन पहले रक्षा मंत्रालय ने फ्रांस से 114 राफेल लड़ाकू विमान की खरीद के काफी समय से लंबित प्रस्ताव को मंजूरी दे दी थी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने फरवरी में रक्षा बलों की युद्ध तत्परता बढ़ाने के लिए कुल 3.60 लाख करोड़ रुपये के सैन्य उपकरणों के पूंजीगत अधिग्रहण को मंजूरी दी। हालांकि अंतिम रूप देने के लिए औपचारिक अनुबंध इस साल के अंत से पहले होने की संभावना नहीं है, क्योंकि रक्षा मंत्रालय को अब हथियारों के पैकेज की लागत और बारीक विवरणों को अंतिम रूप देने के लिए दसॉल्ट एविएशन के साथ बातचीत करनी होगी। अप्रैल 2019 में, भारतीय वायुसेना ने लगभग 18 अरब अमेरिकी डॉलर की लागत से 114 बहु-भूमिका लड़ाकू विमान (एमआरएफए) की खरीद के लिए एक आरएफआई (सूचना के लिए अनुरोध), या प्रारंभिक निविदा जारी की।

भारत को राफेल जेट का सोर्स कोड क्यों नहीं दे रहा फ्रांस?

मैक्रों के डर की असल वजह है रूस, यूक्रेनी मीडिया का बड़ा दावा

पेरिस/नई दिल्ली, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत और फ्रांस के बीच 114 राफेल लड़ाकू विमान सौदे को लेकर बातचीत चल रही है। इस सौदे पर अगले साल तक मुहर लगने की उम्मीद है। लेकिन उससे पहले सोर्स कोड और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर को लेकर बात नहीं बन पा रही है। फ्रांस सोर्स कोड शेयर नहीं करना चाहता है। अनुमानित तौर पर भारत करीब 35-40 अरब डॉलर में 114 राफेल लड़ाकू विमान खरीद सकता है और इस सौदे से फ्रांस की जीडीपी में भी उछाल आ जाएगा। बावजूद इसके सोर्स कोड पर सहमति नहीं बन पा रही है। फ्रांस राफेल का सोर्स कोड भारत को सौंपने के लिए तैयार नहीं है।

भारत और फ्रांस के बीच होने वाले इस विशालकाय राफेल लड़ाकू विमान डील पर पूरी दुनिया की नजर है। इस बीच यूक्रेनी अखबार 'डिफेंस एक्सप्रेस' ने फ्रांस के अड़ियल रवैये के पीछे रूस का डर बताने की कोशिश की है। इसने बताया है फ्रांस के लिए ये नेशनल सिक्योरिटी का मामला लगता है। मार्च की शुरुआत में ही डसॉल्ट एविएशन के सीईओ एरिक ट्रैपियर ने कहा था कि वह यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि इस अनुबंध (राफेल सौदे) पर इसी साल हस्ताक्षर हो जाएं। लेकिन अप्रैल की शुरुआत तक इस मामले में किसी भी तरह की प्रगति के बारे में कोई खबर नहीं है।

कई रिपोर्ट्स में अलग अलग सूत्रों का हवाला देते हुए दावा किया गया है कि इस समझौते पर हस्ताक्षर टलने का मुख्य कारण सोर्स कोड पर सहमति बनना नहीं है। पूरी संभावना है कि पेरिस और दिल्ली के सामने 'सोर्स कोड' से जुड़ा मुद्दा आ गया है जो राफेल के ऑनबोर्ड सिस्टम सॉफ्टवेयर को अपडेट करने के लिए भारतीय पक्ष को मिलने वाली पूरी पहुंच से संबंधित है। डिफेंस एक्सप्रेस ने लिखा है कि सोर्स कोड का मुद्दा एक साल पहले भी उठा था और फ्रांस का डर इस दावे के बाद बढ़ गया है कि नीदरलैंड के रक्षा राज्य सचिव ने एफ-35 के सोर्स कोड को हैक करने की बात कही थी। उन्होंने कहा था कि एफ-35 लड़ाकू विमान के सोर्स कोड को हैक करना और अमेरिका की मदद के बिना काम चलाना संभव है। यूक्रेनी अखबार ने फ्रांस के डर को इससे जोड़ा है और दावा किया है कि फ्रांस को डर हो सकता है कि भारत में भी राफेल का सोर्स कोड हैक हो जाए। हालांकि दिल्ली जाहिर तौर पर अपने रुख पर पूरी तरह से कायम है। भले ही फ्रांस ने भारत में राफेल लड़ाकू विमानों के उत्पादन को स्थानीय बनाने पर सहमति जता दी हो ताकि कम से कम 50% 'एडेड वैल्यू' देश के भीतर ही रहे। 114 लड़ाकू विमानों में से 96 विमानों को भारत में ही असेंबल किया जाएगा जिसमें शुरुआत में 30% भारतीय पुर्जों का इस्तेमाल होगा और कुछ वर्षों में इसे बढ़ाकर 60 प्रतिशत तक ले जाने की कोशिश की जाएगी।

राफेल फाइटर जेट डील में कई पेंच फंसे हैं

दिल्ली अगर अरबों डॉलर की इस डील को करेगा तो उसे कई चीजें चाहिए। वो विमान में अपनी मर्जी के बदलाव चाहता है। जैसे कि अपने हथियार स्वतंत्र रूप से जोड़ना, इंडब्ल्यू सूट को अपडेट करना अपने सस्पेंशन सिस्टम को इंटीग्रेट करना वगैरह। एनबीटी ऑनलाइन से बात करते हुए पूर्व फाइटर जेट पायलट विजयेन्द्र के ठाकुर ने कहा है कि भारत ने जगुआर फाइटर जेट के समय जो गलती की थी वो फिर से ना करे।'

तेल से लेकर खाद तक: भारत को यूं ही नहीं गले लगा रहा रूस

एक्सपर्ट ने बताया पुतिन का दोहरा डर

मास्को/नई दिल्ली/बीजिंग, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। ईरान भीषण जंग के बीच दशकों से पुराने दोस्त भारत और रूस के बीच संबंध फिर से मजबूत हो गए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ लगाने के बाद भारत ने रूस से तेल लेना कम कर दिया था लेकिन अब ईरान युद्ध के बीच दोनों के बीच जमकर तेल की खरीद हो रही है। होर्मुज स्ट्रेट संकट के इस समय में भारत और रूस की सदाबहार दोस्ती परीक्षा में खरी उतरी है। यही नहीं भारत अब रूस से गैस और फर्टिलाइजर भी खरीदने जा रहा है जिसकी भारत में बड़ी कल्लित हो गई है। विदेशी मामलों के एक्सपर्ट का मानना है कि भारत और रूस के बीच बढ़ती दोस्ती की बड़ी वजह चीन का बढ़ता दबदबा और अमेरिका का पल-पल बदलता व्यवहार है।

शुक्रवार को रूस के फर्स्ट डेप्युटी पीएम डेनिस मांतुरोव ने कहा कि ईरान युद्ध के बीच मास्को भारत को तेल और एलएनजी की आपूर्ति करने की बहुत अच्छी स्थिति में है। मांतुरोव भारत की यात्रा पर आए थे। उन्होंने पीएम मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की थी। इस दौरान व्यापार, ऊर्जा और औद्योगिक सहयोग पर बात हुई है। कहा जा रहा है कि भारत चाहता है कि रूस फिर से भारत को एलएनजी की सप्लाई करे। यह साल 2022 के यूक्रेन हमले के बाद पहली बार होगा। भारतीय तेल कंपनियां अप्रैल महीने में 6 करोड़ बैरल तेल रूस से खरीद रही हैं। भारत बड़े पैमाने पर खाद भी रूस से ले रहा है ताकि खाड़ी देशों से होने वाली कमी को पूरा कि‍या जा सके।

सिंगापुर के इंस्टीट्यूट ऑफ साऊथ एशियन स्टडीज के रिसर्च फेलो इवान लदिरेव ने साऊथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट अखबार से बातचीत में कहा कि भारत और रूस के बीच यह दोस्ती हितों पर आधारित है न कि भावनाओं पर। लदिरेव ने कहा, 'इसके बाद भी भारत-रूस संबंध एक मजबूत लेकिन धीरे-धीरे और अधिक सीमित होता जा रही साझेदारी को दर्शाते हैं। ईरान युद्ध ने भारत को रूस के और ज्यादा करीब जाने के लिए स्पष्ट रूप से प्रेरित किया है।' दोनों ही देश एक मल्टीपोलर वैश्विक व्यवस्था का सपना देखते हैं जो देशों की संप्रभुता और ग्लोबल साऊथ के व्यापक भूमिका पर जोर देता हो।

इवान लदिरेव ने कहा कि भारत और रूस दोनों चाहते हैं कि चीन की बढ़ती ताकत पर लगाम लगाया जाए। इसी वजह से दोनों ही देश मिलकर ब्रिक्स और शंघाई सहयोग संगठन के जरिए चीन को संतुलित करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि अगर भागीदारी नहीं होती तो रूस को चीन के और ज्यादा करीब जाना पड़ता, वहीं भारत को तेजी से भरोसा खो रहे अमेरिका से नजदीकी बढ़ानी पड़ती। रूसी डेप्युटी पीएम ने ऐसे समय पर भारत की यात्रा की है जब दोनों ही देशों के बीच एस-400 को लेकर एक नई डील पर हस्ताक्षर हुआ है।

वहीं जेएनयू में असोसिएट प्रोफेसर राजन कुमार का कहना है कि भारत ने रूस के साथ दोस्ती को मजबूत करके मास्को चीन के पाले में पूरी तरह से जाने से रोक दिया। वहीं पाकिस्तान भी दूर ही रहा। उन्होंने कहा कि रूस भारत पर इसलिए भरोसा करता है क्योंकि उसके बाजार का आकार बहुत बड़ा है। राजन कुमार ने कहा, 'यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी देशों के प्रतिबंध लगाने के बाद रूस केवल इसलिए बचा रहा क्योंकि चीन और भारत लगातार रूस से व्यापार करते रहे। ऐसे में रूस भारत के साथ रिश्ते को समझता है।'

अभी पिछले महीने ही रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने भारत की 'स्वतंत्र विदेश नीति' की तारीफ की थी।

आर्टेमिस-II के कैमरे में कैद 20 करोड़ साल पुरानी टक्कर का निशान

अंतरिक्षयात्री ने दिखाई झलक

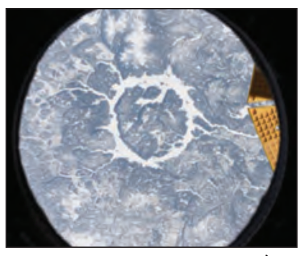

वॉशिंगटन, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा का आर्टेमिस मून मिशन क्रू जैसे-जैसे चांद के करीब पहुंच रहा है, रोचक जानकारी के साथ चांद और पृथ्वी की नई झलक भी दिखा रहा है। इसी कड़ी में एस्ट्रोनॉट क्रिस विलियम्स ने कैमरे में कैद पृथ्वी के 20 करोड़ साल पुराने टकराव के निशान यानी 'मैनिकौगन क्रेटर' की झलक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दिखाई।

अंतरिक्षयात्री ने दिखाया दुर्लभ नजारा

क्रिस विलियम्स ने एक्स अकाउंट पर पोस्ट करते हुए चंद्रमा और पृथ्वी के गड्ढों (क्रेटर्स) के बारे में बताया है। उन्होंने क्रू के चंद्रमा के करीब पहुंचने पर होने वाले अनुभव का जिक्र किया। क्रिस विलियम्स ने लिखा कि जैसे-जैसे आर्टेमिस II का क्रू चांद के पास आएगा, उन्हें चांद की सतह का सीधा नजारा देखने को मिलेगा। सबसे खास बात यह होगी कि चांद की दूसरी तरफ (फार साइड) कई गड्ढे दिखाई देंगी। ये गड्ढे सौर मंडल के इतिहास में हुए क्षुद्रग्रहों और उल्कापिंडों के टकरावों से बने हैं। ये हमारे सौर मंडल के इतिहास का रिकॉर्ड हैं।

उन्होंने आगे बताया कि पृथ्वी पर भी ऐसे कई टकराव हुए हैं, जिनका बड़ा प्रभाव पड़ा। उदाहरण के लिए, डायनासोर युग के अंत में हुए एक बड़े टकराव ने इन जीवों के विलुप्त होने में भूमिका निभाई।

लेकिन पृथ्वी पर प्लेट टेक्टोनिक्स, मौसम और ज्वालामुखी गतिविधियों ने अधिकांश पुराने गड्ढों को मिटा दिया है। इस कारण पृथ्वी के टकराव का इतिहास नहीं दिखता है। चांद हमें इस पूरी तस्वीर को समझने में मदद करता है और हमारे पृथ्वी के अतीत की अनोखी कहानी सुनाता है।

विलियम्स ने बताया कि पृथ्वी पर अभी भी कई गड्ढे मौजूद हैं, लेकिन वे चांद वाले गड्ढों की तरह आसानी से नजर नहीं आते। कुछ गड्ढे हालांकि स्पष्ट दिखाई देते हैं। उदाहरण के तौर पर कनाडा के क्यूबेक में स्थित मैनिकौगन क्रेटर को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से बहुत आसानी से देखा जा सकता है। यह गड्ढा लगभग 20 करोड़ साल पहले बना था, जब करीब 5 किलोमीटर चौड़े एक क्षुद्रग्रह पृथ्वी से टकराया था।

आज यह गड्ढा 70 किलोमीटर से भी ज्यादा चौड़ा है। क्रिस ने अपनी पोस्ट में लिखा कि जब वे व्यायाम कर रहे थे, तब उन्होंने आईएसएस के कृपोला खिड़की से इस गड्ढे का शानदार नजारा देखा।

ब्रह्मोस प्रोजेक्ट से जुड़े रूसी वैज्ञानिक अलेक्जेंडर लियोनोव की मौत

मिसाइल डिजाइनर थे

मास्को, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। ब्रह्मोस मिसाइल प्रोजेक्ट से जुड़े रूस के प्रमुख वैज्ञानिक अलेक्जेंडर लियोनोव का 74 साल की उम्र में निधन हो गया है। वे रूस के प्रमुख मिसाइल डिजाइनरों में शामिल थे। लियोनोव एनपीओ माशिनोस्ट्रोएनिया के सीईओ और चीफ डिजाइनर थे, जो भारत-रूस की ब्रह्मोस एयरोस्पेस का प्रमुख साझेदार है। उन्हें उन्नत मिसाइल तकनीक के विकास के लिए जाना जाता था। उन्होंने जिरकॉन हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल समेत कई अहम प्रोजेक्ट्स में योगदान दिया। इसके अलावा उन्होंने ग्रेनिट, वल्कन और बास्टियन जैसे मिसाइल और कोस्टल डिफेंस सिस्टम्स के विकास में भी भूमिका निभाई थी।

बिल्डिंग निर्माण के दौरान कारपेंटर जिंदा दफन

8 फीट नीचे मिट्टी धंसी, मलबे में दबकर मौत, झारखंड का रहने वाला था

रायपुर, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। रायपुर में बिल्डिंग निर्माण के दौरान मिट्टी धंसने से एक कारपेंटर की मौत हो गई। कंस्ट्रक्शन का काम कचना इलाके में रहेजा प्रोजेक्ट की साइट पर चल रहा है। यहां 2 दर्जन से ज्यादा मजदूर काम पर लगे थे। गुड्डू रवि 8 फीट नीचे गड्ढे में शटरिंग के काम में लगा था, तभी अचानक मिट्टी का मलबा उस पर गिरा और वह जिंदा दफन हो गया, दम घुटने से उसकी जान चली गई।

मामला खम्हारडीह थाना क्षेत्र का है। कारपेंटर झारखंड के गढ़वा जिले का रहने वाला था। परिजनों ने आरोप लगाया है कि उन्हें बीमारी की सूचना दी गई थी, सच्चाई छिपाई गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है। केस में जांच जारी है।

पुलिस अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार, कचना इलाके में रहेजा प्रोजेक्ट साइट पर क्लब हाउस का निर्माण हो रहा है। शनिवार को यहां 2 दर्जन से ज्यादा मजदूर काम में लगे हुए थे। कारपेंटर गुड्डू रवि (32) अपने साथियों के शटरिंग के काम के लिए नीचे खोदे गए गड्ढे में उतरा था। जो 8 फीट गहरा है। वह काम कर ही रहा था, उस दौरान एक अन्य साथी पानी पीने के लिए आगे बढ़ा, तभी अचानक मिट्टी का ढेर गुड्डू पर गिर गया और वो जिंदा दफन हो गया।

मृतक का शव लेने रायपुर पहुंचे भाई पुलेंदर कुमार ने बताया कि, एक महीने पहले बड़ा भाई गुड्डू रवि काम के लिए रायपुर आया हुआ था। संतोष कुमार नाम के ठेकेदार के साथ वह काम में लगा था। शनिवार दोपहर उससे बात भी हुई थी। शाम चार बजे जब वो दुकान में था, तो गुड्डू के फोन से दोबारा कॉल आया। कॉल करने वाले शख्स ने बताया कि भाई की तबीयत अचानक खराब हो गई है। रायपुर आ जाओ।

परिजनों के साथ जब रायपुर के मेकाहारा पहुंचा तो भाई मृत हालत में मिला। मेकाहारा में लोकल ठेकेदार मिला, जिसने बताया कि मिट्टी के ढेर के नीचे वो दब गया था। इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाने के दौरान उसने दम तोड़ दिया। इस घटना के बाद घटनास्थल के बाहर बिल्डर के कर्मचारी तैनात कर दिए गए थे।

दुकान जा रही महिला से गैंगरेप

रायगढ़, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में पति के साथ दुकान जाने निकली महिला से गैंगरेप हुआ है। रात 11 बजे महिला को रास्ते में आरोपियों ने रोक लिया। पति ने विरोध किया तो उसे लात-घूंसों से पीटा। 2 युवक घायल पति को पकड़कर कुछ दूर ले गए। 3 युवकों ने महिला से दुष्कर्म किया। घटना के बाद पीड़िता ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक आरोपी अभी फरार है, जिसकी तलाश जारी है। पूरा मामला कोतरा रोड थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, 37 साल की महिला पति के साथ कोतरा रोड थाना इलाके में किराए के मकान में रहती है। परिवार मजदूरी करके अपना घर चलाता है। शनिवार रात करीब 11 बजे वह पति के साथ मेन रोड पर कुछ सामान लेने गई थी। तभी मुन्ना गिरि (27) और उसके साथी ऑटो में सवार होकर वहां पहुंचे। आरोपियों ने महिला को जबरन सड़क किनारे वाली दुकान के अंदर ले जाने की कोशिश की।

पाकिस्तान फतह-5 मिसाइल दिखा भारत को धमका रहा

कौन-कौन से शहर जद में?

इस्लामाबाद, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान जल्द ही फतह-5 मिसाइल का परीक्षण करने वाला है। इसके बाद इस मिसाइल को पाकिस्तान की आर्मी रॉकेट फोर्स में औपचारिक रूप से शामिल किया जाएगा। पाकिस्तानी सैन्य विशेषज्ञ फतह-5 मिसाइल को भारत के लिए बड़ा खतरा बता रहे हैं। उनका कहना है कि यह मिसाइल स्टेल्थ तकनीक से लैस है, जिसे डिटेक्ट करना भारतीय एयर डिफेंस रडार के लिए मुश्किल होगा। उनका यह भी कहना है कि फतह-5 मिसाइल खास तकनीक और बेहतर गाइडेंस सिस्टम की मदद से अपने लक्ष्य को सटीकता के साथ भेदने में सक्षम है। पाकिस्तान का दावा है कि फतह-5 मिसाइल भारत में हाई वैल्यू टारगेट पर हमले के लिए डिजाइन की गई है।

फतह-5 मिसाइल की रेंज कितनी है?

टाइम्स ऑफ इस्लामाबाद की रिपोर्ट के अनुसार, फतह-5 मिसाइल 2026 में परीक्षण के लिए तैयार है। इसकी अनुमानित ऑपरेशनल रेंज 1000 किलोमीटर के करीब है। यह पहले से ही सर्विस में मौजूद फतह-1 की 140 किमी की रेंज और फतह-2 की 400 किमी की रेंज से काफी अधिक है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि फतह-5 मिसाइल कम ऊंचाई पर उड़ान भरने में सक्षम है, जिससे यह लक्ष्य से टकराने से पहले दुश्मन के रडार से बाहर रहेगी। पाकिस्तानी सैन्य विश्लेषक इस मिसाइल को स्टेल्थ तकनीक से लैस मिसाइल बता रहे हैं। हालांकि, इस दावे पर भरोसा करना अभी जल्दीबाजी होगी।

पाकिस्तान अगर फतह-5 मिसाइल को पाकिस्तान सीमा के करीब से फायर करता है, तो बहुत मुश्किल है, तो यह भारत के कई शहरों को निशाना बना सकती है। हालांकि, यह भी आशंका है कि अगर पाकिस्तान इतनी भारी-भरकम मिसाइल को सीमा के करीब लाता है, तो भारत इसका आसानी से पता लगा लेगा। ऐसे में खुद की रक्षा के लिए, भारत लॉन्च होने से पहले इस मिसाइल को जमीन पर ही नष्ट कर सकता है। इससे ज्यादा संभावना है कि पाकिस्तान इस मिसाइल को भारत की सीमा से दूर किसी लोकेशन से लॉन्च करेगा, लेकिन इससे मिसाइल की रेंज घट जाएगी।

दुबई में ट्रैफिक उल्लंघनों पर सख्त कार्रवाई

33,000 से ज्यादा चालान, 1,230 वाहन जब्त

दुबई, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। दुबई पुलिस ने 'शांत सड़कें' अभियान के तहत बड़े स्तर पर कार्रवाई करते हुए 1,230 वाहनों को जब्त किया और 33,000 से अधिक चालान जारी किए। इस अभियान का उद्देश्य शहर में शांति बनाए रखना, सड़क सुरक्षा बढ़ाना और आवासीय इलाकों में होने वाले ट्रैफिक व्यवधान को कम करना है।

पुलिस ने कई तरह के ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई की, जिनमें शामिल हैं:

1,178 मामले वाहन में अवैध मॉडिफिकेशन के, 412 मामले तेज आवाज (नॉइज डिस्टर्बेंस) के, 341 मामले लापरवाही से ड्राइविंग के।

परमाणु धमाके से नहरों का निर्माण

होर्मुज संकट के बीच अमेरिका के 65 साल पुराने सीक्रेट प्रोजेक्ट की चर्चा क्यों?

तेहरान/वॉशिंगटन, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। होर्मुज संकट ने दुनिया के ज्यादातर देशों को तेल और गैस संकट में फंसा दिया है। होर्मुज स्ट्रेट को ईरान ने अमेरिका और इजरायल के हमले के बाद बंद कर रखा है। जब दुनिया ऐसे संकटों में फंसती तो कई ऐसे विचार भी सामने आते हैं, जो हैरान करने वाले होते हैं। ऐसा ही एक प्रस्ताव वैकल्पिक समुद्री मार्ग बनाने के लिए परमाणु विस्फोटों का उपयोग करना है। हालांकि ये एक काल्पनिक कहानी लगती है लेकिन लेकिन एक समय परमाणु धमाके से नया समुद्री मार्ग बनाने पर काफी गंभीरता से विचार किया गया था।

'द कन्वर्सेशन' की एक रिपोर्ट के मुताबिक इस विचार की जड़ें 'प्रोजेक्ट प्लाउशेयर' में मिलती हैं। यह 1950 के दशक के आखिर में शुरू की गई अमेरिका की एक पहल थी जो शांति के लिए परमाणु विचार के तहत फैलाई गई थी।

इसका मकसद परमाणु धमाकों के शांतिपूर्ण इस्तेमाल खोजना था जिनमें खनन से लेकर बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचा तैयार करना शामिल था। होर्मुज संकट के बीच फिर से इस प्रोजेक्ट की चर्चा की जा रही है।

रिपोर्ट के मुताबिक जिन कई विकल्पों पर विचार किया गया था उनमें सबसे ज्यादा गंभीरता से परमाणु धमाकों से नहरों के निर्माण को लेकर था। इसका मूल विचार यह था कि परमाणु उपकरण बेहद शक्तिशाली अर्थमूवर (मिट्टी हटाने वाली मशीन) की तरह काम कर सकते हैं। पारंपरिक खुदाई में महीनों और वर्षों लगते हैं लेकिन एक परमाणु धमाका सैद्धांतिक रूप से चट्टानों और मिट्टी के लाखों क्यूबिक मीटर के टुकड़ों को पलक झपकते ही उड़ा सकता था।

इस विचार के समर्थकों का मानना था कि इससे बेहद बड़े निर्माण प्रोजेक्ट्स को पूरा करना ज्यादा मुमकिन हो जाएगा जिनमें ऐसी नहरों की खुदाई भी शामिल थी, जिन्हें पारंपरिक तरीकों से बनाना या तो बहुत ज्यादा महंगा पड़ता या फिर उसमें बहुत ज्यादा समय लगता।

खड़े ट्रक में लगी आग

कोडरमा, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। कोडरमा जिले के जयनगर थाना क्षेत्र में बीती रात खेशकरी के पास सड़क किनारे खड़े एक ट्रक में अचानक आग लग गई। यह घटना कोडरमा-कोवार मुख्य मार्ग पर एक लाइन होटल के समीप हुई। आग लगते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई। देखते ही देखते ट्रक धू-धू कर जलने लगा। मौके पर मौजूद लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग तेजी से फैलती गई। ट्रक चालक जीशान खान ने बताया कि वह उत्तर प्रदेश से गुवाहाटी जा रहे थे। ट्रक में सोलर प्लेट लदे थे। रास्ते में चालक को होटल के पास ट्रक खड़ा कर दिया और खाना खाने चले गए।

रेल अव्यवस्था के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन

रेलवे प्रशासन के खिलाफ जमकर की नारेबाजी, ट्रेनों के लेट चलने के मामले को उठाया

जमशेदपुर, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। जमशेदपुर में जिला कांग्रेस सहकारिता विभाग ने रेलवे की अव्यवस्था के खिलाफ प्रदर्शन किया। सोमवार को साकची स्थित जेएनएसी गोल चक्कर के पास एकदिवसीय धरना आयोजित किया गया, जिसका नेतृत्व विभाग के अध्यक्ष चिन्ना राव ने किया। यह प्रदर्शन ट्रेनों के लगातार लेट होने और परिचालन में अव्यवस्था के विरोध में था।

धरना में शामिल कांग्रेस कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने रेलवे प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

इस दौरान कांग्रेस नेता विजय यादव ने बताया कि चांडिल से जमशेदपुर जैसी कम दूरी तय करने में पैसेंजर ट्रेन को लगभग 4 घंटे का समय लग रहा है, जबकि यह दूरी सामान्य स्थिति में आधे घंटे में पूरी हो सकती है।

उन्होंने आरोप लगाया कि कई अन्य ट्रेनें भी अपने निर्धारित समय पर नहीं चलतीं, जिससे यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि रेलवे की लापरवाही के कारण आम लोगों का दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है, खासकर नौकरीपेशा और छात्रों को काफी दिक्कतें झेलनी पड़ रही हैं।

प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि ट्रेनों का समय सुधारने, परिचालन व्यवस्था को दुरुस्त करने और यात्रियों को बेहतर सुविधाएँ प्रदान करने के लिए तत्काल ठोस कदम उठाए जाएं। कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं की गई, तो आने वाले दिनों में आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

क्लोरीन गैस रिसाव मामला, मृतकों की संख्या हुई चार

एक युवक का शव आज मिला, क्लोरीन गैस से भरी टंकी काटने से हुआ था हादसा

एक लोहे की टंकी को गैस कटर से काटना शुरू किया, जिससे तेजी से गैस का रिसाव होने लगा। गैस रिसाव इतना तीव्र था कि मौके पर अफरातफरी मच गई और कई युवक बेहोश होकर गिर पड़े।

धनबाद, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। धनबाद के पुटकी थाना क्षेत्र के मुनीडीह ओपी अंतर्गत कैप्टिव पावर प्लांट (सीपीपी) में क्लोरीन गैस रिसाव से मरने वालों की संख्या बढ़कर चार हो गई है।

सोमवार को 35 वर्षीय वसीम अंसारी का शव प्लांट की बाउंड्री से लगभग 20 मीटर दूर पूर्वी छोर स्थित जंगल से बरामद किया गया। वसीम केंदुआडीह राजपूत बस्ती का निवासी था।

यह हादसा शनिवार रात को हुआ था, जब लगभग 15 युवक बंद पड़े प्लांट में लोहा चोरी करने के इरादे से प्लांट में घुसे थे। चोरों ने क्लोरीन गैस से भरी उसी रात संजय यादव (केंदुआ), आनंद ताम्रकार उर्फ भोंदा (केंदुआ) और अजहरुद्दीन (लोयाबाद) के शव बरामद किए गए थे। वहीं, सीसीपी से 5 सौ मीटर दूर कपाल घाट पर स्थित पंप हाउस पर रात्रि पाली में तैनात सीआईएसएफ के जवान दर्शन सिंह, विपिन कुमार, ज्ञान सिंह, बीसीसीएलकर्मी पूना बाउरी और आउटसोर्स कर्मी दुनिया लाल सिंह भी गैस की चपेट में आने से बेहोश हो गए थे। इनका इलाज सेंट्रल अस्पताल में चल रहा है।

बीसीसीएल का कैप्टिव पावर प्लांट बंद पड़ा हुआ है। फिलहाल परिसर में निजी कंपनी का ऑफिस संचालित है, जो ओएनजीसी के साथ मिलकर मिथेन गैस की टेस्टिंग कर रही है। बंद पड़ा प्लांट लोहा चोरों के निशाने पर है। बताया जा रहा है कि प्लांट की चहारदीवारी पीछे टूटी हुई है। इसी रास्ते से चोर परिसर में घुसे थे। क्लोरीन गैस अत्यंत घातक हो सकती है। यह गैस हवा से भारी होती है, इसलिए यह जमीन के पास जमा होती है। फेफड़ों को ज्यादा प्रभावित करती है। इससे दम घुटना, आंखों व श्वसन तंत्र में तीव्र जलन होती है। गैस की मात्रा अधिक हो तो व्यक्ति फौरन बेहोश हो सकता है।

वैशाख मास में जल दान करने की परंपरा

1 मई तक रहेगा वैशाख, 13 और 27 अप्रैल को किया जाएगा एकादशी व्रत, 19 तारीख को भगवान परशुराम का प्रकट उत्सव

अभी वैशाख मास चल रहा है, यह हिन्दी पंचांग का दूसरा महीना है। इसे माधव मास भी कहते हैं। मान्यता है कि इसी महीने से त्रेता युग शुरू हुआ था। इस महीने के संबंध में शास्त्रों में कहा गया है कि जिस प्रकार विद्याओं में वेद और वृक्षों में कल्पवृक्ष श्रेष्ठ है, उसी प्रकार सभी महीनों में वैशाख मास सर्वोत्तम है। इस महीने में भगवान विष्णु की विशेष पूजा की जाती है और जल दान करने की परंपरा है। जानिए इस महीने के खास तीज-त्योहार

वरुथिनी एकादशी (13 अप्रैल): वैशाख कृष्ण पक्ष की इस एकादशी का व्रत रखने से घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहती है। भक्त के पाप नष्ट हो जाते हैं। इस दिन अन्न दान खासतौर पर करना चाहिए।

मेष संक्रांति (14 अप्रैल): इस दिन सूर्य ग्रह मीन से मेष राशि में प्रवेश करेगा। इस संक्रांति पर पवित्र नदियों में स्नान और सूर्य पूजा करने की परंपरा है।

वैशाख अमावस्या (17 अप्रैल): इस दिन पितर देव के लिए विशेष धूप-ध्यान करना चाहिए। अमावस्या पर नदी स्नान और दान-पुण्य भी करना चाहिए।

अक्षय तृतीया और परशुराम जयंती (19 अप्रैल): यह इस महीने का सबसे महत्वपूर्ण दिन है। इसे 'अबूझ मुहूर्त' भी कहा जाता है यानी इस दिन बिना पंचांग देखे कोई भी शुभ कार्य किया जा सकता है। अक्षय तृतीया पर बिना मुहूर्त देखे विवाह किया जा सकता है। इसी तिथि पर भगवान विष्णु के छठे अवतार परशुराम जी अवतरित हुए थे।

गंगा सप्तमी (23 अप्रैल): मान्यता है कि इस तिथि पर मां गंगा स्वर्ग लोक से भगवान शिव की जटाओं में पधारी थीं। इस दिन गंगा पूजन किया जाता है।

सीता नवमी (25 अप्रैल): वैशाख शुक्ल पक्ष की नवमी को माता सीता का प्राकट्य हुआ था। इस दिन महिलाएं भगवान राम और माता सीता की विशेष पूजा करनी चाहिए।

मोहिनी एकादशी (27 अप्रैल): समुद्र मंथन के समय जब असुरों ने अमृत छीन लिया था, तब भगवान विष्णु ने मोहिनी रूप धारण करके देवताओं की रक्षा की थी और देवताओं को अमृत पान कराया था। यह व्रत मोह-माया के बंधनों से मुक्ति दिलाता है। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा की जाती है।

नृसिंह जयंती (30 अप्रैल): वैशाख शुक्ल चतुर्दशी को भगवान विष्णु ने नृसिंह अवतार लेकर हिरण्यकश्यप का वध किया था। यह बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है।

वैशाख पूर्णिमा / बुद्ध पूर्णिमा (1 मई): यह वैशाख मास का अंतिम दिन है। इसी दिन भगवान बुद्ध का जन्म हुआ था। पूर्णिमा पर दान-पुण्य और सत्यनारायण कथा का विशेष महत्व है।

वैशाख मास में कौन-कौन से शुभ काम करें

चूंकि वैशाख का महीना ग्रीष्म ऋतु का समय होता है, इसलिए इस महीने में ठंडक प्रदान करने वाली वस्तुओं के दान पर जोर दिया गया है। राहगीरों के लिए प्याऊ लगवाना, मिट्टी के घड़े का दान करना, पंखा, छाता और सत्तू का दान इस महीने में अक्षय पुण्य देता है। जल की रक्षा करना और पौधों को पानी देना इस समय की सबसे बड़ी पूजा मानी गई है।

इस महीने में सूर्योदय से पहले उठकर स्नान करने की परंपरा है। तुलसी के पौधे में नियमित जल देना और शाम को दीपदान करना घर में सुख-समृद्धि लाता है। भगवान विष्णु और लक्ष्मी जी की पूजा करें।

भोजन के मामले में इस महीने तेल-मसाले वाली चीजों का प्रयोग कम करना चाहिए। सात्विक आहार लेना सेहत के लिहाज से उत्तम है।

यदि आप गृह प्रवेश, व्यापार की शुरुआत या विवाह जैसे कार्यों की योजना बना रहे हैं, तो 19 अप्रैल (अक्षय तृतीया) का दिन सबसे श्रेष्ठ है।

सूर्योदय से पूर्व स्नान (खासकर पवित्र नदियों में) करना बहुत शुभ माना गया है।

संत की राजा को सीख: सच्ची खुशी और शांति बाहरी चीजों में नहीं

इच्छाओं और अहंकार को छोड़ने के बाद मिलती है

पुराने समय में एक राजा दान-पुण्य करने के लिए दूर-दूर तक प्रसिद्ध था। रोज सुबह उसके महल के बाहर जरूरतमंदों की लंबी कतार लगती थी और राजा खुले मन से सबकी मदद करता था, लेकिन समय के साथ उसके मन में अपने अच्छे कार्यों का अहंकार भी आने लगा। उसे लगने लगा कि उससे बड़ा दानी इस दुनिया में कोई नहीं। एक दिन एक संत उसके दरबार में आए। राजा ने बड़े गर्व से कहा, "गुरुदेव, आप जो चाहें मुझसे मांग सकते हैं। मैं आपकी हर इच्छा पूरी कर सकता हूं।"

संत समझ गए कि राजा को अपने दान का घमंड हो गया है। उन्होंने मुस्कुराते हुए अपना छोटा सा कमंडल आगे बढ़ाया और कहा, "राजन्, बस इस कमंडल को स्वर्ण मुद्राओं से भर दीजिए।"

राजा ने कमंडल को देखा और हंसते हुए कहा, "इतना छोटा सा काम? यह तो अभी पूरा कर देता हूं।" उसने तुरंत अपनी थैली से स्वर्ण मुद्राएं निकालकर कमंडल में डाल दीं, लेकिन जैसे ही मुद्राएं अंदर गईं, वे गायब हो गईं।

राजा को आश्चर्य हुआ। उसने कोषाध्यक्ष को बुलाकर और मुद्राएं मंगवाईं, लेकिन हर बार वही हुआ, जितनी भी मुद्राएं डाली गईं, सब गायब हो जातीं और कमंडल खाली का खाली रहता।

अब राजा परेशान हो गया। उसने अपना पूरा खजाना मंगवा लिया और लगातार मुद्राएं डालता रहा, लेकिन कमंडल नहीं भरा। अंततः थककर उसने संत के सामने हाथ जोड़ दिए और कहा, "गुरुदेव, कृपया इस रहस्य को बताइए। इतना धन डालने के बाद भी यह कमंडल क्यों नहीं भरता?"

संत ने शांत स्वर में कहा, "राजन्, यह कमंडल मन का प्रतीक है। जैसे यह कभी नहीं भरता, वैसे ही मन भी कभी संतुष्ट नहीं होता। धन, सुख-सुविधाएं, पद और ज्ञान, कुछ भी मन को पूरी तरह नहीं भर सकता। इच्छाएं हमेशा बढ़ती रहती हैं।"

राजा को अपनी गलती का एहसास हुआ। उसने समझ लिया कि सच्ची शांति दान से नहीं, बल्कि अहंकार और इच्छाओं के त्याग से मिलती है।

प्रसंग की सीख

इच्छाओं को सीमित करें

मनुष्य की इच्छाएं कभी खत्म नहीं होतीं। जितना हम पाते हैं, उतना ही और पाने की चाह बढ़ती जाती है। इसलिए जरूरी है कि हम अपनी इच्छाओं को नियंत्रित करें। संतुष्टि का अभ्यास करें, तभी मन शांत रहेगा।

अहंकार से दूर रहें

अहंकार हमारे अच्छे कार्यों की भी कीमत कम कर देता है। जब हम खुद को दूसरों से श्रेष्ठ समझने लगते हैं, तब हमारा मानसिक संतुलन बिगड़ने लगता है। विनम्रता जीवन को सरल और सुखद बनाती है।

वर्तमान में जीना सीखें

अक्सर हम या तो बीते हुए समय पर पछताते हैं या भविष्य की चिंता करते हैं। इससे तनाव बढ़ता है। वर्तमान में जीने की आदत डालें, यही सच्ची शांति का मार्ग है।

तुलना करना छोड़ दें

दूसरों से अपनी तुलना करना असंतोष और तनाव का सबसे बड़ा कारण है। हर व्यक्ति का जीवन अलग होता है। अपनी प्रगति पर ध्यान दें, दूसरों के काम पर नहीं।

ध्यान और आत्मचिंतन करें

रोज कुछ समय अपने लिए निकालें। ध्यान और आत्मचिंतन से मन शांत होता है और सोच स्पष्ट होती है। इससे तनाव कम होता है और निर्णय लेने की क्षमता बढ़ती है।

कृतज्ञता का अभ्यास करें

जो हमारे पास है, उसके लिए आभार व्यक्त करें। जब हम छोटी-छोटी खुशियों को पहचानते हैं, तो जीवन ज्यादा संतोषजनक लगता है। अपनी चीजों से संतुष्ट रहें।

संतुलन बनाए रखें

काम, परिवार, स्वास्थ्य और मनोरंजन, इन सबके बीच संतुलन जरूरी है। केवल धन कमाने के पीछे भागना जीवन को अधूरा बना देता है। सच्ची खुशी और शांति बाहरी चीजों में नहीं, बल्कि हमारे भीतर होती है। इच्छाओं और अहंकार को त्यागकर, संतोष और संतुलन के साथ जीना ही असली लाइफ मैनेजमेंट है।

मुंह में चांदी का चम्मच लेकर पैदा होते हैं इस मूलांक वाले

अंक ज्योतिष में मूलांक 7 को सबसे भाग्यशाली माना गया है। कहते हैं इस मूलांक वाले राजयोग लेकर पैदा होते हैं। इन्हें जीवन में सबकुछ दूसरों से जल्दी प्राप्त हो जाता है। ये अपने से ज्यादा दूसरों के लिए लकी साबित होते हैं। बता दें जिन लोगों की जन्म तारीख 7, 16 और 25 होती है उनका मूलांक 7 होता है। इस मूलांक का स्वामी ग्रह केतु होता है। केतु को ज्योतिष में सबसे रहस्यमयी और आध्यात्मिक ग्रह माना गया है। कहते हैं केतु के कारण ही मूलांक 7 वालों की इंट्यूशन पावर काफी अच्छी होती है। चलिए जानते हैं इस मूलांक के बारे में दिलचस्प बातें।

मुंह में चांदी का चम्मच लेकर पैदा होते हैं मूलांक 7 वाले लोग

मूलांक 7 वालों को भौतिक सुखों से बहुत ज्यादा मोह नहीं होता। ये बेहद संतोषी स्वभाव के होते हैं। लेकिन कुदरत उन्हें वह सब कुछ देती है जिससे इनका जीवन सुख और आनंद में भर जाता है। केतु की कृपा से इन्हें जीवन में कई बार अचानक धन लाभ होता है। इनके पास धन-धान्य की कभी कमी नहीं होती। ये मेहनती और बुद्धिमान होते हैं। अपने दम पर अपनी अलग पहचान बनाते हैं।

परिवार के लिए होते हैं लकी चार्म

मूलांक 7 वाले परिवार के लिए लकी चार्म होते हैं। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार इस मूलांक के बच्चे अपने पिता की किस्मत चमका देते हैं। इनके जन्म के बाद से ही इनके पिता को नौकरी में प्रमोशन और व्यापार में बड़ा लाभ मिलना शुरू हो जाता है। इनके रहते धन-धान्य की कभी कमी नहीं होती।

छठी इंद्री होती है तेज

इन लोगों की छठी इंद्री बहुत तेज होती है। इस कारण भविष्य में होने वाली घटनाओं का इन्हें पहले ही आभास हो जाता है। इसके अलावा इनकी कही गई हर बात भविष्य में सच साबित होती है। इनकी द्वारा दी गई सलाह दूसरों को बड़े आर्थिक नुकसान से बचा सकती है।

बहुमुखी प्रतिभा के धनी

इस मूलांक के लोग बहुमुखी प्रतिभा के धनी होते हैं। इन्हें कई चीजों का ज्ञान होता है और ये काफी क्रिएटिव भी होते हैं। ये रिसर्च, विज्ञान, लेखन और कला के क्षेत्र में खूब नाम कमाते हैं। ये इतने टैलेंटेड होते हैं कि धन-दौलत खुद-ब-खुद इनके पीछे चली आती है।

ऊंचा बोलने वाले होते हैं दमदार, तो जल्दी बोलने वालों में होती है ये बड़ी खूबी

हर किसी के बोलने और बात करने का तरीका अलग-अलग होता है। कोई बहुत तेजी से बोलता है तो कोई बहुत धीरे-धीरे। इसी तरह से कोई इतनी जल्दी-जल्दी बोलता है कि उनकी बातें दूसरों को समझ ही नहीं आती हैं। सामुद्रिक शास्त्र की मानें तो बोलने के तरीके से आप किसी भी व्यक्ति का स्वभाव और व्यक्तित्व आसानी से जान सकते हैं। चलिए जानते हैं किस तरह से बोलने वाले लोग कैसे होते हैं।

जल्दी-जल्दी बोलने वाले

सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार बहुत जल्दी-जल्दी बोलने वाले लोग बुद्धिमान और मेहनती होते हैं। लेकिन ऐसे लोग अपने मन में कोई बात छिपाकर नहीं रख पाते। इसके अलावा ये लोग अपनी बातों को सही तरीके से दूसरों के सामने नहीं रख पाते जिस वजह से भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। जिस वजह से ऐसे लोगों पर आंख मूंदकर विश्वास नहीं किया जा सकता।

बहुत ऊंचा बोलने वाले लोग

सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार ऊंचा बोलने वाले लोग दमदार और हठी स्वभाव के होते हैं। ये लोग अपनी जिद्द को पूरा करके ही दम लेते हैं। इसके अलावा ऐसे लोग सदैव आकर्षक का केंद्र बने रहना चाहते हैं।

रूड तरीके से बोलने वाले लोग

जो लोग काफी रूड यानी कर्कशतापूर्ण बोलते हैं, ऐसे लोग झगड़ालू प्रवृति के होते हैं। ये अंदर ही अंदर काफी दुखी भी रहते हैं।

दहाड़ कर बोलने वाले लोग

जिन लोगों की आवाज दहाड़ती और गुर्राने जैसी प्रतीत होती है, ऐसे लोग गंभीर और संयमी स्वभाव के होते हैं। इनका दिमाग काफी तेज चलता है। समाज में इनका एक अलग रुतबा रहता है।

धीरे-धीरे बोलने वाले लोग

जो लोग बहुत ही धीरे-धीरे और दबे हुए स्वर में बोलते हैं, ऐसे लोगों में आत्मविश्वास की कमी देखने को मिलती है। सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार ऐसे लोग कमजोर इच्छाशक्ति वाले होते हैं।

शब्दों को चबाकर बोलने वाले

कुछ लोग शब्दों को चबाकर बोलते हैं यानी वो जो कह रहे हैं सही से समझ नहीं आ पाता। सामुद्रिक शास्त्र अनुसार ऐसे लोग झगड़ालू, दुखी और लक्ष्यहीन होते हैं। इन्हें जीवन में क्या करना है समझ नहीं आता। इन्हें सदैव एक मार्गदर्शक की जरूरत होती है।

साफ और उच्च स्वर में बोलने वाले

ऐसे लोग विद्वान, ज्ञानी, जिम्मेदार, गंभीर, सौम्य और धैर्यवान स्वभाव के होते हैं। लाइफ में खूब नाम कमाते हैं। ये अच्छे मार्गदर्शक भी साबित होते हैं।

क्या आप भी किनारे तक पहुंचने से पहले ही थक जाते हैं तो मार्क रुदरफोर्ड के संघर्ष से सीखें

ब्रिटिश लेखक मार्क रुदरफोर्ड के बचपन का प्रसंग है। एक दिन वह समुद्र के किनारे बैठे थे। दूर सागर में एक जहाज लंगर डाले खड़ा था। वह जहाज तक तैर कर जाने के लिए मचल उठे। मार्क तैरना तो जानते ही थे, कूद पड़े समुद्र में और तैर कर जहाज तक पहुंच गए। मार्क ने जहाज के कई चक्कर लगाए। मन खुशी से झूम उठा। विजय की खुशी और सफलता से आत्मविश्वास बढ़ा। लेकिन जैसे ही उन्होंने वापस लौटने को किनारे की तरफ देखा तो निराशा हावी होने लगी, किनारा बहुत दूर लगा। सफलता के बाद भी निराशा बढ़ रही थी,

अपने ऊपर अविश्वास हो रहा था। जैसे-जैसे मार्क के मन में ऐसे विचार आते रहे उनका शरीर वैसा ही शिथिल होने लगा। फुर्तीले नौजवान होने के बावजूद बिना डूबे ही डूबता सा महसूस करने लगे। लेकिन जैसे ही उन्होंने अपने विचारों को निराशा से आशा की तरफ मोड़ा, क्षण भर में ही चमत्कार सा होने लगा। वह अपने अंदर परिवर्तन अनुभव करने लगे। वह तैरते हुए सोच रहे थे कि किनारे तक नहीं पहुंचने का मतलब है मर जाना और किनारे तक पहुंचने का प्रयास है डूब कर मरने से पहले का संघर्ष। इस सोच से जैसे उन्हें संजीवनी मिल गई। उन्होंने सोचा कि जब डूबना ही है तो सफलता के लिए संघर्ष क्यों न करें। भय का स्थान विश्वास ने ले लिया। इसी संकल्प के साथ वह तैरते हुए किनारे तक पहुंचने में सफल हुए। इस घटना ने उन्हें आगे भी काफी प्रेरित किया।

त्रेतायुग से जुड़ा है त्रिवेणी रक्षक का इतिहास

यहां दर्शन किए बिना अधूरी मानी जाती है प्रयागराज की तीर्थयात्रा

शिवनगरी काशी के पड़ोस में प्रयागराज स्थित है, जिसे संगम नगरी भी कहा जाता है। इस नगरी के रक्षक स्वयं नारायण हैं। शहर में भगवान विष्णु को समर्पित एक प्राचीन और पवित्र तीर्थ है, यह मंदिर केवल धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि त्रेतायुग का जीवंत साक्षी भी है। मान्यता है कि नारायण के मंदिर में दर्शन किए बिना प्रयागराज की तीर्थयात्रा पूरी नहीं होती। हम जिस मंदिर की बात कर रहे हैं, उसका नाम है वेणी माधव मंदिर। बताया जाता है कि इस मंदिर का संबंध त्रेतायुग से है और यहां हर भक्त की मनोकामना पूरी होती है। आइए जानते हैं प्रयागराज के वेणी माधव मंदिर के बारे में खास बातें...

त्रेतायुग से जुड़ा है इतिहास

जनश्रुतियों और पुराणों के अनुसार, श्री वेणी माधव मंदिर का इतिहास त्रेतायुग से जुड़ा है। त्रिवेणी संगम की रक्षा और भगवान विष्णु के माधव स्वरूप से जुड़े इस मंदिर का पौराणिक महत्व है। पद्म पुराण के अनुसार, तीर्थराज में भगवान विष्णु वेणी माधव के रूप में विराजमान हैं। कथा है कि त्रेता युग में राक्षस गजकर्ण के अत्याचार से

तीनों लोक पीड़ित थे। भगवान विष्णु ने गजकर्ण का संहार कर त्रिवेणी (गंगा, यमुना और सरस्वती) की रक्षा की। त्रिवेणी जी की प्रार्थना पर भगवान विष्णु ने वेणी माधव रूप में प्रयाग में स्थायी रूप से निवास करने का वरदान दिया, इसलिए वेणी माधव को प्रयागराज का प्रधान देवता और त्रिवेणी रक्षक माना जाता है।

शालिग्राम शिला से बनी माधव प्रतिमा

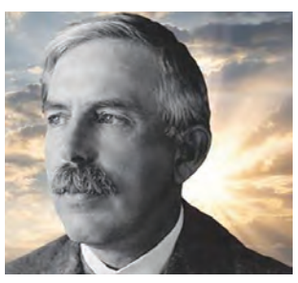

मंदिर में श्याम रंग की शालिग्राम शिला से बनी माधव प्रतिमा गर्भगृह में स्थापित है। यहां माधव की प्रतिमा के साथ त्रिवेणी जी की प्रतिमा भी स्थापित है। दोनों प्रतिमाएं काले शालिग्राम शिला से बनी हैं, माधव शंख और चक्र धारण किए हुए हैं। यह मुख्य मंदिर नगर देवता और लक्ष्मी नारायण मंदिर जैसे कई नामों से प्रसिद्ध है। मंदिर के मुख्य द्वार पर सुनहरे अक्षरों में 'नगर देवता' और 'माधो सकल काम साधो' लिखा हुआ है।

14 महाविद्याओं से परिपूर्ण चक्र माधव

चैतन्य महाप्रभु भी अपने प्रयाग प्रवास के दौरान यहां रहकर भजन-कीर्तन किया करते थे। प्रयाग में भगवान विष्णु कुल 12 स्वरूपों में विराजमान हैं, जिन्हें द्वादश माधव कहा जाता है। इनमें वेणी माधव मुख्य पीठ है। इसके अलावा अन्य 11 स्वरूप में चक्र माधव, गदा माधव, पद्म माधव, अनंत माधव, बिंदु माधव, मनोहर माधव, असि माधव, संकट हरण माधव, आदि वेणी माधव, आदि वट माधव और शंख माधव हैं। चक्र माधव को 14 महाविद्याओं से परिपूर्ण माना जाता है। इनके दर्शन-पूजन से विद्या प्राप्ति होती है।

सभी भक्तों की होती है मनोकामना पूरी

आदि वट माधव को मूल माधव भी कहते हैं, क्योंकि प्रलयकाल में भगवान माधव वट वृक्ष में सिमट जाते हैं और सृष्टि काल में विभिन्न रूपों में प्रकट होते हैं। आम दिनों के साथ ही कृष्ण जन्माष्टमी, पूर्णिमा, अनंत चतुर्दशी, एकादशी समेत अन्य विशेष दिनों में भी मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन होता है। दूर-दूर से श्रद्धालु आकर भगवान वेणी माधव के दर्शन करते हैं और अपनी मनोकामनाएं पूरी होने की प्रार्थना करते हैं।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 7 अप्रैल - 2026

आधी आबादी का पूरा अधिकार

भारत की आबादी में महिलाओं की हिस्सेदारी लगभग आधी है, लेकिन संसद और विधानसभाओं में उनकी मौजूदगी आज भी बेहद सीमित है। 2011 की जनगणना के अनुसार देश की 48.5% महिलाओं की आबादी है, लेकिन लोकसभा में उनका प्रतिनिधित्व करीब 14% और राज्यों की विधानसभाओं में लगभग 10% ही है। यह अंतर केवल आंकड़ों का नहीं, बल्कि लोकतंत्र की गुणवत्ता का भी है। ऐसे में महिला आरक्षण कानून को लागू करने में अब और देरी नहीं होनी चाहिए। हकीकत तो यह है कि भारतीय राजनीति में महिलाओं की भूमिका लंबे समय तक केवल वोट बैंक तक ही सीमित रही है। चुनावों में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ी है, लेकिन नीति निर्माण के स्तर पर उनकी आवाज अभी भी कमजोर है। जबकि लोकतंत्र की मजबूती तभी संभव है, जब निर्णय लेने वाली संस्थाओं में समाज के सभी वर्गों का संतुलित प्रतिनिधित्व हो। महिला आरक्षण इसी दिशा में एक जरूरी कदम माना जा रहा है। भारत ने आजादी के साथ ही महिलाओं को पुरुषों के बराबर मतदान का अधिकार देकर दुनिया के सामने एक प्रगतिशील उदाहरण पेश किया था, लेकिन राजनीतिक प्रतिनिधित्व के मामले में महिलाएं काफी पीछे छूट गईं। वर्ष 1996 में पहली बार महिला आरक्षण बिल संसद में लाया गया था, लेकिन तीन दशकों में कई प्रयासों के बावजूद इसे लागू नहीं किया जा सका। यह देरी केवल राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी को दर्शाती है। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी महिलाओं से अपील की कि वे महिला आरक्षण के मुद्दे पर राजनीतिक दलों पर दबाव बनाएं, ताकि संसद में यह बिल पास हो सके। यह अपील बताती है कि सरकार इस दिशा में सकारात्मक संकेत दे रही है। लेकिन आदर्श स्थिति यही होगी कि इस मुद्दे पर सभी दल एकजुट होकर सहमति बनाएं, क्योंकि यह किसी एक दल का नहीं, बल्कि देश के लोकतंत्र का सवाल है। महिला प्रतिनिधित्व बढ़ने से नीति निर्माण की दिशा में भी बदलाव दिखेगा। जब संसद और विधानसभाओं में अधिक महिलाएं होंगी, तो शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, सुरक्षा और रोजगार जैसे मुद्दों पर ज्यादा गंभीर और संवेदनशील चर्चा संभव होगी। इससे न केवल महिलाओं की स्थिति मजबूत होगी, बल्कि पूरे समाज के विकास को गति मिलेगी। दुनिया के कई देशों के अनुभव बताते हैं कि जहां महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी अधिक होती है, वहां सामाजिक विकास के संकेतक बेहतर होते हैं। आज भी राजनीति के कई क्षेत्रों में महिलाओं को बराबर अवसर नहीं मिल पाते। टिकट वितरण से लेकर नेतृत्व के अवसर तक, उन्हें अक्सर नजरंदाज किया जाता रहा है। ऐसे में महिला आरक्षण केवल सीटों का बंटवारा नहीं, बल्कि अवसरों की बराबरी का रास्ता खोलने वाला कदम होगा। यह लोकतंत्र को अधिक प्रतिनिधिक और न्यायपूर्ण बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण बदलाव साबित हो सकता है। समय आ गया है कि महिला आरक्षण को राजनीतिक बहस से निकालकर राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया जाए। आधी आबादी को बराबर प्रतिनिधित्व देना केवल अधिकार नहीं, बल्कि लोकतंत्र की मजबूती की शर्त है। देर भले हुई हो, लेकिन अब इस ऐतिहासिक कदम को अमल तक पहुंचाना ही सच्ची राजनीतिक प्रतिबद्धता की पहचान होगी।

डोनाल्ड ट्रंप की मानसिक स्थिति और परमाणु युद्ध के खतरे

संजीव ठाकुर

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मानसिक स्थिति को लेकर समय-समय पर वैश्विक बहस जरूर उठती रही है, डोनाल्ड ट्रंप ईरान के युद्ध में अपनी प्रारंभिक पराजय और इजरायल द्वारा अमेरिका को इस्तेमाल किए जाने की परिस्थितियों की अफवाह से थोड़े मानसिक रूप से विचलित हो गए हैं उन्होंने कुछ अपने महत्वपूर्ण विभागों के के प्रमुखों को भी पद से हटा दिया है जो अमेरिका प्रशासन में गंभीर स्थिति को दर्शाता है। उनके द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिए गये वक्तव्य उनकी निराशा तथा हताशा को इंगित कर रहा है। ऐसी स्थिति में डोनाल्ड ट्रंप ईरान के साथ युद्ध को लेकर परमाणु बम गिराने जैसे कठोर कदम भी उठा सकते हैं यह उन्होंने हालिया बयान में कहा भी है। लेकिन किसी भी निर्वाचित नेता के मानसिक संतुलन पर ठोस चिकित्सीय प्रमाण के बिना निष्कर्ष निकालना न केवल अनुचित है बल्कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति की जटिलताओं को और भी जटिल बना देना है, इसलिए आवश्यक है कि हम भावनात्मक धारणाओं के बजाय तथ्यों और रणनीतिक यथार्थ के आधार पर इस पूरे परिदृश्य को समझें, विशेषकर जब बात अमेरिका, ईरान और इज़राइल के बीच संभावित युद्ध और परमाणु टकराव की हो। यह सही है कि पश्चिम एशिया लंबे समय से अस्थिरता का केंद्र रहा है और यहां की किसी भी सैन्य कार्रवाई का प्रभाव वैश्विक शांति पर पड़ता है, लेकिन यह दावा कि ईरान के पास निश्चित रूप से 440 किलो यूरेनियम है जिससे 11 परमाणु बम तुरंत बनाए जा सकते हैं, इस प्रकार के आंकड़े आमतौर पर खुफिया और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के अनुमान होते हैं, जिनकी पुष्टि स्वतंत्र रूप से नहीं की जा सकती, हालांकि यह भी सच है कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम वर्षों से अंतरराष्ट्रीय चिंता का विषय रहा है और इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी लगातार उसकी निगरानी करती रही है, सार्वजनिक तौर पर यह दावा किया जाना कि ईरान ने अमेरिकी एफ-15 विमानों को मार गिराया, इस तरह की घटनाओं की पुष्टि विश्वसनीय वैश्विक रक्षा स्रोतों से होना आवश्यक होता है। क्योंकि युद्ध के समय सूचना तंत्र का युद्ध भी उतना ही सक्रिय होता है जितना वास्तविक युद्ध, वास्तविकता यह है कि आधुनिक युद्ध केवल सैन्य ताकत का टकराव नहीं बल्कि तकनीकी, कूटनीतिक और मनोवैज्ञानिक रणनीतियों का मिश्रण होता है। अमेरिका की सैन्य शक्ति विश्व में सबसे ताकतवर और सक्षम मानी जाती है, वहीं ईरान ने भी असममित युद्ध की रणनीति अपनाकर अपनी स्थिति मजबूत की है, जिसमें मिसाइल तकनीक, ड्रोन युद्ध और क्षेत्रीय सहयोगी समूहों का उपयोग शामिल है, ऐसे में यदि युद्ध लंबा खिंचता है तो यह किसी एक पक्ष की त्वरित जीत के बजाय लंबे गतिरोध में बदल सकता है, जहां तक डोनाल्ड ट्रंप के बयानों का सवाल है, यह सर्वविदित है कि उनकी राजनीतिक शैली आक्रामक और अप्रत्याशित रही है, वे कई बार अपने वक्तव्यों में बदलाव करते रहे हैं, जिसे उनके समर्थक रणनीतिक लचीलापन कहते हैं जबकि आलोचक इसे अस्थिरता का संकेत मानते हैं। अंतरराष्ट्रीय संबंधों में केवल एक व्यक्ति की मानसिक स्थिति से निर्णय नहीं लिए जाते, बल्कि उसके पीछे पूरी संस्थागत संरचना, सलाहकार तंत्र और रक्षा नीति का ढांचा काम करता है, अमेरिका जैसे देश में राष्ट्रपति के पास परमाणु हथियारों का नियंत्रण अवश्य होता है, लेकिन उसके उपयोग के लिए कई स्तरों की सुरक्षा और निर्णय प्रक्रिया भी मौजूद होती है, इसलिए यह आशंका कि कोई नेता अचानक मानसिक असंतुलन में परमाणु युद्ध छेड़ देगा, व्यावहारिक रूप से अत्यंत जटिल और नियंत्रित प्रक्रिया से गुजरती है, फिर भी यह खतरा पूरी तरह नकारा नहीं जा सकता क्योंकि इतिहास गवाह है कि गलत आकलन और अहंकारपूर्ण निर्णय बड़े युद्धों का कारण बने हैं।

भारत में कैंसर से तिरोहित हो रहा बचपन

मनोज कुमार अग्रवाल

भारत में कैंसर से जीवन गंवाने वाले लोगों की तादाद लगातार बढ़ रही है इनमे भी बच्चों की तादाद सबसे ज्यादा है। तमाम कोशिश नाकाम बन रही है वहीं बच्चों के लिए कैंसर की बीमारी बेहद घातक बन रही है। दुनिया भर में बच्चों में कैंसर एक गंभीर और बढ़ती हुई चिंता बनता जा रहा है, लेकिन सबसे ज्यादा चिंता की बात यह है कि इसके ज्यादातर मामले और मौतें गरीब और मध्यम आय वाले देशों में हो रही हैं. द लैंसेट में पब्लिश ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज 2023 स्टडी ने इस असमानता को लेकर कई चौंकाने वाले आंकड़े सामने रखे हैं. रिपोर्ट के अनुसार, साल 2023 में दुनिया भर में बच्चों में कैंसर के लगभग 3.77 लाख नए मामले सामने आए, जबकि करीब 1.44 लाख बच्चों की मौत हो गई, यह बीमारी बच्चों में मौत के प्रमुख कारणों में शामिल हो चुकी है और खसरा, टीबी और एचआईवी एड्स जैसी बीमारियों से भी ज्यादा जान ले रही है।

आपको बता दें कि दुनिया कितनी भी तरक्की कर ले, लेकिन स्वास्थ्य सुविधाओं का अंतर आज भी मासूमों की जान ले रहा है। चिकित्सा जगत की प्रतिष्ठित पत्रिका 'लैंसेट' की एक ताजा रिपोर्ट ने वैश्विक स्वास्थ्य व्यवस्था की कलई खोल दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, बचपन में होने वाले कैंसर (कर्क रोग) के 85 प्रतिशत नए मामले कम और मध्यम आय वाले देशों में सामने आ रहे हैं, लेकिन डराने वाली बात यह है कि इन देशों में मौतों का आंकड़ा कुल वैश्विक मौतों का 94 प्रतिशत है। यानी संसाधनों के अभाव में गरीब देशों के बच्चे इलाज मिलने से पहले ही दम तोड़ रहे हैं।

दक्षिण एशिया इस संकट का बड़ा केंद्र बना हुआ है, जहां दुनिया के कुल चाइल्डहुड कैंसर से होने वाली मौतों का लगभग 20.5 प्रतिशत हिस्सा दर्ज किया गया. इसके अलावा, 1990 से 2023 के बीच इन मौतों में करीब 16.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी भी देखी गई है.

हालांकि एक पॉजिटिव पहलू यह भी है कि वैश्विक स्तर पर मौतों में कुछ कमी आई है, लेकिन इसका लाभ सभी देशों तक समान रूप से नहीं पहुंच पाया है. उच्च आय वाले देशों में इलाज बेहतर होने से बच्चों के बचने की संभावना ज्यादा है, जबकि गरीब देशों में समय पर जांच और इलाज की कमी बड़ी बाधा बन रही है.

इस स्टडी की प्रमुख लेखक लिसा फोर्स कहती हैं कि स्वास्थ्य सेवाओं की असमानता के कारण ही यह अंतर पैदा हो रहा है. देर से डायग्नोसिस, जरूरी इलाज की कमी और स्वास्थ्य प्रणाली की कमजोरियां बच्चों की जान जोखिम में डाल रही हैं. रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि चाइल्डहुड कैंसर के 85 प्रतिशत नए मामले और 94 प्रतिशत मौतें इन्हीं लो और मिडिल इनकम देशों में होती हैं. इसके अलावा डिसएबिलिटी एडजस्टेड लाइफ ईयर्स का भी 94 प्रतिशत हिस्सा इन्हीं देशों में दर्ज किया गया, जो यह दिखाता है कि बीमारी का असर सिर्फ मौत तक सीमित नहीं है, बल्कि बच्चों की जिंदगी की क्वालिटी पर भी पड़ता है.

हाल ही में आइ ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीजेज' रिपोर्ट के आंकड़ों का विश्लेषण बताता है कि साल 2023 में दुनिया भर में बचपन में कैंसर के 3,77,000 नए मामले आए, जिनमें से 1,44,000 बच्चों की मौत हो गई। यह बीमारी आज वैश्विक स्तर पर बच्चों की जान लेने वाला आठवां सबसे बड़ा कारण बन चुकी है। आपको हैरत होगा कि मौतों के मामले में भारत दुनिया में पहले स्थान पर है। 2023 में बच्चों की मौतों का वैश्विक आंकड़े के मुताबिक सबसे ज्यादा भारत 17,000 मौतें चीन 16,000 मौतें नाइजीरिया में 9,000 मौतेंपाकिस्तान मे 9,000 मौतें हुई है। अध्ययन में एक हैरान करने वाला तथ्य सामने आया है। 1990 के मुकाबले वैश्विक स्तर पर बच्चों में कैंसर से होने वाली मौतों में 27 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है।इस वैश्विक रिपोर्ट में एक सकारात्मक पहलू भी है। 1990 में बचपन के कैंसर से लगभग 1.97 लाख मौतें हुई थीं। तब से लेकर अब तक दुनिया भर में मौतों के इस आंकड़े में 27 प्रतिशत की कमी आई है, लेकिन एक बड़ी चिंता यह भी है कि जहां पूरी दुनिया में मौतों का ग्राफ नीचे गिरा है, वहीं अफ्रीका में इसमें 55.6 प्रतिशत की भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। विश्लेषण कहता है कि यह सुधार समान नहीं है। जहां विकसित देशों में बेहतर तकनीक से बच्चों को बचाया जा रहा है, वहीं अफ्रीका में संसाधनों की भारी कमी के चलते कैंसर से होने वाली मौतों में 55.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। संसाधनों की कमी वाले इलाकों में बचपन का कैंसर अब बच्चों की मौत का आठवां सबसे बड़ा कारण बन चुका है।

रिपोर्ट के अनुसार, बच्चों में कैंसर से होने वाली मौतों के पीछे मुख्य रूप से तीन प्रकार के कैंसर जिम्मेदार पाए गए हैं। ल्यूकेमिया (ब्लड कैंसर) यह सबसे घातक साबित हुआ, जिससे दुनिया भर में 45,900 बच्चों की मौत हुई।दूसरा मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र इस कैंसर की वजह से 23,200 मासूमों ने जान गंवाई।तीसरा नॉन हॉजकिन लिंफोमा लसीका तंत्र के इस कैंसर से 15,200 मौतें दर्ज की गईं।

शोधकर्ताओं का कहना है कि यह रिपोर्ट केवल आंकड़े नहीं, बल्कि एक चेतावनी है। भारत जैसे देशों में, जो निम्न-मध्यम आय वर्ग में आते हैं, कैंसर मौतों में बचपन के कैंसर का योगदान 11वें स्थान पर है। इसका सीधा मतलब है कि अगर इन देशों में समय पर जांच (अर्ली डायग्नोसिस) और बुनियादी उपचार की सुविधाएं सुधारी जाएं, तो हजारों बच्चों को मौत के मुंह से निकाला जा सकता है। फिलहाल, संसाधनों की सीमित उपलब्धता ही इन मासूमों के जीवन और मृत्यु के बीच की सबसे बड़ी दीवार बनी हुई है। भारत में कैंसर के बढ़ते मामलों के पीछे जागरूकता और सख्त नियमन की कमी तथा हर स्तर पर बरती जा रही अनदेखी जिम्मेदार है। सामान्यतः एक भारतीय जो भोजन ग्रहण करता है, उसकी सटीक जांच की न तो कोई फिक्र है और न ही कोई ऐसी व्यवस्था उसके आसपास मौजूद है, जिससे वह आसानी से भोजन में छिपे जहर की पड़ताल कर सके।हाल में बंगलुरु स्थित 'गट-हेल्थ स्टार्टअप माइक्रोबायोटीएक्स' के कराए गए शोध में सामने आया है। देश के नौ राज्यों और 14 शहरों के 200 शहरी भारतीयों के रक्त नमूनों के विश्लेषण में पाया गया कि 78 फीसद लोग कीटनाशक अवशेषों के संपर्क में हैं। इस अध्ययन में शामिल लोगों में से 36 फीसद में तीन या अधिक कीटनाशकों का मिश्रित असर देखा गया, जो गंभीर स्वास्थ्य जोखिमों की ओर संकेत करता है। विषाक्त पदार्थ भूजल और वायु प्रदूषण के रास्ते शरीर में प्रवेश कर रहे हैं। जांच के बाद आई रपट में कहा गया है कि 54 फीसद नमूनों में एंटीबायोटिक्स और 39 फीसद में स्टेरायड पाए गए। यह हार्मोन के असंतुलन और कैंसर जोखिम बढ़ा सकता है। किसानों को इस बारे में जानकारी नहीं दी गई है कि किसी फसल पर कितनी मात्रा में कीटनाशकों का छिड़काव किया जाना चाहिए। विशेषज्ञ कहते हैं कि अनाजों और फल-सब्जियों में यह मात्रा इतनी रहनी चाहिए कि मनुष्यों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर न पड़े। इस तरह से 'एमआरएल' कीटनाशकों के अंधाधुंध और गलत प्रयोग पर बंदिश लगाने वाली पहली शर्त है, लेकिन सिर्फ मुनाफा कमाने के लिए तमाम फलों को कार्बेट से पकाया जा रहा है यहां तक कि देश में बिकने वाले कॉल्ड ड्रिंक और ब्रेड में भी खतरनाक स्तर तक रसायन का इस्तेमाल धडल्ले से किया जा रहा है ऐसे हालात में भारत में कैंसर की महामारी का बढ़ता खतरा नियंत्रित करना संभव नहीं है।

इतिहास बदलने और भविष्य गढ़ने वाले वक्फ के नए नियम

आरके जैन

जब कोई कानून केवल कागज़ों तक सीमित नहीं रहकर समाज की रोज़मर्रा की ज़िंदगी में वास्तविक बदलाव लाता है, तभी उसका ऐतिहासिक महत्व अमिट हो जाता है। राष्ट्रपति की अंतिम मंजूरी के साथ वक्फ संशोधन कानून ने भारतीय वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में एक नए युग की शुरुआत कर दी है। यह केवल प्रशासनिक सुधार नहीं, बल्कि पारदर्शिता, जवाबदेही और सामाजिक न्याय की दिशा में एक निर्णायक और क्रांतिकारी कदम है। पुराने तंत्र में भ्रष्टाचार, मनमानी और अतिक्रमण ने संपत्तियों से मिलने वाले वास्तविक लाभ को लगातार रोके रखा था। अब वक्फ बोर्ड आधुनिक तकनीक, उत्तरदायी प्रबंधन और समावेशी दृष्टिकोण के साथ काम करेगा। इसका असर केवल संपत्तियों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और गरीबी उन्मूलन जैसी मूलभूत जरूरतों में सीधे दिखाई देगा। यह परिवर्तन करोड़ों मुस्लिम परिवारों के लिए सुरक्षा, विश्वास और समृद्धि का एक नया संदेश लेकर आया है।

वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में पहले अनियमितताओं और विवादों की लंबी श्रृंखला रही, जिसने उनकी वास्तविक उपयोगिता और विकास को लगातार बाधित किया। मनमाने दावे, लंबित मुकदमे और अतिक्रमण ने कई संपत्तियों को विवादास्पद और अनुपयोगी बना दिया था। अब डिजिटल पोर्टल और ऑटोमेशन के माध्यम से प्रत्येक संपत्ति का पूरा जीवनचक्र ट्रैक किया जाएगा। पंजीकरण, लेखा-जोखा, ऑडिट और मुकदमेबाजी सभी ऑनलाइन और पारदर्शी होंगे। छह माह के भीतर सभी संपत्तियां पोर्टल पर दर्ज हो जाएंगी, जिससे कोई भी संपत्ति छिपी नहीं रहेगी। यह पारदर्शिता भ्रष्टाचार को कम करेगी और वक्फ बोर्ड को एक वैज्ञानिक, उत्तरदायी और आधुनिक संस्था में परिवर्तित कर देगी। परिणामस्वरूप, संपत्तियों का उपयोग अधिक प्रभावी, सुव्यवस्थित और न्यायसंगत ढंग से सुनिश्चित होगा।

जिला कलेक्टर को संपत्ति सर्वेक्षण और विवाद समाधान की जिम्मेदारी दी गई है, जो प्रबंधन का सबसे मजबूत स्तंभ साबित होगा। अब निर्णय केवल सरकारी रिकॉर्ड और निष्पक्ष जांच पर आधारित होंगे। अतिक्रमण स्वतः रोका जाएगा और संपत्तियां उनके वास्तविक लाभार्थियों तक सुरक्षित रूप से पहुंचेगी। कलेक्टर का समयबद्ध और तथ्यपरक दृष्टिकोण हर निर्णय को मज़बूत और भरोसेमंद बनाएगा। इसके परिणामस्वरूप, वक्फ संपत्तियां शीघ्र और प्रभावी कल्याण कार्यों में लगेंगी। विवाद कम होंगे, संपत्तियों का विकास तेज़ी से होगा और गरीब, विधवा एवं वंचित वर्गों तक लाभ सुनिश्चित रूप से पहुंचेगा। यह व्यवस्था स्थानीय प्रशासन की दक्षता, जवाबदेही और पारदर्शिता को नई ऊँचाई पर ले जाएगी।

समावेशिता और संतुलित नेतृत्व अब वक्फ बोर्ड की नई पहचान बन चुका है। बोर्ड में अब कम से कम दो मुस्लिम महिलाएं और गैर-मुस्लिम सदस्य शामिल होंगे। विभिन्न मुस्लिम संप्रदायों का प्रतिनिधित्व भी अनिवार्य होगा। इससे निर्णय प्रक्रिया व्यापक दृष्टिकोण वाली, संतुलित और संवेदनशील बनेगी। महिलाओं की भागीदारी प्रबंधन में संवेदनशीलता और सूझबूझ लाएगी, जबकि गैर-मुस्लिम सदस्य प्रशासनिक निगरानी और सहयोग सुनिश्चित करेंगे। यह संरचना वक्फ को केवल धार्मिक संस्था नहीं, बल्कि राष्ट्रीय संपदा और सामाजिक उत्तरदायित्व का सशक्त प्रतीक बनाएगी। प्रत्येक वर्ग का सक्रिय योगदान विकास की दिशा में सुनिश्चित होगा और कल्याण कार्यों की गुणवत्ता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

संपत्ति दान और वक्फ गठन के नए नियम इसे सुरक्षित, पारदर्शी और न्यायसंगत बनाते हैं। अब केवल पाँच वर्ष से इस्लाम का पालन करने वाला वास्तविक और सच्चा मालिक ही संपत्ति वक्फ कर सकेगा। 'वक्फ बाय यूजर' जैसी पुरानी और असुरक्षित प्रथाओं पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। वारिसों और महिलाओं के उत्तराधिकार अधिकार अब सुनिश्चित और संरक्षित हैं। यह प्रावधान मनमानी और दुरुपयोग को रोकता है और दानकर्ताओं के विश्वास को सुदृढ़ करता है। संपत्तियों की संख्या बढ़ेगी और उनका उपयोग स्पष्ट, न्यायपूर्ण और कल्याणकारी उद्देश्यों के लिए व्यवस्थित रूप से सुनिश्चित होगा। यह कदम वक्फ संपत्तियों के दुरुपयोग को समाप्त करते हुए समुदाय में भरोसा, स्थिरता और सुरक्षा की नई भावना पैदा करेगा।

विवाद समाधान प्रक्रिया में सुधार न्याय की गति को तेज करेगा और पारदर्शिता सुनिश्चित करेगा। अब ट्रिब्यूनल के फैसलों पर हाईकोर्ट में अपील का अधिकार होगा, जिससे निर्णय अधिक भरोसेमंद और न्यायपूर्ण बनेंगे। बोर्ड का सीईओ अब संयुक्त सचिव स्तर का होगा, जो पेशेवर प्रबंधन और जवाबदेही सुनिश्चित करेगा। म्यूटवाल्ली (वक्फ संपत्ति का प्रबंधक या देखभालकर्ता) की योग्यता और प्रशिक्षण में कड़ाई आई है, जिससे भ्रष्ट तत्वों की रोकथाम होगी। यह व्यवस्था विवादों को कम करके संपत्तियों को शीघ्र और प्रभावी विकास कार्यों में लगवाएगी। परिणामस्वरूप, समुदाय का विश्वास और सुरक्षा दोनों बढ़ेंगे, और संपत्तियां वास्तविक कल्याण कार्यों में सही तरीके से उपयोग होंगी। डिजिटल निगरानी और पारदर्शी प्रबंधन के माध्यम से वक्फ संपत्तियां अब शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और गरीबी उन्मूलन में निर्णायक और स्थायी योगदान देंगी। हर निर्णय, योजना और संपत्ति का उपयोग सीधे समुदाय की भलाई, विकास और समग्र कल्याण के लिए किया जाएगा। यह परिवर्तन मुस्लिम समुदाय को सशक्त बनाते हुए पूरे राष्ट्र के लिए प्रेरक और मॉडल उदाहरण प्रस्तुत करेगा। भविष्य में वक्फ बोर्ड एक आदर्श और मानक संस्था के रूप में उभरेगा, जहां दक्षता, समर्पण, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व साथ-साथ संचालित होंगे।

इस नए ढांचे में हर संपत्ति का उपयोग न्यायसंगत, सुव्यवस्थित और विकासोन्मुख तरीके से सुनिश्चित और सुदृढ़ रूप से किया जाएगा।

राष्ट्रपति की मंजूरी ने वक्फ को नई ऊँचाइयों की ओर मजबूती से अग्रसर कर दिया है। अब प्रबंधन आधुनिक, निष्पक्ष और कल्याणकारी दृष्टिकोण से संचालित होगा। संपत्तियां अब केवल निजी संपत्ति नहीं, बल्कि भारत की साझा और अमूल्य राष्ट्रीय विरासत बनेंगी। यह नया युग आशा, समृद्धि और सतत विकास का होगा। हर वक्फ संपत्ति केवल जमीन या भवन नहीं, बल्कि समाज सेवा, न्याय और समग्र विकास का सशक्त प्रतीक बनेगी।

यह कानून स्पष्ट रूप से सिद्ध करेगा कि सच्चा सुधार हमेशा समुदाय और राष्ट्र की भलाई करता है और वक्फ संपत्तियों को भविष्य में प्रगति और समृद्धि की नई ऊँचाइयों तक ले जाएगा।

स्वास्थ्य का विज्ञान समानता का आधार

योगेश कुमार गोयल

दुनिया के प्रत्येक व्यक्ति को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने और वैश्विक स्वास्थ्य मानकों में सुधार लाने के उद्देश्य के साथ विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के बैनर तले प्रतिवर्ष 7 अप्रैल को एक खास थीम के साथ 'विश्व स्वास्थ्य दिवस' मनाया जाता है। इस दिवस को मनाए जाने का प्रमुख उद्देश्य स्वास्थ्य को लेकर विश्व में प्रत्येक व्यक्ति को बीमारियों के प्रति जागरूक करना, लोगों के स्वास्थ्य स्तर को सुधारना और हर व्यक्ति को इलाज की अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना ही है। पूरी दुनिया इस साल 'स्वास्थ्य के लिए एकजुट रहें, विज्ञान के साथ खड़े रहें' विषय के साथ 76वां विश्व स्वास्थ्य दिवस मना रही है। यदि पिछले कुछ वर्षों की स्वास्थ्य दिवस की थीम पर नजर डालें तो 2025 का विषय था 'स्वस्थ शुरुआत, आशापूर्ण भविष्य', 2024 में यह दिवस 'मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार', 2023 में 'सभी के लिए स्वास्थ्य', 2022 में 'हमारा ग्रह, हमारा स्वास्थ्य', 2021 में 'सभी के लिए एक निष्पक्ष, स्वस्थ दुनिया का निर्माण', 2020 में 'नर्सों और दाईयों का समर्थन करें' तथा 2019 में 'सार्वभौमिक स्वास्थ्यः हर कोई, हर जगह' विषय के साथ मनाया गया था। इस वर्ष का विषय न केवल वैश्विक सहयोग को सुदृढ़ करने का आह्वान करता है बल्कि भ्रामक सूचनाओं के इस दौर में वैज्ञानिक प्रमाणों पर जन-विश्वास को पुनर्स्थापित करने और साक्ष्य-आधारित नीतियों के माध्यम से मानवता की रक्षा करने पर केंद्रित है।

'विश्व स्वास्थ्य दिवस' मनाए जाने की शुरूआत डब्ल्यूएचओ द्वारा 7 अप्रैल 1950 को की गई थी और यह दिवस मनाने के लिए इसी तारीख का निर्धारण डब्ल्यूएचओ की संस्थापना वर्षगांठ को चिन्हित करने के उद्देश्य से ही किया गया था। डब्ल्यूएचओ की स्थापना के साथ ही 1948 में विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव भी रख दी गई थी। दरअसल उस समय लोगों की सेहत को बढ़ावा देने और उन्हें गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से दुनिया के कई देशों ने मिलकर दुनियाभर में ठोस कार्य करने की जरूरत पर बल दिया और आखिरकार विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव रखने के दो वर्ष बाद सन् 1950 में पहली बार 7 अप्रैल को यह दिवस मनाया गया। संयुक्त राष्ट्र का अहम हिस्सा 'डब्ल्यूएचओ' दुनिया के तमाम देशों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर आपसी सहयोग और मानक विकसित करने वाली संस्था है, जिसका प्रमुख कार्य विश्वभर में स्वास्थ्य समस्याओं पर नजर रखना और उन्हें सुलझाने में सहयोग करना है। इस संस्था के माध्यम से प्रयास किया जाता है कि दुनिया का प्रत्येक व्यक्ति शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक रूप से पूर्ण स्वस्थ रहे। हालांकि चिंता की स्थिति यह है कि पिछले कुछ दशकों में एक ओर जहां स्वास्थ्य क्षेत्र ने काफी प्रगति की है, वहीं कुछ वर्षों के भीतर एड्स, कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों के प्रकोप के साथ हृदय रोग, मधुमेह, क्षय रोग, मोटापा, तनाव जैसी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी तेजी से बढ़ी हैं। ऐसे में स्वास्थ्य क्षेत्र की चुनौतियां निरन्तर बढ़ रही हैं। वैसे तो दुनिया के तमाम देश बीते कुछ दशकों से स्वास्थ्य के क्षेत्र में लगातार प्रगति कर रहे हैं लेकिन कोरोना काल के दौरान जब अमेरिका जैसे विकसित देश को भी बेबस अवस्था में देखा गया और वहां भी स्वास्थ्य कर्मियों के लिए जरूरी सामान की भारी कमी नजर आई, तब पूरी दुनिया को अहसास हुआ कि अभी भी जन-जन तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए बहुत कुछ किया जाना बाकी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन स्वयं मानता है कि दुनिया की कम से कम आधी आबादी को आज भी आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं। विश्वभर में अरबों लोगों को स्वास्थ्य देखभाल हासिल नहीं होती। करोड़ों लोग ऐसे हैं, जिन्हें रोटी, कपड़ा और मकान जैसी मूलभूत आवश्यकताओं तथा स्वास्थ्य देखभाल में से किसी एक को चुनने पर विवश होना पड़ता है। भारतीय समाज में तो सदियों से धारणा रही है 'पहला सुख निरोगी काया, दूजा सुख घर में हो माया' लेकिन चिंता का विषय यही है कि हमारे यहां भी स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति बहुत खराब है। बहरहाल, विश्व स्वास्थ्य दिवस के माध्यम से जहां समाज को बीमारियों के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जाता है, वहीं इसका सबसे महत्वपूर्ण बिन्दु यही होता है कि लोगों को स्वस्थ वातावरण बनाकर स्वस्थ रहना सिखाया जा सके। दरअसल विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से पूर्ण स्वस्थ होना ही मानव-स्वास्थ्य की परिभाषा है। यह बेहद चिंता का विषय है कि दुनिया की करीब 30 प्रतिशत आबादी के पास बुनियादी स्वास्थ्य उपचार तक पहुंच नहीं है और करीब 200 करोड़ लोग विनाशकारी अथवा खराब स्वास्थ्य देखभाल लागत का सामना कर रहे हैं, जिसमें काफी असमानताएं हैं, जो सबसे वंचित परिस्थितियों में लोगों को प्रभावित कर रही हैं। हालांकि स्वास्थ्य का अधिकार एक ऐसा मौलिक मानवाधिकार है, जिसके तहत प्रत्येक व्यक्ति को बगैर किसी वित्तीय बोझ के, जब भी जरूरत हो, स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच मिलनी चाहिए।

वैज्ञानिक उपलब्धियों का जश्न मनाते हुए हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि तकनीक और विज्ञान तभी वास्तविक रूप से सफल माने जाएंगे, जब वे एक गरीब की झोपड़ी तक सुलभ और वहनीय हों।

गपोड़ी राम का पुण्य-स्कोर

डॉ. सुरेश कुमार

रामपुर गांव के स्वघोषित 'टेक-गुरु' गपोड़ी राम ने जब प्रधानी का चुनाव लड़ा, तो उन्होंने गांव वालों को डरा दिया कि चित्रगुप्त ने अब बही-खाता छोड़कर लैपटॉप खरीद लिया है। उनका मुख्य चुनावी मुद्दा था-'डिजिटल पुण्य कार्ड'। गपोड़ी राम का तर्क था कि अब तक गांव के लोग जो दान-पुण्य करते थे, उसका कोई 'ट्रैक रिकॉर्ड' नहीं था, जिससे स्वर्ग के वीआईपी कोटे में धांधली हो रही थी। उन्होंने वादा किया कि जीतते ही वे गांव के हर व्यक्ति का एक 'पुण्य-स्कोर' जनरेट करेंगे, जो सीधे सैटेलाइट के जरिए परलोक के सर्वर से जुड़ा होगा। गांव के सीधे-सादे किसान, जो अब तक केवल 'राम-राम' जपने को ही काफी समझते थे, अचानक अपने 'क्रेडिट स्कोर' की तरह 'पुण्य स्कोर' को लेकर चिंतित हो गए। गपोड़ी राम ने पंचायत घर के बाहर एक पुरानी डिश एंटीना लगा दी और उसे 'ब्रह्मांडीय डेटा रिसीवर' घोषित कर दिया, जो कथित तौर पर लोगों के अच्छे कर्मों की गंध सूंघ सकता था।

प्रचार के अंतिम चरण में गपोड़ी राम ने गांव के तालाब के किनारे एक 'पाप-मुक्ति स्कैनर' लगाया। यह वास्तव में एक खराब हो चुका फोटोकॉपी मशीन का ढांचा था, जिस पर नीली और लाल बत्तियां जल रही थीं। उन्होंने घोषणा की कि जो भी उन्हें वोट देने का संकल्प लेकर इस मशीन के सामने से गुजरेगा, उसके पिछले तीन चुनावों के 'चुनावी पाप' (गलत उम्मीदवार को वोट देना) तुरंत डिलीट हो जाएंगे। विपक्षी उम्मीदवार 'बुधु राम' इस हाई-टेक अध्यात्म के सामने पस्त थे; वे नाली और खड़ंजे की बात कर रहे थे, जबकि जनता को अपना परलोक सुधरता दिख रहा था। गांव की महिलाएं अपनी पुरानी साड़ियां और पुरुष अपने खाली झोले लेकर उस मशीन के सामने कतार में लग गए, इस उम्मीद में कि उनका 'पाप मीटर' शून्य हो जाएगा। गपोड़ी राम ने एक लड़का तैनात कर रखा था जो हर व्यक्ति के गुजरने पर 'बीप' की आवाज निकालता था, जिसे लोग ईश्वरीय मंजूरी समझकर गदगद हो रहे थे। मतदान के अगले दिन जब गपोड़ी राम की भारी जीत हुई, तो पूरा गांव अपना 'पुण्य कार्ड' लेने के लिए उनके घर पर उमड़ पड़ा। गपोड़ी राम ने बड़े इत्मीनान से एक प्रिंटर से कोरे कागज निकाले और उन पर बड़े-बड़े अक्षरों में 'जीरो' लिखकर बांटना शुरू कर दिया। जनता हक्की-बक्की रह गई, हुजूर, यह तो शून्य है! हमारा पुण्य कहां गया? गपोड़ी राम मंद-मंद मुस्कुराए और गंभीर आवाज में बोले भाइयों, आप सबको 'जीरो' इसलिए मिला है क्योंकि आपने एक ऐसे आदमी को वोट दिया जिसने आपको सरेआम बेवकूफ बनाया! राजनीति का पहला नियम है कि जो अपनी अक्ल का इस्तेमाल नहीं करता, उसका पुण्य-स्कोर हमेशा शून्य ही रहता है। अब अगले पांच साल इसी शून्य के साथ योगाभ्यास कीजिए, क्योंकि असली स्वर्ग तो अब केवल मेरी हवेली में उतरेगा। जनता एक-दूसरे का मुंह ताकती रह गई और गपोड़ी राम अपनी नई सफारी के शीशे चढ़ाकर 'डिजिटल इंडिया' का नारा लगाते हुए जिला मुख्यालय की ओर उड़नछू हो गए।

आ गई गर्मियां, फ्रिज का ठंडा पानी पीने से पहले जान लीजिए ये बातें वरना बढ़ सकती हैं मुश्किलें

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहना बहुत आवश्यक माना जाता है। गर्मी के दिनों में अगर ठंडा पानी मिल जाए तो आत्मा तृप्त हो जाती है, पर क्या ठंडा पानी हमारी सेहत के लिए ठीक है?

अध्ययनों में पानी की तासीर-मात्रा को लेकर बताया गया है। कई शोध बताते हैं कि फ्रीज का ठंडा पानी सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, एसोफैगस या भोजन नली को प्रभावित करने वाले रोगों के शिकार लोगों को ठंडा पानी पीने से बचना चाहिए। इसके अलावा बहुत ठंडा पानी पाचन से संबंधित समस्याओं को बढ़ाने वाला भी हो सकता है।

ठंडा पानी पीने से सिर्फ नुकसान ही नहीं है, कुछ मामलों में इसे फायदेमंद भी माना जाता है। आइए जानते हैं कि ठंडा पानी पीने के क्या फायदे और क्या नुकसान हो सकते हैं?

ठंडा पानी पीने के ये फायदे जानते हैं आप?

साल 2012 के एक अध्ययन में 45 पुरुषों को शामिल किया गया जिसमें पता चला कि व्यायाम के दौरान ठंडा पानी पीने से शरीर के तापमान को व्यवस्थित रखने में मदद मिल सकती है।

शोधकर्ताओं ने निष्कर्ष निकाला कि एथलीटों को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन में मदद करने के लिए ठंडे पानी का सेवन करना फायदेमंद हो सकता है।

कुछ लोगों का दावा है कि ठंडा पानी पीने से वजन घटाने में मदद मिल सकती है।

पाचन पर पड़ता है असर

आयुर्वेद में यह माना जाता है कि ठंडे पानी या पेय का सेवन करने से पाचन अग्नि कमजोर हो सकती है जो पाचन प्रक्रिया में बाधा डाल सकती है।

आयुर्वेदिक सिद्धांतों के अनुसार, पाचन की प्रक्रियाओं के लिए गर्मी की आवश्यकता होती है।

शोध बताते हैं कि ठंडा पानी रक्त वाहिकाओं को सिकोड़ देता है, जिससे पाचन संबंधी समस्याएं होती हैं।

अगर आपको अक्सर कब्ज रहती है तो ज्याद ठंडा पानी नहीं पीना चाहिए।

हार्ट रेट पर असर

ठंडा पानी आपके हृदय गति को भी कम कर सकता है। फ्रिज का ज्यादा ठंडा पानी पीने से वेगस नर्व्स उत्तेजित होती है। ठंडा पानी का असर सीधे वेगस नर्व पर पड़ता है, जिससे हृदय गति कम हो जाती है। हृदय गति की असामान्यताओं के कारण कई तरह के हृदय रोगों के विकसित होने का जोखिम हो सकता है।

ठंडा या गर्म पानी, कौन सा बेहतर?

अब सवाल यह उठता है कि आपके लिए कौन सा पानी ज्यादा बेहतर है, ठंडा या गर्म?

शोधकर्ताओं ने बताया कि सामान्य तापमान वाले पानी पीने वाले प्रतिभागियों ने स्वेच्छा से अधिक पानी पिया और अन्य तापमान की तुलना में कम पसीना बहाया। पाचन की समस्याओं से परेशान रहते हैं तो ज्यादा ठंडा पानी न पिएं, इसके अलावा यह दांतों में सनसनाहट का भी कारण बन सकती है। सामान्य तापमान का पानी पीना ज्यादा बेहतर माना जाता है।

गले में खराश होने पर क्या करना चाहिए

क्या आपको भी अक्सर गले में खराश की समस्या का सामना करना पड़ता है? अगर हां, तो आपको कुछ छोटी-छोटी टिप्स को फॉलो करना चाहिए। कुछ घरेलू उपाय आपकी इस प्रॉब्लम को दूर करने में कारगर साबित हो सकते हैं। आज हम आपको बताएंगे कि जब भी आपको गले में खराश महसूस हो, तो आपको खाने-पीने की किन चीजों का सेवन करना चाहिए। दादी-नानी के जमाने से इन सुपर फूड्स को गले के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता रहा है।

शहद का सेवन करें

गले की खराश होने पर शहद का सेवन करने की सलाह दी जाती है। औषधीय गुणों से भरपूर शहद आपके गले के लिए वरदान साबित हो सकता है। आप एक चम्मच शहद सीधे खा सकते हैं। हालांकि, शहद को गर्म पानी में मिलाकर भी कंज्यूम किया जा सकता है। इसके अलावा ध्यान रहे कि जब भी आपके गले में खराश हो, तो आपको खट्टी चीजों का सेवन करने से बचना चाहिए।

मुलेठी का काढ़ा

पुराने जमाने से मुलेठी को गले के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता रहा है। सिंगर्स को भी मुलेठी का सेवन करने की सलाह दी जाती है। अगर आपके गले में खराश हो रही है, तो आप मुलेठी का काढ़ा पी सकते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि मुलेठी के काढ़े में औषधीय गुणों की अच्छी खासी मात्रा मौजूद होती है। इसके अलावा ध्यान रहे कि आप जब भी पानी पिएं, तो हल्का गर्म करके ही पिएं।

फायदेमंद हल्दी वाला दूध

क्या आप जानते हैं कि पोषक तत्वों से भरपूर हल्दी भी गले पर पॉजिटिव असर डाल सकती है? अगर आपके गले में खराश हो रही है, तो हल्दी वाला दूध पी लीजिए। एक गिलास गर्म दूध में आधी छोटी चम्मच हल्दी पाउडर मिलाएं और रात में पी जाएं। अगली बार आपको जब भी गले में खराश महसूस हो, तो डॉक्टर के पास जाने से पहले आप इनमें से किसी भी एक घरेलू उपाय को आजमाकर देख सकते हैं।

बच्चों की डाइट में शामिल कर दीं ये चीजें तो वो बचपन से ही बनेंगे फिट

बच्चों का स्वास्थ्य और उनकी सही पोषण यानि न्यूट्रिशन बचपन से ही उनकी लंबी उम्र और अच्छे विकास के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। आधुनिक जीवनशैली और बाजार में उपलब्ध प्रोसेस्ड फूड के चलते बच्चे अक्सर सही पोषण से वंचित रह जाते हैं, जिससे उनकी इम्यूनिटी कमजोर होती है और विकास बाधित होता है। इसलिए, अपने बच्चों की सेहत को मजबूत बनाने के लिए जरूरी है कि उनकी डाइट में पौष्टिक और प्राकृतिक खाद्य पदार्थ शामिल किए जाएं।

हम ऐसा इसलिए कह रहे हैं क्योंकि पोषक तत्वों से भरपूर आहार बच्चों की हड्डियों को मजबूत करता है, मांसपेशियों को विकसित करता है और उनके दिमागी विकास में भी मदद करता है। इसके अलावा, विटामिन और मिनरल्स से भरपूर आहार बच्चों को बीमारियों से लड़ने में सक्षम बनाता है। सही पोषण के साथ ही उन्हें जंक फूड से दूर रखना, रोज़ाना ताजे फल और हरी सब्जियां खिलाना जरूरी है, ताकि वे स्वस्थ और ऊर्जावान बनें।

दूध

कैल्शियम और विटामिन D से भरपूर होता है, जो हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाता है। यह बच्चों की हड्डियों के सही विकास और मजबूती के लिए आवश्यक है।

केला

पोटैशियम से भरपूर होता है, जो मांसपेशियों के सही कामकाज और हृदय स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है।

अंडा

उच्च गुणवत्ता वाला प्रोटीन स्रोत है, जो मांसपेशियों के विकास और शरीर की मरम्मत में मदद करता है। इसके अलावा, अंडे में विटामिन B12 भी होता है जो दिमागी विकास के लिए जरूरी है।

मूंगफली

प्रोटीन और हेल्दी फैट्स का बेहतरीन स्रोत है, जो बच्चों के दिमाग के विकास में सहायक होता है और ऊर्जा प्रदान करता है।

दाल

प्रोटीन और आयरन से भरपूर होती है, जो शरीर को ऊर्जा देती है और रक्त संचार को बेहतर बनाती है। आयरन की कमी से बच्चों में कमजोरी हो सकती है, इसलिए दाल का सेवन जरूरी है।

हरी सब्जियां

आयरन और विटामिन C से भरपूर होती हैं, जो रक्त संचार सुधारती हैं और शरीर की रोगप्रतिरोधक क्षमता बढ़ाती हैं।

सेब

फाइबर और विटामिन से भरपूर होता है, जो पाचन तंत्र को मजबूत करता है और कब्ज की समस्या को दूर रखता है।

गर्मियों में क्यों पीना चाहिए चिया सीड्स का पानी फायदे और सेवन का सही तरीका

छोटे-छोटे चिया सीड्स गर्मियों में शरीर को हाइड्रेट रखने और ठंडक देने का बेहतरीन काम करते हैं। ओमेगा-3, प्रोटीन और डाइटरी फ़ाइबर से भरपूर चिया सीड्स का पानी न सिर्फ ऊर्जा देता है, बल्कि पाचन और वजन कंट्रोल में भी मददगार साबित होता है।

भीगे हुए चिया सीड्स के फ़ायदे शरीर को मिलती है ठंडक

चिया सीड्स गर्मियों के मौसम में खाना सबसे अच्छा रहता है, क्योंकि ये आपको ठंडा और हाइड्रेटेड रखने में मदद करते हैं। जब चिया सीड्स को पानी में भिगोया जाता है, तो वे अपने वज़न से कई गुना ज़्यादा पानी सोख लेते हैं, जिससे वे जेली जैसे बन जाते हैं। ये शरीर में नमी बनाए रखने में मदद करते हैं, इसलिए गर्मियों के मौसम के

ड्रिंक्स के लिए ये एक बेहतरीन ऑप्शन हैं; इनसे न सिर्फ़ आप ठंडा महसूस करेंगे, बल्कि हाइड्रेशन भी बना रहेगा।

डाइजेशन की परेशानी होती है दूर

चिया सीड्स में घुलनशील फ़ाइबर भरपूर मात्रा में होते हैं, जो डाइजेशन में मदद करते हैं और आपके डाइजेस्टिव सिस्टम को हेल्दी रखते हैं। जब चिया सीड्स को पानी में भिगोया जाता है, तो वे एक जेली जैसा पदार्थ बनाते हैं, जो प्रीबायोटिक की तरह काम करता है और डाइजेशन की हेल्थ को सपोर्ट करता है। गर्मियों के मौसम में, पेट फूलना और एसिडिटी जैसी डाइजेशन की समस्याएँ आम होती हैं, और चिया सीड्स आपके डाइजेस्टिव सिस्टम को ठंडा और ठीक से काम करने में मदद करते हैं।

शरीर को मिलते हैं ये अन्य फायदे

एनर्जी होती है बूस्टः चिया सीड्स में न्यूट्रिएंट्स भरपूर मात्रा में होते हैं, जिनमें ओमेगा-3 फ़ैटी एसिड, प्रोटीन और एंटीऑक्सीडेंट शामिल हैं। ये सभी एनर्जी बढ़ाने का एक बेहतरीन ज़रिया हैं। जब चिया सीड्स खाए जाते हैं, तो वे भारी महसूस नहीं होते, इसलिए गर्मियों के मौसम में ये एक बेहतरीन ऑप्शन हैं।

बैड कोलेस्ट्रॉल होता है कंट्रोल

चिया सीड्स में ओमेगा-3 फ़ैटी एसिड, खासकर अल्फा-लिनोलेनिक एसिड (ALA) भरपूर मात्रा में होता है, जो दिल की हेल्थ को सपोर्ट करने के लिए जाना जाता है। इन्हें रेगुलर खाने से खराब कोलेस्ट्रॉल (LDL) का लेवल कम करने और दिल के काम करने के तरीके को बेहतर बनाने में मदद मिल सकती है।

वजन होता है कमः अगर आप गर्मियों में वजन कंट्रोल करना चाहते हैं, तो चिया सीड्स को अपनी डाइट में ज़रूर शामिल करें। इनमें फाइबर और प्रोटीन की मात्रा अधिक होती है, जिससे पेट भरा हुआ रहता है और आप एक्स्ट्रा स्नैकिंग करने से बच जाते हैं।

कैसे करें सेवन?

रात को सोने से पहले एक चम्मच चिया सीड्स को एक गिलास पानी में भिगोकर रखें। सुबह पानी को हल्का गुनगुना गर्म करें और उसमें नीम्बू का रस और काला नमक मिलाएं। इसे अच्छी तरह से घोलकर खाली पेट पिएं।

भोजन में अरुचि दूर करने के उपाय

प्रश्न : मेरी उम्र 76 वर्ष है। मेरे घुटनों में भयंकर दर्द होता है। उठने- बैठने, चलने -फिरने में कठिनाई होती है। पेट साफ नहीं रहता। कब्ज की शिकायत है। कृपा कर आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

- भूपति रेड्डी, निजामाबाद

उत्तर : बढ़ती उम्र में संधिवात की समस्या आम हो गई है। इसे ही ₹आस्टियों आर्थराइटिस₹ कहते हैं। घुटनों की संधियों में स्थित श्रेष्ठ कफ 'सायनोवियल फ्लुइड' कम हो जाने से हड्डियों में घर्षण होने के कारण संधिशोथ और तीव्र पीड़ा होने लगती है। इसका आयुर्वेद में उपचार है। ऊंझा महायोगराज गुग्गुलु, वातगजांकुश रस व ऊंझा नवरत्न कल्पामृत रस की गोली भोजन के बाद पानी से लेवें। भोजन के बाद ही ऊंझा महारास्नादि क्वाथ १५-१५ मिलीलीटर को 3 गुने निवाए पानी में मिलाकर लेवें। दर्द व सूजन दोनों ही कम होने लगेंगे।औरा रु मा टा ई ज टिकिया या ऊंझा रुमूव कैप्सूल को सोंठ मिश्रित दूध से लेने पर दर्द में बहुत जल्दी राहत मिलने लगती है। ऊंझा महानारायण तेल या रुमाटाईज तैल की मालिश करें। ऐसा करने से तुरंत फायदा होने लगता है।

गरिष्ठ भोजन, भोजन पर भोजन, तीखे मिर्च मसालेदार भोजन, बासी भोजन, वात वर्धक आहार-विहार का त्याग करें। ताजा ,संतुलित, सुपाच्य व पौष्टिक भोजन करें। तनाव, चिंता से दूर रहें। हल्का व्यायाम करना प्रारंभ कर दें। धीरे-धीरे दर्द में आराम होने लगेगा।

प्रश्न : मेरी उम्र 44 वर्ष है। खून में कोलेस्ट्रॉल की जांच करवाई, उसमें ट्राइग्लिसराइड्स का स्तर बढ़ा हुआ निकला। कृपा कर सरल आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

- उमाशंकर शर्मा, हैदराबाद

उत्तर : अच्छी सेहत के लिए वसा व वसाम्लों की भी जरूरत है। सामान्य ट्राइग्लिसराइड का सर 150 मिलीग्राम / डेसीमीटर से कम रहना चाहिए। भोजन में हल्का सा बदलाव लाकर आप आसानी से इसे नियंत्रण में ला सकते हैं। अधिक कैलोरी वाले भोज्य पदार्थ आप लेना बंद कर दें। जंक फूड, फास्ट फूड, आलू टिक्की, पिज़्ज़ा, बर्गर, पकोड़े, समोसे, कचोरी, छोले भटूरे आदि व दावत का भोजन आदि लेना बंद कर दे।

मौसम के फल, हरी सब्जियां, सलाद, इसबगोल,छिलकेदार दालें, चोकर सहित आटे का फुल्का, रोटी आदि लेवें। नित्य हल्के व्यायाम करें। आयुर्वेद में इसका उपचार है। भोजन के पहले व्योशादि गुग्गुलु पानी से लेवें । ऊंझा मेदोहर गुग्गुलु का प्रयोग भी उपयोगी है । भोजन के बा द ऊंझा आरोग्यवर्धिनी रस लें। भोजन में अलसी के बीजों से बनी चटनी, लहसुन, प्याज आदि का प्रयोग हितकारी है। ऐसा नित्य करें। एक-दो माह में ही आश्चर्यजनक रूप से ट्राइग्लिसराइड कम हो जाएगा।

प्रश्न : अक्सर भोजन से अरुचि हो जाती है। ऐसे में क्या खाएं क्या ना खाएं कृपा कर बताएं।

- शशिधर गुप्ता, वारंगल

उत्तर : भोजन में अरुचि हो जाने पर कुछ घरेलू नुस्खे दे रहा हूं, जिनका प्रयोग करने से आपको दोबारा भोजन में रूचि हो सकती है।

*अदरक को बहुत बारीक काटकर नींबू के रस में डालकर रखें, दो-तीन घंटे के बाद उसमें सेंधा नमक मिलाकर खाने से अरुचि दूर होती है।

* खजूर को नींबू के रस के साथ चटनी बना कर खाएं ।

* संतरे के रस में सेंधा नमक व कालीमिर्च का चूर्ण मिलाकर पिएं।

* टमाटर का सूप बनाकर पिएं।

* मूली को बीच से चीर कर उस पर सेंधा नमक और नींबू का रस डालकर खाएं।

* गाजर के रस में काली मिर्च का चूर्ण और हल्का सा सेंधा नमक मिलाकर पिएं।

* कब्ज के कारण अरुचि हो तो पपीता काट कर सेंधा नमक, काली मिर्च, नींबू का रस मिलाकर खाएं।

* आंवले और मुनक्के को 10-10 ग्राम मात्रा में लेकर पीसकर मुंह में रखें। इसका रस चूसने से अरूचि दूर हो जाती है।

* जामुन व फालसे में सेंधा नमक मिलाकर खाएं।

* प्याज, मूली, खीरा, चुकंदर का सलाद बनाकर उसमें नींबू का रस, सेंधा नमक और काली मिर्च का चूर्ण मिलाकर खाएं।

* नींबू की शिकंजी बनाकर उसमें एक लौंग और पांच कालीमिर्च का चूर्ण मि ला क र दिन में दो बार पिएं।

शा स्त्री य योग में लवण भास्कर चूर्ण को ताजी छाछ में मिलाकर पीने से अरुचि दूर होती है। ऊंझा हिंग्वाष्टक चूर्ण को भी छाछ के साथ मिलाकर लेने से लाभ होता है। भोजन के पहले ऊंझा चित्रकादि वटी चूसने से अरुचि दूर होती है। मानसिक व्यग्रताजन्य अरुचि में ऊंझा प्रवाल पंचामृत रस एवं ऊंझा ताप्यादि लोह लेने से लाभ होता है।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email :
purushottambidada
@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

पेट में सूजन आने पर शरीर में क्या लक्षण दिखाई देते हैं आंतों में सूजन को कैसे कम करें?

पेट को स्वस्थ रखना बहुत जरूरी है। क्योंकि इससे हमारा पूरा पाचन प्रभावित होता है। पेट में छोटी आंत और बड़ा आंत होती है। छोटी आंत खाना पचाती है और पोषक तत्वों के अवशोषण करती है वहीं बड़ी आंत पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स को शरीर में पहुंचाने और मल इकट्ठा करने का काम करती है। दोनों आंत मिलकर पेट और पूरे शरीर को हेल्दी रखने में मदद करती हैं। लेकिन कई बार आंतों में सूजन आ जाती है। जिससे आंतों का फंक्शन प्रभावित होता है। आइये जानते हैं पेट और आंतों में सूजन के क्या लक्षण हैं।

पेट और आंतों में सूजन के लक्षण

बहुत ज्यादा गैस बनना
अपच की समस्या होना
पेट फूलना और एसिडिटी
पेट दर्द और ऐंठन होना
बार-बार पॉटी जाने की इच्छा
वजन कम होना

उल्टी जैसी महसूस होना

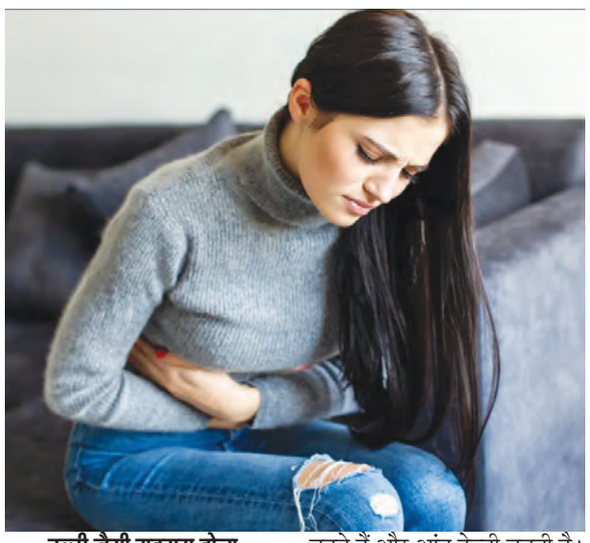

आंतों की सूजन कैसे दूर करें

दही और छाछ- आंतों को हेल्दी बनाने के लिए खाने में प्रोबायोटिक्स से भरपूर दही और छाछ को जरूर शामिल करें। इससे आंतों में गुड बैक्टीरिया बढ़ते हैं और आंत हेल्दी बनती है। दही और छाछ पीने से गैस और एसिडिटी भी कम होती है। ये दोनों चीजें पेट की अग्नि को शांत कर गट हेल्थ में सुधार लाती हैं। पेट में बैक्टीरिया का बैलेंस बनता है और आंतों की क्लीनिंग होती है।

साबुत अनाज

खाने में जितना हो सके साबुत अनाज शामिल करें। फाइबर से भरपूर चीजें खाएं। डाइटरी फाइबर का सेवन करने से पाचन तंत्र में सुधार आता है। इससे पेट साफ आसानी से होता है और कब्ज की समस्या दूर होती है। गट हेल्थ के लिए साबुत अनाज बहुत फायदेमंद होता है। साबुत अनाज में घुलनशील फाइबर और गुड बैक्टीरिया पाए जाते हैं जो हेल्दी आंतों के लिए जरूरी है।

प्याज और लहसुन

खाने में प्याज और लहसुन का इस्तेमाल ज्यादा करें। खासतौर से कच्चा प्याज और लहसुन खाने से आंतों की सेहत में सुधार आता है। रोज सुबह 2 कली लहसुन चबा लें। खाने में 1 कच्चा प्याज जरूर खाएं। इससे पेट में गुड बैक्टीरिया बढ़ते हैं और बैड बैक्टीरिया किल होते हैं। प्याज और लहसुन गुड बैक्टीरिया को बढ़ाने का काम करते हैं।

हरी सब्जियां

खाने में ज्यादा से ज्यादा हरी और पत्तेदार सब्जियों का इस्तेमाल करना चाहिए। इससे आंतों को हेल्दी रखने में मदद मिलेगी। हरी सब्जियां खाने से पाचन बेहतर बनता है। हरी सब्जियों में फाइबर, प्रीबायोटिक, एंटीऑक्सीडेंट्स, विटामिन और मिनरल काफी ज्यादा पाए जाते हैं जो पाचन तंत्र को मजबूत बनाने में मदद करते हैं।

इन चीजों को सेवन करने से पेट और आंतों में आई सूजन दूर होगी साथ ही गट में गुड बैक्टीरिया बढ़ेंगे और खराब बैक्टीरिया खत्म होंगे। साथ ही पानी ज्यादा पीएं और खाना धीरे-धीरे चबा चबाकर खाने की आदत बना लें। फाइबर से भरपूर चीजें खाएं और डाइट में प्रोटीन ज्यादा शामिल करें।

'प्यार सबकुछ नहीं है, पर प्यार बिना सब बेकार है' विजय संग लिंकअप की रूमर्स के बीच तृषा का पोस्ट

अभिनत्री तृषा कृष्णन का नाम काफी वक्त से एक्टर विजय थलापति के साथ जोड़ा जा रहा है। लिंक अप की इन कथित अफवाहों के बीच तृषा ने हाल ही में एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया है। इसमें प्यार और जिंदगी को लेकर जिक्र किया गया है। उनके इस पोस्ट ने सबका ध्यान खींचा है।

अभिनेता थलापति विजय अब राजनीति में सक्रिय हैं। वे तमिलनाडु चुनाव में अपनी किस्मत आजमाने जा रहे हैं। तमाम राजनीतिक चर्चाओं के बीच विजय अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी सुर्खियों में हैं। उनका नाम तृषा से जोड़ा जा रहा है। इस बीच तृषा के इस क्रिप्टिक पोस्ट ने ऐसी चर्चाओं को और हवा दे दी है। बीते कुछ दिनों से तृषा चुप थीं, मगर हाल ही में उन्होंने एक क्रिप्टिक पोस्ट साझा किया है, जिसने सबका ध्यान खींचा है। तृषा कृष्णन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट की स्टोरी पर एक पोस्ट साझा किया है। उन्होंने एक तस्वीर लगाई है, जिस पर कोट लिखा है, 'प्यार ही सब कुछ नहीं है, फिर भी प्यार के बिना सब कुछ बेमानी है। यही फैक्ट है'।

इसके अलावा तृषा ने एक वीडियो भी इंस्टा स्टोरी पर पोस्ट किया है। इसकी लाइनें कुछ इस तरह हैं, 'मैं अपनी जिंदगी के ऐसे मोड़ पर हूं, जहां अब मैं बहस नहीं करती। अगर आप कहते हैं कि हाथी उड़ सकता है, तो आप बिल्कुल सही हैं। इसलिए नहीं कि मैं आपकी बात से सहमत हू, बल्कि इसलिए कि मुझे आपको समझाने की इतनी परवाह नहीं है। मैंने एक जरूरी बात सीखी है कि सही होने से ज्यादा कीमती मन की शांति है। चुप रहना, किसी को कुछ समझाने से कहीं ज्यादा आसान

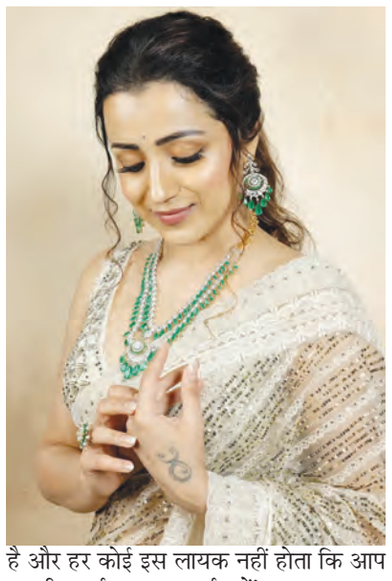

है और हर कोई इस लायक नहीं होता कि आप अपनी ऊर्जा उस पर खर्च करें'।

एक्टर विजय अपनी राजनीतिक पारी शुरू करने से पहले अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। बीते दिनों उनकी पत्नी संगीता ने तलाक के लिए कोर्ट का रुख किया था और वे अर्जी दाखिल कर चुकी हैं। संगीता ने विजय पर बेवफाई के आरोप लगाते हुए चेंगलपट्टू फैमिली कोर्ट में तलाक की याचिका दायर की है। एक्टर विजय को कई कार्यक्रमों में तृषा के साथ देखा गया, जिसके बाद दोनों के अफेयर की अटकलें लगने लगी थीं। तृषा के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे फिल्म 'करुप्पु' में अभिनेता सूर्या के साथ नजर आएंगी। यह फिल्म 14 मई को रिलीज होने वाली है।

'वर्दी पहनते ही रीढ़ की हड्डी को अकड़ मिल जाती है'; पर्दे पर ऑफिसर यूनिफॉर्म पहनने के अनुभव पर बोले अक्षय

एक्टर अक्षय कुमार इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर सुर्खियों में हैं। इसका ट्रेलर रिलीज हो चुका है। इस बीच हाल ही में एक्टर ने क्विज रियलिटी शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' में सेनाधिकारी की भूमिका अदा करने का अनुभव शेयर किया। उन्होंने सेना की वर्दी पहनने पर कुछ ऐसा कहा, जिसने लोगों का दिल जीत लिया है।

'वर्दी पहनते ही रीढ़ की हड्डी सीधी हो जाती है'

अक्षय ने एक सेनाअधिकारी की वर्दी पहनने के बाद भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक रूप से होने वाले बदलाव का जिक्र किया। अक्षय कुमार ने कहा, 'एक बात मैं सब से जरूर कहना चाहूंगा कि जब आदमी वर्दी पहनता है ना, अपने आप रीढ़ की हड्डी को एक अकड़ मिल जाती है। मुझे नहीं पता क्या है? आप सूट पहनो, अकड़ नहीं मिलेगी। लेकिन, जब आप वर्दी पहनते हो, रीढ़ की हड्डी में पता नहीं कहां से वो जोश आता है...तड़ाक कर के सीधी हो जाती है'।

'रुस्तम' का अनुभव किया साझा

अक्षय कुमार ने सेना के अधिकारी की भूमिका निभाने को लेकर कहा कि किसी भूमिका के लिए वर्दी पहनने से भी मुद्रा और माइंडसेट में बदलाव आता है। उन्होंने आगे कहा, 'जैसा मैं 'रुस्तम' फिल्म के अंदर खड़ा था, मुझे नहीं लगता मैं हमेशा ऐसा खड़ा हो सकता हूं। वो नकली वर्दी थी, लेकिन वर्दी की

बात ही अलग होती है'। बता दें कि अक्षय ने फिल्म 'रुस्तम' में नेवी ऑफिसर की भूमिका अदा की। इस फिल्म में अपने प्रदर्शन के लिए उन्हें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला था।

अक्षय कुमार की फिल्म 'भूत बंगला' कब रिलीज होगी?

अक्षय ने फिल्म से जुड़ी कुछ लाइनें सुनाते हुए कहा, 'मेरी वर्दी मेरी आदत है, जैसे सांस लेना। अपने देश की रक्षा करना, ये झिझक के बिना, निस्वार्थ अपना फर्ज निभाना। मुझे अभी भी सारी लाइनें याद हैं'। बात करें अक्षय कुमार की फिल्म 'भूत बंगला' की तो यह फिल्म 16 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

42 साल की उम्र में करिश्मा तन्ना ने की प्रेगनेंसी की घोषणा, लिखा- 'छोटा सा चमत्कार...

अभिनेत्री करिश्मा तन्ना ने बिजनेसमैन वरुण बंगेरा से 5 फरवरी 2022 को मुंबई में शादी की थी। आज करिश्मा ने शादी के चार साल बाद अपनी प्रेगनेंसी की घोषणा की है। जिससे उनके फैंस भी काफी उत्साहित हैं।

करिश्मा तन्ना ने फैंश के साथ शेयर की गूड न्यूज

करिश्मा ने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी और पति वरुण की कई तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में वह आने वाले नन्हें मेहमान की ओर इशारा करती नजर आ रही हैं। इस पोस्ट के साथ करिश्मा ने कैप्शन में लिखा, 'एक छोटा सा चमत्कार, हमारा सबसे बड़ा उपहार अगस्त 2026 में आने वाला है।

सेलेब्स और फैंस ने दी बधाई

करिश्मा की प्रेगनेंसी की गूड न्यूज सुनने के बाद कई सेलेब्स और फैंस उन्हें बधाई दे रहे हैं। धनाश्री वर्मा, दृष्टि धामी, कृतिका कामरा और महीप कपूर ने लिखा, 'बधाई हो', अनुष्का रंजन ने लिखा, 'मेरे प्यारे दोस्तों, आप सभी को ईश्वर का आशीर्वाद।', आदित्य सील ने लिखा, 'मुझे यह बहुत पसंद है', संजीदा शेख ने लिखा,

'माशाल्लाह', इन सभी सेलेब्स के अलावा कई फैंस ने भी करिश्मा को शुभकामनाएं दी हैं।

करिश्मा तन्ना का करियर

करिश्मा तन्ना एक प्रसिद्ध टीवी अभिनेत्री और मॉडल हैं, जिन्होंने 2001 में 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' से टीवी डेब्यू किया। उन्होंने 'नागिन 3' जैसे टीवी शो, 'बिग बॉस 8' (रनर-अप) और 'खतरों के खिलाड़ी 10' की विजेता रहीं। 'संजू' फिल्म और नेटफ्लिक्स की 'स्कूप' वेब सीरीज ने उनके करियर को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया।

बदले हुए अंदाज में नजर आईं एकता कपूर

फिल्म निर्माता एकता कपूर आजकल काफी सुर्खियां बटोर रही हैं। इस बार वह किसी फिल्म या सीरियल की वजह से नहीं बल्कि अपने लुक की वजह से चर्चा में हैं। हाल ही में वह अपकमिंग फिल्म 'भूत बंगला' के ट्रेलर प्रीव्यू में पहुंची। यहां एकता ने अपने बदले हुए अंदाज से सबका ध्यान खींचा। उनका नया लुक सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। यूजर्स उनकी तारीफ कर रहे हैं।

एकता कपूर का लुक वायरल

'भूत बंगला' के ट्रेलर प्रीव्यू में पहुंची एकता कपूर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। एकता कपूर यहां एक सादे और क्लासी लुक में नजर आईं। उन्होंने काले रंग का आउटफिट पहना जो काफी ढीली-ढाली थी। उन्होंने एक हाथ में चूड़ियां और कंगन पहने। अपने लुक को घने बालों और ग्लोइंग मेकअप से पूरा किया।

यूजर्स ने किए कमेंट

सोशल मीडिया पर जब एकता कपूर का यह वीडियो आया तो यूजर्स ने उनमें आए बदलाव को नोटिस कर लिया। कई यूजर्स ने कहा कि एकता पहले इतनी खूबसूरत नहीं थीं। एक यूजर ने लिखा 'पहली बार ऐसा हुआ है, जब उन्होंने जरूरत से ज्यादा कपड़े नहीं पहने हैं। यह बिल्कुल सही है... न तो बहुत ज्यादा भड़कीला है और न ही अजीबोगरीब कॉम्बिनेशन वाला।' एक दूसरे यूजर ने लिखा 'उन्होंने अपना वजन घटा लिया है।' एक और यूजर ने उन्हें खूबसूरत कहा है। एक और यूजर ने लिखा 'वाह क्या बात है।'

यूजर्स ने नोटिस किया बदलाव

हालांकि एकता कपूर ने अभी तक अपनी फिटनेस जर्नी या अपने कपड़ों में आए बदलाव के बारे में आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा है। हालांकि यूजर्स ने उनमें आए बदलाव को नोटिस किया है। कई यूजर्स ने नोटिस किया कि एकता ने ड्रेसिंग में भी बदलाव किया है। ख्याल रहे कि 'भूत बंगला' का निर्देशन प्रियदर्शन कर रहे हैं। एकता कपूर इसके निर्माताओं में से एक हैं। इसमें अक्षय कुमार, परेश रावल, राजपाल यादव, तब्बू और वामिका गब्बी हैं। यह 17 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

कुब्रा सैत ने बताया नाना पाटेकर की सफलता का राज! पहली मुलाकात पर प्रकाश झा ने कही थी ये बात

अभिनेत्री कुब्रा सैत प्रकाश झा के शो 'संकल्प' में अपनी परफॉर्मेंस के लिए तारीफें बटोर रही हैं। इस ड्रामा में उन्होंने डीसीपी परवीन शेख का किरदार निभाया है। इसमें वह एक ऐसी समर्पित पुलिस ऑफिसर बनीं हैं, जिसमें वफादारी और दोस्ती की भावना भरी है।

कैसे प्रकाश झा ने सिर्फ एक मुलाकात के बाद ही उनके रोल को एक कैमियो से कहीं ज्यादा बड़ा कर दिया। उन्होंने नाना पाटेकर के साथ काम करने का अनुभव भी शेयर किया।

इस शो में कुब्रा को पहले छोटा रोल मिला था। बाद में उन्हें इसमें बड़ा रोल मिला। इस पर उन्होंने कहा 'मुझे पता था कि शो में सिर्फ एक स्पेशल अपीयरेंस है, तब भी मुझे इसे करने में

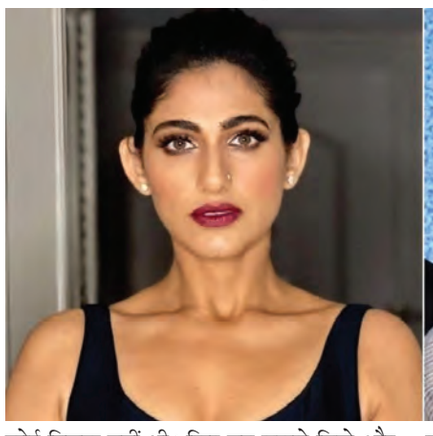

कोई हिचक नहीं थी। फिर वह मुझसे मिले और कहा, 'तू जा, मैं लिखता हूं'। इसके बाद उन्हें इसमें बड़ा रोल मिला। कुब्रा को शो की पूरी सक्रिप्ट नहीं दी गई थी। इस पर उन्होंने कहा 'मुझे याद है कि उन्होंने मुझे बाकी की सक्रिप्ट दी ही नहीं थी। उन्होंने कहा था, 'तू तो मर जाती है, तुझे आगे क्या होता है, यह जानकर क्या करना है' शो देखने के बाद मुझे एहसास हुआ कि कहानी में मेरे किरदार की बहुत बड़ी भूमिका है।' नाना पाटेकर के साथ काम करने पर कुब्रा ने कहा 'मेरे लिए,

सबसे खास बात यह है कि वह कितने सहज तरीके से खुद को पेश करते हैं। वह आसानी से घुल-मिल जाते हैं, सुकून देने वाले हैं। इतने अनुभव के बाद भी, जिस तरह की दयालुता और बारीकी से वह काम करते हैं, उसे देखकर आपको एहसास होता है कि शायद यही उनकी लंबी सफलता का राज है।'

प्रकाश झा के निर्देशन में बने इस शो में नाना पाटेकर मुख्य भूमिका में हैं। उनके साथ मोहम्मद जीशान अय्यूब, संजय कपूर, नीरज काबी, मेघना मलिक, तुषार पांडे और रूप दुर्गापाल भी अहम किरदारों में नजर आते हैं। यह शो अमेजन एमएक्स प्लेयर पर मौजूद है।

सुनील शेट्टी ने जैकी श्रॉफ संग बनाया सैर-सपाटे का प्लान, यूजर बोले- ओटीटी पर आओगे क्या?

सुनील शेट्टी और जैकी श्रॉफ के बीच जबर्दस्त बॉन्डिंग है। दोनों की मित्रता तीन दशक से भी पुरानी है। कई फिल्मों में भी दोनों को साथ देखा गया है। फिलहाल, एक सोशल मीडिया पोस्ट के बाद इनकी दोस्ती के चर्चे एक बार फिर शुरू हो गए हैं। यह पोस्ट आज सोमवार को सुनील शेट्टी ने साझा किया है।

सुनील शेट्टी ने बदल दिया जग्गू दादा का मन

सुनील शेट्टी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से वीडियो शेयर किया है। इसमें उनके और जैकी श्रॉफ के बीच व्हॉट्सएप पर वॉइस नोट के जरिए हुई बातचीत है। जैकी श्रॉफ से सुनील शेट्टी कहते हैं, 'दादा कल्पना करो, मुंबई से डेढ़ घंटा दूर। मुंबई का मजा और हिमाचल की ताजी हवा'। इस पर जैकी श्रॉफ कहते हैं, 'एक नंबर ढूंढ निकाला बाबा'। सुनील शेट्टी कहते हैं, 'एक्यूआई पांच है'। इस पर जैकी श्रॉफ कहते हैं 'माइंड ऑल्टरिंग'।

जैकी श्रॉफ बोले- 'चलते हैं अन्ना'

इस पोस्ट के साथ सुनील शेट्टी ने कैप्शन लिखा है, 'दादा चलें'? जैकी श्रॉफ ने इस पर रिएक्शन देते हुए लिखा है, 'चलते हैं ना अन्ना' ! इसके अलावा एक्टर विंदु दारा सिंह ने भी कमेंट करते हुए लिखा है, 'हमको भी साथ ले चलो'।

सिंगर श्रेया घोषाल ने 29.70 करोड़ में खरीदा अपार्टमेंट, मुंबई के इस मशहूर इलाके में है मौजूद

अपनी आवाज से सबके दिलों पर राज करने वाली सिंगर श्रेया घोषाल ने अपना नया अपार्टमेंट खरीदा है। प्लेबैक सिंगर ने अपनी मां शर्मिष्ठा घोषाल और पिता बिस्वजीत घोषाल के साथ मिलकर मुंबई के वर्ली में 29.70 करोड़ रुपये का एक अपार्टमेंट खरीदा है।

कहां स्थित है अपार्टमेंट?

स्क्वायर याड्र्स की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक यह अपार्टमेंट वर्ली के गोदरेज ट्रिलॉजी में मौजूद है। इस प्रॉपर्टी का कारपेट एरिया 2430.06 स्क्वायर फीट और कुल एरिया 2750.28 स्क्वायर फीट है। इसके साथ तीन कार पार्किंग स्पेस भी हैं।

कितना है रजिस्ट्रेशन चार्ज?

इसे खरीदने में 1.78 करोड़ रुपये की स्टांप ड्यूटी और 30,000 रुपये का रजिस्ट्रेशन चार्ज शामिल है। यह सौदा 1 अप्रैल, 2026 को रजिस्टर किया गया था।

मशहूर है मुंबई का वर्ली

मध्य मुंबई का वर्ली, दक्षिण मुंबई, लोअर परेल, प्रभादेवी और बांद्रा के बाद लग्जरी प्रोजेक्ट्स के लिए एक हॉटस्पॉट बन गया है। इस इलाके से दक्षिण मुंबई और पश्चिमी उपनगरों, दोनों जगहों तक आसानी से पहुंचा जा सकता है। इस माइक्रो मार्केट में कई ऐसे प्रोजेक्ट्स हैं जिनकी कीमत 1 लाख रुपये

प्रति स्क्वायर फीट से ज्यादा है।

क्या साजिश के तहत हुआ राहुल बनर्जी का निधन? पत्नी ने शिकायत में लिया पांच लोगों का नाम; पुलिस ने दर्ज की FIR

श्रेया घोषाल का करियर

श्रेया घोषाल एक जानी-मानी प्लेबैक सिंगर हैं। उनका जन्म बिस्वजीत घोषाल (एक इलेक्ट्रिकल इंजीनियर) और शर्मिष्ठा घोषाल (साहित्य में पोस्ट ग्रेजुएट) के घर हुआ था। रियलिटी शो 'सारेगामापा' जीतने के बाद उन्हें काफी शोहरत मिली। उन्होंने फिल्म 'देवदास' (2002) से बॉलीवुड में सिंगिंग में डेब्यू किया। उन्हें 'बैरी पिया', 'मेरे ढोलना', 'बरसो रे' और 'तेरी मेरी' जैसे गानों से पहचान मिली।

हैंडसम हंक लक्ष्य संग रोमांस के लिए तैयार हैं अनन्या पांडे

अनन्या पांडे ने बीते साल रिलीज हुई फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' में कार्तिक आर्यन संग रोमांस करती नजर आई थीं। हालांकि दोनों की ये जोड़ी बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाल नहीं कर पाई थी। अब अनन्या जल्द ही एक नई प्रेम कहानी के साथ पर्दे पर लौट रही हैं। इस फिल्म में हैंडसम हंक लक्ष्य अनन्या के हीरो होने वाले हैं। करण जौहर ने आज रविवार को फिल्म का पोस्टर रिलीज करते हुए सोमवार को बड़े सरप्राइज की हिंट दी है।

करण जौहर ने दी हिंट

रविवार को करण जौहर ने इंस्टाग्राम पर फिल्म 'चांद मेरा दिल' का नया पोस्टर शेयर किया, जिसमें अनन्या पांडे और लक्ष्य सड़क पर चलते हुए नजर आ रहे हैं और लक्ष्य ने अनन्या के कंधे पर हाथ रखा हुआ है। करण ने अपने कैप्शन में लिखा, 'प्यार का कोई तय रास्ता नहीं होता... बस थोड़ा पागल होना पड़ता है। कल सुबह 11 बजे हमारे आरव और चांदनी से मिलने मिलते हैं।' उनके इस कैप्शन ने लोगों में उत्सुकता जगा दी है और फैंस कयास लगा

रहे हैं कि शायद वह कल फिल्म की रिलीज़ डेट की घोषणा करेंगे या फिल्म का टीज़र जारी करेंगे।

8 मई को रिलीज होगी फिल्म?

नवंबर 2024 में करण जौहर ने अनन्या और लक्ष्य के प्यार भरे पोस्टर साझा करके चांद मेरा दिल की घोषणा की, जिसमें उनकी केमिस्ट्री की झलक दिखाई गई थी। उन्होंने लिखा, 'हमारे पास दो चांद हैं जो एक अनोखी और जोशीली प्रेम कहानी लेकर आ रहे हैं! प्यार में थोड़ा पागल होना ही पड़ता है। चांद मेरा दिल, अनन्या पांडे और लक्ष्य अभिनीत। विवेक सोनी द्वारा निर्देशित।'

तब निर्माताओं ने घोषणा की थी कि फिल्म 2025 में रिलीज होगी। हालांकि फिल्म पिछले साल रिलीज नहीं हुई, लेकिन कई खबरों में कहा गया था कि यह अप्रैल 2026 में सिनेमाघरों में आएगी। अब, फिल्म की रिलीज मई तक टाल दी गई है। व्यापार विश्लेषक तरण आदर्श ने X (पहले ट्विटर) पर बताया है कि यह 8 मई, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हालांकि, निर्माताओं ने अभी तक इस तारीख की पुष्टि नहीं की है।

लंबी दाढ़ी, 8 पैक एब्स, 10 साल में कितना बदल गए टीवी के अकबर

भारतीय सिनेमा में जब भी मुगल सम्राट अकबर का जिक्र होता है तो ऋतिक रोशन का प्रभावशाली चेहरा जेहन में आता है। फिल्म 'जोधा अकबर' में उनके अभिनय ने दर्शकों का दिल जीत लिया था, लेकिन छोटे पर्दे यानी टेलीविजन की दुनिया में इस गौरवशाली किरदार को जीवंत करने का श्रेय रजत टोकस को जाता है। रजत ने जलालुद्दीन मोहम्मद अकबर के किरदार में जो गहराई, गंभीरता और राजसी ठाठ पेश किया, उसने उन्हें हर घर का चहेता बना दिया। आज भी कई दर्शकों के लिए अकबर का मतलब रजत टोकस ही हैं। उनके लुक, चार्म और अंदाज ने लोगों को दीवाना बना दिया था।

ऐतिहासिक धारावाहिकों से बनाई खास पहचान

रजत टोकस को टेलीविजन इंडस्ट्री का सबसे भरोसेमंद अभिनेता माना जाता है, खासकर जब बात ऐतिहासिक या पौराणिक भूमिकाओं की हो। उनके करियर ग्राफ को देखें तो उन्होंने 'धरती का वीर योद्धा पृथ्वीराज चौहान', 'जोधा अकबर' और 'चंद्रगुप्त मौर्य' जैसे बड़े शो के जरिए अपनी एक अलग विरासत कायम की है। उन्होंने न केवल इतिहास के पन्नों को पर्दे पर उतारा, बल्कि अपनी दमदार अदायगी से उन महान व्यक्तित्वों को दर्शकों के दिलों में हमेशा के लिए अमर कर दिया। उनके संवाद अदायगी के तरीके और शारीरिक हाव-भाव ने इन किरदारों को एक नई ऊंचाई दी।

जोधा-अकबर की कालजयी केमिस्ट्री

साल 2013 में शुरू हुआ सीरियल 'जोधा अकबर' रजत के करियर का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। इस शो में उनके साथ अभिनेत्री परिधि शर्मा ने जोधा बाई की भूमिका निभाई थी। इन दोनों की ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री इतनी

शानदार थी कि यह शो सालों तक टीआरपी चार्ट में टॉप पर बना रहा। रजत ने अपने अभिनय की शुरुआत 2005 में 'साईं बाबा' से बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट की थी, लेकिन 2006 में आए 'पृथ्वीराज चौहान' ने उन्हें रातों-रात सुपरस्टार बना दिया। इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और अपनी एक खास फैन फॉलोइंग तैयार की।

चौंकाने वाला ट्रांसफॉर्मेशन

सबसे ज्यादा चर्चा रजत टोकस के हालिया लुक की हो रही है। जिस अभिनेता को कभी उनकी मासूमियत और क्लीन-शेव 'चॉकलेटी' लुक के लिए जाना जाता था, वह अब पूरी तरह बदल चुके हैं। रजत का नया फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन देख हर कोई दंग है। अब वह छोटे बाल और लंबी घनी दाढ़ी में नजर आते हैं, जो उन्हें एक मैच्योर और रफ-टफ लुक देता है। वह एक समर्पित 'जिम फ्रीक' बन चुके हैं और उन्होंने कड़ी मेहनत से 8-पैक एब्स बनाए हैं। उनका यह नया अवतार सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है, जिसने उनकी वापसी की उम्मीदों को और तेज कर दिया है।

'शूद्र' महिलाओं से संबंध बनाते थे नंबूदरी ब्राह्मण

नस्ल सुधारने के नाम पर जन्मे बच्चों से दूर रहते, केरलम की राजनीति में कितना असर

तिरुवनंतपुरम, 6 अप्रैल (एक्सक्लूसिव डेस्क)। केरलम का त्रावणकोर इलाका। एक ब्राह्मण पुरुष तैयार होकर नायर बस्ती में जाता है। वहां एक घर के बाहर नहाता है। कपड़े बदलता है। एक अन्य ब्राह्मण उसे खाना परोसता है। फिर वह खाना खाता है। कुछ देर बाद वह घर के बाहर चप्पल उतार कर अंदर चला जाता है, जहां एक महिला उसका इंतजार कर रही होती है।

जब महिला का पति लौटता है और उसे घर के बाहर एक आदमी की चप्पल दिखती है, तो बिना कुछ कहे लौट जाता है। क्योंकि वो समझ जाता है कि उसकी पत्नी एक नंबुदरी ब्राह्मण पुरुष के साथ संबंधम में है।

ये किस्सा केरलम की दशकों पुरानी परंपरा 'संबंधम' का है, जिसमें नंबूदरी ब्राह्मण नायर महिलाओं से शारीरिक संबंध बना सकते थे। अभी केरलम में चुनाव होने वाले हैं। आज कहानी इसी 'संबंधम' परंपरा की...

एक से ज्यादा पुरुषों से संबंध बना सकती थीं नायर महिलाएं

19वीं सदी तक केरलम के नंबूदरी ब्राह्मण परिवार में सिर्फ बड़े भाई को ब्राह्मण लड़की से शादी करने की इजाजत थी। बाकी भाई वैश्य, क्षत्रिय जैसी कथित ऊंची जाति की महिला से या फिर कथित शूद्र महिला से शादी कर सकते थे या नायर महिलाओं से संबंध बना सकते थे।

नायरों को केरलम के पारंपरिक समाज में कथित तौर पर शूद्र माना जाता था, लेकिन वो युद्ध लड़ने भी जाते। इनकी कई उप जातियां जमींदारी भी करती थीं। नायर परिवारों में मातृसत्ता का चलन था, यानी घर की संपत्ति पर बेटियों और उनके बच्चों का अधिकार होता।

साहित्य अकादमी अवार्ड से सम्मानित लेखक मनु पिल्लई के मुताबिक, नायर महिलाओं को पुरुषों जितनी ही आजादी थी। वे कई पुरुषों से संबंध बना सकती थीं, तलाक ले सकती थीं और विधवा होने पर दूसरी शादी भी कर सकती थीं, यानी शादी बंधन नहीं था।

13 साल की उम्र से पहले ही नायर लड़कियों की शादी एक सामूहिक समारोह में हो जाती थी। इसमें पति उनके गले में एक थाली यानी मंगलसूत्र बांधता। समारोह 4 से 7 दिन चलता, जिसके बाद दूल्हा अपने घर लौट जाता और फिर उसका लड़की से कोई रिश्ता नहीं होता।

इसके बाद नायर महिलाएं किसी नायर पुरुष या कथित ऊंची जाति के दूसरे पुरुष के साथ संबंध बना सकती थीं। इस रिश्ते को 'संबंधम' कहा गया।

शादी के बाद भी पत्नी को घर नहीं ले जाते नंबूदरी ब्राह्मण

संबंधम में आने के लिए पुरुष को सिर्फ महिला को एक कपड़ा और तेल का दीया देना होता। यह महिला के लिए इशारा होता कि पुरुष उससे संबंध बनाना चाहता है।

इससे जुड़ा एक किस्सा मशहूर है- एक बार मद्रास के गवर्नर सर माउंटस्टुआर्ट ग्रांट-डफ एक महिला से मिले। किसी तरह कपड़ों पर बातचीत होने लगी तो गवर्नर ने कहा, 'मैं तुम्हें मद्रास के कारीगरों का बनाया कपड़ा दूंगा।' यह सुनकर वो महिला शर्माकर बोली, 'शुक्रिया, लेकिन मैं अपने पति के साथ खुश हूं।'

मालाबार मैरिज कमीशन की 1891 में छपी रिपोर्ट के मुताबिक, कई परिवारों में संबंधम के लिए मुहूर्त निकाला जाता था। पुरुष अपने दोस्तों के साथ कपड़े, आभूषण या उपहार लेकर महिला के घर जाते। यहीं से संबंधम शुरू होता।

संबंधम में आने के बाद भी महिलाएं अपने पैतृक घर में ही रहतीं। पति इसी घर में पत्नी से मिलने आता।

मनु पिल्लई के मुताबिक, जरूरी नहीं था कि संबंधम से बना रिश्ता आम शादी की तरह जीवनभर चले। महिला और पुरुष जब चाहें एक-दूसरे से अलग हो सकते थे।

इस संबंध से पैदा हुए बच्चे महिलाओं और उनके परिवार की जिम्मेदारी होते। पिता के बजाय मामा बच्चे की जिम्मेदारी संभालते। नायर समाज में पति-पत्नी के रिश्ते से ज्यादा भाई-बहन के संबंध को महत्वपूर्ण माना जाता था।

लेखक मनु पिल्लई के मुताबिक, ब्राह्मणों पर न इन बच्चों की जिम्मेदारी होती। न ही बच्चों में संपत्ति का बंटवारा करना पड़ता। दूसरी तरफ नायर महिलाओं के लिए कथित ऊंची जाति के बच्चे को जन्म देना सम्मान की बात होती।

कोच्चि के राजा का 16 साल की लड़की से संबंधम

संबंधम की प्रथा सिर्फ आम लोगों तक नहीं बल्कि राजपरिवारों में भी थी। 1895 से 1914 के बीच कोच्चि के राजा थे- रामा वर्मा। 1881 में जब वे राजकुमार थे, तब 16 साल की एक लड़की के साथ वे संबंधम में आए।

लड़की उस समय के राजा की सौतेली बेटी थी, जिसका जन्म रानी के पहले पति से हुआ था। रामा वर्मा के मुताबिक, जब उन्होंने लड़की से संबंध बनाने की इच्छा जताई, तो उसके पति को कोई आपत्ति नहीं थी। हालांकि, यह रिश्ता ज्यादा दिन नहीं चला।

नायर महिला की अपने बच्चे के साथ यह तस्वीर 1893 में राजा रवि वर्मा ने बनाई है। कई आलोचक इसे नायर समाज में मातृसत्ता के पतन के रूप में देखते हैं।

संबंधम में आने वाले रामा वर्मा अकेले नहीं थे। उनकी मां भी एक ब्राह्मण के साथ संबंधम में थीं। त्रावणकोर के राज परिवार में पुरुषों के पिता स्वाभाविक रूप से ब्राह्मण ही होते थे। यह वाकया लेखक मनु पिल्लई कारवां मैग्जीन में छपे अपने लेख में बताते हैं।

संबंधम, शोषण है या मातृसत्ता का प्रतीक?

केरलम से कांग्रेस के लोकसभा सांसद और लेखक शशि थरूर संबंधम पर लिखते हैं, 'नायर समाज के पुरुष तब ही अपनी पत्नियों के पास जा सकते थे, जब उनके घर के बाहर किसी और पुरुष की चप्पल उतरी हुई न रखी हो।'

सीपीआई(एम) की पूर्व सांसद सुभाषिनी अली संबंधम को नायर महिलाओं का शोषण और जातीय भेदभाव बताती हैं। वो कहती हैं, 'नायर परिवारों में घर के बाहर एक जगह होती थी- मड़म। नंबूदरी पुरुष पहले यहां आते। एक निचले दर्जे का पंडित उनके लिए खाना बनाता। मड़म में पुरुष खाना खाते, नहाते और कपड़े बदलते। फिर नायर महिला के कमरे में जाते। उनके परिवार के किसी और सदस्य को नहीं छूते। न ही संबंधम से जन्मे बच्चों को हाथ लगाते।

हालांकि, सभी इतिहासकार ऐसा नहीं मानते। कुछ का कहना है कि संबंधम परंपरा नायर जाति में मातृसत्ता और महिलाओं की आजादी का प्रतीक थी।

इतिहासकार के. एम. पणिक्कर के मुताबिक, बहुविवाह के रिकॉर्ड 16वीं से 18वीं शताब्दी के बीच अंग्रेजों ने दर्ज किए हैं। इन्हें नायरों के घर के 60 गज, यानी 200 फीट के दायरे में आने की भी इजाजत नहीं थी, इसलिए यह रिकॉर्ड भरोसेमंद नहीं है। उस समय के मलयाली साहित्य में बहुविवाह का कोई जिक्र नहीं है।

19वीं सदी की शुरुआत में ब्रिटिश अफसर डॉ. फ्रांसिस बुचानन जब सर्वे के लिए केरलम पहुंचे तो उन्होंने संबंधम के बारे में लिखा- नायर महिलाएं अपने प्रेमियों में अनेक ब्राह्मणों, राजाओं और उच्च कुल के पुरुषों के होने पर गर्व करती थीं।

हालांकि केरलम के इतिहासकार नंदकुमार इसे महिलाओं की आजादी बताते हैं। वे कहते हैं कि उस वक्त की महिलाएं अपना साथी खुद चुन सकती थीं। उन्हें शादी के बाद अपना घर और नाम नहीं छोड़ना पड़ता था। पुरुष खुद उनके घर आया करते थे।

क्या संबंधम नस्ल सुधारने की तकनीक?

सुभाषिनी अली बताती हैं कि आरएसएस के दूसरे सरसंघचालक एम. एस. गोलवलकर ने संबंधम को नस्ल सुधारने का प्राचीन तरीका बताया था।

दिल्ली यूनिवर्सिटी में पॉलिटिकल साइंस के प्रोफेसर शम्सुल इस्लाम के मुताबिक, 17 दिसंबर 1960 को गुजरात यूनिवर्सिटी में दिए भाषण में गोलवलकर ने ये बात कही थी। गोलवलकर ने कहा...

'आज क्रॉस ब्रीडिंग का प्रयोग सिर्फ जानवरों पर होता है। लेकिन हमारे पूर्वजों ने इंसानों में भी क्रॉस ब्रीडिंग को अपनाया। आज के आधुनिक वैज्ञानिक ऐसा करने की सोच भी नहीं सकते।

इंसानी नस्ल को बेहतर बनाने के लिए नंबुदरी ब्राह्मणों में सिर्फ बड़े भाई की शादी ब्राह्मण लड़की से होती। बाकी वैश्य, क्षत्रिय या शूद्र लड़की से शादी करते।

दूसरा नियम था कि किसी भी विवाहित महिला का पहला बच्चा नंबूदरी ब्राह्मण से होगा। इसके बाद उसके पति से।

आज इस प्रयोग को व्यभिचार कहा जाएगा, लेकिन यह सिर्फ पहले बच्चे तक सीमित था।'

RSS के मुखपत्र 'ऑर्गनाइजर' के जनवरी 1961 के एडिशन में भी इस भाषण का जिक्र है।

ब्रिटिश मिशनरी के आने से संबंधम पर रोक लगी

19वीं सदी तक भारत पर अंग्रेजी हुकूमत काबिज हो गई थी। अंग्रेजों ने संबंधम को असभ्य बताया। बाकी राज्य भी इस परंपरा का विरोध करते।

एक मद्रासी अखबार ने लिखा, 'मलयाली लोग पूरे हिंदू समुदाय में सबसे आलसी और घर से दूर रहने वाले हैं। उत्तराधिकारी चुनने का उनका अजीबोगरीब तरीका और अनैतिक विवाह की घिनौनी प्रथा ने चरित्र पर बुरा प्रभाव डाला है।'

इतिहासकार कुंजुलक्ष्मी शारदामोनी के मुताबिक, 'हालत तब और बिगड़ गए, जब संबंधम करने वाली महिलाओं को रखैल और उनके बच्चों को नाजायज कहा जाने लगा।'

अंग्रेजों के कानूनों ने इस परंपरा को प्रभावित किया। नायर एक्ट, 1912 से पत्नी और बच्चों को संपत्ति व भरण-पोषण का अधिकार मिला।

नायर परिवार जैसे-जैसे परिवार बड़े होते गए, उनमें संपत्ति को लेकर आपसी कलह भी बढ़ीं। 1897 से 1907 में त्रावणकोर में ऐसे पारिवारिक कलह के करीब 500 मामले दर्ज हुए।

इसे सुलझाने के लिए नायर एक्ट, 1925 लाया गया। नायर परिवारों को बंटवारे का अधिकार मिला। संबंधम को कानूनी शादी की मान्यता मिली, लेकिन बहुविवाह पर रोक लगी और धीरे-धीरे यह प्रथा खत्म हो गई।

आज की राजनीति पर संबंधम का कोई असर है?

संबंधम परंपरा में दो किरदार थे- नायर और नंबूदरी ब्राह्मण। दशकों पहले शूद्र मानी जाने वाली नायर जाति आज सामान्य वर्ग में आती है। केरलम में नायर करीब 15% हैं। वहीं ब्राह्मण करीब 2% हैं। इनमें नंबूदरी सिर्फ 1% हैं। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि केरलम की राजनीति में संबंधम का भले ही सीधा असर न दिखे, लेकिन ऐसी परंपराओं ने लोगों के बीच जातिगत खाई पैदा कर दी है। इसका इस्तेमाल पॉलिटिकल पार्टियां नायरों को साधने के लिए करती हैं।

बिना एड्रेस प्रूफ मिलेगा 5 किलो वाला सिलेंडर

आधार-पैन कार्ड जैसी सिर्फ एक फोटो-आईडी दिखानी होगी, स्टूडेंट्स और प्रवासी मजदूरों को राहत

नई दिल्ली, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और सप्लाई चेन की दिक्कतों के बीच केंद्र सरकार ने 5 किलो वाले एलपीजी सिलेंडर की बिक्री के नियमों को आसान बना दिया है। अब कोई भी व्यक्ति बिना किसी एड्रेस प्रूफ के छोटा गैस सिलेंडर खरीद सकेगा।

पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार, यह कदम प्रवासी मजदूरों और उन लोगों के लिए उठाया गया है, जिनके पास शहर में कोई स्थायी पता नहीं है। अब ग्राहकों को ऑथोराइज्ड डिस्ट्रीब्यूटर के पास जाकर सिर्फ अपनी कोई भी एक फोटो-आईडी दिखानी होगी और वे तुरंत सिलेंडर ले सकेंगे।

मंत्रालय ने साफ किया है कि 5 किलो वाले फ्री ट्रेड एलपीजी (एफटीएल) सिलेंडर के लिए अब बहुत सारे डॉक्यूमेंट्स की जरूरत नहीं है। ग्राहक आधार कार्ड, पैन कार्ड और वोटर आईडी जैसे डॉक्यूमेंट दिखाकर सिलेंडर ले सकते हैं।

पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव की वजह से एनर्जी लॉजिस्टिक्स पर असर पड़ा है। इसे देखते हुए सरकार ने छोटे सिलेंडरों की उपलब्धता बढ़ाने का भी फैसला किया है।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, 23 मार्च से अब तक लगभग 6.6 लाख छोटे सिलेंडर बेचे जा चुके हैं। अकेले 4 अप्रैल को ही 90,000 यूनिट्स की बिक्री हुई। अधिकारियों का कहना है कि डिस्ट्रीब्यूशन पॉइंट्स पर स्टॉक की कोई कमी नहीं है।

कामकाज के लिए दूसरे शहरों में रहने वाले लोगों की मदद के लिए सरकार ने एचपीसीएल के चुनिंदा आउटलेट्स पर 11 विशेष हेल्प डेस्क बनाई हैं। ये डेस्क उपभोक्ताओं को नजदीकी डिस्ट्रीब्यूटर की जानकारी देंगे और उन्हें बिना किसी परेशानी के सिलेंडर दिलाने में मदद करेंगे।

घरेलू गैस की मांग भी रिकॉर्ड स्तर पर है, एक ही दिन में 51 लाख से ज्यादा डोमेस्टिक सिलेंडरों की डिलीवरी की गई है। खास बात यह है कि कुल मांग का 95% हिस्सा अब ऑनलाइन बुकिंग के जरिए आ रहा है।

सप्लाई की कमी का फायदा उठाकर मुनाफाखोरी करने वालों पर सरकार सख्त है।

मार्च से अब तक जमाखोरी विरोधी अभियान के तहत 50,000 से ज्यादा सिलेंडर जब्त किए गए हैं। नियमों के उल्लंघन पर 1,400 से ज्यादा डिस्ट्रीब्यूटर्स को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए।

36 गैस डीलरशिप को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया गया है।

अधिकारियों ने साफ कहा है कि घरेलू सप्लाई में बाधा डालने वालों पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। रसोई गैस के संकट को टालने के लिए सरकार ने प्राथमिकताएं तय कर दी हैं। घरेलू उपभोक्ताओं, अस्पतालों और स्कूलों जैसे जरूरी संस्थानों को पूरी सप्लाई दी जा रही है।

इसके लिए कमर्शियल एलपीजी की सप्लाई को घटाकर प्री-क्राइसिस लेवल का 70% कर दिया गया है। वहीं, फर्टिलाइजर प्लांट्स के लिए राहत की खबर है, 6 अप्रैल से उन्हें 90% गैस सप्लाई मिलनी शुरू हो जाएगी।

हमेशा ऑथोराइज्ड गैस एजेंसी से ही सिलेंडर लें। बिना एड्रेस प्रूफ वाला यह सिलेंडर 'फ्री ट्रेड मार्केट' का हिस्सा है, इसलिए इसकी कीमत सामान्य डोमेस्टिक सिलेंडर से अलग हो सकती है।

इस्पात प्लांट का फर्नेस फटा

रामगढ़ , 6 अप्रैल (एजेंसियां)। रामगढ़ जिले के हेसला स्थित झारखंड इस्पात प्लांट प्राइवेट लिमिटेड में सोमवार तड़के फर्नेस फटने से बड़ा हादसा हो गया। अचानक हुए तेज धमाके से पूरे प्लांट परिसर में हड़कंप मच गया। धमाके की चपेट में आकर वहां काम कर रहे नौ मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार धमाका इतना तेज था कि आसपास के इलाकों में भी दहशत फैल गई। घटना के बाद प्लांट में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। कुछ समय के लिए कामकाज पूरी तरह ठप हो गया। हादसे के तुरंत बाद सभी घायलों को पास के रांची रोड स्थित द हॉप हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार किया गया। चिकित्सकों के अनुसार सात मजदूर 80 से 90 प्रतिशत तक झुलस चुके हैं, जिससे उनकी हालत अत्यंत गंभीर बनी हुई है। स्थिति को देखते हुए सभी घायलों को बेहतर इलाज के लिए रांची के देवकमल अस्पताल रेफर कर दिया गया।

कल्पना के बाद अब सीएम हेमंत के हेलीकॉप्टर को असम में उड़ने की नहीं मिली अनुमति

मोबाइल फोन से सभा को किया संबोधित

रांची, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। असम विधानसभा चुनाव को लेकर झारखंड में भी राजनीतिक सरगर्मी तेज है। जेएमएम प्रमुख हेमंत सोरेन और पार्टी के कई नेता पिछले दस दिनों से असम में कैंप कर रहे हैं। इस बीच असम में प्रशासन की ओर से हेमंत सोरेन के हेलीकॉप्टर को चुनावी सभा के लिए उड़ने की अनुमति नहीं दी गई। इससे एक दिन पहले हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन के हेलीकॉप्टर को भी उड़ान भरने की अनुमति नहीं मिली थी।

जेएमएम प्रमुख हेमंत सोरेन ने खुद सोशल मीडिया के माध्यम से इस आशय की जानकरा दी। इससे पहले रविवार को ऐसे ही कल्पना सोरेन के हेलीकॉप्टर को उड़ने की अनुमति नहीं दी गई थी। जिसके कारण कल्पना सोरेन तीन में से दो सभाओं को संबोधित नहीं कर पाईं। इसके बाद कल्पना

सोरेन ने इसे असम सरकार की एक साजिश करार दिया था।

हेमंत सोरेन के कहा- असम की वीर और क्रांतिकारी धरती पर लोकतंत्र की आवाज को दबाने की फिर कोशिशें की गई। कल कल्पना सोरेन को सभा करने से रोका गया, आज मुझे असम के रोंगोनदी और चाबुआ विधानसभा के अपने भाई-बहनों से मिलने नहीं दिया गया। क्या सच में विरोधियों को लगता है कि संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर ऐसे षड्यंत्र से वे तीर-धनुष की ताकत को रोक पाएंगे?

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के असम दौरे को देखते हुए सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए हेमंत सोरेन के हेलीकॉप्टर को अनुमति नहीं मिली।

हेलीकॉप्टर से उड़ान भरने की अनुमति नहीं मिलने मिलने पर हेमंत सोरेन ने मोबाइल फोन के माध्यम से संबोधित किया। उन्होंने कहा कि असम की वीर और क्रांतिकारी धरती पर लोकतंत्र की आवाज को दबाने की फिर कोशिशें की गई। उन्होंने कहा कि इतिहास गवाह है, जब-जब आवाज दबाई गई है, वह और बुलंद होकर उभरी है।

जादू टोने के शक में महिला की हत्या

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में जादू-टोना के शक में एक महिला की हत्या कर दी गई। पड़ोसी ने अपने परिचितों के साथ मिलकर पत्थर से महिला के सिर पर ताबड़तोड़ हमला किया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इस मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी सहित तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है।

यह मामला पेंड्रा थाना क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार, 3 से 5 महीने पहले धीरपाल (50) के बेटे की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। धीरपाल को संदेह था कि उसके बेटे की मौत जादू-टोने के कारण हुई और इसके लिए उसने कौशल्या को जिम्मेदार माना। इसी रंजिश में उसने अपने साथियों के साथ मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया।

दरअसल, धीरपाल अपने परिवार के साथ ग्राम खरड़ी में रहता है और खेती-मजदूरी करता है। धीरपाल और कौशल्या आपस में रिश्तेदार हैं। करीब 3 से 5 महीने पहले उसके बेटे की बीमारी के कारण इलाज के दौरान मौत हो गई थी। धीरपाल को संदेह था कि कौशल्या ने उसके बेटे पर जादू-टोना किया, जिसके कारण उसकी जान गई।

गिरिडीह और गुमला में तेज हवा के साथ हुई बारिश

रांची, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड में अगले चार दिनों तक मौसम का मिजाज बदला रहेगा। सोमवार को गुमला और गिरिडीह में तेज हवा के साथ जोरदार बारिश हुई। गिरिडीह में ओले भी गिरे। वहीं, रांची में काले बादल छाए रहे और कहीं-कहीं हल्की बारिश भी हुई। रांची मौसम केंद्र के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार 6 से 9 अप्रैल के बीच राज्य के मध्य, दक्षिणी और उत्तर-पूर्वी हिस्सों में आंशिक बादल छाये रहेंगे। इस दौरान कई जगहों पर गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। राजधानी रांची समेत आसपास के इलाकों में भी बादल छाये रहने और बीच-बीच में बारिश के आसार जताए गए हैं। मौसम विभाग ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है, खासकर खुले स्थानों पर वज्रपात के दौरान सावधानी बरतने को कहा गया है।

मौसम विभाग ने 6 अप्रैल को राज्य के मध्य और उत्तर-पूर्वी हिस्सों में कहीं-कहीं ओलावृष्टि की चेतावनी जारी की है। वहीं 7 और 8 अप्रैल को दक्षिण-पूर्वी और मध्य झारखंड में ओले गिरने की संभावना है।

बोरे में बंधा मिला महिला का शव

पति फरार, अवैध संबंध में हत्या की आशंका दो दिनों पहले आरोपी ने ससुराल में दी थी सूचना

कोडरमा, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। कोडरमा जिले के तिलैया थाना क्षेत्र अंतर्गत तिलैया बस्ती वार्ड नंबर 2 में पति द्वारा पत्नी की हत्या करने का मामला सामने आया है। वो 4 माह से गर्भवती भी थी। सोमवार को किराए के मकान से करीब दो किलोमीटर दूर महिला का शव बोरे में बंद मिला। शनिवार को आरोपी पति ने अपने ससुराल में फोन कर कहा था कि उसने पत्नी को मसाला पीसने वाले सिलवट पर पटक दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। इसके बाद से घर पर ताला लटका था और आरोपी पवन स्वर्णकार फरार है। मृतका की पहचान गिरिडीह जिले के राजधनवार निवासी 25 वर्षीय प्रीति कुमारी के रूप में हुई है। प्रीति का झुमरी तिलैया के ही एक लड़के के साथ प्रेम प्रसंग की बातें सामने आ रही है, जिसकी कुछ तस्वीरें प्रीति द्वारा अपने सोशल मीडिया पर भी शेयर की गई थी। लोग आशंका जाहिर कर रहे हैं इसी मामले में पवन ने प्रीति की हत्या की होगी।

मृतका के मामा अनिल स्वर्णकार ने बताया कि प्रीति की शादी पवन से तीन साल पहले हुई थी। पवन पेशे से टोटो चालक है। वे झुमरीतिलैया के तिलैया बस्ती वार्ड नंबर 2 में किराए के मकान में रहता था।

कुछ समय से पवन और प्रीति राजधनवार में रह रहे थे। बीते गुरुवार को वे अपनी तीन वर्षीय बच्ची के साथ झुमरी तिलैया लौटे। शुक्रवार शाम को पवन ने अनिल स्वर्णकार को फोन पर बताया कि वे पुराना मकान छोड़कर नए किराए के मकान में जा रहे हैं।

सारंडा जंगल में आईईडी ब्लास्ट, कोबरा जवान घायल

चाईबासा, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड के नक्सल प्रभावित सारंडा जंगल क्षेत्र एक आईईडी विस्फोट से हड़कंप मच गया। छोटानागरा थाना क्षेत्र के बालिबा गांव के समीप चडरा डेरा जंगल में यह धमाका उस वक्त हुआ, जब कोबरा 205 बटालियन के जवान नियमित सर्च ऑपरेशन पर निकले हुए थे। अचानक हुए तेज विस्फोट की चपेट में आकर जवान अनुज कुमार घायल हो गए। घटना के बाद पूरे इलाके में सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं।

विस्फोट में घायल जवान अनुज कुमार के पैर में स्प्लिंटर लगने से उन्हें हल्की चोट आई है। राहत की बात यह है कि उनकी हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। वे खतरे से बाहर हैं। घटना के तुरंत बाद मौके पर ही उन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया। प्रारंभिक जांच में चोट गंभीर नहीं पाई गई है, लेकिन एहतियात के तौर पर बेहतर इलाज के लिए एयरलिफ्ट कर रांची लाया जा रहा है। घटना के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने जांच शुरू कर दी है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि विस्फोट पहले से लगाया गया प्रेशर आईईडी था या फिर नक्सलियों द्वारा हाल ही में प्लांट किया गया था। बम निरोधक दस्ता और अन्य विशेषज्ञ टीमों को भी अलर्ट कर दिया गया है।

घटना के बाद पूरे सारंडा क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ा दी गई है।आसपास के जंगलों में सघन कॉम्बिंग अभियान चलाया जा रहा है। संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। गौरतलब है कि सारंडा जंगल क्षेत्र पहले से ही नक्सली गतिविधियों के लिए संवेदनशील रहा है।

रामगढ़ में सुबह-सुबह एनकाउंटर, मुठभेड़ में राहुल दुबे गैंग का सनी सिंह घायल

रामगढ, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। रामगढ़ जिले के भुरकुंडा क्षेत्र में सोमवार की सुबह-सुबह पुलिस और राहुल दुबे गैंग के बीच मुठभेड़ हो गई। घटना दुमुहाना मंदिर के पास की है। जहां संदिग्ध गतिविधि की सूचना पर पहुंची पुलिस टीम पर अपराधियों ने फायरिंग कर दी।

अचानक हुई इस गोलीबारी से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। बताया जा रहा है कि जैसे ही पुलिस की गाड़ी मौके पर पहुंची, वहां मौजूद अपराधी ने सीधे पुलिस को निशाना बनाकर गोली चला दी। इस हमले में पतरातू थाना प्रभारी की गाड़ी के शीशे और बंपर में गोली लगी, हालांकि वे बाल-बाल बच गए।

जानकारी के अनुसार, एसपी अजय कुमार के निर्देश पर राहुल दुबे गिरोह के खिलाफ कार्रवाई के लिए एसआईटी टीम का गठन किया गया था। टीम लगातार भुरकुंडा और पतरातू इलाके में छापेमारी कर रही थी।

इसी दौरान गुप्त सूचना मिली थी कि गिरोह का सक्रिय सदस्य सनी सिंह क्षेत्र में घूम रहा है। अपने साथियों के साथ मिलकर किसी बड़ी घटना को अंजाम दे सकता है। सूचना के आधार पर पुलिस ने दुमुहाना मंदिर के पास सर्च ऑपरेशन शुरू किया।

छापेमारी के दौरान संदिग्ध युवक ने पुलिस को देखते ही फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की, जिसमें आरोपी सनी सिंह के दाहिने पैर में गोली लग गई।

अमेरिका के आम लोगों को चुकानी पड़ रही ईरान युद्ध की भारी कीमत, कितना बढ़ गया तेल का बिल?

वाशिंगटन, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। ईरान युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमत में भारी तेजी आई है। अमेरिका के आम लोगों को भी इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। अमेरिका दुनिया में कच्चे तेल का सबसे बड़ा उत्पादक है लेकिन वहां कच्चे तेल की कीमत आज 115 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई। इसके साथ ही देश में पेट्रोल की औसत कीमत 4.10 डॉलर प्रति गैलन पहुंच चुकी है जो जून 2022 के बाद सबसे अधिक है। जनवरी से इसमें 1.3 डॉलर की तेजी आई है। अमेरिका और इजरायल ने 28 फरवरी को ईरान पर हमला किया था। उसके बाद से अमेरिका के आम लोग फ्यूल के लिए 8.4 अरब डॉलर का अतिरिक्त भुगतान कर चुके हैं।

डेली के हिसाब से देखें तो यह राशि 240 मिलियन डॉलर बैठती है। तेल महंगा होने से महंगाई बढ़ने का भी खतरा है। इसे देखते हुए फेडरल रिजर्व ने नीतिगत ब्याज दरों में हाल में कोई कटौती नहीं की थी। उसका कहना है कि आगे महंगाई की स्थिति को देखते हुए फैसला लिया जाएगा।

तेल की कीमत बढ़ने से अमेरिका में विमान किराए में भी भारी बढ़ोतरी हुई है। लंबे रूट्स पर किराये में ज्यादा बढ़ोतरी हुई है। सैन फ्रांसिस्को से सिंगापुर की फ्लाइट का किराया 35 फीसदी बढ़कर 1179 डॉलर पहुंच गया है। इसी तरह लॉस एंजिलिस से शंघाई का किराया 18 फीसदी तेजी के साथ 819 डॉलर हो गया है। ट्रांस अटलांटिक किराये में कम से कम 200 डॉलर की तेजी आई है। ईरान युद्ध के बाद कच्चे तेल की कीमत में काफी तेजी आई है अमेरिका में आज यह 115 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गई पेट्रोल की औसत कीमत $4.10 प्रति गैलन पहुंच चुकी हैजनवरी से पेट्रोल की कीमत में 1.3 डॉलर की तेजी आई है अमेरिका में हवाई किराए में भी काफी इजाफा हुआ है यहां तक कि घरेलू रूट्स पर भी किराये में तेजी आई है। नेवार्क से लॉस एंजिलिस का किराया चौगुना हो गया है। इस बीच देश की टॉप एयरलाइन में से एक यूनाइटेड एयरलाइंस ने कहा है कि अगर जेट फ्यूल की कीमत ऊंचे स्तर पर बनी रहती है तो उसके पास 20 फीसदी किराया बढ़ाने के अलावा कोई चारा नहीं रहेगा।

बिकवाली के बाद बाजार में हरियाली

सेंसेक्स 787 अंक चढ़ा, निफ्टी 22900 के पार

मुंबई, 6 अप्रैल (एजेंसियां)।पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध में संघर्ष विराम के प्रयासों की खबरों के बीच कच्चे तेल की कीमतों में सुधार के बाद शुरुआती कारोबार में गिरावट के बाद सोमवार को बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में तेज उछाल देखने को मिला।

बैंक शेयरों में भारी खरीदारी ने भी निवेशकों को समर्थन दिया। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 13 पैसे बढ़कर 93.05 (अस्थायी) पर बंद हुआ। एक उतार-चढ़ाव भरे सत्र में, 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 787.30 अंक या 1.07 प्रतिशत बढ़कर 74,106.85 पर बंद हुआ। दिन के दौरान, यह 887.91 अंक या 1.21 प्रतिशत बढ़कर 74,207.46 पर पहुंच गया था। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 255.15 अंक या 1.12 प्रतिशत बढ़कर 22,968.25 पर बंद हुआ। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से ट्रेंट के शेयरों में सबसे ज्यादा 7.89 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। एक्सिस बैंक, टाइटन, लार्सन एंड टुब्रो, अल्ट्राटेक सीमेंट और बजाज फाइनेंस भी प्रमुख लाभ कमाने वाली कंपनियों में शामिल थीं। दूसरी ओर, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचसीएल टेक और सन फार्मा पिछड़ गए। एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का बेंचमार्क कोस्पी और जापान का निक्केई 225 सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए। हांगकांग और शंघाई में छुट्टी के कारण बाजार बंद रहे। गुड फ्राइडे के उपलक्ष्य में शुक्रवार को अमेरिकी और घरेलू शेयर बाजार बंद रहे।जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के अनुसंधान प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि घरेलू शेयर बाजारों में जोरदार उछाल देखने को मिला क्योंकि सभी क्षेत्रों में वैल्यू बाइंग को बढ़ावा मिला। युद्धविराम

प्रयासों की खबरों के चलते कच्चे तेल की कीमतों में मामूली नरमी आई, जबकि उत्साहजनक अस्थायी बैंकिंग आंकड़ों ने ब्याज दरों के प्रति संवेदनशील क्षेत्रों में रुचि को बल दिया। हालांकि, लगातार मुद्रास्फीति के दबाव और वैश्विक व्यापार में संभावित व्यवधानों को लेकर चिंताओं के कारण समग्र जोखिम लेने की प्रवृत्ति सतर्क बनी हुई है, उन्होंने आगे कहा।ऑनलाइन ट्रेडिंग और वेल्थ टेक फर्म एनरिच मनी के सीईओ पोनमुडी आर ने कहा कि आज की रिकवरी मुख्य रूप से कच्चे तेल की कीमतों में मामूली गिरावट के कारण हुई, जिसमें ब्रेंट क्रूड की कीमत 105 अमेरिकी डॉलर से नीचे आ गई। मध्य पूर्व के मध्यस्थों द्वारा प्रस्तावित अस्थायी युद्धविराम की खबरों के बीच, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने निचले स्तरों पर स्थिरता बनाए रखी, जिससे बिकवाली का दबाव कम हुआ और व्यापक बाजार संरचना को समर्थन मिला। ब्रेंट क्रूड का भाव गिरकर 108.3 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचा वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड में 0.71 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 108.3 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। बाजार विनिमय आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने गुरुवार को 9,931.13 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 7,208.41 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

तेल 100 डालर के पार, महंगाई बढ़ने के आसार

कैसे होगा बेड़ापार? आरबीआई की एमपीसी मीटिंग पर सबकी नजर

नई दिल्ली,6 अप्रैल(एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में जारी लड़ाई से कच्चे तेल की कीमत लगातार 100 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर बना हुआ है। यह 2022 के बाद इसका सबसे ऊंचा स्तर है। इससे दुनिया भर में महंगाई के बेकाबू होने का खतरा पैदा हो गया है। भारत भी अपवाद नहीं है जो अपना 85% तेल आयात करता है। इससे रुपये पर भी दबाव बढ़ा है और यह हाल में पहली बार डॉलर के मुकाबले 95 के पार चला गया था। ऐसी स्थिति में सबकी नजर आज से शुरू हो रही आरबीआई की मॉनिटरी पॉलिसी कमेटी (एमपीसी) मीटिंग पर है। यह समिति रेपो रेट का निर्धारण करती है। रेपो रेट बढ़ने से हर तरह के लोन की किस्त बढ़ जाती है।

इस बीच अर्थशास्त्रियों का कहना है कि पश्चिम एशिया संकट की वजह से महंगाई बढ़ने की आशंका के चलते आरबीआई मुख्य नीतिगत दर रेपो को 5.25 प्रतिशत पर स्थिर रख सकता है। एक दर्जन से अधिक अर्थशास्त्रियों के बीच किए गए सर्वेक्षण के अनुसार, पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव, जिंस कीमतों में अस्थिरता और मुद्रा के तेज उतार-चढ़ाव ने नीतिगत परिदृश्य को जटिल बना दिया है। ऐसे में वृद्धि दर, मुद्रास्फीति पर आरबीआई

के अनुमान और नीतिगत रुख पर गहरी नजर रहेगी। ईरान युद्ध शुरू होने के बाद आरबीआई की यह पहली एमपीसी मीटिंग है। इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा, 'कच्चे तेल की कीमतों और भू-राजनीतिक घटनाक्रमों के इर्द-गिर्द अनिश्चितता को देखते हुए, आरबीआई द्वारा अप्रैल की नीति में यथास्थिति बनाए रखने और कोई भी अगला कदम उठाने से पहले महंगाई के आंकड़ों पर विचार करने की संभावना है। आरबीआई की एमपीसी की बैठक आज से शुरू हो रही है 8 अप्रैल को इसमें लिए गए फैसलों की जानकारी देंगे गवर्नर ईरान युद्ध से कच्चे तेल की कीमत में काफी तेजी आई है इससे देश में महंगाई बढ़ने का खतरा पैदा हो गया है साथ ही रुपये पर फिलहाल भारी दबाव दिख रहा है एसबीआई के मुख्य अर्थशास्त्री सौम्य कांति घोष ने कहा कि दरों को स्थिर रखने की घोषणा करते समय आरबीआई अपनी टिप्पणी में काफी सावधानी बरतेगा।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सुर्य	मीन	मे	मीन....	04-57 बजे
चंद्र	वृश्चिक	मे	मेष.....	06-33 बजे
मंगल	मीन	मे	वृष....	08-17 बजे
बुध	कुंभ	मे	मिथुन..	10-18 बजे
गुरु	मिथुन	मे	कर्क...	12-30 बजे
शुक्र	मेष	मे	सिंह---	14-42 बजे
शनि	मीन	मे	कन्या--	16-49 बजे
राहु	कुंभ	मे	तुला----	18-54 बजे
केतु	सिंह	मे	वृश्चिक..	21-04 बजे
			धनु.....	23-18 बजे
			मकर...	01-25 बजे
			कुंभ....	03-15 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426873
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
सूर्योदय 06-09
सूर्यास्त. 18 -26
दिशाशूल - उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
मास - वैशाख कृष्ण पक्ष मंगलवार 07 April 2026
तिथि - पंचमी 16-34 तक उपरान्त षष्ठी
नक्षत्र - ज्येष्ठा 02-56 रात तक उप मूल
योग - व्यतिपात 16-16 तक उप वरियान
करण - तैतिल 16-34 तक उप गर

विशेष: श्री मूलकदास जं. नक्षत्र शांति
विश्व स्वास्थ्य दिवस

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल
15-24 से
16-57 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	06-09 - 07-40	अशुभ	काल	18-26 - 19-57	अशुभ
उत्पात	07-40 - 09-13	अशुभ	लाभ	19-57 - 21-24	शुभ
चंचल	09-13 - 10-46	शुभ	उत्पात	21-24 - 22-51	अशुभ
लाभ	10-46 - 12-18	शुभ	शुभ	22-51 - 00-18	शुभ
अमृत	12-18 - 13-51	शुभ	अमृत	00-18 - 01-45	शुभ
काल	13-51 - 15-24	अशुभ	चंचल	01-45 - 03-12	शुभ
शुभ	15-24 - 16-57	शुभ	रोग	03-12 - 04-40	अशुभ
रोग	16-57 - 18-26	अशुभ	काल	04-40 - 06-09	अशुभ

रिलायंस के शेयरों में खलबली, कुछ घंटों में डूबे 81 हजार करोड़, 10 महीने के सबसे बुरे दौर में शेयर

नई दिल्ली, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में जबरदस्त गिरावट देखने को मिल रही है। कारोबारी सत्र के दौरान कंपनी के शेयर 10 महीनों से ज्यादा समय के लोअर लेवल पर पहुंच गए हैं। खास बात तो ये है कि सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन के कुछ ही घंटों में कंपनी के मार्केट कैप में 81 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान हो चुका था। वैसे शेयर बाजार एक बार फिर से बढ़त बना चुका है। उसके बाद भी रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में 3.50 फीसदी से ज्यादा की गिरावट देखने को मिल रही है। जोकि कारोबारी सत्र के दौरान 4.50 फीसदी की गिरावट तक पहुंच गई थी। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर रिलायंस इंडस्ट्री के शेयर बाजार में किस तरह के आंकड़े देखने को मिल रहे हैं। देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर बड़ी गिरावट के साथ कारोबार कर रहा है। दोपहर 1

बजकर 15 मिनट पर रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर 3.81 फीसदी गिरावट के साथ 1299.40 रुपए पर कारोबार कर रहा है। जबकि कारोबारी सत्र के दौरान कंपनी का शेयर 4.50 फीसदी की गिरावट के साथ 1,290 रुपए के साथ लोअर लेवल पर पहुंच गया था। वैसे कंपनी का शेयर मामूली डेढ़ रुपए की तेजी के साथ 1351.60 रुपए पर ओपन हुआ था। जोकि शुरुआती कारोबारी सत्र के दौरान 1360.80 रुपए के साथ दिन के हाई पर भी चला गया। लेकिन उसके बाद कंपनी के शेयरों में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है।

कंपनी को 81 हजार करोड़ रुपए का नुकसान

खास बात तो ये है कि शेयरों में गिरावट आने की वजह से कंपनी के मार्केट कैप को मोटा नुकसान हो चुका है और 18 लाख करोड़ रुपए से नीचे आ चुका है। पिछले हफ्ते जब शेयर बाजार बंद हुआ था, तब कंपनी का मार्केट कैप 18,28,034.07 करोड़ रुपए था। जोकि कारोबारी सत्र के दौरान घटकर 1,746,695.20 करोड़ रुपए पर आ गया। इसका मतलब है कि रिलायंस इंडस्ट्रीज के मार्केट कैप को 81,338.87 करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है। अनुमान है कि कंपनी के मार्केट कैप में और भी ज्यादा कमी देखने को मिल सकती है। खास बात तो ये है कि कंपनी का शेयर अपने 52 हफ्तों के पीक से 19 फीसदी से ज्यादा नीचे आ चुका है।

रिलायंस के शेयरों में गिरावट का कारण

आरआईएल के शेयर दबाव में हैं, और पिछले पांच ट्रेडिंग दिनों में 8 प्रतिशत गिर गए हैं। इसकी वजह सरकार का पेट्रोल, डीज़ल और एविएशन टर्बाइन फ़्यूल (एटीएफ, या जेट फ़्यूल) पर एक्सपोर्ट ड्यूटी लगाने का फैसला है, जिससे मार्जिन को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। शुक्रवार, 27 मार्च, 2026 को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि सरकार डीजल पर 21.5 रुपए प्रति लीटर और एटीएफ पर 29.5 रुपए प्रति लीटर की ड्यूटी लगाएगी, ताकि घरेलू खपत के लिए इन उत्पादों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के विश्लेषकों का अनुमान है कि कुल ग्रॉस रिफाइनिंग मार्जिन पर लगभग 2 डॉलर प्रति बैरल का असर पड़ेगा। हालांकि हाल के एचएसडी जीआरएम 50-60 डॉलर प्रति बैरल की रेंज में रहे हैं और आरआईएल समेत रिफाइनर, इजराइल-ईरान वॉर से पहले के मुकाबले ज़्यादा मुनाफा कमा रहे हैं। फिर भी असल रिफाइनिंग मुनाफा हेडलाइन जीआरएम से कम हो सकता है।

वेदांता को झटका, सुप्रीम कोर्ट का जयप्रकाश एसोसिएट्स के लिए अडानी के प्लान पर रोक लगाने से इनकार

नई दिल्ली, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। अनिल अग्रवाल की कंपनी वेदांता को सुप्रीम कोर्ट में झटका लगा है। कोर्ट ने जेपी ग्रुप की कंपनी जयप्रकाश एसोसिएट्स के लिए अडानी ग्रुप के रिजॉल्यूशन प्लान पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। दिवालिया प्रक्रिया से गुजर रही इस कंपनी के लिए एनसीएलटी ने अडानी एंटरप्राइजेज के 14,500 करोड़ के रिजॉल्यूशन प्लान मंजूर कर दिया था।

लेकिन अनिल अग्रवाल की कंपनी वेदांता ने इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी और इस टेकओवर पर रोक लगाने की मांग की थी।चीफ जस्टिस सूर्यकांत की बेंच ने इन मामले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि मामले की अंतिम सुनवाई एनसीएलएटी में 10 अप्रैल को होनी है, इसलिए इसमें हस्तक्षेप का कोई कारण नहीं है। साथ ही कोर्ट ने ट्रिब्यूनल से इस मामले की सुनवाई आउट ऑफ टर्न बेसिस पर करने को कहना है। कोर्ट का कहना है कि अगर एक दिन में दलीलें पूरी नहीं होती हैं तो अगले कार्यदिवस पर सुनवाई जारी रहनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने साथ ही कहा कि अगर मॉनीटरिंग कमेटी कोई बड़ा नीतिगत फैसला लेती है तो वह एनसीएलएटी के रुख के बाद ऐसा कर सकती है। वेदांता ग्रुप ने 30 मार्च को इस मामले में सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। उसका दावा है कि पहले उसकी बोली को सबसे ऊंची घोषित किया गया था और उसे इस बारे में लिखित में बताया गया था। लेकिन बाद में बिना किसी स्पष्टीकरण के उस फैसले को बदल दिया गया। वेदांता ने 16,726 करोड़ रुपये की बोली लगाई थी जो अडानी एंटरप्राइजेज की 14,535 करोड़ रुपये की बोली से अधिक थी। उसका दावा है कि उसकी बोली को प्राथमिकता मिलनी चाहिए थी। उसने अडानी ग्रुप के प्लान की वैधता के साथ-साथ कमेटी ऑफ क्रेडिटर्स और एजुकेटिंग अथॉरिटी के प्रोसेस पर भी सवाल उठाते हुए कई अपीलें दायर की थी।

इससे पहले एनसीएलएटी ने अडानी एंटरप्राइजेज के रिजॉल्यूशन प्लान को मंजूरी देने के एनसीएलटी के फैसले पर अंतरिम रोक लगाने से इनकार कर दिया था। एनसीएलएटी ने इस मामले में लेंडर्स से जवाब मांगा था और इनसॉल्वेंसी प्रोसेस को जारी रखते हुए मामले की अगली सुनवाई अप्रैल में तय की थी।

बैंकों ने अपने फैसले को सही ठहराते हुए कहा कि इसमें इनसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड के सभी नियमों का पालन किया गया था। उनका तर्क था कि रिजॉल्यूशन प्लान का चुनाव केवल सबसे ऊंची बोली पर आधारित नहीं था बल्कि इसमें अपफ्रंट कैश और पेमेंट टाइमलाइन जैसे दूसरे फैक्टर्स को भी ध्यान में रखा गया। अडानी के प्रस्ताव को इसलिए वरीयता दी गई क्योंकि इसमें 6000 करोड़ रुपये के अपफ्रंट का प्रावधान था और तेजी से रिपेमेंट के लिए दो साल का शेड्यूल दिया गया था।

सोना आज 2,291 बढ़कर 1.48 लाख पर पहुंचा

चांदी 6,230 महंगी होकर 2 .34 लाख प्रति किलो हुई

नई दिल्ली, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। सोना-चांदी के दाम में मंगलवार को तेजी रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 2,291 रुपए बढ़कर 1.48 लाख रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले 3 अप्रैल को इसकी कीमत 1.47 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम थी। वहीं, एक किलो चांदी 6,230 रुपए बढ़कर 2.34 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले शुक्रवार को इसकी कीमत 2.28 लाख रुपए प्रति किलो थी।

कैरेट भाव (रुपए/10 ग्राम)
24 कैरेट 1,48,899, 22 कैरेट 1,36,391, 18 कैरेट 1,11,674
14 कैरेट 87,106।

देश के बड़े शहरों में सोने की कीमत अलग-अलग शहरों में सोने के दाम अलग होने की 4 वजहें ट्रांसपोर्टेशन और सिक्योरिटीः एक शहर से दूसरे शहर सोना ले जाने में ईंधन और सुरक्षा खर्च जुड़ता है, जिससे दूरी बढ़ने पर दाम बढ़ते हैं। खरीदारी की मात्राः दक्षिण भारत में ज्यादा खपत (करीब 40%) के कारण ज्वेलर्स बड़ी खरीद करते हैं, लेकिन छूट का फायदा सीमित रहता है। लोकल ज्वेलरी एसोसिएशनः राज्य और शहर के ज्वेलरी एसोसिएशन स्थानीय मांग-सप्लाई के आधार पर रेट तय करते हैं। पुराना स्टॉक और खरीद मूल्यः ज्वेलर्स का खरीदी रेट तय करता है कि वे ग्राहकों को कितनी कीमत में बेचेंगे।

सोना इस साल 14,696 और चांदी 608 महंगी इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 14,696 रुपए और चांदी 608 रुपए महंगी हुई है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.48 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं चांदी 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.31 लाख रुपए पर पहुंच गई है।

इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था। लेकिन, 28 फरवरी को अमेरिका और इजाइल की ईरान से जंग शुरू होने के बाद लगातार गिरावट देखी जा रही है। तब से 38 दिन में सोना 11,206 रुपए और चांदी 35,672 रुपए गिरी है। विदेशी जेवर मंगाने के लिए लाइसेंस लेना होगा सरकार ने सोने-चांदी और प्लैटिनम के गहनों को 'फ्री' कैटेगरी से हटाकर 'रिस्ट्रिक्टेड' कैटेगरी में डाल दिया है। इसका सीधा असर बाजार की सप्लाई दिख रहा है, जिससे आज सोना-चांदी की कीमतों में बढ़ोतरी हैं।

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आप कुछ समय से अपनी विलम्ब परियोजनाओं के लिए धन संचित कर रहे थे और अब अपनी योजनाओ के क्रियान्वयन का ये सही समय है । जब आप कुछ वस्तु खरीदने जायेंगे तो हो सकता है की आप कुछ बड़ी एवं सुव्यस्थित चीज को देखकर उसे खरीदने की सोचे परन्तु आपको अपने बजट के भीतर रहकर ही काम करना है।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

हालाँकि आप सावधान और व्यवस्थित है , पर किसी दूसरे के कार्यभार के लिए आप जवाबदेह होंगे । अपने और अपने काम के तरीको पर विश्वास रखे । एक बार में एक काम को सुव्यस्थित तरीके से करे और अगले सप्ताह तक आप चीजों को आकार में वापस पायेंगे ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आप ने हमेशा अपना कार्य भकूबी के साथ किया है और आज आप अपने वरिष्ठ अधिकारियों का समर्थन और अनुमोदन भी जीतेंगे। आपकी ईमानदारी, रचनात्मकता और काम के प्रति समर्पण देखा जायेगा और आपको इसका पुरस्कार ,फल या उपहार भी मिलेगा । आज का दिन अपने कार्य से संबंधित प्रतिबद्धताओं का पूरा करने में व्यस्त रहेगा , लेकिन फिर भी आप खुश और ऊर्जावान महसूस करेंगे ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आपको अपने काम से प्यार है और आप अच्छा कार्य कर रहे हैं। हालांकि, विपरीत ग्रह आपके कार्यस्थल में अस्थायी गड़बड़ी का कारण बन सकते है। इन क्षणिक भावनाओं के आधार पर किसी भी आवेगी निर्णय लेने से बचे । आप अपने कार्यस्थल पर अपने गुस्से को काबू रखे और विचलित करने वाली स्थितियों को दरकिनार करे अन्यथा आप एक ऐसी नौकरी को त्याग सकते है।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आपका भाग्य आपके वित्तीय उपक्रम को पूरा समर्थन दे रहा है एवं आपकी नौकरी भी काफी अच्छी है परन्तु आपको अपने धन पर ध्यान रखने की जरुरत है जैसे की हम सब जानते है की पैसे पेड पर नहीं उगते है। आपके अपव्यय करने की आदत से आपको अपने निकट के व्यक्तियों से आलोचना सुननी पड़ती है ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आपकी रचनात्मकता काम पर चमकती है, जिससे आपको दूसरों से अलग दिखने में मदद मिलती है। नए विचार आपके दृष्टिकोण का मार्गदर्शन करते हैं, और स्पष्ट संचार आपकी प्रगति को बढ़ावा देता है। सहकर्मियों के साथ सहायक संबंध टीमवर्क को आसान बनाते हैं। अपने विचारों को खुलकर साझा करने से संबंध मजबूत होते हैं।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

एक परिवर्तन आपके कार्य क्षेत्र में आने का संकेत दे रहा है। आप अपनी नौकरी बदल सकते हैं या अपने कार्यालय में एक से दूसरे विभाग में आपका स्थानांतरण हो सकता है । यह ऐसी स्थिति होगी जिसको आप पसंद करेंगे और इन संभावनाओ का आप लंबे समय से इंतजार भी कर रहे थे , इसलिए आप को इन अवसरों का पूरा लाभ उठाने की जरुरत है।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आपका करियर और पढ़ाई आत्मविश्वास और अंतर्दृष्टि से ऊर्जावान महसूस करते हैं। अंतर्ज्ञान आपको स्मार्ट विकल्प बनाने में मदद करता है, जबकि स्थिर योजना दीर्घकालिक लक्ष्यों का समर्थन करती है। सावधानीपूर्वक दृष्टिकोण वास्तविक प्रगति की ओर ले जाते हैं, और आपके प्रयासों का भुगतान होने की संभावना है।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

जिन परियोजनाओं पर आप लम्बे समय से लग्न के साथ कार्य कर रहे थे , इस मोड़ पर आप उन्हें सार्वजनिक कर सकते है, और इस तरह से आप अपनी शैली में मंच पर आगे की और शान से रुख कर सकते है । आपके काम की विशिष्टता आपको सम्मान दिलाएगी जब यह सबके सामने आएगी , हालांकि गोपनीयता बना कर रखना समय की मांग है ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आपकी रचनात्मकता और अंतर्ज्ञान मिलकर आपको अपने करियर में आगे बढ़ने में मदद करते हैं। तार्किक सोच आपके प्रयासों का समर्थन करती है, जिससे आपको निरंतर प्रगति और अच्छी पहचान मिलती है। लचीलापन आपको अप्रत्याशित बदलावों को अवसरों में बदलते हुए, तेज़ी से समायोजित करने में मदद करता है।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

हालाँकि की आज आप अपने सभी कार्यों को जल्द पूरा करने में बहुत ज्यादा सक्षम हैं लेकिन आप अपने में बेचैनी , असावधानी और सुस्ती महसूस करेंगे और नतीजतन अधिक समय होने के बावजूद आपका बकाया कार्य और जिम्मेदारियां बढ़ती हुई चली जाएंगी । एक दिन की छुट्टी लेना इस का उपाय है ताकि अगले दिन आप तरोताजा महसूस करे ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आज आतिथ्य / परोपकारी गतिविधियों में काम कर रहे लोगों के लिए एक विशेष दिन है। आज आपके विद्रोही भी आपके सामने झुकेंगे । सफलता आपके पास आयेगी। आप किसी भी दबाव में या जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें जिससे आपको कोई नुकसान हो ।अगर आप आय के अधिक स्रोतों को प्राप्त करने के लिए प्रयासरत है , तो आज आप भाग्यशाली हो सकते है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

प्लैटिनम की बढ़ती कीमतों का असर! कैंसर दवाओं के दाम 50% बढ़ाने की तैयारी, मुश्किल में पड़ सकती है मरीजों की जेब

नई दिल्ली, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। लोकल मेडिसिन मेकर्स की ओर से दावा किया जा रहा है कि कैंसर की दवाओं जैसे कि कार्बोप्लाटिन, ऑक्सालिप्लाटिन और सिस्प्लाटिन का प्रोडक्शन अब फायदेमंद नहीं रहा है। इसकी वजह है प्लैटिनम की कीमतों में भारी बढ़ोतरी है, जो इन दवाओं का एक ज़रूरी हिस्सा है।

उन्होंने नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी से संपर्क किया है और मांग की है कि इन दवाओं की अधिकतम कीमत में 50 फीसदी की बढ़ोतरी की जाए, जिस कीमत पर इन्हें मरीजों को बेचा जा सकता है। अभी कार्बोप्लाटिन की अधिकतम कीमत 61.10 रुपए प्रति 10 mg/ml वायल है। सिस्प्लाटिन के लिए, यह दवा की मात्रा के आधार पर 70 से 300 रुपए के बीच है। सिप्ला, इंटास, डॉ। रेड्डीज लैबोरेटरीज,

जाइडस लाइफसाइंसेज, एमक्योर, फ्रेसेनियस और हेटेरो, इन दवाओं को बनाने वाली दर्जनों स्थानीय कंपनियों में सबसे आगे हैं। एक इंडस्ट्री एग्जीक्यूटिव ने ईटी की रिपोर्ट में कहा कि अगर सरकार दखल नहीं देती और जनता के हित में जरूरी कदम नहीं उठाती, तो इससे हमारे मुनाफे और कैंसर के एक जरूरी 'फर्स्ट-लाइन' इलाज की उपलब्धता पर खतरा पैदा हो सकता है। पिछले छह महीनों में, जियो पॉलिटिकल अनिश्चितता के कारण प्लैटिनम की कीमतें लगभग दोगुनी हो गई हैं। सोने और चांदी जैसी दूसरी कीमती धातुओं की कीमतों में भी इसी तरह की बढ़ोतरी हुई है। पिछले सितंबर में 3,869 रुपए प्रति ग्राम रही कीमत, फरवरी में बढ़कर 8,000 रुपए प्रति ग्राम हो गई। एग्जीक्यूटिव ने कहा कि हालांकि कीमतें अब स्थिर होती दिख रही हैं, फिर भी वे ऐतिहासिक रूप से काफी ज्यादा हैं। उन्होंने बताया कि कार्बोप्लाटिन की मौजूदा अधिकतम कीमत जनवरी में ही आर्थिक रूप से फायदेमंद नहीं रह गई थी। मैक्स ऑन्कोलॉजी के वाइस चेयरमैन प्रमोद कुमार जुल्का ने मीडिया रिपोर्ट में कहा कि प्लैटिनम दवाओं का यह ग्रुप सिर और गर्दन, स्तन और पेट-आंत के कैंसर सहित कई तरह के कैंसर के इलाज की रीढ़ है। उन्होंने कहा कि सिस्प्लाटिन और कार्बोप्लाटिन जैसी प्लैटिनम दवाएं, उपलब्ध सबसे सस्ती और आसानी से मिलने वाली कीमोथेरेपी दवाओं में से हैं। लेकिन एक अन्य इंडस्ट्री एग्जीक्यूटिव ने कहा कि अब इनकी कम कीमत ही समस्या पैदा कर रही है। उन्होंने कहा कि इसलिए, जहां एक तरफ प्लैटिनम दवाएं एडीसीएस(एंटीबॉडी-ड्रग कॉन्जुगेट्स) या इम्यूनोथेरेपी की तुलना में कहीं ज्यादा सस्ती हैं, वहीं दूसरी तरफ इनकी कम कीमत का मतलब है कि मेकर्स के पास इनका लगातार उत्पादन करने के लिए बहुत कम आर्थिक प्रोत्साहन बचता है, जिससे एक खतरनाक विरोधाभास पैदा हो गया है। इसलिए, सरकार का दखल देना बहुत जरूरी है। प्लैटिनम-बेस्ड दवाएं 2013 से सरकारी कंट्रोल में हैं। उद्योग के जानकारों के अनुसार, कार्बोप्लैटिन की कीमत में 2015 से अब तक सिर्फ 21.71 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है।

वसुंधरा राजे का 'पावरफुल' संबोधन, कहीं 10 बड़ी बातें

जयपुर, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के 47वें स्थापना दिवस के अवसर पर जयपुर स्थित प्रदेश मुख्यालय में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। दीप प्रज्वलन के साथ शुरू हुई इस संगोष्ठी में प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ और भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे मुख्य वक्ता के रूप में मौजूद रहे। वसुंधरा राजे का संबोधन इस कार्यक्रम का सबसे बड़ा आकर्षण रहा, जिसमें उन्होंने कार्यकर्ताओं को 'मूल विचारधारा' और 'निष्ठा' का पाठ पढ़ाया।

पार्टी को मां मानें, पद को भूल जाएं : राजे ने कार्यकर्ताओं से कहा कि पार्टी को अपनी मां मानना चाहिए। उन्होंने नसीहत दी कि ₹अपना काम करो, पद अपने आप आएगा। पद को भूल जाइए, केवल काम करिए और पार्टी के लिए लड़ने से कभी डरें नहीं।

सब कुछ नेतृत्व पर न छोड़ें : उन्होंने कहा कि आज हम मजबूत हाथों (पीएम मोदी) में हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि सब कुछ उन पर छोड़ दिया जाए। इस 'वट वृक्ष' को जिंदा रखने की जिम्मेदारी हम सबकी है।

दलबदलुओं से खतरे की चेतावनी: राजे ने साफ शब्दों में कहा, ₹पार्टी को खतरा दलबदलुओं से है। नियुक्ति और दायित्व केवल उन्हें मिलने चाहिए जिनकी संगठन के प्रति निष्ठा, रिश्ता और संस्कार पुराने हों।

अटल जी का 'चिमटा' वाला सिद्धांत: राजे ने अटल बिहारी वाजपेयी का उदाहरण देते हुए कहा कि अटल जी कहते थे— ₹सत्ता के लिए किसी को तोड़कर लाना पड़े, तो मैं उसे चिमटे से भी नहीं छूऊंगा।₹ उन्होंने मूल विचारधारा वाले कार्यकर्ताओं के सम्मान पर जोर दिया।

हार की संभावना के बावजूद लड़ा पहला चुनाव: राजे ने याद किया कि इंदिरा गांधी की मृत्यु के बाद जब सहानुभूति लहर थी, तब राजमाता ने उन्हें चुनाव लड़ने को कहा। राजे नाराज थीं कि हारने के लिए क्यों उतारा जा रहा है, लेकिन माता की आज्ञा मानकर उन्होंने चुनाव लड़ा और हार स्वीकार की।

राजमाता का कठिन संघर्ष: उन्होंने बताया कि राजमाता विजयाराजे सिंधिया 30 दिन में से 28 दिन दौरे पर रहती थीं। सुबह 3 बजे उठकर पूजा करना और फिर बिना प्लेन, ट्रेन या अच्छी सड़कों के गाँव-गाँव घूमना उनकी दिनचर्या थी।

पद की लालसा का अभाव: राजे ने कहा कि उस दौर में कोई पद का लालची नहीं था। अटल जी और आडवाणी जी राजमाता को अध्यक्ष बनाना चाहते थे, लेकिन उन्होंने अपने गुरु महाराज की आज्ञा न मिलने पर पद ठुकरा दिया।

चुनाव जीतना नहीं, दिल जीतना लक्ष्य: राजे ने कहा कि भाजपा केवल चुनाव जीतने तक सीमित नहीं रही, हमने हमेशा लोगों का दिल जीतने की कोशिश की है।

पीएम मोदी का वैश्विक उजास: उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने 'अखंड ज्योत' की तरह दुनिया में उजास पैदा किया है। आज पूरी दुनिया चिंतित है, लेकिन भारत निश्चिंत है।

शून्य से शिखर तक का सफर: राजे ने उन सभी पूर्वजों को नमन किया जिन्होंने पार्टी के लिए बलिदान दिया और भाजपा को शून्य से शिखर तक पहुँचाया।

संगठन की 'मजबूत जड़ों' पर जोर : वसुंधरा राजे का यह संबोधन सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। विशेष रूप से 'दलबदलुओं' और 'मूल कार्यकर्ताओं के सम्मान' वाली उनकी टिप्पणी को राजस्थान की वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों से जोड़कर देखा जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी तभी मजबूत रहेगी जब उसके कार्यकर्ता संस्कारित और निष्ठावान होंगे।

किरोड़ी लाल की मिलावटखोरों को सख्त चेतावनी : नकली खाद बेचने पर 10 साल की जेल और 20 लाख का जुर्माना

दौसा, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने कहा कि पूरे राजस्थान का अगर आंकड़ा निकालकर देखा जाए, तो किसी भी नेता ने उतनी लड़ाई नहीं लड़ी, जितनी उन्होंने लड़ी है। उन्होंने बताया कि अपने राजनीतिक जीवन में वे 650 आंदोलन कर चुके हैं, 28 बार गिरफ्तार हुए और 17 बार जेल जा चुके हैं। उनके खिलाफ 137 मुकदमे दर्ज हुए हैं। उन्होंने कहा कि आप भी सोचते होंगे कि सारी लड़ाई मैंने लड़ी और मुझे ही कृषि मंत्री बना दिया।

दरअसल, डॉ किरोड़ीलाल मीणा दौसा जिले के महवा के समलेटी गांव में जिला अस्पताल के भूमिपूजन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कही थी। कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने कहा कि काम करने वाले व्यक्ति की ही जरूरत होती है और उन्होंने अपने काम से यह साबित किया है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि जो भी व्यक्ति नकली खाद, बीज या दवा बेचेगा, उसे जेल की सजा भुगतनी पड़ेगी। उन्होंने खुद व्यापारियों के यहां जाकर नकली खाद, बीज और दवाइयां पकड़ीं और कई जगह छापेमारी भी की। उनके काम और मीडिया के सहयोग से केंद्र सरकार ने ऐसे मामलों में सख्त प्रावधान तय किए हैं, जिनके तहत दोषियों को 10 साल तक की सजा और 20 लाख रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। अपने संबोधन में किरोड़ीलाल मीणा ने कहा कि वे राजनीति करने नहीं आए हैं, बल्कि जनता की सेवा करने आए है। न्होंने चिंता जताई कि आज के समय में पैसे के बल पर वोट खरीदे जा रहे हैं और राजनीति एक धंधा बनती जा रही है।

मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने कहा कि ₹राजनीति में कई लोग सिर्फ अपना घर भरना चाहते हैं। मेरा घर भरे, भाई का घर भरे, साले का घर भरे और जनता परेशान होती रहे, लेकिन मेरे बारे में अगर एक पैसे का भी भ्रष्टाचार साबित हो जाए, तो मैं जनता के बीच कभी चेहरा नहीं दिखाऊंगा। यह वादा मैं आप सभी के बीच करता हूं।'

'गहलोत नहीं होते तो मेरी राजनीतिक हत्या हो जाती'

पूर्व मंत्री मेघवाल ने खोल दिए बीकानेर राजनीति के गहरे राज, लगाए गंभीर आरोप

बीकानेर, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के बीकानेर जिले में कांग्रेस की अंदरूनी कलह अब सड़कों पर आ गई है। पूर्व कैबिनेट मंत्री गोविंदराम मेघवाल ने पूर्व नेता प्रतिपक्ष रामेश्वर डूडी के गुट पर सीधा हमला बोलते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं।

कलेक्ट्रेट के सामने आयोजित एक जनसभा में मेघवाल ने यहां तक कह दिया कि यदि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का साथ नहीं होता, तो विरोधियों ने उनकी 'राजनीतिक हत्या' कर दी होती।

डूडी गुट पर 'भीतरघात' के आरोप

सभा को संबोधित करते हुए गोविंदराम मेघवाल ने रामेश्वर डूडी समर्थकों को भाजपा की 'बी टीम' करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि इस गुट ने पिछले कई चुनावों में कांग्रेस प्रत्याशियों को हराने का सुनियोजित काम किया है।

मेघवाल ने कुछ प्रमुख उदाहरण पेश करते हुए कहा, श्रीडूंगरगढ़ में मंगलाराम गोदारा को हरवाने का प्रयास किया गया। लूणकरनसर में वीरेंद्र बेनीवाल के खिलाफ काम किया गया और लोकसभा चुनाव में रेवंतराम पंवार की हार के

पीछे भी इसी गुट का हाथ था।

मेघवाल ने दावा किया कि जिन बूथों पर डूडी गुट का प्रभाव था, वहां भाजपा प्रत्याशी अर्जुनराम मेघवाल को भारी बढ़त मिली। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी को कमजोर करने के लिए जानबूझकर कमजोर उम्मीदवार मैदान में उतारे गए।

गहलोत हमारी ताकत, उनके बिना राजनीति अधूरी

मंच से अपनी ताकत का प्रदर्शन करते हुए मेघवाल ने अशोक गहलोत के प्रति अपनी अटूट निष्ठा जताई। सभा स्थल पर गहलोत के बड़े-बड़े पोस्टर लगाए गए थे। मेघवाल ने भावुक होते हुए कहा, अशोक गहलोत हमारे नेता हैं। अगर वो नहीं होते तो मेरी राजनीतिक हत्या तय थी। राजस्थान की राजनीति में गहलोत की मौजूदगी अनिवार्य है। उनके बिना प्रदेश की राजनीति कमजोर हो जाएगी।

विवादित वीडियो और AI का एंगल

हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो, जिसमें मेघवाल कथित तौर पर दिवंगत रामेश्वर डूडी और बीडी कल्ला के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग कर रहे थे, उस पर उन्होंने सफाई दी। मेघवाल ने एक बार फिर दोहराया कि वह वीडियो फर्जी है और एआई तकनीक के जरिए तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि विरोधी उन्हें बदनाम करने की साजिश रच रहे हैं, जिसका वह डटकर मुकाबला करेंगे।

क्या है विवाद की जड़ ?

विवाद की शुरुआत छत्तरगढ़ में एक जागरण के बाद सामने आए उस वीडियो से हुई थी, जिसके बाद डूडी समर्थकों और यूथ कांग्रेस ने मेघवाल के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। इसके विरोध में मेघवाल ने जनसभा बुलाकर शक्ति प्रदर्शन किया।

कांग्रेस नेता अमीन पठान के भतीजे के फार्म हाउस पर हुई बड़ी कार्रवाई, वन विभाग ने चलाया बुलडोजर

कोटा, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। वन विभाग ने सोमवार अलसुबह कोटा में बड़ी कार्रवाई करते हुए कांग्रेस नेता अमीन पठान के भतीजे फिरोज पठान के फार्म हाउस पर बुलडोजर चलाया। ये कार्रवाई वन विभाग की भूमि पर किए गए अतिक्रमण को हटाने के लिए हुई। विभाग की टीम सुबह मौके पर पहुंची और बुलडोजर की मदद से अतिक्रमण को ध्वस्त किया। कार्रवाई के दौरान बड़ी संख्या में वनकर्मी और पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

वन विभाग के अनुसार संबंधित फार्म हाउस वन विभाग की भूमि पर बनाया था। विभाग की ओर से पहले ही इस संबंध में नोटिस देकर अतिक्रमण हटाने के लिए सूचित किया था। नोटिस के माध्यम से संबंधित पक्ष को निर्धारित समय के भीतर स्वयं

अतिक्रमण हटाने के लिए कहा था

वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि नोटिस देने के बावजूद निर्धारित समय में अतिक्रमण नहीं हटाया गया। इसके बाद विभाग की ओर से एक दिन पहले फार्म हाउस खाली करने की चेतावनी भी दी गई थी। चेतावनी के बाद भी अतिक्रमण नहीं हटाए जाने पर विभाग ने कार्रवाई का निर्णय लिया।

बताया जा रहा है कि जिस फार्म हाउस पर वन विभाग ने कार्रवाई की है, वह कांग्रेस नेता अमीन पठान के भतीजे फिरोज पठान का है। वन विभाग की टीम ने सोमवार अलसुबह मौके पर पहुंचकर बुलडोजर की मदद से फार्म हाउस पर बने अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई की। अधिकारियों के अनुसार यह कार्रवाई वन विभाग की भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए की गई।

सोमवार सुबह वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और बुलडोजर की मदद से फार्म हाउस पर बने अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई शुरू की। कार्रवाई के दौरान करीब 50 वनकर्मी मौजूद रहे। इसके अलावा सुरक्षा व्यवस्था के लिए लगभग इतने ही पुलिसकर्मियों को भी मौके पर तैनात किया था ताकि कार्रवाई के दौरान किसी तरह की बाधा न आए।

हादसे में 2 भाइयों की मौत

2 वाहनों में लगी भीषण आग; हाईवे पर लगा जाम

सीकर, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। सीकर। राजस्थान के सीकर जिले में सोमवार को हुए भीषण सड़क हादसे में दो भाइयों की दर्दनाक मौत हो गई। वहीं, हादसे के बाद दोनों वाहनों में जबरदस्त आग लग गई। ऐसे में स्टेट हाईवे पर जाम लग गया। ऐसे में वाहना चालकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। हादसा सुबह करीब 11 बजे सीकर शहर से करीब 15 किलोमीटर दूर पिपराली के पास भैरू स्टैंड पर हुआ। जहां एसयूवी और बाइक में आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही दादिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची। बाइक सवार दोनों युवक सीकर की ओर से आ रहे थे और अपने गांव जा रहे थे। वहीं, एसयूवी उदयपुरवाटी से सीकर की तरफ जा रही थी। तभी पिपराली के पास भीषण हादसा हो गया।

बिजली गिरने से लोहे के दरवाजे में उतरा करंट

1 बच्चे की दर्दनाक मौत, दूसरे की हालत नाजुक

श्रीगंगानगर, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। गांव 20 एलएम में आकाशीय बिजली गिरने से हुआ हादसा और दुखद हो गया। लोहे के दरवाजे में करंट आने से झुलसे डेढ़ वर्षीय सन्नी की बीकानेर में उपचार के दौरान मौत हो गई, जबकि उसका भाई इशांत गंभीर हालत में है। चिकित्सकों ने उसे जयपुर हायर सेंटर ले जाने की सलाह दी है।

खराब मौसम के दौरान खेत में लगे विद्युत ट्रांसफार्मर पर आकाशीय बिजली गिर गई थी। इससे करंट करीब 500 मीटर दूर सात ढाणियों तक फैल गया। उस समय बच्चे अपनी मौसी लक्ष्मी के साथ आंगन में खेल रहे थे, तभी लोहे के दरवाजे में करंट उतर आया और तीनों झुलस गए।

ग्रामीणों की मदद से घायलों को घड़साना के सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से बीकानेर रेफर किया गया। उपचार के दौरान सन्नी की मौत हो गई। इशांत को परिजन बीच में घड़साना ले आए, लेकिन हालत में सुधार नहीं होने पर अब उसे जयपुर ले जाने की तैयारी है। हादसे में 15 वर्षीय मौसी लक्ष्मी भी झुलस गई, जिसका उपचार जारी है।

ईंट-भट्टे पर मजदूरी कर परिवार चलाने वाले सुरेंद्र ने एक बेटे को खो दिया, जबकि दूसरे की जिंदगी बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इशांत की हालत गंभीर है और डॉक्टरों ने उसे बेहतर इलाज के लिए जयपुर ले जाने की सलाह दी है। ऐसे में इलाज, दवाइयों, जांच और यात्रा का खर्च इस गरीब परिवार के लिए उठाना लगभग असंभव हो गया है। ग्रामीण सहयोग कर रहे हैं और मदद की अपील की जा रही है।

चौधरी चरण सिंह पर अभद्र टिप्पणी से भड़की जाट महासभा

पलसानिया के खिलाफ एफआईआर की चेतावनी

जयपुर, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर जाट समाज आक्रोशित है। इसे लेकर राजस्थान में भी विरोध तेज हो गया है। जयपुर में अंतरराष्ट्रीय जाट संसद के संस्थापक अध्यक्ष रामावतार पलसानिया द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह पर की गई विवादित टिप्पणी को लेकर कड़ा विरोध जताया गया। महासभा ने इस बयान को न केवल अमर्यादित और निंदनीय करार दिया, बल्कि राजस्थान में भी कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है। महासभा का कहना है कि महापुरुषों के सम्मान से खिलवाड़ किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा।

प्रदेश सचिव कृष्ण कुमार जानू ने जानकारी दी कि यह विवाद मेरठ में महाराजा सूरजमल की प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम के दौरान सामने आया था, जहां पलसानिया द्वारा की गई टिप्पणी पर उत्तर प्रदेश में उनके खिलाफ करीब आठ एफआईआर दर्ज हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान में भी इसी तर्ज पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी, ताकि भविष्य में कोई भी इस प्रकार की अभद्र टिप्पणी करने का साहस न कर सके।

पूर्व प्रदेश महासचिव एवं प्रदेश सचिव राजपाल चौधरी ने अपने बयान में कहा कि चौधरी चरण सिंह किसानों के मसीहा थे, जिन्होंने जात-पात से ऊपर उठकर समाज और राष्ट्र के लिए कार्य किया। उन्होंने कहा कि महापुरुष किसी एक जाति तक सीमित नहीं होते, बल्कि पूरे देश की धरोहर होते हैं। ऐसे व्यक्तित्वों पर अभद्र टिप्पणी करना किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं है और समाज इसका विरोध करता रहेगा।

प्रदेश उपाध्यक्ष एवं राष्ट्रीय लोक दल के प्रदेश महासचिव शीशराम कटेवा ने समाज के भीतर चल रहे अंतरजातीय विवाह के मुद्दे पर भी खुलकर बात रखी। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में जाट समुदाय के भीतर सामाजिक बदलाव तेजी से हो रहा है। उन्होंने बताया कि बड़ी संख्या में युवा अविवाहित हैं, जिसका एक प्रमुख कारण शिक्षा का असंतुलन है- लड़कियां अधिक शिक्षित हो रही हैं, जबकि लड़कों में यह अनुपात अपेक्षाकृत कम है। इस कारण पारंपरिक जातीय विवाहों में कठिनाई आ रही है। कटेवा ने स्पष्ट कहा कि जाट महासभा से जुड़े अधिकांश लोग अंतरजातीय विवाह के पक्ष में हैं और इसे बढ़ावा देने की सोच रखते हैं। उन्होंने इसे सामाजिक आवश्यकता बताते हुए कहा कि बदलते समय के साथ समाज को भी अपनी सोच में बदलाव लाना होगा। राजपाल चौधरी ने भी इस विषय को निजी निर्णय बताते हुए कहा कि विवाह व्यक्तिगत पसंद का विषय है और इसमें किसी तीसरे व्यक्ति को हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि चौधरी चरण सिंह स्वयं जातिवाद के विरोधी थे और समाज को आगे बढ़ाने के लिए जात-पात समाप्त करने की बात करते थे। कृष्ण कुमार जानू ने अपने वक्तव्य में यह भी आरोप लगाया कि कुछ लोग राजनीतिक लाभ के लिए अंतरजातीय विवाह के मुद्दे को उछाल रहे हैं। उन्होंने बताया कि हाल ही में दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में अखिल भारतीय जाट महासभा और अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के बीच हुई बैठक में अंतरजातीय विवाह को स्वीकार्य माना गया था। इसके बावजूद इस मुद्दे पर विवाद खड़ा करना केवल राजनीतिक स्वार्थ को दर्शाता है।

बाघिन 'शक्ति' ने मिनटों में मगरमच्छ को किया ढेर, दुर्लभ नजारा देख पर्यटक हैरान

सवाई माधोपुर, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। सवाई माधोपुर स्थित रणथंभौर टाइगर रिजर्व में एक बार फिर दुर्लभ और रोमांचक वन्यजीव नजारा देखने को मिला। रणथंभौर नेशनल पार्क में सुबह की टाइगर सफारी के दौरान पर्यटकों ने ऐसा दृश्य देखा, जिसने उन्हें हैरान कर दिया। यह घटना जोन नंबर 4 के जामुन देह क्षेत्र की बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार, शक्ति नामक बाघिन टी-111 ने अपने शिकार कौशल का प्रदर्शन करते हुए एक मगरमच्छ का शिकार किया। आमतौर पर मगरमच्छ को पानी का बेहद ताकतवर शिकारी माना जाता है, लेकिन इस बार बाघिन शक्ति ने उसे मात दे दी।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुबह की पारी में सफारी पर निकले पर्यटकों ने देखा कि बाघिन शक्ति पानी के किनारे घात लगाए बैठी थी। कुछ ही पलों में उसने तेजी से हमला किया और मगरमच्छ को काबू में कर लिया। यह पूरा घटनाक्रम इतना अचानक था कि मौके पर मौजूद लोग कुछ देर के लिए स्तब्ध रह गए।

शिकार करने के बाद बाघिन ने मगरमच्छ को अपनी ताकत के दम पर खींचकर चट्टानों तक पहुंचाया। यह दृश्य बेहद दुर्लभ माना जा रहा है, क्योंकि बाघ द्वारा मगरमच्छ का शिकार बहुत कम देखने को मिलता है। घटना के दौरान मौजूद पर्यटकों ने इस पूरे दृश्य को अपने कैमरों में कैद कर लिया। जैसे ही तस्वीरें और वीडियो सामने आए, यह घटना तेजी से चर्चा का विषय बन गई और वन्यजीव प्रेमियों के बीच खास आकर्षण का केंद्र बन गई।

नौकरी के नाम पर बड़ा फर्जीवाड़ा

चार साल में 15 करोड़ की ठगी, मुख्य आरोपी गिरफ्तार

जालोर, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के जालोर जिले में सरकारी नौकरी के नाम पर बेरोजगार युवाओं को ठगने वाले एक बड़े गिरोह का पर्दाफाश हुआ है। कोतवाली थाना पुलिस ने मुख्य आरोपी राकेश जीनगर को गिरफ्तार कर लिया है। चार साल से यह शातिर ठग युवाओं को जयपुर नगर निगम और डीएलबी में नौकरी दिलाने का झांसा देकर उनसे लाखों रुपये हड़प रहा था। पुलिस जांच में सामने आया है कि अब तक करीब 200 लोग इसके जाल में फंस चुके हैं और ठगी की कुल रकम 12 से 15 करोड़ रुपये तक पहुंच सकती है। मूल रूप से पाली जिले के तखतगढ़ का रहने वाला राकेश जीनगर जालोर के रतनपुरा रोड स्थित शकर वाटिका क्षेत्र में रहता था। वह खुद को शहरी आजीविका केंद्र में योजना प्रभारी बताकर नौकरी चाहने वाले युवाओं से संपर्क करता था। भरोसा जीतने के बाद 3 लाख से लेकर 10 लाख रुपये तक की मोटी रकम वसूलता था। रकम मिलने के बाद जयपुर नगर निगम के नाम से बनाई गई फर्जी ईमेल आईडी से नकली जॉइनिंग लेटर भेज दिया जाता था।

इतना ही नहीं, पीड़ितों को पूरी तरह विश्वास में लेने के लिए आरोपी उन्हें जालोर के लालपोल स्थित शहरी आजीविका केंद्र में बैठाकर नौकरी का नाटक करता था। कई बेचारे युवा डेढ़ साल तक बिना किसी वेतन और बिना किसी असली काम के वहां बैठे रहे। उन्हें लगातार उम्मीद दिलाई जाती रही कि जल्द ही सब ठीक हो जाएगा।

मामला तब खुला, जब लंबे इंतजार के बाद पीड़ितों ने 27 मार्च को हरियाली निवासी मुकेश, रणछोड़ और रितिक ने कोतवाली थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। रितिक से 10 लाख रुपये और मुकेश व रणछोड़ से तीन-तीन लाख रुपये ठगे गए थे। जांच में पहले 11 पीड़ितों से 56 लाख रुपये की ठगी सामने आई, लेकिन अब 30 पीड़ित सामने आ चुके हैं और यह संख्या लगातार बढ़ रही है। पुलिस जांच में यह भी उजागर हुआ कि आरोपी द्वारा जारी किए गए तमाम नियुक्ति पत्र पूरी तरह जाली हैं और किसी भी नगर निकाय के सरकारी रिकॉर्ड में इनका कोई नामोनिशान नहीं है।

कोतवाली पुलिस ने आरोपी से पूछताछ शुरू कर दी है और पूरे नेटवर्क की परतें उधेड़ी जा रही हैं। मामले में शामिल अन्य साथियों की भी सक्रियता से तलाश जारी है।

इश्क का पागलपन! प्रेम विवाह करने के लिए 150 फीट ऊंचे टॉवर पर चढ़ी युवती

नीचे उतारने में पुलिस के छूटे पसीने

भरतपुर, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के भरतपुर जिले के बयाना क्षेत्र के वरखेड़ा गांव में सोमवार की सुबह एक ऐसा नजारा देखने को मिला, जिसने पूरे इलाके की सांसें थाम दीं। प्रेम विवाह की राह में परिजनों की रुकावट से आहत एक युवती ने करीब 150 फीट ऊंचे मोबाइल टावर पर चढ़कर अपना विरोध जताया। सुबह करीब छह बजे शुरू हुआ यह हाई-वोल्टेज ड्रामा पूरे चार घंटे तक चला। पुलिस, प्रशासन और परिजन नीचे खड़े होकर लगातार उसे मनाने की कोशिश करते रहे। बड़ी संख्या में ग्रामीण भी मौके पर जमा हो गए और पूरा गांव इस घटना को बेचैनी से देखता रहा।

युवती गांव के ही युवक मोनू चौधरी से प्रेम करती है और उससे शादी करने की जिद पर अड़ी थी, लेकिन यह रिश्ता अंतरजातीय होने की वजह से उसके परिजन इसके सख्त खिलाफ थे। परिजनों की इस असहमति से तंग आकर युवती ने यह खतरनाक कदम उठाया और टावर पर चढ़ गई। सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस और झील चौकी की टीम मौके पर पहुंच गई। थाना प्रभारी शैलेंद्र कुमार ने युवक मोनू चौधरी को भी मौके पर बुलाया, ताकि वह युवती से बात कर उसे नीचे आने के लिए राजी कर सके। घटना की गंभीरता को भांपते हुए प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क हो गया। एसडीएम दीपक मित्तल और एडिशनल एसपी हरिराम कुमावत स्वयं मौके पर पहुंचे और हालात को संभालने में जुट गए।

'जॉम्बी ड्रग' का पहला अलर्ट, पुलिस-खुफिया एजेंसियां सतर्क

जोधपुर, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। जोधपुर शहर में नशीले पदार्थों के बदलते ट्रेंड के बीच अब 'जॉम्बी ड्रग' को लेकर पहली बार गंभीर अलर्ट सामने आया है। कोरोना काल में एमडी ड्रग की एंट्री के करीब पांच साल बाद यह नया खतरा दस्तक देता नजर आ रहा है। फिलहाल कुछ मेट्रो शहरों तक सीमित यह ड्रग तेजी से तस्करी नेटवर्क के जरिए छोटे शहरों तक पहुंच सकता है, जिसे लेकर जोधपुर में पुलिस और खुफिया एजेंसियां सतर्क हो गई हैं।

चंडीगढ़ की एक हालिया घटना ने इस खतरे की गंभीरता को उजागर किया है। एक युवक घंटों तक सड़क पर बिना हिले-डुले खड़ा रहा। उसने कोई उपद्रव नहीं किया, फिर भी पुलिस ने उसे हिरासत में लिया। बाद में सामने आया कि वह 'जॉम्बी ड्रग' के प्रभाव में था। इस घटना के बाद स्थानीय स्तर पर भी ऐसे मामलों को लेकर सतर्कता बढ़ाई गई है।

जोधपुर पहले भी ड्रग तस्करी के नए रूट का गवाह रहा है। वर्ष 2020 में एमडी ड्रग गोवा-मुंबई से सांचौर के रास्ते प्रदेश में पहुंची और बाद में इसकी सप्लाई उत्तर-पूर्वी राज्यों तक फैल गई। पंजाब बॉर्डर के जरिए पाकिस्तान से ड्रोन के माध्यम से नशीले पदार्थ मंगाने के इनपुट भी समय-समय पर सामने आते रहे हैं, जिनमें जोधपुर के नेटवर्क की भूमिका जांच एजेंसियों के रडार पर रही है।

'जॉम्बी ड्रग' में प्रायः जायलेजिन जैसे सिडेटिव का उपयोग होता है, जो मूल रूप से पशु चिकित्सा के लिए है। इसे अवैध रूप से अन्य ड्रग्स में मिलाकर बेचा जा रहा है। इसके प्रभाव में व्यक्ति घंटों तक लगभग जड़ अवस्था में रह सकता है, प्रतिक्रिया देना बंद कर देता है और बाहरी दुनिया से कट जाता है। यही वजह है कि ऐसा व्यवहार आमजन को संदिग्ध या खतरनाक प्रतीत होता है, जबकि असल में वह गहरे नशे या मानसिक स्थिति का असर होता है।

देश में एनडीपीएस कानून कड़ी सजा पर आधारित है, जबकि मानसिक स्वास्थ्य कानून इलाज और पुनर्वास की बात करता है। जमीनी स्तर पर इन दोनों के बीच तालमेल की कमी के कारण पुलिस की पहली प्रतिक्रिया गिरफ्तारी बन जाती है, जबकि कई मामलों में जरूरत मेडिकल इंटरवेंशन की होती है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस गैप को दूर नहीं किया गया तो पीड़ितों को अपराधी की तरह ट्रीट किए जाने का खतरा बढ़ेगा।

प्राणहिता चेवेल्ला प्रोजेक्ट जल्द शुरू होगा: रेवंत रेड्डी

सीएम ने पिपरी में एक जनसभा को संबोधित किया

आदिलाबाद/ हैदराबाद, 6 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने पक्का किया है कि राज्य सरकार तुम्मिडिहट्टी में प्राणहिता चेवेल्ला प्रोजेक्ट बनाने के प्रस्ताव को फिर से शुरू करेगी और इस प्रोजेक्ट को जल्द ही पूरा करेगी। सोमवार को आदिलाबाद जिले के पिपरी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने वादा किया कि राज्य में सिंचाई के सभी अधूरे प्रोजेक्ट पूरे किए जाएंगे।

उन्होंने कहा, "हम तुम्मिडिहट्टी में प्राणहिता-चेवेल्ला प्रोजेक्ट फिर से शुरू करेंगे, और आदिलाबाद को सिंचाई का पानी देना और इस इलाके को हरा-भरा और उपजाऊ बनाना मेरी ज़िम्मेदारी है।" इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिलाबाद हवाई अड्डे की नींव 2 जून को तेलंगाना स्थापना दिवस पर रखी जाएगी। पिछड़ा हुआ आदिलाबाद जिला, जहाँ पहले आने-जाने की सुविधाएँ बहुत कम थीं, अब हवाई संपर्क से जुड़ जाएगा। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने केंद्र के साथ कई बैठकें कीं और हवाई अड्डे के लिए मंज़री हासिल कर ली। मार्केट यार्ड के

विकास पर बीआरएस के आरोपों का कड़ा जवाब देते हुए, रेवंत रेड्डी ने पिछली सरकार के शासकों से सवाल किया कि उन्होंने ऐसे काम क्यों नहीं किए। उन्होंने कहा, " बीआरएस ने 10 साल तक राज्य पर राज किया। पिछली सरकार में कोई खास विकास नहीं हुआ।" मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों ने "गादी पालना" (तानाशाही शासन) को नकार दिया और "जनता की सरकार" को जनादेश दिया, और उन्होंने विपक्ष से गरिमा और संयम बनाए रखने की अपील की। इस बात को दोहराते हुए कि कांग्रेस सत्ता में बनी रहेगी और 2034 तक राज्य पर राज करेगी, मुख्यमंत्री ने कहा कि बीआरएस सरकार द्वारा पार्टी नेताओं के खिलाफ केस दर्ज किए जाने के बावजूद कांग्रेस ने लोगों के मुद्दों पर लड़ाई लड़ी और पार्टी को सफलतापूर्वक सत्ता में वापस ले आई। रेवंत रेड्डी ने साफ किया कि वह सिर्फ़ चुनावों के दौरान ही राजनीति करेंगे और राज्य के विकास के मुख्य एजेंडे के साथ आगे बढ़ेंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार विपक्षी नेताओं को भी पार्टी की सीमाओं से ऊपर उठकर जनसभाओं में बुला रही है।

तेलंगाना में पिछले 10 सालों में ऐसी परंपरा देखने को नहीं मिली थी, और इसे पूरी ईमानदारी से बनाए रखा जाना चाहिए और जारी रखना चाहिए। सरकार विपक्षी पार्टियों द्वारा प्रतिनिधित्व किए जाने वाले विधानसभा क्षेत्रों में भी विकास कार्यों को मंज़री दे रही थी। "हमने 'यंग इंडिया इंटीग्रेटेड स्कूल' को मंज़री दे दी है और विकास के एजेंडे को आगे बढ़ा रहे हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि लोगों को सिर्फ इसलिए तकलीफ़ न हो कि उन्होंने कांग्रेस को वोट नहीं दिया। हम हर विधानसभा क्षेत्र में जन-कल्याणकारी योजनाएँ लागू कर रहे हैं, जिनका मकसद लोगों को मुश्किलों से राहत देना है।," आदिलाबाद ज़िले के विकास के लिए सरकार के विज़न को पेश करते हुए, रेवंत रेड्डी ने कहा कि पिछड़े और आदिवासी-बहुल आदिलाबाद क्षेत्र को उद्योग, शिक्षा और पर्यटन के केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। "आदिलाबाद में एक यूनिवर्सिटी बनाने के लिए ज़मीन अधिग्रहण का काम तेज़ी से चल रहा है। आदिलाबाद में यूनिवर्सिटी की स्थापना के लिए जल्द ही आधारशिला रखी जाएगी। बसारा ज्ञान सरस्वती मंदिर के विकास के लिए पहले ही 225 करोड़ रुपए मंज़र किए जा चुके हैं। अगर ज़रूरत पड़ी तो और फंड भी मंज़र किए जाएँगे। गुडेम सत्यनारायण स्वामी मंदिर का विकास और आदिलाबाद के विकास के लिए अनुमान लगाने का काम पहले ही चल रहा है। मैं हर 2 महीने में ज़िले का दौरा करूँगा और ज़रूरी फंड मंज़र करूँगा ।," रेवंत रेड्डी ने कहा कि "हमारा मिशन हर गरीब की आँखों में खुशी देखना है। हम शासक नहीं हैं। हम लोगों के सेवक हैं।,"

मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने का प्रस्ताव खारिज

लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष लेकर आया था महाभियोग प्रस्ताव,

193 सांसदों ने साइन किए थे

नई दिल्ली, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला और राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने का महाभियोग प्रस्ताव खारिज कर दिया है। इस प्रस्ताव पर 12 मार्च को 193 विपक्षी सांसदों (लोकसभा के 130 और राज्यसभा के 63) ने साइन किए थे।

कानूनी और संवैधानिक पहलुओं पर विचार के बाद स्पीकर बिरला और राधाकृष्णन ने इसे न्यायाधीश (जांच) अधिनियम, 1968 की धारा 3 के तहत मंजूरी नहीं दी। इस फैसले के साथ मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकेगी, जब तक नए सिरे से संवैधानिक प्रावधानों के अनुरूप पहल न की जाए।

कोहेड़ा फल मंडी की जमीन पर सियासत तेज

बीआरएस ने सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

हैदराबाद, 6 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के उपनेता टी हरीश राव ने कांग्रेस सरकार पर कोहेड़ा फल मंडी के लिए आवंटित करीब 200 एकड़ जमीन को दूसरी जगह स्थानांतरित करने की साजिश का आरोप लगाया है। उन्होंने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को चेतावनी देते हुए कहा कि सरकारी जमीन को बेचकर किसी को फायदा पहुंचाने की कोशिश न की जाए। स्थल का दौरा करते हुए हरीश राव ने कहा कि सरकार नीतिगत फैसलों के नाम पर हजारों करोड़ रुपये की जमीन अपने करीबी लोगों को देने की कोशिश कर रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि जमीन और बजट उपलब्ध होने के बावजूद अब तक निर्माण कार्य क्यों शुरू नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि यह मुद्दा राजनीति का नहीं, बल्कि किसानों के हित का है और सरकार को बिचौलियों के बजाय किसानों को प्राथमिकता देनी चाहिए। साथ ही चेतावनी दी कि यदि जल्द काम शुरू नहीं हुआ तो बड़े स्तर पर आंदोलन किया जाएगा। हरीश राव ने बताया कि पिछली सरकार ने यहां एक आधुनिक एकीकृत बाजार की

योजना बनाई थी, जिसमें फलों, फूलों और मछली के भंडारण व बिक्री की सुविधाएं शामिल थीं। जमीन अधिग्रहण और मुआवजा प्रक्रिया पूरी हो चुकी है तथा परियोजना की विस्तृत रिपोर्ट भी तैयार है। उन्होंने डीआईएलएल की विवादित जमीन पर बाजार स्थानांतरित करने के प्रस्ताव पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि अदालत के आदेशों के बावजूद ऐसा कैसे किया जा सकता है। साथ ही सरकार पर जमीन को निजी कंपनियों को देने की योजना बनाने का आरोप लगाया। बीआरएस नेताओं ने मांग की कि कोहेड़ा की जमीन का उपयोग केवल फल मंडी के लिए ही किया जाए और इसके किसी अन्य उपयोग का विरोध किया जाएगा।

चलती कार में लगी आग, चालक बाल-बाल बचा

हैदराबाद, 6 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। खैरताबाद रोड पर रविवार रात एक चलती कार में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। पुलिस के अनुसार, कार खैरताबाद मेट्रो स्टेशन रोड पर चल रही थी, तभी उसमें आग लग गई। आग लगते ही चालक तुरंत गाड़ी से बाहर निकल गया, जिससे उसकी जान बच गई। कुछ ही मिनटों में आग तेजी से फैल गई और पूरी कार जलकर खाक हो गई। सूचना मिलने पर दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है।

नवीन बिहारी बने राजपूत समाज के अध्यक्ष

हैदराबाद, 6 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बीजेयूपी राजपूत सेवा संघ हैदराबाद का वार्षिक सम्मेलन संपन्न हुआ। इस अवसर पर समाज की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमें नवीन बिहारी सिंह को सर्वसम्मति से नया अध्यक्ष चुने गए। पूर्व अध्यक्ष लल्लन सिंह, महासचिव धनंजय सिंह, उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह द्वारा उन्हें संगठन की बागडोर सौंपी गई।

उक्त जानकारी देते हुए मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एन. रामचंद्र राव पूर्व एमएलसी एवं भाजपा-तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एवं कर्नल श्रीनिवास राव प्रदेश कन्वेनर- भाजपा तेलंगाना सैनिक प्रकोष्ठ ने विशिष्ट अतिथि के तौर पर भाग लिया। संजय सिंह प्रदेश कन्वेनर प्रवासी प्रकोष्ठ भाजपा तेलंगाना ने शिरकत की। अपने संबोधन में उन्होंने समाज की एकता और राष्ट्र निर्माण में राजपूत समाज के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि शिक्षा और खेल के क्षेत्र में युवाओं का आगे बढ़ना समाज की उन्नति का मुख्य आधार है।

वार्षिकोत्सव के दौरान मुख्य अतिथि द्वारा समाज के विभिन्न वर्गों को सम्मानित किया गया: जैसे कि बुजुर्गों का सम्मान,मेधावी छात्र,खेल रत्न पुरस्कार। नई कार्यकारिणी में महासचिव आनन्द सिंह, उपाध्यक्ष रविंदर सिंह, के के सिंह, संयुक्त सचिव गणपत सिंह , अविनाश सिंह, सचिव सचिन सिंह, पवन सिंह, सुजीत सिंह एवंकोषाध्यक्ष एम बी सिंह, संयुक्त कोषाध्यक्ष सुशील सिंह कार्यालय सचिव धीरज सिंह चुने गए। इनके साथ ही कार्यकारिणी का भी गठन किया गया।

प्रो. वी. बालाकृष्ण रेड्डी ने की राज्यपाल से भेंट

हैदराबाद, 6 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना काउंसिल ऑफ हायर एजुकेशन के अध्यक्ष प्रो. वी. बालाकृष्ण रेड्डी और अन्य अधिकारी सोमवार को लोक भवन में तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल से मिले। भेंट के दौरान, प्रतिनिधिमंडल ने राज्य में उच्च शिक्षा को सशक्त बनाने के लिए किए जा रहे विभिन्न प्रयासों की जानकारी दी और शैक्षणिक विकास तथा संस्थागत सुधारों से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की। एक अलग बैठक में, डॉ. जी. चंद्रशेखर रेड्डी , तेलंगाना राज्य सूचना आयोग के मुख्य सूचना आयुक्त, अपने अधिकारियों के साथ राज्यपाल से मिले। बैठक में सूचना आयोग के संचालन, पारदर्शिता तंत्र और राज्य में सूचना के अधिकार के क्रियान्वयन को मजबूत बनाने के उपायों पर चर्चा हुई। राज्यपाल ने प्रभावी शासन और सार्वजनिक सेवा वितरण सुनिश्चित करने के लिए संस्थागत प्रणालियों को सुदृढ़ करने के महत्व पर बल दिया।

ओवरऑल चैंपियनशिप जीतने वाली टीम ने डीजीपी से की मुलाकात

हैदराबाद, 6 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। महाराष्ट्र के नागपुर में हाल ही में संपन्न अखिल भारतीय पुलिस ड्यूटी मीट में तेलंगाना पुलिस के प्रतिनिधि टीम ने लगातार तीसरे वर्ष 'ओवरऑल चैंपियन' ट्रॉफी जीतकर अद्भुत हैट्रिक हासिल की। तेलंगाना पुलिस टीम ने अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा और प्रदर्शन से यह सफलता प्राप्त की। इससे पहले 2023—24 में उत्तर प्रदेश के लखनऊ और 2024—25 में झारखंड के रांची में आयोजित प्रतियोगिताओं में भी तेलंगाना टीम विजेता रही है। इस अवसर पर विजेताओं और अधिकारियों ने पुलिस महानिदेशख बी. शिवधर रेड्डी से मुलाकात की। डीजीपी ने टीम की सराहना की। टीम के साथ सीआईडी अतिरिक्त डीजीपी चारुसिन्हा , कोच डी. प्रताप, एम. रामकृष्ण, टीम मैनेजर के. प्रसाद और विभिन्न विभागों के विजेता सदस्य भी उपस्थित थे।

ईसीआईएल में इंजीनियरिंग अप्रेंटिस प्रशिक्षण का शुभारंभ

हैदराबाद, 6 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) में इंजीनियरिंग अप्रेंटिस प्रशिक्षण के तृतीय बैच का शुभारंभ किया गया। इसके अंतर्गत इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग, कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग- शाखाओं के चयनित प्रशिक्षुओं को विभिन्न अनुसंधान एवं विकास संबंधी प्रौद्योगिकी गतिविधियों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर विकास केंद्र के प्रबंधक एवं प्रभारी डॉ. राजनारायण अवस्थी ने ईसीआईएल के गौरवशाली इतिहास तथा इसकी स्थापना के बाद विभिन्न दशकों में प्रौद्योगिकी की उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि आने वाला समय 'विकसित भारत' के निर्माण का समय है और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में नवाचार एवं चुनौतियों को अवसरों में बदलने वाले युवा इंजीनियर राष्ट्र की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इसके लिए विषय का गहन ज्ञान, समय प्रबंधन, आधुनिक तकनीकों की जानकारी तथा आत्म-अनुशासन अत्यंत आवश्यक है।

अप्रेंटिश प्रशिक्षण की दिशा में ईसीआईएल एक राष्ट्रीय स्तर का संस्थान बन बया है। भारत सरकार की विभिन्न कौशल विकास परियोजना में भी ईसीआईएल की महत्वपूर्ण सहभागिता है। कार्यक्रम में चयनित प्रशिक्षुओं ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि ईसीआईएल में उन्हें अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों को सीखने तथा व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने का महत्वपूर्ण अवसर मिलेगा। कार्यक्रम के आयोजन में एम. वम्शी कृष्णा, उप प्रबंधक; आर. स्वामी, सहायक अधीक्षक, सीएलडीसी का विशेष सहयोग रहा।

भारतीय जनता पार्टी के 47वें स्थापना दिवस के अवसर पर, जामबाग डिवीज़न के विभिन्न स्थानों पर आयोजित ध्वजारोहण कार्यक्रमों में राकेश जायसवाल, पूर्व पार्षद ने भाग लिया। उनके साथ बडी संख्या में भाजपा के कार्यकर्ता भी थे।

165वें निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का 451 लोगों ने लाभ लिया

हैदराबाद, 6 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा पित्ती इंजीनियरिंग लिमिटेड कोत्तर के सहयोग से 165 वां निशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर कोत्तुर (अय्यप्पा स्वामी मंदिर के पास) में संपन्न हुआ।

अग्रवाल सेवा दल के प्रचार संयोजक अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मेडिकवर हॉस्पिटल हाईटेक सिटी द्वारा, जनरल फिजिशियन, कार्डियलजी, हड्डी रोग विशेषज्ञ.ईसीजी, 2d इको, बीएमडी, बीपी जांच, आरबीएस की जाचं की गई। अवसर पर डॉ संदीप, डॉ सिमरन सलमा, डॉ लावण्या, नर्सिंग गंगोत्री, सदाना, पद्मा, अलीशा, ज़ीबिया, अमृता, अनुषा, सौम्या, विपणन के राजन कुमार, प्रदीप बद्दौला ने अपनी सेवा प्रदान की। अवसर पर नेत्रों की जांच लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद साधुराम आई हॉस्पिटल, दोमलगुडा द्वारा की गई जिसमें 265 रोगियों के नेत्रों की स्क्रीनिंग की गई और 84 लोगों को चश्मे का वितरण किया गया और 1 रोगी के मोतियाबिंद के ऑपरेशन की व्यवस्था की गई।

अवसर पर अजीत कश्यप, एच. भगवान, यादगिरी, के. नर्सिंग राव, के भास्कर ने सेवा प्रदान की। अवसर पर डॉ अखिल क्लिनिक(पुरनदास रणछोड़दास) जनरल फिजिशियन डॉ. अखिल सुगंधी एवं डॉ. मीनल सुगंधी ने रोगी की जांच की। फिजियोथेरेपी की सेवा बजाज फिजियो केयर की डॉ मीता बजाज ने दी। दांतों की जांच एसएनआर डेंटल के डॉ. एस. नवनीत राज एवं डॉ. एस. निखिल राज ने की। शिविर का 451 से अधिक लोगों ने लाभ लिया।

अवसर पर अग्रवाल सेवा दल के सलाहकार एवं पित्ती ट्रस्ट एवं पित्ती इंजीनियरिंग लिमिटेड के चेयरमैन शरद बी पित्ती, शिविर संयोजक एवं अग्रवाल सेवा दल के प्रदीप अग्रवाल,सुधीर गुप्ता, सुरेंद्र गोयल, अजीत गुप्ता, कैलाश केडिया, निखिल राणासरिया, दीपक गुप्ता सहित स्थानीय भागीदार पित्ती इंजीनियरिंग लिमिटेड, कोत्तुर वरिष्ठ महाप्रबंधक (लैमिनेशन डिवीजन) गोगिनेनी वेंकट रमण महाप्रबंधक (मशीन शॉप) मंडला नागी रेड्डी, स्वयंसेवक जितेन्द्र गोयल,सतीश गर्ग, पवन भुवनिया, योगेश अग्रवाल, सुमन भुवानिया, सुनयना नरसरिया, पद्मजा, प्रयाग चित्याल, अग्र महिला मंच की सरला अग्रवाल. वन्दना अग्रवाल. समाज सेवी गोपाल सिंह, घनश्याम यादव, पित्ती लेमिनेशन सदस्यगण ने सहयोग प्रदान किया।

तकनीकी खराबी से विमान रुका

हैदराबाद, 6 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के आरजीआई हवाई अड्डे पर रविवार को एक विमान में तकनीकी खराबी आने से कुछ समय के लिए हवाई यातायात प्रभावित हो गया। अधिकारियों के अनुसार, रायपुर के लिए रवाना होने वाली चार्टर उड़ान में खराबी आ गई, जिससे वह टैक्सीवे पर ही रुक गई। एयरपोर्ट की टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए विमान को सुरक्षित तरीके से हटाया, जिससे संचालन जल्द सामान्य हो गया। इस दौरान एक उड़ान को गो-अराउंड करना पड़ा, जबकि अन्य उड़ानों पर ज्यादा असर नहीं पड़ा और वे सामान्य रूप से संचालित होती रहीं।

तेलंगाना में किसी के साथ भेदभाव नहीं किया जायेगा : सचिन सावंत

बीएसएस के अध्यक्ष बिनय यादव ने रखीं उत्तरभारतीयों की समस्याएं

हैदराबाद, 6 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार सहयोग समिति तेलंगाना के अध्यक्ष बिनय कुमार यादव ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी)के सचिव और तेलंगाना कांग्रेस के सह-प्रभारी सचिन सावंत ने प्रजा भवन, हैदराबाद में मुलाकात की। इस दौरान बिनय कुमार यादव ने उत्तरभारतीय समाज से जुड़े कई मुद्दों पर उनका ध्यान आकृष्ट कराया। इस मुलाकात के दौरान सचिन सावंत ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस सरकार मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और पीसीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ की अगुवाई चौतरफा विकास कर रही है। बिना किसी भेदभाव के सभी के लिए काम किया जा रहा है। कांग्रेस पार्टी की सरकार जनता की सरकार है। कांग्रेस ने कभी सत्ता और कुर्सी के लिए संघर्ष नहीं करता है। वह लोगों के भला चाहती है। कांग्रेस हमेशा गरीबों, कमजोरों, युवाओं के हक के लिए लड़ती है। उन्होंने कहा कि उत्तरभारतीय समाज के लोग बहुत ही मिलनसार और कठिन मेहनत करने वाला है। उनका कांग्रेस का गहरा रिश्ता है। कांग्रेस उनकी भलाई के लिए तेलंगाना में हर संभव काम करेगी। सावंत ने कहा कि कई पीढ़ी से राजस्थान, बिहार, उत्तरप्रदेश आदि देश के दूसरे राज्यों से लोग आकर तेलंगाना के विकास में अहम भूमिका निभा रहे है। अब इनमें से कई परिवारों की जन्म और कर्मभूमि अब तेलंगाना बन चुका है। तेलंगाना में किसी के साथ भेदभाव नहीं है। कानून और नियमों का पालन करने वालों के लिए यहां कोई परेशानी नहीं है। सरकार उत्तरभारतियों की समस्याओं का समाधान करने का पूरा प्रयास करेगी। उन्होंने कहा कि आने वाले जीएचएमसी चुनावों में सभी को मिलकर काम करना होगा। इस अवसर पर प्रमुख रुप से तेलंगाना भाषाई अल्पसंख्यक कांग्रेस के चेयरमैन राजेश अग्रवाल भी मौजूद रहे।

पत्नी की चाकू मारकर हत्या, आरोपी गिरफ्तार

संगारेड्डी, 6 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। महबूबनगर जिले के जडचेरला से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहा कथित रूप से प्रेमी के साथ भागी महिला की उसके पति ने चाकू मारकर हत्या कर दी। घटना सोमवार को हुई और आरोपी को पुलिस ने तुरंत गिरफ्तार कर लिया। मृतका की पहचान कविता (29) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह 27 मार्च को कर्नाटक निवासी पवन के साथ घर से चली गई थी। दोनों की दोस्ती सोशल मीडिया के जरिए हुई थी। पति द्वारा गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराने के बाद पुलिस ने जाच शुरू की और दोनों का पता जडचेरला में लगाया। जब पुलिस उन्हें वापस ला रही थी, उसी दौरान रास्ते में यह घटना हो गई। जानकारी के अनुसार, सदाशिवपेट मंडल के नंदिकंडी के पास कार में बैठे पति सिद्धा रेड्डी ने अचानक चाकू निकालकर कविता पर हमला कर दिया। गंभीर चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिसकर्मी ने तुरंत आरोपी को पकड़ लिया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। मामले की जांच जारी है।

अवैध फीस वसूली पर सख्त चेतावनी, मेडिकल कॉलेजों को निर्देश

हैदराबाद, 6 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कालोजी नारायण राव स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (केएनआरयूएचएस) ने तेलंगाना के निजी मेडिकल और डेंटल कॉलेजों को ट्यशन फीस में अनियमितता को लेकर कड़ी चेतावनी दी है। विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया है कि एमबीबीएस और बीडीएस कोर्स की कुल फीस केवल साढ़े चार वर्षों के आधार पर ही तय की जाएगी, भले ही इसे पांच किस्तों में लिया जाए। निर्देश में कहा गया है कि कॉलेज किसी भी छात्र से अग्रिम शुल्क या अतिरिक्त फीस नहीं ले सकते, खासकर उन छात्रों से जो किसी कारणवश एक वर्ष में असफल हो जाते हैं या पढ़ाई में पीछे रह जाते हैं।

विश्वविद्यालय ने चेतावनी दी है कि नियमों का उल्लंघन करने वाले संस्थानों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी, जिसमें संबद्धता रद्द करना भी शामिल है। यह कदम छात्रों और अभिभावकों की शिकायतों के बाद उठाया गया है, जिनमें आरोप लगाया गया था कि कई कॉलेज पूरे पांच साल की फीस वसूल रहे हैं। विश्वविद्यालय ने इसे गलत और अनुचित बताते हुए कहा कि इससे छात्रों पर आर्थिक और मानसिक दबाव बढ़ता है। साथ ही स्पष्ट किया कि निर्धारित शुल्क को पांच बराबर किस्तों में बांटकर ही लिया जाना चाहिए, ताकि परिवारों पर अतिरिक्त बोझ न पड़े।

इलेक्ट्रीशियन की हत्या

हैदराबाद, 6 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के बाहरी इलाके वादी-ए-सलीहीन में पैसों के विवाद को लेकर 22 वर्षीय इलेक्ट्रीशियन मोहम्मद नज़ीर उर्फ नब्बू की हत्या कर दी गई। नज़ीर अपने कुछ परिचितों के साथ बात करने के लिए घर से बाहर गया था। इसी दौरान विवाद बढ़ गया और चार लोगों ने उस पर चाकू से हमला कर दिया। साथ ही ईंट से सिर पर वार किया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर बालापुर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार, इस मामले में फहद, दस्तगीर, इलियास और नदीम पर हत्या का शक है। बताया जा रहा है कि पैसों को लेकर विवाद हुआ था और धमकी के डर से आरोपियों ने मिलकर यह वारदात की। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

16 से 19 अप्रैल तक होगी ओपन कैरम चैंपियनशिप

हैदराबाद, 6 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। एसआर मीडियावर्क्स और संजीवनी सिस्टम्स एंड सर्विसेज के तत्वावधान में 14वीं एसआर मीडियावर्क्स ओपन कैरम चैंपियनशिप का आयोजन 16 से 19 अप्रैल तक अलकापुरी वेलफेयर एसोसिएशन में किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में पुरुषों के एकल और युगल वर्ग के साथ ही 50 वर्ष या उससे अधिक आयु वर्ग के खिलाड़ियों के लिए भी एकल और युगल स्पर्धाएं आयोजित होंगी। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि 10 अप्रैल निर्धारित की गई है।

कोयला उत्पादन में लक्ष्य से पीछे रहा श्रीरामपुर क्षेत्र

मंचेरियल/कुमराम भीम आसिफाबाद, 6 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सिंगारेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) के श्रीरामपुर क्षेत्र ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में कोयला उत्पादन के लक्ष्य को हासिल करने में निराशाजनक प्रदर्शन किया। आंकड़ों के अनुसार, 65.16 लाख टन के लक्ष्य के मुकाबले क्षेत्र में केवल 57.86 लाख टन कोयले का उत्पादन हुआ, जो करीब 68 प्रतिशत उपलब्धि दर्शाता है। उत्पादन में कमी का मुख्य कारण ओपन कास्ट परियोजनाओं में मिट्टी हटाने के कार्य में देरी बताया गया है। क्षेत्र की अधिकांश खदानें अपने लक्ष्य से पीछे रहीं, हालांकि आरके न्यू टेक और एसआरपी-1 खदानों ने 100 प्रतिशत से अधिक उत्पादन किया। अधिकारियों ने बताया कि ठेकेदारों द्वारा काम बीच में छोड़ देने से समस्या उत्पन्न हुई है और नए ठेकेदारों की नियुक्ति की प्रक्रिया जारी है। वहीं, मंदामारी क्षेत्र में भी 27.80 लाख टन के लक्ष्य के मुकाबले 19.81 लाख टन उत्पादन हुआ, जो 71 प्रतिशत उपलब्धि है। इसके विपरीत, गोलेटी क्षेत्र ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 3.50 लाख टन के लक्ष्य के मुकाबले 4.30 लाख टन कोयले का उत्पादन कर 123 प्रतिशत उपलब्धि हासिल की है।

पूर्व तट रेलवे

निविदा सूचना सं. eT-HQ-WAT-14-2026
दिनांक : 30.03.2026

कार्य का नाम : सहायक मण्डल अभियन्ता/एस्टेट/ वाल्टियर के अधिकार क्षेत्र के अधीन सीनियर सेक्शन इंजीनियर/W/इलेक्ट्रिक लोको शेड और डीजल लोको शेड/वाल्टियर के सेक्शन में नए कोचिंग कॉम्प्लेक्स यार्ड के इलेक्ट्रोनिक इंटरलॉकिंग से संबंधित संकेत एवं दूरसंचार सेवा भवन (G+1) तथा संकेत एवं दूरसंचार गुमटी का निर्माण (वाल्टियर मण्डल में इलेक्ट्रोनिक इंटरलॉकिंग द्वारा वाल्टियर मार्शलिंग यार्ड के F-केबिन, G-केबिन और ब्लॉक हट (Block Hut) में पुराने एवं क्षतिग्रस्त सिग्नलिंग गियर के साथ लीवर फ्रेम का प्रतिस्थापन)।

कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 1,75,14,635.11, **EMD :** ₹ 3,50,300/-, **कार्य पूरा होने की अवधि :** 04 (चार) महीने।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : दिनांक 23.04.2026 को 1500 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

दृष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 15 (पन्द्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुन:अवलोकन करें।

मण्डल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर

PR-12/R/26-27

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

कोहली बने सीएसके के खिलाफ टॉप स्कोरर

डेविड का 106 मीटर लंबा सिक्स, गेंद मैदान के बाहर; भुवनेश्वर के 200 विकेट पूरे

बेंगलुरु, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स को 43 रन से हरा दिया। खेले गए इस मुकाबले के दौरान विराट कोहली सीएसके के खिलाफ आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। आरसीबी ने 250/3 का स्कोर बनाकर अपना तीसरा सबसे बड़ा टोटल खड़ा किया। टिम डेविड ने 106 मीटर लंबा सिक्स लगाया। गेंद स्टेडियम के बाहर जा पहुंची।

सबसे बड़े टोटल से 13 रन पीछे रही आरसीबी

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने इस मैच में 250/3 का स्कोर बनाकर अपने आईपीएल इतिहास का तीसरा सबसे बड़ा टोटल बना दिया। नंबर-1 पर टीम का 2013 में पुणे वॉरियर्स के खिलाफ बनाया गया 263/5 का स्कोर है।

कोहली सीएसके के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज

विराट कोहली ने आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। उनके अब 1174 रन हो गए हैं। वे किसी एक टीम के खिलाफ आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले प्लेयर भी बन गए हैं। दूसरे नंबर पर मुंबई के रोहित शर्मा हैं। उन्होंने कोलकाता के खिलाफ 1161 रन बनाए हैं।

आरसीबी ने सीएसके के खिलाफ सबसे ज्यादा सिक्स लगाए

आरसीबी ने इस मैच में 19 सिक्स लगाए। यह सीएसके के खिलाफ किसी भी टीम द्वारा एक पारी में सबसे ज्यादा सिक्स हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड 17 सिक्स का था। इसे कोलकाता (2018, चेन्नई) और राजस्थान (2020, शारजाह) ने बनाया था। साथ ही, यह आरसीबी की पारी में तीसरा सबसे ज्यादा सिक्स का आंकड़ा भी है।

भुवनेश्वर 200 आईपीएल विकेट लेने वाले पहले तेज गेंदबाज

भुवनेश्वर कुमार आईपीएल में 200 विकेट लेने वाले पहले तेज गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने 192 मैचों में यह मुकाम हासिल किया। ओवरऑल विकेट टेकर्स की लिस्ट में वे स्पिनर युजवेंद्र चहल के बाद दूसरे नंबर पर हैं। चहल के नाम सबसे ज्यादा 224 विकेट हैं।

एम चिन्नास्वामी में द्रविड़ और कुंबले नाम के स्टैंड

बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में भारतीय क्रिकेट के दो दिग्गजों राहुल द्रविड़ और अनिल कुंबले के नाम पर स्टैंड बनाए गए। कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ ने यह सम्मान दिया।

दुबे से कोहली का कैच छूटा

तीसरे ओवर में शिवम दुबे ने विराट कोहली का कैच छोड़ दिया। खलील अहमद की फुल गेंद पर कोहली ने सामने की तरफ शॉट खेला। मिडऑन पर शिवम दुबे ने पीछे की ओर दौड़ लगाई, लेकिन कैच नहीं लपक सके। कोहली 18 बॉल पर 28 रन बनाकर आउट हुए। आखिरी में अंशुल कंबोज की बॉल पर उनका कैच शिवम दुबे ने ही पकड़ा।

आईपीएल टीमों को शाहरुख ने लगाया लगभग 40 करोड़ का चूना

पिछले 5 सीजन से नहीं कर रहा परफॉर्म

मुंबई, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। गुजरात टाइटंस के हेड कोच आशीष नेहरा भी अपने खिलाड़ियों को बैक करने के लिए जाने जाते हैं. जिसके कारण ही कुछ खिलाड़ियों पर वो बहुत ज्यादा भरोसा जता रहे हैं. उनमें से एक मैच फिनिशर शाहरुख खान भी है. आईपीएल में शाहरुख 2021 से खेल रहे हैं, लेकिन एक भी सीजन में उन्होंने धमाकेदार बल्लेबाजी नहीं की है. आईपीएल 2026 में भी अब तक उन्होंने बहुत ज्यादा निराश किया है. राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मिली करीबी हार के

बाद शाहरुख पर चर्चा शुरु हो गई है.

बार-बार फेल हो रहे हैं शाहरुख खान

आईपीएल 2021 में पंजाब किंग्स की टीम ने शाहरुख खान को खरीदा था. 3 सीजन वो पंजाब के लिए खेले. पहले सीजन उन्हें 5.25 करोड़ मिला. उसके बाद अगले 2 सीजन में पंजाब ने उन्हें 9 करोड़ में अपने साथ जोड़ा था. आईपीएल 2024 में शाहरुख को गुजरात की टीम ने 7.4 करोड़ में अपने साथ जोड़ा. वहीं आईपीएल 2025-26 में वो 4 करोड़ रुपये में खेल रहे हैं. शाहरुख खान अंत में बल्लेबाजी करने आते हैं, वहां पर उनसे बड़े शॉट की उम्मीद की जाती है, लेकिन वो ऐसा नहीं कर पा रहे हैं. बार-बार शाहरुख फेल हो रहे हैं.

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड- 3 दिन में 6 डायरेक्टर्स का इस्तीफा

प्रेसिडेंट बोले- सब चले जाएं, मैं आखिर तक हूं; लिटन 2028 तक कप्तान रहेंगे

ढाका, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड में इस वक्त भारी उठापटक चल रही है। शनिवार को बोर्ड के 4 और डायरेक्टर्स ने एक साथ इस्तीफा दे दिया। गुरुवार को भी 2 मेंबर्स ने अपना पद छोड़ा था। बोर्ड प्रेसिडेंट अमिनुल इस्लाम ने जरूर कह दिया, सब भले चले जाएं, मैं कहीं नहीं जाऊंगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक सप्ताह के अंदर बीसीबी की नई सरकार भंग हो सकती है।

बोर्ड ने लिटन दास को 2028 और मेहदी हसन को 2027 तक टी-20 कप्तान भी बनाए रखा है।

शनिवार को हुई मीटिंग के बाद सानियान तनीम, मेहराब आलम, फैयाजुर रहमान और मंजूरुल आलम ने अपना इस्तीफा सौंप दिया। इससे 2 दिन पहले ही यासिर मोहम्मद और फैसल आशिक ने भी पद छोड़ दिया था। अब तक 6 डायरेक्टर्स बीसीबी का साथ छोड़ चुके हैं। माना

जा रहा है कि कुछ और लोग भी पद छोड़ने की तैयारी में हैं। अमिनुल इस्लाम बुलबुल मीडिया के सामने तो नहीं आए, लेकिन एक टीवी चैनल से बातचीत में अपना दर्द बयां कर दिया। उन्होंने कहा, ₹मैं आखिरी दिन तक अपनी कुर्सी संभालूंगा। हमारी टीम अच्छी और ईमानदार है, मैं उनके साथ मिलकर देश के क्रिकेट की सेवा करना चाहता हूं।

उन्होंने सीधा आरोप लगाया कि कुछ बाहरी ताकतें उन्हें खुलकर काम नहीं करने दे रही हैं। बुलबुल के मुताबिक, ₹हमें एक दिन भी आजादी से काम नहीं करने दिया गया। बाहर से लगातार दखलअंदाजी हो रही है, जिसकी वजह से हमारे क्रिकेट की रफ्तार थम गई है। बोर्ड के पिछले चुनाव को लेकर काफी विवाद चल रहा है। अब नेशनल स्पोर्ट्स काउंसिल इसकी जांच कर रही है। माना जा रहा है कि इसी जांच और मीडिया के सवालों से बचने के लिए अध्यक्ष मीटिंग के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में नहीं आए। इससे पहले भी कुछ बड़े अधिकारियों ने 'निजी कारणों' का हवाला देकर इस्तीफा दिया था, लेकिन असल वजह बोर्ड के अंदर मची कलह को माना जा रहा है।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने मेंहदी हसन मिराज को 2027 वनडे वर्ल्ड कप और लिटन दास को 2028 टी-20 वर्ल्ड कप तक के लिए कप्तान बनाए रखा है। बोर्ड का मानना है कि लंबी जिम्मेदारी से दोनों कप्तान अपनी टीम को बेहतर ढंग से तैयार कर पाएंगे। बोर्ड ने पूर्व दिग्गज मोहम्मद रफीक को एक साल के लिए स्पिन गेंदबाजी सलाहकार बनाया है।

इसी साल जनवरी में बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने अपनी टीम को टी-20 वर्ल्ड कप खेलने के लिए भारत नहीं भेजा था। बोर्ड ने भारत ने सुरक्षा को लेकर चिंता जताई थी, जिसके बाद इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट में एंट्री दे दी।

सीएसके से होगी स्टीफन फ्लेमिंग की छुट्टी?

आईपीएल 2026 में हार पर हार के बाद सवालों के घेरे में हेड कोच

चेन्नई, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 अभी खत्म नहीं हुआ है. अभी इसने आधा सफर भी तय नहीं किया है. मगर सीएसके की टीम सवालों के घेरे में आ गई है. उसकी स्ट्रेटजी, उसके गेम प्लान पर सवाल उठ रहे हैं. मगर जो सबसे बड़ा सवाल उठ खड़ा हुआ है, वो ये कि क्या वक्त आ गया है कि अब सीएसके को स्टीफन फ्लेमिंग से किनारा कर लेना चाहिए? क्या ये सीएसके के साथ हेड कोच स्टीफन फ्लेमिंग का आखिरी सीजन होगा? चेन्नई सुपर किंग्स और स्टीफन फ्लेमिंग का साथ 18 साल से बरकरार है. आईपीएल के पहले सीजन से अब तक दोनों की सांठ-गांठ है. मगर क्या ये गठबंधन अब टूटने वाला है.

आईपीएल 2026 में अब तक सीएसके का खेल

आईपीएल 2026 में सीएसके का प्रदर्शन अब तक 10 टीमों में सबसे खराब रहा है. इस टीम ने अब तक खेले 3 मैचों में 3 गंवाए हैं और, अंक तालिका में भी 10 टीमों के बीच ये सबसे आखिरी पायदान पर है. तो क्या ऐसे शर्मनाक प्रदर्शन के लिए हेड कोच के पर कतरे जाएंगे?

स्टीफन फ्लेमिंग पर क्या कहते हैं मुरली कार्तिक?

भारत के पूर्व क्रिकेटर मुरली कार्तिक की मानें तो सारा का सारा ठीकरा हेड कोच स्टीफन फ्लेमिंग पर फोड़ना गलत होगा. वो टीम के खराब प्रदर्शन का दोषी स्टीफन फ्लेमिंग को अकेले नहीं मानते. उन्होंने कहा कि जब खिलाड़ियों को खरीदा जा रहा था तो उस वक्त ऑक्शन टेबल पर फ्लेमिंग अकेले नहीं थे. बल्कि उनके साथ और लोग भी मौजूद थे.

ज़हीर खान ने कहा- फ्लेमिंग के लिए चुनौती बड़ी है

जहीर खान ने स्टीफन फ्लेमिंग को लेकर कहा कि उनके लिए अभी चैलेंजिंग फेज है. बाएं हाथ के पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज के मुताबिक चेन्नई सुपर किंग्स अभी बदलाव के फेज से गुजर रही है. उन्होंने कहा कि पहले ये टीम अनुभवी खिलाड़ियों पर दांव लगाती थी जो टीम की रणनीति में भी योगदान देते थे. लेकिन, अब वो भविष्य की सोचते हुए युवा खिलाड़ियों को तरजीह दे रहे हैं. जब अनुभवी से नए खिलाड़ियों की ओर स्विच करेंगे तो आपको हार झेलने के लिए भी तैयार रहना होगा. वही सीएसके के साथ हो रहा है.

लगातार हार के बाद करेंगे वापसी, फ्लेमिंग को भरोसा

कुल मिलाकर चेन्नई सुपर किंग्स की भले ही आईपीएल 2026 में हार की हैट्रिक लग चुकी है. लेकिन, उसके बाद भी किसी क्रिकेट दिग्गज स्टीफन फ्लेमिंग की कोचिंग को सीधे-सीधे टारगेट नहीं किया है. वो उन्हें सपोर्ट ही कर रहे हैं. इस बीच लगातार 3 हार के बाद स्टीफन फ्लेमिंग ने आईपीएल 2026 में सीएसके की जबरदस्त वापसी की उम्मीद जताई है.

स्क्वैश में अभय सिंह पुरुष एकल वर्ग में जीते

अली अबोउ एलीनन को हराया

अल गौना, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत के अभय सिंह ने मिस्र के अल गौना में चल रही पीएसए प्लेटिनम प्रतियोगिता अल गौना ओपन के पुरुषों के एकल वर्ग के पहले दौर में मेजबान देश के दुनिया के 13वें नंबर के खिलाड़ी अली अबोउ एलीनन को 3-2 से हराया।

दुनिया के 25वें नंबर के खिलाड़ी अभय ने शनिवार को एलीनन के खिलाफ 9-11, 11-8, 3-11, 11-4,11-8 से जीत हासिल की। अब अभय का सामना मिस्र के ही छठे वरीय और दुनिया के सातवें नंबर के खिलाड़ी यूसुफ इब्राहिम से होगा।

इस बीच महिला एकल में दुनिया की 20वें नंबर की भारतीय खिलाड़ी अनाहत सिंह को मिस्र की दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी हानिया अल हम्मामी ने पहले दौर में 11-8, 11-5, 9-11, 11-8 से हरा दिया।

वर्ल्ड कप में नहीं मिला मौका : नीदरलैंड्स के टिम प्रिंगल ने देश ही बदल लिया, 26 मैच के बाद न्यूजीलैंड टीम में सेलेक्शन

कोलंबो, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड की ए टीम इस समय श्रीलंका के दौरे पर है. इस दौरे की शुरुआत 3 अनऑफिशियल वनडे मैचों के साथ हुई है. इस सीरीज के पहले मैच में एक चौंकाने वाली घटना देखने को मिली. दरअसल, न्यूजीलैंड की ए टीम में एक ऐसा खिलाड़ी शामिल है, जो दूसरे देश के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट खेलता है. हालांकि, इस खिलाड़ी को हाल ही में 2026 टी20 वर्ल्ड कप के लिए टीम में जगह नहीं मिली थी. ऐसे में माना जा रहा है कि इस खिलाड़ी ने करियर को ध्यान में रखते हुए बड़ा कदम उठाया है.

वर्ल्ड कप में नहीं मिला मौका तो बदल ली टीम

गाले इंटरनेशनल स्टेडियम में न्यूजीलैंड ए और श्रीलंका ए के बीच पहले अनऑफिशियल वनडे मैच में नीदरलैंड्स के क्रिकेटर टिम प्रिंगल भी खेलते हुए नजर आए. न्यूजीलैंड ए की टीम में शामिल टिम प्रिंगल नीदरलैंड्स की नेशनल टीम के सदस्य रहे हैं और उनके नाम 26 इंटरनेशनल मैच दर्ज हैं.हालांकि, आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए नीदरलैंड्स की टीम में टिम प्रिंगल को जगह नहीं मिली थी. इस फैसले ने क्रिकेट फैंस को हैरान किया था, क्योंकि वह टीम के अनुभवी खिलाड़ियों में से एक माने जाते हैं. ऐसे में न्यूजीलैंड ए के श्रीलंका दौरे पर उनका आना और भी रोचक हो जाता है. यह उनके भविष्य को लेकर अटकलों को हवा दे रही है, खासकर जब वह न्यूजीलैंड के घरेलू क्रिकेट में नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स के लिए अच्छा प्रदर्शन कर चुके हैं.

नई टीम के लिए कैसा रहा प्रदर्शन?

इस मैच में भी टिम प्रिंगल ने गेंद और बल्ले दोनों से योगदान दिया. उन्होंने अपनी गेंदबाजी में 1 विकेट चटकाया, लेकिन बल्लेबाजी में सिर्फ 5 रन ही बना सके. मैच के दौरान श्रीलंका ए ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 261 रनों मजबूत स्कोर खड़ा किया, जिसके जवाब में न्यूजीलैंड ए संघर्ष करती नजर आई और 121 रन पर ऑलआउट हो गई.

न्यूजीलैंड के लिए खेला अंडर-19 क्रिकेट

टिम प्रिंगल का जन्म 29 अगस्त 2002 को द हेग में हुआ था, लेकिन छोटी सी उम्र में वह न्यूजीलैंड चले गए थे. इसके बाद उन्होंने न्यूजीलैंड अंडर-19 टीम के लिए भी खेला.

फिर 2022 से नीदरलैंड्स की ओर से खेलते हुए उन्होंने वनडे और टी20 फॉर्मेट में अपनी स्पिन गेंदबाजी से प्रभावित किया. बाएं हाथ के ऑर्थोडॉक्स स्पिनर टिम प्रिंगल ने पिछले कुछ सालों में नीदरलैंड्स के लिए कई यादगार प्रदर्शन किए, जिसमें टी20 वर्ल्ड कप के मुकाबले भी शामिल हैं.

जापान की ओलंपिक पहलवान सुगुमी सकुराई का चौंकाने वाला फैसला

24 की उम्र में लिया संन्यास

टोक्यो, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। पेरिस ओलंपिक में 57 किलोग्राम भार वर्ग की महिला कुश्ती चैंपियन सुगुमी सकुराई ने महज 24 साल की उम्र में संन्यास लेने का फैसला किया है। जापान की यह खिलाड़ी अब पहलवानों की नई पीढ़ी को तैयार करने के साथ पश्चिमी जापान में अपने गृह क्षेत्र कोची प्रीफेक्चर के लिए खेलों की सद्भावना दूत के तौर पर काम करेंगी। सकुराई साल 2021, 2022 और 2023 में लगातार तीन बार वर्ल्ड चैंपियन रही थीं, जिसके बाद उन्होंने पेरिस ओलंपिक 2024 में अपने देश के लिए गोल्ड जीता। सोशल मीडिया पर संन्यास की जानकारी देते हुए सकुराई ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, 'आपके लगातार समर्थन के लिए धन्यवाद। मैंने संन्यास लेने का फैसला किया है। अब तक, मैं बहुत से लोगों के समर्थन से एक बेहतरीन माहौल में कुश्ती में आगे बढ़ पाई हूं। मैं ओलंपिक में गोल्ड जीतने का सपना पूरा कर पाई। आप सभी के समर्थन के लिए धन्यवाद।' फैंस का आभार जताते हुए सकुराई ने लिखा, 'आपके लगातार मार्गदर्शन और समर्थन के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद, तब भी जब नतीजे हासिल करना मुश्किल था। कुश्ती के जरिए मुझे बहुत सारे अनुभव मिले हैं। पीछे मुड़कर देखती हूं, तो बहुत दर्द भी हुआ, लेकिन मुझे खुशी है कि मैंने कुश्ती जारी रखी।' अपने नए सफर की जानकारी देते हुए सकुराई ने बताया, 'यह फैसला मैंने पिछले एक साल में बहुत से लोगों से बात करने और सोचने-समझने के बाद लिया है। मैं अब से कोची रेसलिंग क्लब, कोनान सिटी में एक क्लासरूम शुरू करना चाहती हूं, और रेसलिंग को फैलाने और मजबूत करने के लिए अपना पूरा जोर लगा दूंगी।'

एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में 11 मेडल पक्के

मीनाक्षी और जैस्मिन सहित 5 महिला बॉक्सर सेमीफाइनल में; 6 पुरुष मुक्केबाजों ने भी मेडल पक्के किए

उलानबटोर, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। मंगोलिया के उलानबटोर में चल रही एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भारत के शानदार प्रदर्शन जारी है। पांच महिला और छह पुरुष मुक्केबाजों ने सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है।

पुरुष वर्ग में लोकेश, आकाश और हर्ष चौधरी की जीत के साथ कुल छह भारतीय बॉक्सर सेमीफाइनल में पहुंच चुके हैं।

मीनाक्षी और जैस्मिन की एकतरफा जीत

मीनाक्षी (48 किग्रा) और जैस्मिन (57 किग्रा) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने-अपने मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली।

मीनाक्षी ने जापान की युका सादामात्सु को 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से हराया।

वहीं, जैस्मिन ने चीन की झियी चेन को 5-0 से मात देकर सेमीफाइनल का टिकट हासिल किया।

इससे पहले शनिवार को निखत जरीन, प्रिया घंघास और प्रीति पवार भी अपने-अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल में पहुंच चुकी हैं।

लोकेश, आकाश और हर्ष आगे बढ़े

पुरुष वर्ग में भारतीय मुक्केबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में अपनी दावेदारी मजबूत की।

85 किग्रा भार वर्ग में लोकेश ने कोरिया के गिचे किम को 5-0 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। वहीं, आकाश ने तुर्कमेनिस्तान के यल्हास बग्टयारोव को 5-0 से मात दी

इसके अलावा, हर्ष चौधरी ने किर्गिज़ गणराज्य के तिनिस्तान अलीबाएव को हराकर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की।

हालांकि, 80 किग्रा भार वर्ग में अंकुश को जॉर्डन के हुसैन इशाश के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा, जिससे वे टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

वहीं, 50 किग्रा वर्ग में विश्वनाथ सुरेश और 60 किग्रा में सचिन ने भी जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित कर ली है।

बास्केटबॉल चैम्पियन का 'कैंडी' सीक्रेट

मिलन शॉट से पहले दिमाग में दोहराते हैं 'जेलीबीन', ओवरथिंकिंग दूर करने का मिला अचूक फॉर्मूला

शिकागो, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। बड़े मैचों के दबाव में अक्सर दुनिया के बेहतरीन खिलाड़ियों का दिमाग भी सुन्न पड़ जाता है। ऐसे में वे अपने ही खेल पर शक करने लगते हैं। अमेरिका के कॉलेज बास्केटबॉल टूर्नामेंट में इस साल के सर्वश्रेष्ठ 3-पॉइंट शूटर मिलन मोमसिलोविक भी इसी ओवरथिंकिंग का शिकार हो रहे थे। लेकिन इस 6 फीट 8 इंच लंबे स्नाइपर ने अपने दिमाग को शांत करने का एक बेहद अजीब, लेकिन 100% अचूक तरीका खोज निकाला है। यह तरीका है एक शब्द 'जेलीबीन'।

आयोवा स्टेट के मिलन इस वक्त डिवीजन-1 कॉलेज बास्केटबॉल के सबसे सटीक शूटर हैं। लेकिन एक वक्त था जब हर शॉट से पहले उनका आत्मविश्वास डगमगा जाता था। मिलन बताते हैं, 'मुझे हमेशा लगता था कि मेरे शॉट में कुछ कमी है। शायद गेंद का आर्क सही नहीं है या मैं सही तरीके से थ्रो नहीं कर रहा हूं।' लगातार गिरते कॉन्फिडेंस को बचाने के लिए उन्होंने एक मशहूर स्पोर्ट्स साइकोलॉजिस्ट डॉ. मैथ्यू मायरविक से संपर्क किया।

डॉ. मैथ्यू ने उन्हें एक बेहद आसान मनोवैज्ञानिक तरकीब बताई- 'थ्रो करने से ठीक पहले दिमाग में किसी एक चीज, खासकर किसी खाने की चीज का नाम सोचो।' मिलन ने इसके लिए 'जेलीबीन' शब्द चुना। वे कहते हैं, 'शायद यह शब्द बोलने में थोड़ा लंबा है, इसलिए मैंने इसे चुना। मजेदार बात यह है कि जेलीबीन मेरी फेवरेट कैंडी भी नहीं है।' मिलन यह शब्द जोर से नहीं बोलते, शॉट लेने से ठीक पहले वे इसे बस अपने दिमाग में दोहराते हैं। यह टेक्निक उनके दिमाग में आने वाले नकारात्मक ख्यालों को ब्लॉक कर देती है, जिससे उनका फोकस सिर्फ थ्रो पर रहता है। जैसे ही दिमाग ओवरथिंकिंग करना बंद करता है, शरीर की 'मसल मेमोरी' अपना काम बिल्कुल सटीक तरीके से करने लगती है। यह तकनीक खिलाड़ी का ध्यान नतीजे से हटाकर प्रोसेस पर ले आती है। आयोवा स्टेट के हेड कोच टीजे ओत्जेल्बर्गर इस बदलाव से बेहद खुश हैं। उनका कहना है, 'पहले अगर वह एक-दो शॉट मिस करता था, तो अगला शॉट लेने से डरने लगता था। लेकिन अब उसका माइंडसेट बदल गया है। अब वह सिर्फ अपनी कोशिशों पर फोकस करता है, नतीजों पर नहीं।' इस एक शब्द ने मिलन के खेल को पूरी तरह बदल दिया है। वे इस सीजन में 49.3% की सटीकता से 3-पॉइंट्स स्कोर कर रहे हैं, जो पूरे टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा है। उन्होंने अब तक 134 थ्री-पॉइंटर्स दागे हैं, जो किसी भी अन्य खिलाड़ी से अधिक है। वे 17.2 पॉइंट्स प्रति मैच के औसत के साथ अपनी टीम के टॉप स्कोरर बन गए हैं।

कुछ वर्षों में खान-पान की आदतों और जीवनशैली में बड़ा बदलाव : नरसिम्हा

खाद्य सुरक्षा जागरूकता अभियान, मंत्री ने किया नेतृत्व

हैदराबाद, 6 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राज नरसिम्हा ने सोमवार को हैदराबाद के जल विहार, नेकलेस रोड पर खाद्य सुरक्षा जागरूकता वॉकाथॉन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस कार्यक्रम में करीब 1,000 छात्र और युवा उत्साहपूर्वक शामिल हुए। वॉकाथॉन जल विहार से शुरू होकर आईमैक्स के पास स्थित एचएमडीए ग्राउंड्स तक पहुंची। इस दौरान मंत्री के साथ स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख सचिव क्रिस्टिना जेड. चोंगथु, हैदराबाद पुलिस आयुक्त सज्जनार, फूड सेफ्टी कमिश्नर संगीता सत्यानारायण और हैदराबाद कलेक्टर हरिचंदना सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। मंत्री ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में लोगों की खान-पान की आदतों और जीवनशैली में बड़ा बदलाव आया है।

व्यस्त जीवन और तेजी से हो रहे शहरीकरण के कारण घर पर खाना बनाने की परंपरा कम हो गई है, जिससे बाहर खाने और प्रोसेस्ड फूड का सेवन काफी बढ़ गया है। उन्होंने चिंता जताई कि कुछ लोग इस स्थिति का फायदा उठाकर खाद्य पदार्थों में मिलावट कर रहे हैं, जिससे लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ रहा है। मिलावटी और घटिया भोजन के कारण गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल समस्याएं बढ़ रही हैं, और लंबे समय में यह डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, हृदय और किडनी रोग तथा मोटापे जैसी बीमारियों का कारण बन सकता है। मंत्री ने बताया कि राज्य में खाद्य सुरक्षा और पुलिस विभाग के संयुक्त प्रयासों से लगातार निरीक्षण और सख्त कार्रवाई की जा रही है। पिछले दो वर्षों में 11,000 से अधिक निरीक्षण किए गए हैं और मिलावट करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार मिलावटी या निम्न गुणवत्ता वाले खाद्य पदार्थ बेचने वाले होटलों और रेस्टोरेंट्स के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर रही है और भविष्य में इन निरीक्षणों को और तेज किया जाएगा।

खाद्य सुरक्षा को मजबूत करने के लिए सरकार ने 24 नए फूड इंस्पेक्टर नियुक्त किए हैं और 5 मोबाइल फूड टेस्टिंग वाहन तैनात किए हैं। साथ ही, निजामाबाद, हनमकोंडा और महबूबनगर में 15 करोड़ की लागत से तीन नए क्षेत्रीय खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाएं स्थापित करने का निर्णय लिया गया है।

उस्मानिया विश्वविद्यालय ने 'आदित्य' कॉलेजों को बताया गैर-संबद्ध, छात्रों को चेतावनी

हैदराबाद, 6 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। उस्मानिया विश्वविद्यालय ने छात्रों और अभिभावकों को सतर्क करते हुए स्पष्ट किया है कि ''आदित्य डिग्री कॉलेज'' या ''आदित्य बिजनेस स्कूल' नाम से संचालित किसी भी संस्थान को अब तक विश्वविद्यालय से संबद्धता (अफिलिएशन) प्रदान नहीं की गई है। विश्वविद्यालय ने बताया कि ''आदित्य डिग्री कॉलेज या ''आदित्य बिजनेस स्कूल'' के नाम से प्रचार-प्रसार किया जा रहा है, जो तेलंगाना सरकार का उच्च शिक्षा विभाग और तेलंगाना राज्य उच्च शिक्षा परिषद की मंजूरी के बिना चल रहा है। यह स्थापित नियमों और संबद्धता संबंधी दिशानिर्देशों का उल्लंघन है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने छात्रों और उनके अभिभावकों को सलाह दी है कि वे ऐसे भ्रामक विज्ञापनों के झांसे में न आएं और इन संस्थानों में प्रवेश लेने से बचें। उस्मानिया विश्वविद्यालय ने जोर देकर कहा कि किसी भी कॉलेज में दाखिला लेने से पहले उसकी मान्यता और संबद्धता की पूरी जांच जरूर करें, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की शैक्षणिक समस्या का सामना न करना पड़े।

कैदियों के लिए नशामुक्ति केंद्र अहम: राज्यपाल

हैदराबाद, 6 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने कहा कि जेलों में नशामुक्ति केंद्रों की स्थापना एक सराहनीय पहल है। राज्यपाल ने यह टिप्पणी चेर्लापल्ली सेंट्रल प्रिजन में ''निवृत्ति'' नशामुक्ति केंद्र का उद्घाटन करने के बाद की। उन्होंने कहा कि मादक पदार्थों का सेवन गंभीर सामाजिक और सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या बन गया है, जिसके लिए समग्र और समन्वित प्रतिक्रिया की आवश्यकता है। अपने राजनीतिक अनुभव का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें कई बार कारावास में रहना पड़ा, जिससे कैदियों और जेल कर्मियों की चुनौतियों को समझने में गहरी समझ मिली। उन्होंने जेल की स्थिति सुधारने के लिए उठाए गए कदमों, जैसे पंखे और टेलीविजन की व्यवस्था, और पुलिस कांस्टेबल तथा वार्डर के वेतन में समानता लाने के उपायों को भी याद किया। राज्यपाल ने नशामुक्त भारत अभियान के उद्देश्यों के अनुरूप राज्य सरकार के प्रयासों की सराहना की और तेलंगाना जेल विभाग की सुधारोन्मुखी दृष्टिकोण की प्रशंसा की। उन्होंने विशेष रूप से डॉ. सौम्या मिश्रा के नेतृत्व में जेलों में नशामुक्ति केंद्रों की स्थापना को अभिनव पहल बताया। डॉ. मिश्रा ने बताया कि चेर्लापल्ली में स्थापित यह केंद्र जेल सुधारों में मील का पत्थर है।

उन्होंने जोर दिया कि नशे की लत को दंडात्मक उपायों के बजाय चिकित्सा, परामर्श और पुनर्वास के माध्यम से सार्वजनिक स्वास्थ्य मुद्दे के रूप में संबोधित किया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि ''निवृत्ति'' केंद्रों की स्थापना चंचलगुड़ा, चेरलापल्ली, संगारेड्डी और निजामाबाद केंद्रीय जेलों में

तथा हैदराबाद में महिला विशेष जेल में की गई है। अब तक कुल 2,915 कैदियों का स्क्रीनिंग किया गया, जिनमें से 590 को मूल्यांकन के तहत परामर्श और उपचार मिला। उद्घाटन के बाद, राज्यपाल ने चेर्लापल्ली के कैदी कृषि कॉलोनी का दौरा किया और कृषि व व्यवसायिक कार्यक्रमों की समीक्षा के दौरान कैदियों से बातचीत की।

डिजिटल जनगणना में ओबीसी कॉलम नहीं होना 'गंभीर अन्याय' : बीसी दल प्रमुख

हैदराबाद, 6 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। डुड्डा कुमारस्वामी ने प्रस्तावित डिजिटल जनगणना में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए अलग कॉलम न होने को ''गंभीर अन्याय'' करार दिया है। बीसी युवा चेतन्य वेदिका में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, कुमारस्वामी ने कहा कि ओबीसी को अलग से नहीं गिनने से देश की बड़ी आबादी ''सांख्यिकीय रूप से अदृश्य'' हो सकती है। उन्होंने कहा कि जनगणना केवल आंकड़ों का संग्रह नहीं है, बल्कि यह देश की सामाजिक संरचना को दर्शाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। ओबीसी को 'अन्य' श्रेणी में डालना समावेशी शासन के उद्देश्य को कमजोर करता है। कुमारस्वामी ने जोर देकर कहा कि सटीक जातिगत आंकड़ों के बिना आरक्षण और कल्याणकारी नीतियों को प्रभावी ढंग से लागू करना संभव नहीं है। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि डिजिटल जनगणना में ओबीसी के लिए अलग श्रेणी शामिल की जाए। साथ ही चेतावनी दी कि जातिगत वास्तविकताओं को नजरअंदाज करने वाली जनगणना समाज की अधूरी तस्वीर पेश करेगी।

अल्पसंख्यक बालिकाओं के लिए नवीन विद्यालय भवन का उद्घाटन

आदिलाबाद, 6 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सोमवार को आदिलाबाद में अल्पसंख्यक बालिकाओं के लिए निर्मित नवीन विद्यालय एवं जूनियर महाविद्यालय भवन का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन किया। यह परियोजना एमएसडीपी / पीएमजेवीके योजना के अंतर्गत विकसित की गई है। मोहम्मद फहीमुद्दीन कुरैशी के अनुसार, इस संस्थान का उद्देश्य शैक्षिक आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करना तथा अल्पसंख्यक वर्ग की छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की सुगम उपलब्धता सुनिश्चित करना है। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य में ऐसे कुल 54 भवन स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से 21 का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार समावेशी विकास, नारी सशक्तिकरण तथा शैक्षिक असमानताओं के निराकरण हेतु पूर्णतः प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी कहा कि एमएसडीपी / पीएमजेवीके जैसी योजनाएँ विकासात्मक विषमताओं को समाप्त करने, समान अवसर प्रदान करने तथा अल्पसंख्यक समुदायों के लिए शिक्षा, कौशल विकास एवं आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से संचालित की जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि यह नवीन शैक्षणिक परिसर विशेष रूप से बालिकाओं के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में सहायक सिद्ध होगा तथा क्षेत्र के समग्र विकास को गति प्रदान करेगा।

सुन्नम झील और तम्मिडीकुंटा क्षेत्र का संयुक्त निरीक्षण

हैदराबाद, 6 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। शहरी बाढ़ प्रबंधन और झीलों के पुनर्जीवन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए सृजना (साइबराबाद नगर निगम) और ए.वी. रंगनाथ ने सोमवार को माधापुर स्थित सुन्नम झील और तम्मिडीकुंटा क्षेत्र का संयुक्त निरीक्षण किया।

इस निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य वैज्ञानिक तरीके से बनाए गए फीडर चैनलों और इनलेट सिस्टम के जरिए बाढ़ के पानी को प्रभावी रूप से झीलों तक पहुंचाना था। अधिकारियों ने सुन्नम झील के पास बोरा बांदा बस्ती और एन.आर.आर. पुरम से आने वाले बाढ़ के पानी को निर्धारित इनलेट्स के माध्यम से सीधे झील में प्रवाहित करने की व्यवस्थाओं की समीक्षा की। साथ ही, नालों और नहरों के कनेक्शन को मजबूत बनाने पर भी चर्चा की गई, ताकि वर्षा जल का प्रवाह बाधारहित बना रहे। निरीक्षण के दौरान सीवेज के पानी को भूमिगत पाइपलाइन के जरिए अलग मोड़ने, मानसून के दौरान वर्षा जल को सीधे झीलों में पहुंचाने, हाई-टेंशन बिजली लाइनों के नीचे सड़क विस्तार से जुड़ी समस्याओं को हल करने और झीलों के भरने पर अतिरिक्त पानी के सुरक्षित निकास के लिए आउटलेट नालों को मजबूत करने जैसे मुद्दों पर भी विचार किया गया।

तम्मिडीकुंटा झील के लिए भी विशेष बाढ़ नियंत्रण उपायों की समीक्षा की गई, जहां कोंडापुर, आईटी हब, शिल्पारामम और मेटल चारमीनार क्षेत्रों से पानी आता है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि उचित नहर कनेक्टिविटी स्थापित कर बाढ़ के पानी को सीधे झील में पहुंचाया जाए और जरूरत के अनुसार स्ट्रैटेजिक नाला डेवलपमेंट प्रोग्राम के तहत नए चैनल विकसित किए जाएं। इसके अलावा, सुन्नम और तम्मिडीकुंटा झील के आसपास अतिक्रमण हटाने और झीलों की क्षमता बढ़ाने के लिए बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर भी जोर दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि साइबराबाद नगर निगम टिकाऊ शहरी जल निकासी समाधान लागू करने और मानसून से जुड़ी चुनौतियों से निपटने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

महाप्रबंधक ने सुरक्षा समीक्षा बैठक आयोजित की

हैदराबाद, 6 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने आज रेल निलयम, सिकंदराबाद में ज़ोन में रेल संचालन की सुरक्षा पर विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की। इस बैठक में विभागाध्यक्षों के प्रमुख मौजूद थे। सभी छह डिवीजनों विजयवाड़ा, गुंतकल, गुंटूर, सिकंदराबाद, हैदराबाद और नांदेड़ के डिविजनल रेलवे मैनेजर वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक में शामिल हुए। बैठक में, श्रीवास्तव ने ट्रैक के रख-रखाव और नियमित निगरानी पर जोर दिया ताकि ट्रेनों का संचालन सुचारु रूप से हो सके। महाप्रबंधक ने अधिकारियों और पर्यवेक्षकों द्वारा माह में किए गए सुरक्षा निरीक्षणों का सारांश देखा और मुख्य कर्मचारियों और पेट्रोल कर्मचारियों के लिए जीपीएस ट्रैकर की उपलब्धता का मूल्यांकन किया, जिससे ट्रैक पेट्रोलिंग प्रभावी ढंग से हो सके। उन्होंने सभी अधिकारियों और पर्यवेक्षकों को गर्मी के मौसम में स्टेशन और सेक्शन/ट्रैक पर आवश्यक सावधानी बरतने का निर्देश दिया। महाप्रबंधक ने कार्यस्थल सुरक्षा पर निरंतर ध्यान देने और विभिन्न विभागों के बीच समन्वय बनाए रखने के महत्व को दोहराया। इसके अतिरिक्त, श्रीवास्तव ने निजी साइडिंग और माल गोदामों में सीसीटीवी कैमरों की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने इंजीनियरिंग, सिग्नल एवं टेलीकम्युनिकेशन, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल सहित विभिन्न विभागों द्वारा ज़ोन में चल रही सुरक्षा मुहिमों की समीक्षा भी की।

जल सुरक्षा प्राथमिकता: सीएम ने कार्ययोजना का किया उद्घाटन

विजयवाड़ा, 6 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने सोमवार को ताडिपत्रि में जल संरक्षण पर केंद्रित 100-दिनी कार्ययोजना का शुभारंभ किया। इस अवसर पर जल उपयोगकर्ता समितियों को सशक्त बनाने के लिए एक विशेष मोबाइल ऐप भी लॉन्च किया गया। अनंतपुर जिले के यादीकी में आयोजित "जलधारा — जल सुरक्षा और जल उपयोगकर्ता समितियों की जिम्मेदारी" कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने राज्य में प्रभावी जल प्रबंधन को प्राथमिकता बताया। उन्होंने बताया कि आंध्र प्रदेश माइक्रो-इरिगेशन में देश में अग्रणी है, और इसमें 1,031 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया गया है। ड्रिप इरिगेशन जैसी पहलों ने रायालसीमा को हॉर्टिकल्चर हब में बदल दिया है और भूजल स्तर 1.92 मीटर तक सुधरा है। नायडू ने हंद्री-नीवा सुजल श्रीवन्ती और पट्टिसीमा लिफ्ट इरिगेशन जैसी प्रमुख सिंचाई परियोजनाओं को श्रेय देते हुए कहा कि इनसे दूर-दराज क्षेत्रों तक पानी पहुंचता है। मुख्यमंत्री ने अमरावती को राज्य की एकमात्र राजधानी घोषित करते हुए पूर्व सरकार के तीन-राजधानी प्रस्ताव की आलोचना की। उन्होंने 2047 तक आंध्र प्रदेश को स्थायी विकास और प्रभावी शासन के माध्यम से शीर्ष प्रदर्शन करने वाला राज्य बनाने का अपना दृष्टिकोण दोहराया।

भाजपा स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया

कार्यकर्ताओं से लोकतंत्र की रक्षा का आह्वान

हैदराबाद, 6 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का 47वां स्थापना दिवस राज्य मुख्यालय में धूमधाम से मनाया गया।

इस अवसर पर तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन रामचंदर राव ने पार्टी का ध्वज फहराया और कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे जनता की आवाज बनें और लोकतंत्र की रक्षा में सक्रिय भूमिका निभाएं। साथ ही, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'विकसित भारत' के निर्माण में सहभागी बनने का आह्वान किया। रामचंदर राव ने कहा कि भाजपा आज दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक शक्ति बन चुकी है, जिसका श्रेय लाखों कार्यकर्ताओं के समर्पण और त्याग को जाता है। उन्होंने इसे केवल उत्सव का दिन नहीं, बल्कि देश पहले की विचारधारा के प्रति प्रतिबद्धता दोहराने का अवसर बताया। उन्होंने कहा कि पार्टी श्यामा प्रसाद मुखर्जी, दीनदयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेयी जैसे महान नेताओं की नींव पर आगे बढ़ रही है।

कार्यक्रम में पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, भाजपा के राष्ट्रीय नेता मुरलीधर राव, विधान परिषद में भाजपा के फ्लोर लीडर एवीएन रेड्डी, एमएलसी मल्का कोमुरैया और संगठन महासचिव चंद्रशेखर तिवारी सहित कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस बीच, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने फोन पर रामचंदर राव को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने तेलंगाना के लोगों और पार्टी कार्यकर्ताओं को भी बधाई दी और आगामी चुनावों में पार्टी को मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने विश्वास जताया कि भाजपा तेलंगाना में एक मजबूत विकल्प के रूप में उभर रही है और आने वाले समय में सत्ता में आने की संभावनाएं प्रबल हैं।

दृष्टिबाधित छात्र-छात्राओं ने किया अपनी कला का प्रदर्शन

लौकिका लहरी विजेता घोषित

हैदराबाद, 6 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। यूथ4जॉब्स और नॉट जस्ट आर्ट के सहयोग से विंड हॉर्स स्टूडियो द्वारा आयोजित 'उड़ान-ए-सुर' का ग्रैंड फिनाले बंजारा हिल्स के आशियाना कॉन्फ्रेंस हॉल में संपन्न हुआ। यह शाम संगीत और समावेशिता का जीवंत उत्सव रही, जिसमें 250 से अधिक दृष्टिबाधित छात्र-छात्राओं और उनके अभिभावकों ने भाग लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सामाजिक सशक्तिकरण की समर्थक माधवी लता और आईटी एवं उद्योग विभाग के विशेष मुख्य सचिव जयेश रंजन उपस्थित रहे। दोनों ने प्रतिभागियों के अनुशासन और असाधारण गायन प्रतिभा की प्रशंसा की। प्रतियोगियों का मूल्यांकन प्रतिष्ठित जूरी द्वारा किया गया, जिसमें प्रसिद्ध शास्त्रीय एवं पार्श्व गायिका हरिणी राव, संगीत निर्देशक कार्तिक बी कोडकंडला और संगीत प्रेमी चिकित्सा पेशेवर महेश जोशी शामिल थे। जूरी ने प्रतिभागियों के सुर और अभिव्यक्ति की सराहना की। यूथ4जॉब्स की संस्थापक मीरा शेनॉय ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य प्रतिभा को चमकने के लिए एक सम्मानजनक मंच प्रदान करना है। प्रदर्शन के बाद, सुश्री लौकिका लहरी को विजेता घोषित किया गया, जबकि श्री रेड्डप्पा चारी और सुश्री तेजस्वी अंदारी ने क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त किया। यह फिनाले यह साबित करता है कि दृढ़ संकल्प और प्रतिभा के संगम से कोई सीमा नहीं होती।

संकट के समय जिम्मेदार नागरिक का योगदान समाज के लिए प्रेरणा : सीपी

बालिका की सुरक्षा के लिए नायक बना युवक सम्मानित

हैदराबाद, 6 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस कमिश्नर वी.सी. सज्जनार ने महमद फिरोज नामक एक युवा को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया, जिसने अपनी तत्परता और साहस के कारण आठ वर्षीय बालिका को गंभीर संकट से बचाया। इसके साथ ही उन्हें नगद इनाम भी प्रदान किया गया। घटना 1 अप्रैल को अबिड्स इलाके में हुई। स्कूल से घर लौट रही बालिका को मेहदीपट्टनम हिल्स कॉलोनी का ऑटो चालक सलीम बहाने से अपनी ऑटो में बैठा ले गया और गोलकुंडा के एक सुनसान स्थान पर अश्लील रूप से प्रताड़ित करने का प्रयास किया। उसी समय मस्जिद से बाहर निकल रहे फिरोज ने ऑटो में बालिका के रोते हुए होने को देखा। संदेह होने पर उन्होंने तुरंत ऑटो को रोककर बालिका से बात की। बालिका ने बताया कि ड्राइवर उसके साथ अश्लील व्यवहार कर रहा है। फिरोज ने तुरंत ऑटो चालक को रोका, जिसके बाद आरोपी बालिका को वहीं छोड़कर फरार हो गया। फिरोज ने बालिका के आईडी कार्ड पर मौजूद फ़ोन नंबर के माध्यम से उसके पिता को सूचना दी। इसी बीच स्कूल के पास बालिका के माता-पिता चिंता में थे। घटना की जानकारी मिलने पर अबिड्स पीएस के ब्लू कोट्स कांस्टेबल साईकृष्ण और केदार सिंह तुरंत गोलकुंडा पहुंचे और बालिका को सुरक्षित रूप से माता-पिता के हवाले किया। पुलिस ने आरोपी सलीम को 2 अप्रैल को गिरफ्तार किया और ऑटो को जब्त कर रिमांड पर भेजा।

सीपी वी.सी. सज्जनार ने कहा कि संकट के समय जिम्मेदार नागरिक का योगदान समाज के लिए प्रेरणा है। उन्होंने फिरोज की तत्परता और साहस की सराहना करते हुए कहा कि हर व्यक्ति को ऐसा साहस और समयस्फूर्ति अपनानी चाहिए। उन्होंने ब्लू कोट्स कांस्टेबल साईकृष्ण और केदार सिंह को भी विशेष रूप से उनके कुशल और जिम्मेदार कार्य के लिए अभिनंदन किया। सम्मान समारोह में अतिरिक्त सीपी तफसीर इकबाल, जॉइंट सीपी एन. श्वेत, डीसीपी के. शिल्पावली, एस. श्रीनिवास, आईपीएस, लावण्या नायक जादव, एएसपी अबिड्स पी. प्रवीन कुमार समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

गंभीर चोटों के इलाज पर कार्यशाला

200 डॉक्टरों को मिला प्रशिक्षण

हैदराबाद, 6 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। ओस्मानिया मेडिकल कॉलेज, तेलंगाना ऑर्थोपेडिक सर्जन्स एसोसिएशन, ट्विन सिटीज ऑर्थोपेडिक सोसाइटी और मेडिकोवर हॉस्पिटल्स, सिकंदराबाद के संयुक्त तत्वावधान में पेल्विक और एसिटाबुलम ट्रॉमा केयर पर एक विशेष शैक्षिक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में देशभर से आए विशेषज्ञ डॉक्टरों ने हिस्सा लिया और करीब 200 युवा अस्थि रोग विशेषज्ञों को व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। इसका उद्देश्य गंभीर चोटों के इलाज में सर्जनों की दक्षता बढ़ाना था।

आयोजन सचिव डॉ. उदय कृष्ण मायनेनी ने बताया कि श्रोणि और नितंब से जुड़ी चोटें बेहद गंभीर होती हैं और अगर मरीज को छह घंटे के भीतर इलाज नहीं मिलता है तो जान का खतरा बढ़ जाता है। कार्यशाला का मकसद डॉक्टरों को ऐसे आपातकालीन हालात से निपटने के लिए तैयार करना था, ताकि 'गोल्डन आवर' में अधिक से अधिक मरीजों की जान बचाई जा सके। कार्यक्रम में डॉ. पी.एल. श्रीनिवास और चंडीगढ़ के वरिष्ठ सर्जन डॉ. रमेश कुमार सेन ने प्रशिक्षण सत्रों का नेतृत्व किया। साथ ही लोगों से सड़क सुरक्षा का पालन करने और नशे में वाहन न चलाने की अपील भी की गई।

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

भगारामजी मुलेवा

श्री आईजी सेवा संघ चिरियाल बंड्लागुड़ा के अध्यक्ष बनने पर हार्दिक बधाई एवं उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं

* शुभकामनाओं सहित *

भंवरलाल, बाबूलाल, पुखराज, लिकमाराम, मोहनलाल, गोपाराम, कानाराम, धर्माराम, सोहनलाल, ओमप्रकाश एवं समस्त मुलेवा परिवार

AAIMAA ADS

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.